



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 10, 1974/श्रावण 19, 1896
No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 10, 1974/SRAVANA 19, 1896

इस भाग में सिर्फ पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
केंद्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

**Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)**

भारत निर्वाचन आयोग

आदेश

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1974

का० प्रा० 1967—यत, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 का दृष्टि दृष्टिगोचर विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 13-नीलोखेड़ी निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री बंवल नैन मिह, ग्राम परबना, पो० सोकरा, जिला करनाल, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है।

और यत उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्ध सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण प्रस्तुत नहीं किया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्याख्यान नहीं है।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री बंवल नैन मिह का संगत के किसी भी सदस्य के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए, इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की अलावाधि के लिए, निर्वाचित घोषित करता है।

[स० दृष्टि-वि० सं०/13/72(17)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA
ORDER

New Delhi, the 2nd July, 1974

S.O. 1967.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kanwal Nain Singh, Village Pokhana, Post Office Sonkra, District Karnal (Haryana) a contesting candidate for General Elections to the Haryana Legislative Assembly held in March, 1972 from 13-Nilokheri constituency has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act 1951 and the Rules made thereunder;

2 And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

3. Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kanwal Nain Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. HN-LA/13/72(17)]

आदेश

नई दिल्ली 8 जुलाई, 1974

का० प्रा० 1968—यत, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में दृष्टि दृष्टिगोचर विधान सभा के निर्वाचन

के लिए 17-अगस्ती (प्र० 710) सभा निर्वाचन क्षेत्र में चुना जाने वाले उम्मीदवार श्री धन्नालाल, ग्राम कुन्दपुरा, पोस्ट सांगानेर, जिला जयपुर (राजस्थान) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वर्धित बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है ;

और, यत् उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्ध सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री धन्नालाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[स० राज०-वि० सं०/17/72(31)]

ORDER

New Delhi, the 8th July, 1974

S.O. 1968.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dhanna Lal, Village Kundanpura, Post Sanganer, District Jaipur, Rajasthan, a contesting candidate for General Elections to the Rajasthan Legislative Assembly held in March 72 from 47-Bassi (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the people Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now therefore, pursuant of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dhanna Lal to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state for a period of three years from the date of this order.

[RI-LA/47/72(34)]

आदेश

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1974

का० प्रा० 1969.—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 295 खरसबा निर्वाचन-क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री देवी लाल माटिसीय, ग्राम नारायणपुर, पो० ग्रामदा, जिला मिहभम लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वर्धित बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे है ;

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्ध सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और,

निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा-10 क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री देवीलाल माटिसीय को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान

परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[स० बि०-आर०-वि० सं०/195/72(60)]

ORDER

New Delhi, the 12th July, 1974.

S.O. 1969.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Devital Matisoy, Village Narninpur, P. O. Amda District Singhbhum (Bihar) who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 295-Kharavan Constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Devital Matisoy to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/295/72(60)]

आदेश

नई दिल्ली, 14 जुलाई, 1974

का० प्रा० 1970—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 91-कैवटीरनवे वाले उम्मीदवार श्री के० रहमान, मुहल्ला बाकगंज, पो० लहेरियासराय, जिला दरभंगा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वर्धित बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई लेखा दाखिल करने में असफल रहे है ,

और, यत्, उक्त उम्मीदवार ने उसे सम्बन्ध सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री के० रहमान को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[स० बिहार-वि० सं० 191/72(61)]

ORDER

New Delhi, the 19th July, 1974

S.O. 1970.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. Rahman, MoEalla Bakarganj, P.O. Laheriasarai, District Darbhanga who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 91-Kootiranway constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now therefore in pursuance of section 10 A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri

*K. Rahman to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state for a period of three years from the date of this order.

[BR-LA/91/72 (61)]

आदेश

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1974

का० आ० 1971—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1971 में हुए उड़ीसा विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 83-लक्ष्मीपुर (अ० ज० जा०) निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गोपीनाथ सांता, ग्राम पोडापोदर, पो० काकीरीगुमा, जिला कोरापुत, उड़ीसा, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदर्थीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा दिए गए अभ्यावेदन पर विचार करने के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री गोपीनाथ सांता को समय के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० उड़ी०-वि०स०/83/74]

ए० एन० सेन, सचिव।

ORDER

New Delhi, the 20th July, 1974

S.O. 1971.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Gopinath Saunta, Village Podapodar, P. O. Kakiriguma, District Koraput, Orissa a contesting candidate for election to the Orissa Legislative Assembly from 83-Lakshmi-pur (ST) constituency, held in February, 1974 has failed to lodge an account of his election expenses within the time and in the manner required by the Representation of the people Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of Section 10A of the said Act, the election Commission hereby declares the said Shri Gopinath Saunta to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/83/74]

A. N. SEN, Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 12 जुलाई, 1974

का० आ० 1972.—यतः निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च 1972 में हुए कर्नाटक विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 121-गन्काग निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमन्त पो० सा० रोसी जॉन, रेग कोर्म रोड, मरकाग, कर्नाटक राज्य लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदर्थीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित

अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रही है,

और, यतः उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पर्क सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमन्त पो० सा० रोसी जॉन को समय के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० मैसूर-वि०स०/131/72]

ORDER

New Delhi, the 12th July, 1974

S.O. 1972.—Whereas the Election Commission is satisfied that Smt. P. C. Rosy John, Race Course Road, Mercara, Karnataka State, a contesting candidate for the general election held in March, 1972 to the Karnataka Legislative Assembly from 121-Mercara constituency, has failed to lodge any account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Smt. P. C. Rosy John to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MY-LA/121/72]

आदेश

नई दिल्ली, 17 जुलाई, 1974

का० आ० 1973.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए आंध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 255-नेरेल्ला (अ० ज०) निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री करिल्ला नरमहया, पो० मलकापेट, निरमिल्ला तालुक, करीमनगर जिला, (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदर्थीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पर्क सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री करिल्ला नरमहया को समय के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० आ० प्र०-वि०स०/255/72]

वी० नागमुत्रमथ्यन, सचिव

ORDER

New Delhi, the 17th July, 1974.

S.O. 1973.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Karrella Narsiah, Post Malkapet, Sircilla Taluk, Karimnagar District (Andhra Pradesh), a contesting candidate for the general election held in March 1972 to the Andhra Pradesh Legislative Assembly from 255-Nerella (SC) constituency, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Karrella Narsiah to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state for period of three years from the date of this order.

[F. No. AP-LA/255/E-72]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

विधि, न्याय व कंपनी कार्य मंत्रालय

नोटिस

नई दिल्ली 24 जुलाई, 1974

का०आ० 1974.—इसके द्वारा, मुख्य प्रमाणक नियम (नोटरीज रूल्स), 1956 के नियम 6 के अनुसार सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्राधिकारी को श्री मोहिन्दर सिंह अधिवक्ता 277, सदागट, जलंधर (पंजाब) ने उक्त नियमों के नियम 4 के अधीन, जलंधर में मुख्य प्रमाणक (नोटरी) का काम करने की नियुक्ति के लिये आवेदन-पत्र भेजा है।

उक्त व्यक्ति की मुख्य प्रमाणक के रूप में नियुक्ति के बारे में यदि कोई आपत्तियां हों तो वे इस नोटिस के प्रकाशित होने के चौदह दिन के अन्दर नीचे हस्ताक्षर करने वाले को लिख कर भेज दिये जायें।

[सं० 22/22/74-न्याय]

एल० डी० हिन्दी, सक्षम प्राधिकारी तथा उप सचिव।

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(Department of Justice)

NOTICE

New Delhi, the 24th July, 1974

S.O. 1974.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Mohinder Singh, Pleader, 277, Saidan Gate, Jullundur City (Punjab) for appointment as a Notary to practise in the local area of Jullundur.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 22/22/74-Jus.]

L. D. HINDI, Competent Authority & Dy. Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1974

का०आ० 1975.—केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 (1856 का 74) की धारा 8 की उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने

हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के गृह मंत्रालय में अधिसूचना संख्या का० आ० 7 तारीख 22 दिसम्बर, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना के उपाबंध में “प्रमाणपत्र” के प्ररूप के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् —

“प्रमाणपत्र का प्ररूप”

प्रमाणित किया जाता है कि निम्नलिखित मान्य अर्थशास्त्रज्ञ, उष्ण कटिबंध के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्था को पर..... द्वारा जा..... में व्यवसायी है, जिसका व्यापार का स्थान दिल्ली के मधु क्षेत्र में..... पर है बंघा गया था। मान्य का विवरण —

कैश मेमो/

बिल संख्या

रकम

स्थान.....

तारीख.....

हस्ताक्षर.....

पद.....

[सं० यू-15034/19/73-दिल्ली]

जी० के० भनोट, संयुक्त सचिव।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 24th July, 1974

S.O. 1975.—In exercise of the powers conferred by sub-section (5) of section 8 of the Central Sales Act, 1956 (74 of 1956), the Central Government hereby makes the following amendment in notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. S. O. 7, dated the 22nd December, 1973, namely :—

In the Annexure to the said notification, for the form of “Certificate” the following shall be substituted namely :—

“Forms of Certificate”

Certified that the following goods were sold to the International Crops Research Institute for the Semi-Arid Tropics on by dealer in having his place of business at in the Union Territory of Delhi.

Description of goods.	Cash Memo/ Bill No.	Amount
-----------------------	------------------------	--------

Place Signature.....

Date..... Designation.....

[No. U-15034/19/73-Delhi]

G. K. BHANOT, Joint Secy.

रक्षा मंत्रालय

(नौसेना शाखा)

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1974

का० आ० 1976—नाक परिसर (अप्राधिकृत-अधिमोसी बेवखन्दी) अधिनियम, 1971 (1971 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्न सारणी के स्वम्भ 1 में उल्लिखित अधिकारियों को, सरकार के राजपत्रित अधिकारी होने के कारण, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है और यहाँ निदेश देती है कि उक्त अधिकारी प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा उक्त सारणी के स्वम्भ 2 में तत्काल प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट नाक परिसरों के बारे में उनकी अपनी-अपनी अधिकारिता

के स्थानीय सीमाओं के भीतर, उक्त अधिनियम के द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों पर अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करने।

अधिकारियों के पदनाम	लाभ परिचरों के प्रयोग तथा उनकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाएं
1	2
पश्चिमी नौसेना कमान :	
फ्लैग-आफिसर-कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौसेना कमान, बम्बई	रक्षा मंत्रालय के प्रशासकीय नियंत्रण के अधीन उनकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं में स्थित परिसर।
एडमिरल अधीक्षक, नौसेना डाकघर, बम्बई	रक्षा मंत्रालय के प्रशासकीय नियंत्रण के अधीन पवाई कालोनी स्थित परिसर, जिसके अन्तर्गत नौसेना आयुध डिपो ट्राम्पे, एस० पी० डी० सी० मन्सुर्दे, चौथा कैम्प, डब्ल्यू ई० डी० मन्सुर्दे एन० ए० डी० करजा और एन० एस० डी० घाटकोपर भी है।
फ्लैग आफिसर-कमांडिंग-इन-चीफ पश्चिमी नौसेना कमान बम्बई के कार्यालय में चीफ स्टाफ अफसर (पी० एण्ड ए०)	उसके एफ०-ओ०-सी०-एन०-सी० की स्थानीय सीमाओं में स्थित रक्षा मंत्रालय के अपने या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अध्यपेक्षित परिसर।
कमोडोर, नौसेना बैरक, बम्बई	उसकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं में स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रशासकीय नियंत्रण के अधीन परिसर।
भारतीय नौसेना पोत बालपुरा, भारतीय नौसेना पोत शिवाजी, भारतीय नौसेना पोत हमरा और भारतीय नौसेना पोत इण्डिया के कमांडिंग अफसर	उनके अपनी-अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर स्थित रक्षा मंत्रालय के प्रशासकीय नियंत्रण के अधीन परिसर।
भारतीय नौसेना पोत, ज्ञाता	निम्नलिखित क्षेत्रों में और भारतीय नौसेना पोत क्षेत्रों की अधिकारिता में रक्षा मंत्रालय के अपने या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अध्यपेक्षित परिसर -
	(i) कालाबा प्वायट कोस्ट बैटरी
	(ii) नौसेना कोस्ट बैटरी बोर्ली
	(iii) ओपेस्टर रोक बैटरी
	(iv) मिडल ग्राउण्ड बैटरी।
मन्सुर्दे और करजा स्थित कोर्टन टैक्नीकल पोलीशन	उसकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं में रक्षा मंत्रालय के अपने या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अध्यपेक्षित परिसर।
नौसेना प्रभारी आफिसर, काड्डियावाड	उसकी अधिकारिता की स्थानीय-सीमाओं में रक्षा मंत्रालय के प्रशासकीय-नियंत्रण के अधीन स्थित परिसर

आफिसर कमांडिंग 31 वायरलेस एडम-वेरीमेटल यूनिट थाना

उसकी अधिकारिता की स्थानीय-सीमाओं में स्थित रक्षा मंत्रालय के अपने या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अध्यपेक्षित परिसर।

पूर्वी नौसेना कमान :

फ्लैग-आफिसर-कमांडिंग-इन-चीफ, पूर्वी नौसेना कमान विशाखापटनम।

उसकी अधिकारिता की स्थानीय-सीमाओं में स्थित रक्षा मंत्रालय के अपने या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अध्यपेक्षित परिसर।

नौसेना प्रभारी आफिसर मद्रास, कलकत्ता, अण्डमान एवं निकोबार, पाटं ज्येयर।

उसकी अपनी-अपनी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं में स्थित रक्षा मंत्रालय के अपने या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अध्यपेक्षित परिसर।

दक्षिणी नौसेना एरिया

फ्लैग अफसर कमांडिंग दक्षिणी नौसेना एरिया, कोचीन

उसकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर जिसके अन्तर्गत अलवार क्षेत्र भी है, रक्षा मंत्रालय के अपने या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अध्यपेक्षित परिसर।

नौसेना प्रभारी आफिसर, गोवा।

उसकी अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं में स्थित रक्षा मंत्रालय के अपने या उसके द्वारा या उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए या अध्यपेक्षित परिसर।

कमांडिंग आफिसर, भा० नौ० पोत अरवली

यक्षेत्र

मुम्बई हाइड्राग्राफ

यक्षेत्र

[न० एक 24/2/74/डी/कोआर्डे]

एन० एन० गुप्ता, अवर सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

Navy Branch

New Delhi, the 29th July, 1974.

S.O. 1976.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being gazetted officers of Government, to be estate officers for the purposes of the said Act and further directs that the said officers shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act within the local limits of their respective jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entries in column (2) of the said Table.

Designation of officers	Categories of Public premises and local limits of Jurisdiction
(1)	(2)

Western Naval Command :

The Flag Officer Commanding-in-Chief, Western Naval Command Bombay

Premises under the administrative control of the Ministry of Defence situated with the local limits of his jurisdiction.

(1)	(2)	(1)	(2)
Admiral Superintendent, Naval Dockyard, Bombay	Premises under the administrative control of the Ministry of Defence situated at Pawai Colony including Naval Armament Depot, Trombay, SPDC Mankhurd, Cheetah Camp, WED Mankhurd, NAD Karanja and NSD Ghatkopar.	Southern Naval Area :	
Chief Staff Officer (P & A) in the office of the Flag Officer Commanding-in-Chief, Western Naval Command Bombay.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned, by or on behalf of the Ministry of Defence, situated within the local limits of his I-OC-in-C.	The Flag Officer Commanding, Southern Naval Area, Cochin.	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned, by or on behalf of the Ministry of Defence situated within the local limits of jurisdiction including Alwaye Area.
Commodore, Naval Barracks, Bombay.	Premises under the administrative control of the Ministry of Defence situated within the local limits of his jurisdiction.	The Naval Officer-in-Charge Goa	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned, by or on behalf of the Ministry of Defence situated within the local limits of his jurisdiction.
Commanding Officers of INS Valsura, INS Shivaji, INS Hamla and INS India	Premises under the administrative control of the Ministry of Defence situated within the local limits of their respective jurisdiction.	The Commanding Officer INS AGRANI	-do-
Commanding Officer INS Trata	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned, by or on behalf of the Ministry of Defence in jurisdiction of INS Trata and in the undermentioned areas :—	The Chief Hydrographer	-do-
	(i) Colaba Point Coast Battery		
	(ii) Naval Coast Battery Worli		
	(iii) Oyster Reack Battery		
	(iv) Middle Ground Battery.		
Captain Technical position at Mankhurd and Karanja	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned, by or on behalf of the Ministry of Defence situated within the local limits of his jurisdiction.		
NOIC Kathiawar	Premises under the administrative control of the Ministry of Defence situated within the local limits of his jurisdiction.		
Officer Commanding, 31 Wireless Experimental Unit, Thana	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned, by or on behalf of the Ministry of Defence situated within the local limit of his jurisdiction.		
Eastern Naval Command :			
The Flag Officer Commanding-in-Chief, Eastern Naval Command, Visakhapatnam	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned, by or on behalf of the Ministry of Defence situated within the local limits of his jurisdiction.		
Naval Officers'-in-Charge, Madras, Calcutta, Andamans & Nicobars, Port Blair	Premises belonging to, or taken on lease, or requisitioned, by or on behalf of the Ministry of Defence situated within the local limits of their respective jurisdiction.		

[No. 24/2/74/D (Coord.)]

N. L. GUPTA, Under Secy.

विन मन्त्रालय
(राजस्व और वीमा विभाग)
आयकर
नई दिल्ली, 29 मई 1974

कां.प्रा. 1977.—हेन्ड्रींग सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए, श्री टी.एन. शर्मा को जा केन्द्रीय सरकार के राजस्व विभाग में उक्त अधिनियम के अधीन कर-वसुली अधिकारी की शक्ति का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 अधिसूचना सं. 23 (फाइल सं. 404/24/71-आई.टी.सी.सी.) तारीख 8 फरवरी, 1971 के अधीन की गई श्री टी.एन. शर्मा की नियुक्ति उस तारीख से रद्द की जाती है जिसे तारीख की श्री टी.एन. शर्मा उनसे प्रभार ग्रहण करें।

3 यह अधिसूचना श्री टी.एन. शर्मा द्वारा प्रसार ग्रहण करने की तारीख से प्रवृत्त होगी।

[सं. 634 (फाइल सं. 404/12/74-आई.टी.सी.सी.)]

टी.आर. अगारवाल, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

INCOME TAX

New Delhi, the 29th May, 1974

S.O. 1977.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri T. N. Sharma who is a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri B. D. Narang made under Notification No. 23 (F. No. 404/25/71-ITCC) dated 8th February, 1971 is cancelled with effect from the date Shri T. N. Sharma takes over from him.

3. This notification shall come into force with effect from the date Shri T. N. Sharma takes over.

[No. 634 (F. No. 404/12/74-ITCC)]

T. R. AGGARWAL, Dy. Secy.

भाषा

संस्था

नई दिल्ली, 27 जून 1974

को. सं. एम. ए. एम्प्लॉय एण्ड से. नो. एम. ए. मन्त्रालय काज रिजल
मासायटी मुम्बई।

[सं. 671 (फा. सं. 203/53/74-आई. टी. II)]

मदन किशोर पंडेय, अवर सचिव

Income tax

New Delhi, the 10th July, 1974

S.O. 1980.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961

INSTITUTION

K. F. M. Hospital and Seth G. S. Medical College Research Society, Bombay.

[No 671 (F No 203/53/74-ITA II)]

M. K. PANDEY, Under Secy

आवश

स्टाम्प

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1974

का. आ 1981—केंद्रीय सरकार, भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899, (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सिटी एण्ड इंडीस्ट्रियल डेवलपमेन्ट कारपोरेशन आफ महाराष्ट्र लिमिटेड मुम्बई को, उक्त कारपोरेशन द्वारा जारी किए गए तीन सौ पचासी लाख रुपए के अंकित मूल्य के सी आई डी सी ओ डिबेंचर—1989 पर स्टाम्प-शुल्क गद्दे प्रभार्य केवल दो लाख, अठासी हजार सात सौ और पान रुपए का समीकित स्टाम्प-शुल्क सदाय करने की अनुज्ञा देती है।

[सं. 23/74-स्टाम्प का स 471/34/74-सीमा शुल्क 7]

जे गमकृष्णन, अवर सचिव

ORDER

Stamps

New Delhi, the 10th August, 1974

S.O. 1981.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the City and Industrial Development Corporation of Maharashtra Limited Bombay, to pay consolidated stamp duty of two lakhs, eight eight thousand and seven hundred and fifty rupees only, chargeable on account of the stamp duty on CIDCO debentures—1989 of the face value of three hundred and eighty five lakhs of rupees issued by the said Corporation

[No 23/74 Stamps (F No 471/34/74 Cus VII)]

T. RAMAKRISHNAN, Under Secy

(Income Tax)

New Delhi the 27th June 1974

S.O. 1978—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Arulmigu Meenakshi Sundreswarai Tirukoil Temple, Madurai to be a place of public worship of renown for the purpose of the said section

[No 661 F No 176/31/74-IT (AI)]

नई दिल्ली 6 जुलाई 1974

का. आ. 1979 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80G की उपधारा (2) (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केंद्रीय सरकार उक्त धारा के प्रयोजन के लिए श्री कृष्ण जन्म भूमि न्याम, मथुरा का उत्तर प्रदेश राज्य में सर्वद्व ऐतिहासिक महत्व का तथा विख्यात लोकपूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[सं. 670 फा. सं. 176/30/74-आई. टी. II (ए. आई. II)]

वी. बी. श्रीनिवासन, अवर सचिव

(Income-Tax)

New Delhi the 6th July, 1974

S.O. 1979—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) (b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies Shri Krishna Janam Bhoomi Trust Mathura to be of historic importance and to be a place of public worship renowned throughout the State of Uttar Pradesh for the purposes of the said section

[No 670 F No 176/30/74 IT AI]

V. B. SRINIVASAN Under Secy

(आयकर)

नई दिल्ली 10 जुलाई 1974

का. आ. 1980—सर्वसाधारण की जानकारी के लिये यह अधिसूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित संस्था को भारतीय विधिकता अनुसंधान परिषद लिमिटेड प्राधिकारी द्वारा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खड (ii) के प्रयोजन के लिये अनुमोदित किया गया है।

रि । भत्ता-११

(प्रशासनिक कार्य विभाग)

(भारतीय पूर्ण अक्षय निधि के कोषपाल का कार्यालय)

नई दिल्ली, 15 जन, 1974

का. आ. 1982 - भारतीय पूर्व अन्तर विधि के कोषात या उसके अधिनियमों के द्वारा पूर्व अन्तर विधि अधिनियम, 1890 (1890 का 6) के अधीन 31 मार्च, 1971 को लागू पूर्व अन्तर विधि (कैप्रीग) में सम्बन्धित गमतियाँ और प्रतिभृतियों का सूची तथा 1973-74 के लेखों का माराण सामान्य जानकारी के लिए नीचे प्रकाशित किया जा रहा है

भाग 1--प्रतिष्ठितियों से भिन्न सम्प्रदायों की सूची

क्रम	निधान आदेश का व्योम	अश्वय निधि का नाम	गम्पानि के प्रशासक	धारित सम्पत्ति			टिप्पणी	
संख्या	संख्या	दिनांक		विवरण	मूल्य	आधिक आय यदि मालूम हो		
1	2	3	4	5	6	7	8	9
भारत								
1	स्वास्थ्य मन्त्रालय अधिसूचना संख्या एफ० 1-3(2)/53-एम०-1, त्रिगमे स्वास्थ्य मन्त्रालय की अधिसूचना संख्या 1-2/61 एम० II (एम० ई० द्वारा यथा संशोधित):	12-6-1953 <						

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2. स्वास्थ्य मंत्रालय अधिसूचना संख्या एफ 14-26-61— इस्टिट्यूट]	31-8-1962	पास्वर इस्टिट्यूट आफ इंडिया	पास्वर इस्टिट्यूट आफ इंडिया के मध्य के प्रशासन	(1) एन्टीरेबीज रिमर्च सेंटर (2) लेडी लिननिथो सैनिटोरियम (3) गैस्टन लाज कसौली	कसौली की इमारत	मालूम नहीं	मालूम नहीं	
3. रक्षा मंत्रालय अधिसूचना सं० एम० आर० प्रो० 250	19 जुलाई, 1960	कमाला तथा उदयपुरी रिथन कुमाऊ रैजीमेंटल फार्म की फार्म निधि	निधि का प्रशासन बोर्ड	कमाला तटस्थील कालावरी, जिगा नैनीताल 1. भूविद्यालय (30 फीट 24 फीट) 2. धर्मिया लाज (30 फीट 24 फीट) 3. अतिथि गृह नं० 1 (30 फीट 35 फीट) 4. अतिथि गृह नं० 2 (28 फीट 26 फीट)	4,000 4,000 5,000 3,500	तबैय		
महाराष्ट्र								
1. जी० आई० एच० डी० शिक्षा, संख्या 433	27 मई, 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान	बम्बई का कलेक्टर श्री नारायण दत्तात्रेय सिमर और श्री नवल एच० टाटा	“बिकटोरिया बिल्डिंग”—पूर्ण स्वामित्व—(फो-होल्ड) की बहू सारी भूमि जो फोर्ट में पार्सी बाजार रूट्री के पूर्व में एन्फिन्टन सिकल पर था उसके बराबर में स्थित है। इसमें घाटिका गृह, वाम गृह और इसारतें शामिल हैं जिसे “बिकटोरिया बिल्डिंग” कहा जाता है। इसका क्षेत्रफल 482-3/4 वर्ग गज है।	मालूम नहीं	तदेय		
2 और 3	तदेय	तदेय	तदेय	“एन्विजन प्लेस और एलेग्जेन्डरा टेरेम—भूमि का बहू सारा भाग जो पुरेय रोड के पूर्व में भायखला में स्थित है। इसमें घाटिका गृह, वाम गृह और इसारतें अहांते में बन मौकर-चाकरों के मकान और अस्तबल शामिल हैं, जिन्हें	तदेय	तदेय		

1	2	3	4	5	6	7	8	9
					एल्वियम प्लेस और अलेग्जेंडरा टेरेस कहा जाता है, इसका क्षेत्र- फल 11,104 वर्ग गज है।			
तथा 3-क	जी० आई० एच० डी० शिक्षा] संख्या 433	27 मई, 1909 भारतीय विज्ञान संसदी का कले- संस्थान	कटर श्री नारा- यण वत्सालेय मिस्टर और श्री नयन एच० टाटा	भायखला के निकट परेल रोड जिसे अब रा० अम्बेडकर रोड के नाम से पुकारा जाता है, के पूर्वी ओर 11,104 वर्ग गज भूमि पर होटल हैरिटेज नामक एक नई इमारत का निर्माण।	19,00,000.00	1,88,120.00		
4 और 5	तदेव	तदेव	तदेव	‘रे हाउस’ और ‘सेंडहर्स्ट हाउस’ बम्बई द्वीप में, अपोलो रिक्लेमेशनल पर स्थित भूमि का पट्टे पर मिला हुआ वह टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 2004-8/9 वर्ग गज है और जिस पर “रे हाउस” और “सेंडहर्स्ट हाउस” नामक दो इमारतें बनी हुई हैं।	मासूम नहीं	मासूम नहीं		
6 और 7	तदेव	तदेव	तदेव	“रुजवैल्ट या एजरा हाउस”—पट्टे पर मिली भूमि का वह सारा टुकड़ा जो अपोलो रिक्लेमेशन पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 533.3/9 वर्ग गज है और जिस पर “रुज- वैल्ट हाउस या एजरा हाउस नामक इमारतें बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 573.3/5 वर्ग गज का पट्टे पर ली गई भूमि का वह टुकड़ा भी जो बम्बई द्वीप में अपोलो रिक्लेमेशन पर स्थित है।	तदेव	तदेव		
8 और 9	तदेव	तदेव	तदेव	“बारजेंट हाउस और जेफिन्स हाउस—बम्बई द्वीप में अपोलो रिक्लेमेशन पर स्थित 3487-2/9 वर्ग गज का भूमि का वह टुकड़ा	तदेव	तदेव		

1	2	3	4	5	6	7	8	9
					जिस पर सारजेट हाउस और जकिन्स हाउस नामक इमारतें स्थित हैं।			
10. जी० आई० एच० डी० शिक्षा सभ्यता 433	27 मई, 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान	बम्बई का कलेक्टर श्री नागायण दत्तात्रेय गिरूर और श्री मवल एच० टाटा	“न्यू शामजी विलिके- गम जिसे घब स्टेशन टरेमिस स्लीटर रोड” कहा जाता है फोरस टन्यार की लगभग 2,290 वर्ग गज की भूमि, जिस का कई वाटिका गृह, बास गृह या रिहायशी मकान बने हुए हैं, जिन्हें न्यू शामजी, बिल्डिंग्स कहा जाता था परन्तु वर्तमान नान-स्टेशन टरेस है तथा यह बम्बई में स्लीटर रोड के वर्षिण में स्थित है।	माफूस नहीं	माफूस नहीं		
11. तवेव	तवेव	तवेव	तवेव	“केन्डी हाउस” पट्टे पर मिली हुई भूमि का वह टुकड़ा जो बम्बई द्वीप में अपोलो रिक्ले- मेशन पर स्थित है, जिस का क्षेत्रफल लग- भग 529-6/9 वर्ग गज है और जिसे “केन्डी हाउस” कहा जाता है।	तवेव	तवेव		
12 और 13	तवेव	तवेव	तवेव	“एल्वियन प्लेस और अलेग्जेन्ड्रा टरेस” के निकट भूमि का वह टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 8,570 वर्ग गज है और जो बम्बई के कलेक्टर द्वारा बम्बई शहर में परेल रोड पर भायखला में स्थित भूमि खंड के साथ पंजीकृत है, इसमें वाटिका गृहवास गृह और रिहायशी मकान शामिल हैं। इसे “एल्वियन प्लेस और अलेग्जेन्ड्रा टरेस” के निकट की भूमि कहा जाता है।	तवेव	तवेव	बम्बई शहर के लिए भूमि अधि- ग्रहण अधिकारी ने 107-8/9 वर्ग गज भूमि को अधिगृहीत कर लिया है।	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
14.	तदेव	तदेव	तदेव	तदेव	“परेल टैंक रोड पर स्थिति भूमि” (1) लगभग 67,057 वर्ग गज भूमि का वह टुकड़ा जिसमें से 7021 वर्ग गज सरकारी टोका भूमि और 2189 वर्ग गज सरकारी भूमि जिसका हाल ही में निर्धारण किया गया है, शामिल है और शेष इनाम भूमि है जो परेल में परेल गवर्नमेंट टैंक को जाने वाली मार्ब-जनिक सड़क पर स्थित है जिसे परेल टैंक रोड स्थित भूमि (बागे श्री हिल) कहा जाता है।	मालूम नहीं	मालूम नहीं	74,686 वर्ग गज भूमि में से 15,575.80 वर्ग गज भूमि टाटा हार्डवेयर लि. के लिए प्रेषण लाइने बिछाने और अन्य निर्माण कार्य करने के लिए भूमि अभिग्रहण अधिनियम के अन्तर्गत सरकार द्वारा अभिगृहीत कर ली गई तथा 37471.52 वर्ग गज भूमि बाद में 1922 में भूमि अभिग्रहण अधिकारी द्वारा अभिगृहीत कर ली गई।
					(2) परेल स्थित, इनाम भूमि का खाली पड़ा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 6005 वर्ग गज है।			
					(3) गवर्नमेंट टोका भूमि का खाली पड़ा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 1058 वर्ग गज है और जो बम्बई नगर में परेल पर गोलांकी हिल रोड पर और उसके दक्षिण में स्थित है।			
					(4) सरकारी टोका भूमि का खाली पड़ा टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल लगभग 566 वर्ग गज है और जो बम्बई नगर में परेल पर गोलांकी हिल रोड पर और उसके दक्षिण में स्थित है।			परेल टैंक रोड पर स्थित भूमि का एक भाग सी० एम० संख्या 1/202 पार्ट जिसका क्षेत्रफल 2043 88 वर्ग गज है और सी० एम० संख्या 203 पार्ट जिसका क्षेत्रफल 623.33 वर्ग गज है, बम्बई

1	2	3	4	5	6	7	8	9
								नगर निगम ने भूमि अधिग्रहण अधिनियम (1894 का पहला) की धारा 12 (2) के अधीन एक जलाशय के निर्माण के लिए अधिग्रहीत कर लिया था।
15	जी०आई०एच० डी० शिक्षा स० 433	27 मई 1909	भारतीय विज्ञान संस्थान	बम्बई का कलक्टर श्री नारायण दत्तात्रेय सिन्हा और श्री नवल एच० टाटा	बम्बई नगर और रजिस्ट्रेशन उपजिले में कोलाबा रोड के पश्चिम में स्थित भूमि का वह साग दुकान जिसका क्षेत्रफल लग- भग 2020 वर्गगज है और जिसकी हवेली इस प्रकार है :— उत्तर में या उत्तर की ओर सर करीम- भाई इब्राहिम बारो- नेतसी न्यास के न्यासियों की संपत्ति, दक्षिण में या दक्षिण की ओर पुलिस चौकी की मड़क, पूर्व में या पूर्व की ओर कोलाबा रोड, पश्चिम में या पश्चिम की ओर बोडहाउस रोड। यह भूमि बम्बई के कलक्टर की किताबों में रेट रोल संख्या 8509 पर दर्ज है और इसकी कोलाबा प्रभाग की बन्दोबस्त सर्वेक्षण संख्या 48 है। इसमें उस भूमि पर खनी इमारतें और अन्य ढाँचे शामिल हैं। इनका निर्धारण बम्बई नगर पालिका द्वारा अर्बाई संख्या 213 और 214 और क्रमशः कोलाबा रोड और बोडहाउस रोड की गली संख्या 158 और 125 तथा लोअर कोलाबा रोड की गली संख्या 154 के अंतर्गत किया गया है।	18,44,108.28	199,675.08र०	

1	2	3	4	5	6	6	8	9
16.	जी० आर० ई० डी०सख्या 452	7 मार्च 1906	सर जमशेदजी जेजीभाई पारसी हितकारी संस्थान	मन्जिव, सर जम- शेद जी जेजी भाई पारसी हितकारी संस्थान बम्बई,	बम्बई में हार्नेबी रोड, फोर्ट पर स्थित 1688 बर्गगज भूमि का टुकड़ा और उस पर बने हुए रिहायशी मकान और इमारतें ।	मासूम नहीं	मासूम नहीं	
17.	जी०आर०ई० डी०सख्या 1778	10 जुलाई, 1912	तदेव	तदेव	गोलागली, फोर्ट बम्बई में स्थित पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि का सारा टुकड़ा और उस पर बने हुए बाटिका गृह वासगृह और अस्तबल, जिसका क्षेत्रफल लग- भग 173 और 62 बर्ग गज है ।	तदेव	तदेव	

मद्रास

भारत सरकार रक्षा मंत्रालय की अधि- सूचना संख्या 778-क, समय-समय पर यथा संशोधित	14 मई, 1949	वारेन मेमोरियल स्कूल (लवहेल) निधि	(क) भारत सर- कार के तीन प्रति- निधि जिनमें से एक शिक्षा और अनुसंधान मंत्रालय से होगा जो इस निधि का अध्यक्ष होगा, एक वित्त मंत्रालय से होगा जो स्कूल का कोषाध्यक्ष होगा और एक सदस्य रक्षा मंत्रालय से होगा । (ख) चार अन्य सदस्य भारत सरकार द्वारा नाम- जद किए जायेंगे । (ग) माता पिता (घ) एक वृद्ध वारेसिस्म	(क) मद्रास में स्थित भूमि जिसकी सर्वेक्षण संख्या 232 है और जिस का क्षेत्रफल 15 कानी, 18 आउंड और 1678 बर्गफुट है और उस पर बनी इमारत जिसका नाम मद्रास सैनिक बालिका अनाथालय (मद्रास मिलिट्रीकीमेल आरफन असाइलम) है (ब) नीलगिरि जिले में केटी और ऊटाक- मंड में स्थित भूमि खंड जिनकी सर्वेक्षण संख्याएं भारत और क्षेत्रफल इस प्रकार हैं :—	1,26,475.99 र०	तदेव	इस संपत्ति पर असैनिक अना- थालय का कब्जा है। यह कब्जा इस शर्त पर दिया गया था कि वहां पर अनाथालय की सुविधियों के अभाव में मद्रास असैनिक बालिका अनाथालय में पहले भर्ती की गयी 30 अन्य बालिकाओं के भरण पोषण और शिक्षा की अवस्था की जायेगी
--	-------------	---	--	--	-------------------	------	--

ग्राम : सर्वे सं० क्षेत्रफल

		१० सी०
केटी	1158	12-57
	1224-4	49-26
	1354-2	606-55
	1335-5	25-34
	1355-5	4-20
	1356-2	0-74
	1356-4	1-06
	1225	0-67

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				ऊटाकमंड	5020	1.66-4/8		
					5018	0.05-5/8		
				केटी	1159-1	0-14		
					1161-1बी	1-65		
				ऊटाकमंड	4956	6 3-4/8		

उत्तर प्रदेश

1. उत्तर प्रदेश सरकार क्रमशः 2	गिरीडी कायस्थ	प्रबन्ध समिति,	(क) जिला मिरजापुर					
शिक्षा विभाग अधि- अप्रैल 1918	पाठशाला अक्षय	जिमके	पदेन के मुहल्ला बेनेज-					
सूचना संख्या 602/- और 29 नवम्बर	निधि मिरजापुर	अध्यक्ष मिरजापुर	लीगज मे स्थित तीन					
XV301 और 808 1923		के कलक्टर होंगे	मकान जिनकी हदबंदी					
जी/XV/619/1923		और जियमे स्व०	इस प्रकार है—					
		मुणी बिन्देश्वरी	(1) दक्षिण : श्री प्यारे	600.00 रु०				
		प्रसाद वकील की	खान का मकान उत्तर				36.00	
		संपत्ति के निष्पा-	सुसम्मान भूषा का					
		दक सदस्य होंगे।	मकान ; पश्चिम :					
			गवर्नमेंट रोड, पूर्व श्री					
			मुमेर मुनार का मकान।					
			(2) दक्षिण . मुणी					
			बिन्देश्वरी प्रसाद	600.00 रु०			36.00	
			वकील का मकान ;					
			उत्तर : मस्जिद,					
			पश्चिम : श्री					
			रामेश्वर तेली का					
			मकान					
			पूर्व : सड़क					
			(3) दक्षिण . श्री					
			शुद्ध का मकान,					
			उत्तर : मुणी बिन्देश्वरी					
			प्रसाद वकील का	600.00 रु०			36.00	
			मकान।					
			पश्चिम : सुसम्मान					
			उमराब का मकान					
			पूर्व : सड़क।					
			(ख) मिरजापुर जिले					
			की चुनार तहसील के					
			मीजा गिरीडी मे	600.00 रु०			15.00	
			स्थित बाग।					
			(ग) मिरजापुर जिला					
			की चुनार तहसील के	50.00 रु०			मानूम नहीं	
			मीजा गिरीडी मे, उप-					
			सुक्त (ख) मे बताये गये					
			बाग मे स्थित पाठशाला					

जाब

चूंकि केन्द्रीय पूर्त अक्षय निधि मे सम्बन्ध संपत्तियों का भारत और पाकिस्तान के बीच बंटबारा अभी नहीं हुआ है, इसलिए इन संपत्तियों की सूची अभी तैयार नहीं की गई है।

भाग 2—प्रतिभूतियों की सूची और लेखा सारांश

सामग्री प्राप्त अक्षय निधि का नाम संख्या	वे व्यक्ति जितकी ओर से धारित है	प्रतिभूतियों का व्यौरा	प्रतिभूतियों की कुल रकम	नकद
1	2	3	4	5
				वसूल किया गया व्यय या लाभांश
				रु०
भारत				
1. बाणिज्यिक नाविक सुख-सुविधा निधि	बाणिज्यिक नाविक सुख-सुविधा निधि समिति		1,49,100.00	
		—	4,50,000.00	
			25,300.00	
			2,63,200.00	—
				12,930.75
2. खण्डपारा राज्य न्याम निधि	खण्डपारा राज्य न्याम निधि का न्यामी बोर्ड	तमिलनाडु प्रायोगिक निदेश निगम लिमिटेड से मियावी जमा	30,600.00	30,600.00
				2,218.50

प्राप्तिया		नकद व्यय	नकद शेष	ट्रिप्पणी
अन्य नकद प्राप्तिया	नकद प्राप्तियों की कुल रकम	अदायगिया		
7	8	9	10	11
₹०	₹०	₹०	₹०	
(क) 25,300.00	38,230.75	दिया गया ब्याज	12,801.44	
		सरकार को दी गई फीस	129.30	
		(क) अन्य अदायगिया	25,300.00	
			38,230.75	
- -	2,218.50	दिया गया ब्याज	2,196.32	(क) यह राशि 4 प्रतिशत ब्याज वाले
		सरकार को दी गई फीस	22.18	वस वार्षिक राजकोष बचत जमा-पत्रों

(क) यह राशि 4 प्रतिशत व्याज वाले वस वर्षीय राजकोष बचत जमा-पत्रों के परिणोद्धन मूल्य की शीतक है, चूंकि यह निधि प्राधिकारियों को लौटाई जा चुकी है ।

निम्नलिखित अन्य परिसंपत्तियाँ, जो भारतीय पूर्व भ्रातृय निधि के कोषपाल के पास थी, सर्वेन्ट सीमेन्स एग्जेन्टीज फंड के प्राधिकारियों को लौटा दी गयी है जैसा कि कोषपाल को निधि की संपत्तियों से दक्षित कर दिया गया है ।

(i) 3 प्र० म्याज बाला रुपान्तरण
 ऋण 1946 1,19,100/-

(ii) 4½ प्र० ब्याज
वाला ऋण 1986 4,50,500/-

(iii) तमिलनाडु
श्रीश्लोमिक निवेश
निगम लिमिटेड के
पास मीनादी जमा
मे लगायी गयी रकम 2,63,200/-

8,62,300/-

1	2	3	4	5	6
				₹०	₹०
3	मणस्त्र मेता द्वितकारी निधि	मणस्त्र सेना द्वितकारी निधि	प्रतिष्ठान स्थापनरूप ऋण		
	की मागप मागप	1946		8,00,400 00	8 00 400 00
					24 012 00
7		8	9	10	11
	₹०		₹०		
—	24 012 00	दिपा गया व्याज	23,771 88	—	(ख) ये रकमे निम्नलिखित की शानक है .
		सरकार को दी गयी फीस	240 12		(i) निधि के प्राप्ति-कार्यों को ष्काये गये
			24,012 00		प्रारम्भिक शेष का 55 00
					(ii) 41प्र० व्याज बाले ऋण 1973 के परिशोधन मूल्य का 88,100 00
					(iii) 4 प्र० व्याज बाले वग वर्षीय राज-कोष वषत पत्र के परि-शोधन मूल्य का 75,000 00
					(iv) डाकघर राष्ट्रीय वचन पत्र के परिशोधन मूल्य का 80,000 00
					2,43,153 00
1	2	3	4	5	6
4	महिलाओं तथा बच्चा के लिए मेडी हाइंग अस्पताल (दिल्ली) की निर्मा	मेडी हाइंग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का प्रशासनिक बोर्ड	प्रतिष्ठान स्थापनरूप ऋण 1946		
			4½ प्रतिष्ठान ऋण 1986		
			4½ प्रतिष्ठान ऋण 1977		
			राजकाय वचन रक्षा जमापत्र . .		
			राष्ट्रीय/आयोजना/रक्षा वचन पत्र .	14 60,000 00	25,14,000 00
			तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम लि० के पास भौयारी जमा .	1,63 100 00	1,14,701 50
			7 वर्षीय राष्ट्रीय वचन पत्र (निर्गम ii) .	41,000 00	
			6 प्रतिष्ठान— पश्चिम बंगाल राज्य बिजली बोर्ड बाण्ड 1952	22,000 00	

7	8	9	10	11
₹०	₹०	₹०	₹०	
2,43,155 00	3,57,857 50	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस 1,13,554 18 1,147 02 1,63,155.00	55 00	(ग) ये रकमे निम्नलिखित की सोनफ है (i) निधि के प्राधि- कारियों को चुकाये गये प्राग्भिक जेय की 55 00 (ii) समित्यनाडु ओरियोसिध निवेण निगम लिमिटेड की जमा से लगायी गयी रकम 1,63,100 00 1 63,155 00
		(ग) अन्य अदायगियां ----- 2,77,856 50 -----		

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
5 गेट डन्सटन्स (इडिया) फंड	गेट डन्सटन्स (इडिया) फंड का न्यासी बोर्ड	3 प्रतिगत रुपान्तरण ऋण 1946 4 ^३ / _४ प्रतिगत ऋण 1989 राजकोष बचत जमा पत्र	92,900 00 15,000 00 60,000 00	1 67 900 00 (ग)	7 777 50
6. वायुसेना अधिकांरी वायु सेना अधिकारी अण- नगिलनाडु ओरियोसिध	अग्रवायी शिक्षा निधि दायी शिक्षा निधि की सामान्य समिति	निवेण निगम लि० के पास मीयादी जमा राष्ट्रीय रक्षा पत्र रक्षा जमा पत्र 4 ^३ / _४ प्रतिगत सद्रास ऋण 1976	50,000 00 55,000 00 1,00,000 00 40 100 00	2,45,100 00	11 279 74
					(घ) उपयुक्त प्राधि- कारी की राय प्राप्त होने पर डाकघर बचत पत्रों के परिणोधन मूल्य की रकम ज्यासी प्रतिप्रनियो में लगायी जायेगी।

7	8	9	10	11
₹०	₹०	₹०		
—	7,777.50	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस 7,699.72 77 78 7,777 50		
--	11,279 74	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस 11,166 94 112 80 11,279 74		

1	2	3	4	5	6
7	शामस राउ बेल स्मारक निधि	अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान और कालज, देहरादून	प्रतिष्ठान रूपान्तरण शृण, 1946	3,100 00	3,100 00
					93 00
					(क) आयकर की वापस लौटायी गयी 78 रुपये की रकम शामिल है जो निधि प्राधिकाारियों को लाटायी जा चुका है।
8	केन्द्रीय युष्ठापरान्त पुनर्बात निधि	केन्द्रीय युष्ठापरान्त पुनर्बात निधि की प्रत्येक समिति	प्रतिष्ठान शृण 1979	1,80,000.00	1,80,000.00
					7,200.00
9	भारतीय राष्ट्रवाग संस्थान	भारतीय राष्ट्रवाग संस्थान का संस्था के प्रणामक	प्रतिष्ठान रूपान्तरण शृण 1946 प्रतिष्ठान शृण 1980 राष्ट्रीय आयोजना वचन पत्र	68,900 00 1,10,900 00 15,000 00	1,92,800.00
					6,443.00
7		8	9	10	11
		93 00	दिया गया ब्याज	92 06	
			सरकार को दी गई फीस	0 94	
				93 00	
		7,200 00	दिया गया ब्याज	7,128 00	
			सरकार का दी गई फीस	72 00	
				7,200 00	
		6,443 00	दिया गया ब्याज	6,368 56	
			सरकार का दी गई फीस	6 44	
				6,443 00	

[illegible]

2	3	4	5	6
		₹०	₹०	₹०
12 देशराज्य स्थित वयस्क अधीक्षण, वयस्क अन्ध रक्षा जमापत्र		10,350.00	51,350.00	2,471.62
अन्ध प्रशिक्षण कन्द्र की प्रशिक्षण केंद्र, दहरा- 7 वर्षीय राष्ट्रीय श्रम पत्र				
बुनवाई बीरमजी कागा दूत तीसरा निर्गम		39,600.00		
प्रशिक्षणार्थी कल्याण निधि	6 प्रतिशत पश्चिम बंगाल राज्य बिजली बोर्ड बाड			
	1982	4,100.00		
13 क्षरा दिवस निधि	अशा दिवस निधि की प्रवध 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण			
	मर्सिनि	1946	1,20,000.00	
	4 1/2 प्रतिशत मध्य प्रदेश राज्य विकास ऋण			
	1974	1,34,000.00		
	4 1/2 प्रतिशत आन्ध्र प्रदेश राज्य विकास ऋण			
	1974	1,65,000.00		
	4 1/2 प्रतिशत बिहार राज्य विकास ऋण 1974	1,58,000.00		
	4 1/2 प्रतिशत उत्तर प्रदेश राज्य विकास ऋण			
	1974	50,000.00		
	4 1/2 प्रतिशत मद्रास राज्य विकास ऋण			
	1974	1,08,000.00		
	4 1/2 प्रतिशत मद्रास राज्य विकास ऋण			
	1974	1,07,000.00		
	पूर्वी सख्वा के अनुगार		11,42,000.00	45,090.00
7	8	9	10	11
₹०	₹०	₹०	₹०	
(रु) 11.00	2,482.62	दिया गया व्याज	2,116.90	11.00 (रु) यह अधिमेय की योगक है
		सरकार का दी गई फीस	24.72	
			2,471.62	
	1,72,746.25	दिया गया व्याज	11,630.08	
		सरकार का दी गई फीस	150.92	
			15,090.00	

1	2	3	4	5	6
14	युद्ध पीड़ितों और अरण्य प्रबंध समिति, युद्ध पीड़िता सैनिका व विधवा विधवा और अरण्य सैनिका के लिए सहायता निधि	प्रतिष्ठान अधिनियम 1984 तमिलनाडु आयोगिक निवेश निगम लि० के पास सावधि जमा	1 50 16 700 00		3,59,970 50
		6 प्रतिष्ठान बंगलौर जल पूर्ति और जल-संग्रहण विकास बोर्ड अधिनियम 1984	1,00,00 000 00		
		6 प्रतिष्ठान बंगलौर जल पूर्ति और जल-संग्रहण विकास बोर्ड अधिनियम 1984	7 00,000 00		
		6 प्रतिष्ठान कर्नाटक विनियम अधिनियम 1983	2 00 000 00		
		6 प्रतिष्ठान आन्ध्र प्रदेश बिजली बोर्ड अधिनियम 1981	10 00 000 00		
		6 प्रतिष्ठान आन्ध्र प्रदेश आवासन बोर्ड अधिनियम 1983 (11 अधिनियम)	8,00,000 00		
		6 प्रतिष्ठान आन्ध्र प्रदेश निगम केंद्रीय भूमि अधिग्रहण अधिनियम 1982-87	1,00,000 00		
		6 प्रतिष्ठान उड़ीसा राज्य बिजली बोर्ड अधिनियम 1981	45 00 000 00		
		6 प्रतिष्ठान असम राज्य राज्य बिजली बोर्ड अधिनियम 1984 (1)	2 00,000 00		
		6 प्रतिष्ठान केरल राज्य बिजली बोर्ड अधिनियम 1982	10,00 000 00		
		6 प्रतिष्ठान केरल राज्य बिजली बोर्ड अधिनियम 1984	3 75 000 00		
		विज्ञान राज्य सहायता भूमि विकास बैंक लि० का 6 प्रतिष्ठान अधिनियम 1985	3,00,000 00		
		6 प्रतिष्ठान उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड अधिनियम 1982 (1 अधिनियम)	4 50,000 00		
		6 प्रतिष्ठान गजराज औद्योगिक विकास बोर्ड अधिनियम 1983 (11)	15 00 000 00	3 91 11 700 00	

	7	3	9	10	11
(ज) 4 00 00 088 82	4 03 59 959 32	दिया गया व्याज	3 56,271 79	(ज) मे यह शामिल है	
		सरकार को दी गई फीस	3 595 71	4 00 00 000 00	ट्रस्टी मिस्सूरिटीज में लगाने के
(अ) अ व चशमगी	4 00 00 088 82		88 82		विशेष कण्ड अधिवारियों में
					प्राप्त 3 99 99 911 18
	4 03 59 959 32	1 00 00 088 82			रूपये मुख्य की लागत पर
					3 97 16 70 00 रूपये
					अंकित मुख्य की ट्रस्टी मिस्सूरिटीज में लगाने के बाद शेष

(अ) मे यह शामिल है ।

(1) 88 82 ट्रस्टी मिस्सूरिटीज में लगाने के बाद बचाया शेष जिसे निधि प्राधिकारियों को वापिस कर दिया गया है ।

(2) 3 00 00 000 00 निवेश के लिए रिजर्व बैंक आफ इंडिया का प्रेषित 1 बैंक ने 2 97 16 700 00 रु० अंकित मुख्य की ट्रस्टी मिस्सूरिटीज को 2 99 99 911 18 रूपये की खरीद लिया है । इनमे से 5 75 00 00 रूपये अंकित मुख्य की मिस्सूरिटीज अभी बैंक से प्राप्त होनी है ।

(3) 1 00,00 000 00 " मीयाबी तसा मे लगाने के लिए शामिल-
नाहु औद्योगिक निवेश निगम लिमि-
1 00 00 088 82 टेड को प्रेषित ।

5 75 000 00 रूपये की जो मिस्सूरिटीज अभी बैंक से प्राप्त होनी है उन्हें छोड़ कर 3 91 41,700 00 रूपये अंकित मुख्य की मिस्सूरिटीज का निधि के अगले रूप में दिखाया गया है ।

1	2	3	4	5	6
सहारापट्ट				₹०	₹०
1 भारतीय विज्ञान संस्थान भारतीय विज्ञान संस्थान 7 वर्षीय राष्ट्रीय उच्चतर					
(बंगलौर की सम्पत्तियाँ)	बंगलौर की परिपद	(तीसरा निगम)		2 200 00	2 200 00
2 भारतीय विज्ञान संस्थान भारतीय विज्ञान संस्थान 3 प्रतिष्ठित रूपान्तरण ऋण					130 00
(बम्बई की सम्पत्तियाँ)	बंगलौर की परिपद	1916		10 22 800 00	12 20 900 00 (अ) 11 724 00
		5 1/2 प्रतिष्ठित ऋण 2 000		1 40 300 00	
		5 4 प्रतिष्ठित भूदायक			
		ऋण 1982		57 500 00	
3 बंगाली के पत्रिकाई ज्ञान-अभिरूपा प्रशिक्षण 3 प्रतिष्ठित रूपान्तरण ऋण					
कोशमजी की छात्र-गान राजनद्र आफ 1916				60 000 00	60,000 00(क) 1 356 00
बुद्धि निधि	नए पत्रिकाई वर्ष 1982				
7	8	9	10	11	
₹०	₹०	₹०	₹०		
(क) 3 111 00	3 171 00	दिया गया व्याज	217 80	110 00	
		सरकार का दी गई फीस	2 20		
		अन्य भुगतान	3 111 00		(क) यह आयकर की लौटाई
			3 401 00		गयी राशि की सामक है
					जा अब निधि प्राधिकारियों
					का आपस लौटा दी गयी
					है।
(न) 27 02	41 757 02	दिया गया व्याज	20 118 18	15 369 02	(न) यह राशि अथर्व की शानक
		सरकार का दी गई फीस	20 3 82		है।
			26 382 00		
(घ) 411 00	1 800 00	दिया गया व्याज	684 00		(घ) 1 500 रुपये के कुल व्याज
		(घ) अथर्व भुगतान	114 00		की रकम से से आय कर और
		सरकार का दी गई फीस	9 00		अप्रभार की 411 रुपये की रकम
					काट ली गयी है जिसमें
					सबसे से दावा किया जाएगा
					और जिसे आपस किया
					जायगा।
			1 107 00		(घ) यह राशि आय कर और अप्रभार
					का की आपसी की शानक है
					जा अब निधि प्राधिकारियों
					का दिया जा चुका है।

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
4. चैटफील्ड स्मारक पुरस्कार निधि	1 प्रिंसिपल पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय पूना	2 प्रिंसिपल, पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय, धारवाड़	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	200.00	200.00 6.00
	3 प्रिंसिपल पुरुष प्रशिक्षण महाविद्यालय, अहमदाबाद				
5. गणेश बलवन्त लिये छात्रवृत्ति निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	56,000.00	56,000.00	1,680.00
6. सर विलियम मूर स्मारक निधि	निदेशक, स्वास्थ्य सेवा महाराष्ट्र राज्य, बम्बई	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	1,100.00	1,100.00	33.00
7. बम्बई प्रेजीडेसी में मुसलमानों में शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए काजी शाहबुद्दीन अक्षय निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	1,45,300.00		
		5 प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1981	5,100.00	1,50,400.00	4,652.24
8. अंग्रेजी में एम० एम० सी० परीक्षा संबंधी पुरस्कार निधि	शिक्षा निदेशक महाराष्ट्र राज्य, पूना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	400.00		
		4 प्रतिशत ब०पो०द० ऋण	3,000.00 (V)	3,400.00	12.00
7	8	9	10	11	
(न)	22.25	28.25	..	28.25	(न) यह रकम अथशोध की छोटक है ।
..	1,680.00	विया गया ब्याज सरकार को दी गयी फीस	831.60 8.40 840.00		
..	33.00	विया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	16.33 0.17 16.50	16.50	
..	4,652.24	विया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	2,302.85 23.27 2,326.12	2,326.12	
..	12.00	विया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	5.94 0.06 6.00		(V) 3000 रुपये के अंकित मूल्य के बम्बई पत्तन न्यास ऋणों की प्रतिभूतियों के दो छमाही का जो अग्रैल और अक्टूबर में देय हो गया था, अभी प्राप्त नहीं हुआ है (ब्याज की वसूली के लिए कार्यवाई की जा रही है) ।

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
9	कृषि और शिक्षा मन्त्री सर सेमून हेचिड ग्याग निधि	कृषि और सहकारिता विभाग, महाराष्ट्र सर- कार, बम्बई के सचिव के मार्फत निधि का व्याप्ति बोर्ड	5 ¹ / ₂ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1953	7,51,100 00	7,51,100.00
					64,782 36
10	बम्बई राज्य परिक्षा और अनुक्षण मन्त्रा निधि	अध्यक्ष बम्बई राज्य परि- षद् और अनुक्षण संस्था बी० आई० टी० ब्लॉक संख्या 33, क्रम सर्किल मांटुगा, बम्बई-19	5 ¹ / ₂ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1978	14,000 00	
			3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	7,000 00	21,000.00
					980 00
11.	भारतीय इम्पीरियल महा- यमा (छात्रवृत्ति) निधि	शिक्षा, निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पुना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	25,200 00	25,200 00
					756.00
12.	सावित्री बाई फुल्लाराव उपपक्ष छात्रवृत्ति	तथैव	तथैव	12,800.00	12,800.00
					384.00
13.	बम्बई प्रवेश प्रदर्शन कृषि निधि	कृषि निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पुना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	4,16,000 00	
			53 ¹ / ₄ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1979	2,000.00	4,18,000.00
					12,895.00
14.	डा० रामचन्द्र शिवाजी पोरेवी छात्रवृत्ति निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पुना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	11,100 00	11,100.00
					333.00
7	8	9	10	11	
	64,782.36	दिया गया ब्याज	64,134.54		
		सरकार को दी गई फीस	647.82		
			64,782.36		
	980.00	दिया गया ब्याज	485.10		
		सरकार को दी गई फीस	4.90		
			490.00		
	756.00	दिया गया ब्याज	374.22		
		सरकार को दी गई फीस	3.78		
			378.00		
	384.00	दिया गया ब्याज	190.08		
		सरकार को दी गई फीस	1.92		
			192.00		
	12,895.00	दिया गया ब्याज	6,234.54		
		सरकार को दी गई फीस	62.98		
			6,297.50		
	333.00	दिया गया ब्याज	164.83		
		सरकार को दी गई फीस	1.67		
			166.50		

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
15. सर कुमरो बाह्यान्याम निधि	निधि के शासी निकाय के अध्यक्ष द्वारा सचिव, कृषि और सहकारिता विभाग महाराष्ट्र सरकार बम्बई	4 ^३ / _४ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण, 1976	12,81,300.00	12,81,300.00	60,861.74
16. युद्धोपरालत सैन्य पुनर्निर्माण निधि (राजस्थान अंश)	निधि सचिव, द्वारा महाराष्ट्र राज्य एम० एम० तथा ए० बोर्ड, पूना-1	5 ^३ / _४ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1982 3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946 4 ^३ / _४ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1947	6,400.00 1,200.00 3,500.00	11,110.00	561.50
17. भारतीय वाणिज्य नाविकों के लिये युद्ध स्मारक निधि 1947	इण्डियन सेलमे होम सोसाइटी की प्रबन्ध समिति, महिजद बन्दर माहडिग रोड, बम्बई-9	3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946	21,32,900.00	21,32,900.00	63,987.00
18. होमी मेहता विजय धन्यवाद निधि (राजस्थान अंश)	निधि सचिव, द्वारा महाराष्ट्र राज्य एम० एम० तथा ए० बोर्ड पूना-1	3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946 5 ^३ / _४ प्रतिशत ऋण 2003 4 ^३ / _४ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण 1974	800.00 100.00 400.00	1,300.00	45.89
19. एम० बी० मंडके पुरस्कार निधि	शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र पूना	3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946	1,600.00	1,600.00	48.00

7	8	9	10	11
₹०	₹०	₹०	₹०	
(अ) 97.08	60,958.82	दिया गया व्यय सरकार को दी गई फीस	60,253.12 608.62 60,861.74	(ब) यह राशि अथ शेष की छातक है।
	561.50	दिया गया व्यय (य) सरकार को दी गई फीस	538.06 5.44 543.50	
	63,987.00	दिया गया व्यय सरकार को दी गई फीस	31,673.56 319.94 31,993.50	
(कख) 100.00	145.89	दिया गया व्यय (कख) अन्य भुगतान सरकार को दी गई फीस	33.55 0.34 100.00 133.89	7(कख) यह रकम 100 रुपये के अक्षति मूल्य के 4 ^३ / _४ प्रतिशत व्यय वाले ऋण 1973 की परिणोधन प्राप्ति की छातक है जिसे हाल ही में 100-100 रुपये के 5 ^३ / _४ प्रतिशत व्यय वाले ऋण 2003 में परिवर्तित किया गया है।
	48.00	दिया गया व्यय सरकार को दी गई फीस	23.76 0.24 24.00	24.00

1	2	3	4	5	6
				₹०	₹०
20.	कुमारी मणिकबाई तवेब, शिक्षा निवेशक, महाराष्ट्र राज्य, पुना	3 प्रतिशत ऋण 1896-97	1,000.00	1,000.00	30.00
21.	मराठा युद्ध स्मारक निधि	मराठा युद्ध स्मारक निधि के प्रबन्धनक सचिव मराठा लाईट इन्फैंटरी रेजिमेन्टल सेंटर, बेन्दगाव	5½ प्रतिशत ऋण 2000 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	9,100.00 5,45,300.00	5,54,400.00 16,859.50
22.	सर एम० बी० जोशी स्थापना निधि	प्रसिपन, कृषि कालेज, पुना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 5½ प्रतिशत ऋण 2000	12,800.00 500.00	13,300.00 427.11
23.	कुमारी कलाक स्मारक उपचय निधि	भारत की नारिया को स्त्री रोग चिकित्सा सहायता तथा शिक्षा प्रदान करने वाली राष्ट्रीय संस्था की बम्बई शाखा के अध्यक्ष द्वारा श्री आर० एन० भावनगरी एस० बी० बिल्सीमोरिया एंड कम्पनी, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, 113, महात्मा गांधी रोड, बम्बई-1	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	11,000.00	11,000.00 330.00
24.	बरजोर्जी मानेकजी सुनारिया पुरस्कार निधि	शिक्षा निवेशक, महाराष्ट्र राज्य, पुना	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	2,000.00	2,000.00 60.00

7	8	9	10	11
			₹०	₹०
..	30.00	दिया गया व्याज	29.70	
		सरकार को दी गई फीस	0.30	
			30.00	
(कग)	208.91	दिया गया व्याज	8,593.20	8,215.41
		सरकार को दी गई फीस	86.80	
		अन्य भुगतान	173.00	
			8,853.00	
..	427.11	दिया गया व्याज	232.77	192.00
		सरकार को दी गई फीस	2.34	
			235.11	
..	330.00	दिया गया व्याज	163.35	165.00
		सरकार को दी गई फीस	1.65	
			165.00	
..	60.00	दिया गया व्याज	29.70	30.00
		सरकार को दी गई फीस	0.30	
			30.00	

(कग) यह राशि निम्नलिखित की शीतक है :—
(i) 35.91 रुपये के अध शेष की, तथा
(ii) 173 रुपये आय कर की वापसी के जिसे प्रशासक को वापस भेज दिया गया है।

(कग) यह राशि निम्नलिखित की शीतक है:—

(i) 35.91 रुपये के अधि शेष की, तथा

(ii) 173 रुपये आय कर की वापसी के जिसे प्रशामक को वापस भेज दिया गया है।

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
25 कैप्टन स्मारक निर्माण	एशियाटिक सोसाइटी की	5½ प्रतिशत महाराष्ट्र ऋण	4,900.00	4,900.00	281.71
	बम्बई शाखा की प्रबन्ध	1984			
	समिति, टाउन हॉल,				
	बम्बई-1				
26 सर जमशेदजी जेजीभाई	सचिव, सर जे० जे० पी०	स्टेट बैंक के शेयर	1,300.00		
I पारसी हितकारी संस्था	बी० संस्था 209 डा०	3 प्रतिशत ऋण 1896-97	6,900.00		
	बाबा भाई नौरोजी रोड,	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण	12,99,500.00		
	फोर्ट, बम्बई-1	1946			
		4 प्रतिशत ऋण 1981	500.00		
		4½ प्रतिशत ऋण 1989	500.00		
		4½ प्रतिशत महाराष्ट्र	3,000.00		
		ऋण 1974			
		4½ प्रतिशत मद्रास ऋण	7,000.00		
		1976			
		पालिका के ऋण पत्र			
		5½ प्रतिशत ऋण 2001	8,80,800.00		
		4½ प्रतिशत महाराष्ट्र	2,000.00		
		ऋण 1976			
		4 प्रतिशत बम्बई पत्तन न्याय	11,000.00		
		के ऋण पत्र			
		5½ प्रतिशत महाराष्ट्र	4,400.00		
		ऋण 1978			
		5½ प्रतिशत महाराष्ट्र	500.00		
		ऋण 1977			
		5½ प्रतिशत मद्रास ऋण	2,500.00		
		1979			
		5½ प्रतिशत मद्रास ऋण	2,500.00		
		1980			
		5½ प्रतिशत महाराष्ट्र	11,400.00		
		ऋण 1982			
		5½ प्रतिशत महाराष्ट्र	8,900.00		
		ऋण 1981			
		6 प्रतिशत महाराष्ट्र राज्य	3,36,200.00	26,13.300	1,14,461.62
		बिजली बाण्ड 1981			
		6 प्रतिशत बम्बई नगर	20,500.00		
		पालिका के ऋण पत्र,			
		1982			
		5½ प्रतिशत ऋण 1999	10,500.00		
		5½ प्रतिशत ऋण 2002	3,400.00		

7	8	9	10	11
			₹०	₹०
(कघ)	12.00	313 74	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस (कघ) अन्य भुगतान	139 46 1 41 32 00 <hr/> 172.87
(कज)	28,296 95	1,42 758 57	दिया गया ब्याज (कज) अन्य भुगतान सरकार को दी गई फीस	92,528 99 14,166 95 939 38 <hr/> 1,07,635 32
				(कघ) यह रकम आय कर की वापसी अदायगी की तथा अधि-भार की छोनक है जा निधि प्राधिकारियों का वापस कर दी गयी है।
				(कज) यह रकम निम्नलिखित की छोनक है —
				4 प्रतिशत ब्याज वाले बम्बई पत्तन न्यास की परिशोधन प्राप्ति 14,000 00
				4 प्रतिशत ब्याज वाले बम्बई नगरपालिका ऋण पत्र की प्राप्ति की वापसी अदायगी जो 3,436 72 रुपये की कुल लागत पर 3,400 रुपये के अधिक मूल्य के 5½ प्रतिशत ब्याज वाले ऋण 2002 में दुबारा लगा दी गयी है। इस प्रकार न लगाये गये शेष 63.28 रुपये प्रशासन को वापस कर दिये गये हैं। 3,500 00
				आयकर की वापसी अदायगी 116 00
				अधि शेष 10,680.95
				<hr/> 28,296.95
				(कज) यह रकम निम्नलिखित की छोनक है.—
				न लगायी गयी शेष पत्रों जिसे कि वापस किया जा चुका है 178 22
				3,400 रुपये के मूल्य के 5½ प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 2002 की प्रतिभू-तिया की लागत 3,436 72
				10,500 रुपये के मूल्य के 5½ प्रतिशत ब्याज वाला ऋण 1999 की प्रतिभू-तियों की लागत 10,436 01
				वापस किया गया आय कर 116 00
				<hr/> 14,166 95

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
27 भारत की नगरियों को स्त्री गेम चिकित्सा और सहायता और शिक्षा प्रदान करने की राष्ट्रीय संस्था की बम्बई शाखा	राष्ट्रीय संस्था की बम्बई शाखा के कोषाध्यक्ष, द्वारा श्री धार० एन० भावनगरी एम० बी० बिल्लीमौरिया एन्ड कम्पनी 113, महारमा गांधी रोड, बम्बई-1	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946 5-3/4 प्रतिशत महागण्ट ऋण 1981	2,18,100 00 30,000 00	2,48,100 00	8,269.00
28. कस्तमजी जमशेदजी जेजी भाई गुजराती विश्वविद्यालय, निधि	सचिव, सर जे० जे० पारसी द्वितीयकारी संस्था 209, डा० दावा भाई नौरोजी रोड, फोर्ट बम्बई	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946	72,000 00	72,000.00	2,1600 00

समाप्त

नारेल ममारक (क) विश्वविद्यालय (लवडेल) निधि	भारत सरकार के तीन प्रति-निधि, जिनमें से एक शिक्षा तथा वैज्ञानिक अनुसन्धान मंत्रालय से होगा, जो अध्यक्ष होगा, एक सदस्य वित्त मंत्रालय से होगा जो विश्वविद्यालय का कोषाध्यक्ष होगा और एक सदस्य रक्षा मंत्रालय से होगा :	4 1/2 प्रतिशत ऋण 1986 3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण 1946 5 1/2 प्रतिशत ऋण 1990 7० श्रो० निवेश निगम लि० के पाम सीयादी जमा सीयादी जमा	16,100 00 7,90,900.00 16,000 00 4,17,600 00 1,00,000 00	13,40,900 00	35,232 00
(ख) चार अन्य सदस्य जिन को भारत सरकार नामजद करेगी					
(ग) माता पिता					
(घ) एक बृद्ध लारमियन					

7	8	9	10	11
₹०	₹०	₹०		
	8,269 00	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	4,092 65 41 35	4,134 00
			4,134 00	
	2,160 00	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	1,069.20 10 80	1,080 00
			1,080.00	
1 (कज)	58,665 89	1,13,897 89	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	55,938.96 565.04
			56,504 00	
				57,393.88 (कज) यह रकम अथ शेष की धीनक है।

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
2. बिबटोगिया जयन्ती छात्र- श्रृष्टि अक्षय निधि मंगलौर ।	एक समिति जिसके सदस्य हैं 1. दक्षिण कनारा के जिला न्यायाधीश (अध्यक्ष) 2. दक्षिण कनारा के जिला बोर्ड के अध्यक्ष 3. मंगलौर नगर परिषद के महापति 4. दक्षिण कनारा के जिला शिक्षा अधिकारी	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946	35,400.00	35,400.00	1,062.00
3. जोनागडला रंगैया सेट्टी कालेज छात्रवृत्ति निधि, मद्रास	कालेज शिक्षा के निदेशक, मद्रास	4½ प्रतिशत मद्रास ऋण, 1974 3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 5½ प्रतिशत मद्रास ऋण, 1980 5½ प्रतिशत मद्रास ऋण, 1980 5½ प्रतिशत मद्रास ऋण, 1979 5½ प्रतिशत ऋण, 2001	3,000.00 32,400.00 200.00 3,000.00 400.00 2,700.00	41,700.00	1,116.50
4. ग्रिग स्मारक अक्षय निधि मद्रास	विद्यालयी शिक्षा निदेशक, मद्रास और कलकत्ता मद्रास	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 5½ प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1981	11,500.00 1,100.00	12,600.00	394.24
5. जे एम० बोर्न स्मारक अक्षय निधि, मद्रास	दक्षिण रेलवे के मुख्य अभि- यन्ता, मद्रास	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण 1946 5½ प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1982 5½ प्रतिशत तमिलनाडु ऋण, 1983	300.00 1,200.00 100.00	1,600.00	67.74
पश्चिम बंगाल					
1. भारतीय अकाश सहायता न्यास	प्रबन्धक बोर्ड, नई दिल्ली	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946	32,78,400.00	32,78,400.00	98,352.00
2. यदुवी पूर्व अक्षय निधि	सूमा बोर्ड, कलकत्ता	3 प्रतिशत रूपान्तरण ऋण, 1946 5½ प्रतिशत पश्चिम बंगाल ऋण 1983	38,000.00 59,700.00	97,700.00	5,105.12

	7	8	9		10	11
	₹०	₹०		₹०	₹०	
2 (घट)	2,177 0५	3,239 08	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस !	110 00 1 10 111 10	3,127 98	(कट) यह रकम निम्नलिखित की द्योतक है अथ 1,847.0९ शेष छात्रवृत्ति के रूप में प्रदाना- चार्य बलराम क्षेत्रीय इंजीनियरी महाविद्यालय, मगलौर के नाम 17-3-1973 को जारी की गई रकम में से उपयोग न की गई रकम की वापसी अदा यगी 330 00 2,177 08
3 (कठ)	7,372 62	९,4९9 12	(ग) अन्य भुगतान	6,196.69	2,292 13	(कठ) यह रकम अथ शेष की द्योतक है । (ख) यह रकम खरीदी गई निम्न- लिखित प्रतिभूतियों की लागत की द्योतक है । (1) 5१ प्रतिशत व्याज वाला मदाम ऋण 1978 3,000 00 3,037 27 (II) 5१ प्रतिशत व्याज वाला मदाम ऋण 197१ 100 00 404 50 (III) 5१ प्रतिशत व्याज वाला ऋण 2001 2,700 00 2,754 92 6,100 00 6,196 69
4 (कड)	2 373 9९	2 768 22			2,76९ 22	(कड) यह राशि अथ शेष की द्योतक है ।
5 (फ) पश्चिमी बंगाल	760 00	९27 71			९27 71	(फ) यह रकम अथ शेष की द्योतक है ।
		9९,१52 00	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	97,368 48 983 52 9९,352 00		
2 (ख)	27 70	5 1१2.82	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस (ख) अन्य भुगतान	3,745 91 37 84 27 70 3,811 45	1,321 37	(ख) यह रकम अथ शेष की द्योतक है या निधि प्राधिकारियों को वापस की जा चुकी है ।

1	2	3	4	5	6
				₹०	₹०
3. वाणिज्यिक बेड़े के अधि- कारियों और नाविकों की विकास सहायता निधि	मिश्रित मजदूर और भद्रागचिव अस्पताल व्यास निधि निधि मभिनि, चटगाव	3 प्रतिशत रुपयान्तरण ऋण, 1946		10,000.00	10,000.00
मध्य प्रदेश					
1. नवाब सुल्तान जहा बेगम शिक्षा अथय निधि, भोपाल	गवर्नर बोर्ड जिसमें निम्न- लिखित सदस्य हैं :—	3 प्रतिशत रुपयान्तरण ऋण, 1946		9,24,400.00	
	(1) महामान्य सिकन्दर सौलत इफितखार-उल- मुल्क नवाब मुहम्मद हमीदुल्ला खां;	51 प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1982		4,24,500.00	13,48,900.00
	(2) श्री महावीर प्रसाद वर्मा, भूतपूर्व न्याय- धीश, उच्च न्यायालय, भोपाल;				50,825.74
	(3) श्री मुहम्मद अहमद अल्मारी, भूतपूर्व न्याया- धीश, उच्च न्यायालय भोपाल;				
	(4) कर्तव्य यतीमलमुल्क नवाबजादा रशीदुज्जफर खां बहादुर; और				
	(5) मुतमिबुल इशा अली कादिर श्री मयद माशूक अली, महामान्य नवाब भोपाल के सफेखगम विभाग के सचिव				
	7	8	9	10	11
	₹०	₹०	₹०	₹०	
(म)	1,389.25	1,389.25		1,389.25	(म) यह रकम अथय की खोतक है।
(क)	89.18	50,914.92	दिया गया व्याज सरकार को दी गई कीमत	39,627.34 521.40 40,148.74	10,765.18 (क) यह राशि अथय की खोतक है। व्याज की रकम में आय- कर तथा अधिमार् प्रावि के कुल 15,181.00 रुपये की राशि शामिल नहीं है जो खान पर ही काट दी गई थी और जिसके लिये प्रशासक को 11,992 रुपये के लिये आवश्यक कटौती प्रमाणपत्र भेज दिया गया है।

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
2	सी० पी० और बरार किंग एंडवर्ड स्मारक समिति निधि	सविश्व, शासी निकाय किंग एंडवर्ड स्मारक समिति नागपुर	3 प्रतिशत ऋण 1896-97 5 ¹ / ₂ प्रतिशत मध्य प्रदेश ऋण, 1983 3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण 1946	19,000 00 1 85,900 00 2,42,800 00	10,162.62

7	8	9	10	11
₹०	₹०	₹०	₹०	
(क ण) 36 97	10,199 59	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	10,040 63 131 99	(क ण) यह राशि अग्र शेष का धोतक है। व्याज की रकम में आयकर और अधिभार क 3,036/- रुपये शामिल नही है जो स्वतंत्र पर काट लिये गये थे और जिसके लिय कटौती प्रमाणपत्र प्रशासक को भेज दिया गया है। आयकर अधिकारी, भापाल से छूट प्रमाण पत्र न प्राप्त होने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक, नागपुर द्वारा उक्त खाते के अन्तर्गत रिखाई गई निम्नलिखित प्रतिभूतियों पर प्रत्येक के सामने दी गई तारीख में छमाही व्याज।
			10,162 62	(1) 3 प्रतिशत जून, 73 तथा व्याज वाला दिसम्बर, ऋण 1996-97 1973
				(2) 3 प्रतिशत दिसम्बर, 1973 व्याज वाला तथा मार्च 1974 रुपान्तरण ऋण, 1946
				(3) 5 3/4 प्रतिशत अगस्त 1973 व्याज वाला तथा मार्च मध्य प्रदेश 1974 ऋण 1983

1	2	3	4	5	6
3 सी० पी० कृषि और उद्योग सन्धि शासी निकाय कृषि 3 प्रतिशत रुपान्तरण ऋण,					
मुधार निधि	श्रीर उद्योग नागपुर	1946	1,24,000 00	1,29,900 00	2994 13
		5 ³ / ₄ प्रतिशत मध्य प्रदेश			
		ऋण 1979	5,900 00		
7	8	9	10	11	
रु०	रु०	रु०	रु०	(क त) यह राशि अथ शेष की	
(क त) 6,100 00	9,094 13	दिया गया ब्याज 2,926 80	130 13	छोतक है। ब्याज की रकम	
		सरकार को दी गई फीस 37 20		में आय कर और अधिभार	
		(क द) अन्य भुगतान 6,100 00		की 895 रुपये की रकम	
				शामिल नहीं है जिसे खेत	
				पर ही काट लिया गया था	
				और जिस के लिये 856—	
				रुपये का कटौती प्रमाण पत्र	
				प्रभावक को भेज दिया गया	
				है। 130 13 रुपये के मूल्य	
				के 5 3/4 प्रतिशत ब्याज वाला	
				मध्य प्रदेश ऋण 1979 का	
				31 अगस्त, 1973 का	
				समाप्त हुई अवधि का ब्याज	
				नहीं दिया गया है। आयकर	
				अधिकारी भोपाल में आयकर	
				दृष्ट प्रमाण पत्र अभी तक न	
				प्राप्त होने के कारण भारतीय	
				रिजर्व बैंक, नागपुर से निम्न	
				लिखित प्रतिलिपियाँ पर	
				प्रत्येक के सामने दी गई	
				तारीख से ब्याज प्राप्त नहीं	
				हुआ है।	
				प्रतिभक्तियों का व्योरा अवधि	
				(1) 3 प्रतिशत मिलम्बर 1973	
				ब्याज वाला तथा मार्च 1974	
				तक ऋण 1946	
				(2) 5 3/4 प्रति- फरवरी 1974	
				तक ब्याज वाला	
				मध्य प्रदेश 1979	
				(क द) यह रकम निम्नलिखित की	
				छोतक है—	
				(1) 5,900/— रुपये के मूल्य की	
				5 3/4 प्रतिशत ब्याज वाला	
				मध्य प्रदेश ऋण 1979 की	
				प्रतिभक्तियों को खरीदने के लिये	
				भारतीय रिजर्व बैंक को भेजे	
				गये 6,011 40 रुपये	
				(2) 88 60 रुपये की शेष रकम	
				प्रभावक को वापस कर दी गई	
				है।	

1	2	3	4	5	6
			रु०		
4 अन्तर्गत शास्त्रिण स्मारक	नामपुर का विणप	5 प्रनिशत मध्य प्रदेश			
छात्रवृत्ति निधि		शृंग, 1983	3,800 00		
		3 प्रनिशत रूपान्तरण शृंग,			
		1946	400 00	4,200 00	93 25

7	8	9	10	11
(क थ)	13 17	106 42	91.04	11 17
		विया गया व्याज	1 21	
		सरकार को दी गई फीस	95 25	

(क थ) यह राशि अब शेप की होती है। आयकर अधिकारी मध्य प्रदेश, भोपाल से छुट प्रमाण पत्र न प्राप्त होने के कारण भारतीय रिजर्व बैंक, नामपुर द्वारा उच्चन खाते के अन्तर्गत दिखाई गई निम्नलिखित प्रतिभूतियों का पक्ष के अग्रे दी गई तारीख से छमाही व्याज —

(1) 3 प्रनिशत मितम्बर, 1973
व्याज वाला मार्च, 1974
रूपान्तरण
शृंग 1946

(2) 5 3/4 प्रनिशत अगस्त, 1973
व्याज वाला तथा फरवरी,
मध्य प्रदेश 1974
शृंग 1983

व्याज की रकम में आयकर और अधिभार के रूप में श्राव पर काटे गये 28 रुपये शामिल नहीं हैं जिसके लिये 26 रुपये का तृतीय प्रमाण पत्र प्रशासक का भेज दिया गया है। 3 प्रनिशत व्याज वाला रूपान्तरण शृंग 1946 के दो छमाहिया अर्थात् 19-9-72 और 15-3-1973 के व्याज की रकम 12 रुपये है। इसमें से 2 रु० आयकर के काटन के पश्चात् व्याज की 10 रुपये की निश्चल रकम प्राप्त हो गई थी परन्तु गणती से आयकर का 27 रुपये काट नहीं गये थे और इस प्रकार सरकारी फास की तृतीय के पश्चात् 12 रुपये की सारी रकम से दी गई थी। यह रकम अखिर में काट ली जायेगी और 2 रुपये का तृतीय प्रमाण पत्र प्रशासक को भेज दिया जायेगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			₹०	₹०	₹०
5 सौभाग्यवती कृष्णा बार्दे बाल कृष्णा सूले पुरस्कार निधि	नागपुर परिमण्डल के विद्यालयों की निरीक्षिका, नागपुर	5 ^औ प्रतिष्ठान मध्य प्रदेश ऋण, 1983	200.00	200.00	4 75
6 गय बहादुर बन्धुजी, जनार्दन चौवान पुरस्कार निधि	सचिव, विदर्भ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नागपुर	5 ^औ प्रतिष्ठान मध्य प्रदेश ऋण, 1983	900.00	900.00	19 79
7 रामचन्द्र ठाकुर पुरस्कार निधि	सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मध्य प्रदेश, भोपाल	3 प्रतिष्ठान स्वयंसेवक ऋण 1946	500.00	500.00	12.00

7	8	9	10	11
	₹०	₹०	₹०	
(कड़) 288.10	292.85		292.85	(कड़) यह राशि अथ शेष की खोतक है व्याज की रकम में आयकर के रूप में खोत कर काटा गया एक रुपया शामिल नहीं है। कटौती प्रमाण पत्र हमारे पास है चूंकि कोई प्रमाणिक अभी तक नियुक्त नहीं किया गया है। आयकर छूट प्रमाण पत्र न मिलने के कारण अगस्त 1973 तथा फरवरी, 1974 के अन्त तक की अवधि का व्याज उच्चतम के अन्तर्गत रखा गया है।
(कड़) 370.36	390.15	..	390.15	(कड़) यह राशि अथ शेष की खोतक है। व्याज की रकम में आयकर और अधिभार के रूप में खोत पर काटे गये 6/- रुपये की रकम शामिल नहीं है। आय कर छूट प्रमाण पत्र न मिलने के कारण अगस्त, 1973 तथा फरवरी, 1974 के अन्त तक का अवधि का व्याज अन्त के अन्तर्गत रखा गया है।
..	12.00	दिया गया व्याज सरकार को दी गई कॉग	11.84 0.16 ----- 12.00 -----	यह राशि उपर्युक्त बताये गये कारणों पर उच्चतम के अन्तर्गत विधायी गयी प्रतिनूतियों पर, सितम्बर, 1973 तथा मार्च, 1974 की छमाहियों के व्याज को है। व्याज की रकम में आयकर तथा अधिभार के 3 रुपये शामिल नहीं हैं जिसे भारतीय रिजर्व बैंक, नागपुर ने खोत पर ही काट लिया था।

1	2	3	4	5	6
			रु०	रु०	रु०
8 ग्राउन्डिंग छात्रवृत्ति और कलकटर, नागपुर, शिक्षा 3 प्रतिगणन रूपान्तरण ऋण					
ग्राउन्डिंग शिक्षक छात्र-निदेशक, मध्य प्रदेश 1946			11,600.00	13,800.00	365.50
वृत्ति निधि भोपाल और बिछानय 5 प्रविणत मध्य प्रदेश					
निरीक्षक, नागपुर ऋण, 1979			2,200.00		
9. ग्राउन्डिंग पदक निधि शिक्षा निदेशक, मध्य प्रदेश 3 प्रतिगणन रूपान्तरण ऋण,					
भोपाल 1946			2,100.00	2,100.00	48.00
7	8	9	10	11	
रु०	रु०	रु०	रु०		
(क व) 78.44	443.94	दिया गया ब्याज	360.76	78.44	ब्याज की रकम में आयकर और
		सरकार को दी गई फीस	4.74		अधिशार के रूप में भारतीय
			365.50		रिजर्व बैंक, नागपुर द्वारा खोल
					पर काटे गये 109 रुपये
					शामिल नहीं है
					यह राशि उपयुक्त बताये गये
					कारणों के अनुसार भारतीय
					रिजर्व बैंक नागपुर द्वारा उच्च
					खातों के अन्तर्गत दिखाये गये
					निम्नलिखित प्रविणतियों के प्रत्येक
					के आगे दी गयी तारीख से
					छमाही ब्याज की है।
					(1) 3 प्रतिगणन ब्याज वाला
					रूपान्तरण ऋण 1946 सित-
					म्बर, 1973 तथा मार्च
					1974
					(2) 5-3/4 प्रतिगणन ब्याज वाला
					मध्य प्रदेश ऋण 1979
					मार्च, 1971
	48.00	दिया गया ब्याज	47.36		(क द) यह राशि अथ गेप की
		सरकार को दी गई फीस	0.64		खोलक है
			48.00		ब्याज की रकम में आयकर
					के रूप में काटी गयी 15
					रुपये की रकम शामिल नहीं
					है।
					इस राशि में आयकर तथा अधि-
					भार के रूप में खोल पर काटे
					गये अगस्त 1972 तथा फरवरी
					1973 के अन्त की अधिश
					के 6 रुपये शामिल नहीं
					है। उपयुक्त बताये गये कारणों
					से अगस्त 1973 तथा फरवरी
					1974 के अन्त की अधिश
					का ब्याज उच्चन में दिखाया
					गया है।
					(क घ) यह राशि 95.72 रुपये
					के मूल्य के 4 प्रतिगणन ब्याज
					वाले मध्य प्रदेश ऋण 1971
					की अतिविष्ट परिशोधन प्राप्ति
					की तथा अगस्त 1972 तक
					की अधिश के न बिये गये
					ब्याज के 11.12 रुपये की
					तथा फरवरी 1973 के 11.38
					रुपये की खोलक है क्योंकि
					भारतीय स्टेट बैंक भोपाल द्वारा
					50.00 रुपये में कम सर-
					कारी ड्राफ्ट नहीं जारी किये
					जाते।

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
10. मेहयू और स्पेंस रजत पदक निधि	जिला शिक्षा अधिकारी बिलासपुर	5 ^औ प्रतिशत मध्य प्रदेश अधूण 1983	500.00	500.00	11 38
11. पंडित प्रेमशंकर गंग-शंकर ठाकुर छात्रवृत्ति निधि	मुख्य कार्यकारी अधिकारी जनपद मधा, प्रमोड	3 प्रतिशत रूपान्तरण अधूण 1946	7,100.00	7,100.00	163.00
12. रेवाशंकर पंड्या हाई स्कूल छात्रवृत्ति निधि	मंडल शिक्षा अधीक्षक जबलपुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण अधूण 1946	5,000.00	5,000.00	116.00
13. लक्ष्मीबाई छात्रवृत्ति निधि	जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर	3 प्रतिशत रूपान्तरण अधूण 1946	2,600.00	2,600.00	61.00

7	8	9	10	11
	₹०	₹०	₹०	
(क ध) 106.81	118.22	..	118.22	व्याज की रकम में आयकर तथा अधिभार के रूप में खोन पर काटे गये 48 रुपये की रकम शामिल नहीं है। मितम्बर 1973 तथा मार्च 1974 के अन्त तक की अवधियों का व्याज भारतीय रिजर्व बैंक, नागपुर द्वारा उच्चतम में दिखाया गया है।
..	165.00	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	162.86 2.14 ----- 163.00	..
..	116.00	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	114.50 1.50 ----- 116.00	..
		दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	60.22 0.78 ----- 61.00	..
				व्याज की रकम में आयकर तथा अधिभार के रूप में खोन पर काटे गये 17 रुपये शामिल नहीं हैं। उपर्युक्त बताये गये कारणों से मितम्बर 1973 तथा मार्च 1974 के अन्त तक की अवधियों का व्याज भारतीय रिजर्व बैंक, नागपुर द्वारा उच्चतम में दिखाया गया है।

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
14 बुद्धमर्न छात्रवृत्ति निधि	प्रिभिलाल रातकुमार कावेज रायपुर	5 प्रतिगत मध्य प्रदेश शृण 1983, 3 प्रति- गत संपादनशरण शृण 1946	2,100.00 8,300.00	10,700.00	241.00
15 मध्य प्रदेश राज्य					
क्षय रोग सस्था निधि	अथैतनिक सचिव मध्य- प्रदेश राज्य क्षयरोग सस्था, नागपुर	3 प्रतिगत संपादनशरण शृण 1946	61,100.00	61,100.00	1,480.00

7	8	9	10	11
रु०	रु०		रु०	रु०
(क न) 44 63	288 63	दिया गया व्याज	240.81	11 63 (क न) यह राशि अथ शेष की
		सरकार को दी गई फीस	3.19	घोषक है। व्याज की रकम में
			244 00	आयकर और अधिभार के रूप
				में खोन पर काटे गये 71
				रुपये की रकम शामिल नहीं
				है। जैसा कि ऊपर बताया
				गया है निम्नलिखित प्रतिभूतियों
				के आगे दी गयी अधि का
				व्याज भारतीय रिजर्व बैंक, नाग-
				पुर द्वारा उच्चतम में दिखाया
				गया है।
				(1) 3 प्रतिशत व्याज वाला स्पा-
				न्सिंग ऋण 1946 सितम्बर
				1973 मार्च, 1974
				(2) 51 प्रतिशत व्याज वाला
				मध्य प्रदेश ऋण 1983 अगस्त
				1973 तथा फरवरी 1974
				व्याज की रकम में आयकर और
				अधिभार के रूप में खोन पर
				काटे गये 143 रुपये की रकम
				शामिल नहीं है। जैसा कि
				ऊपर बताया गया है सितम्बर
				1973 तथा मार्च 1974 के
				अन्त तक की अधिधियों का
				व्याज भारतीय रिजर्व बैंक,
				नागपुर में उच्चतम में दिखाया
				है।

1	2	3	4	5	6
बिहार			रु०	रु०	रु०
1 बुद्ध हाउस स्मारक निधि	कलकट्टर, भागलपुर	रक्षा जमा-पत्र	1,100 00	1,100 00	49 50
2 राजा रघुनंदन प्रसाद व्यास निधि	धर्मनैतिक कोषाध्यक्ष, बिहार एस० पी० सी० ए० महाकल धाम, पटना	3 प्रतिगत रूपान्तरण ऋण 1946	1,600 00	1,600 00	48 00
3 सर फजलुद्दीन स्मारक ध्वज पत्रक निधि	शिक्षा विदेशक, बिहार पटना	3 प्रतिगत रूपान्तरण ऋण 1946	1,100 00	1,100 00	33 00
उत्तर प्रदेश अलीगढ़					
1 तसवुदुल रसूल अरबी, छात्रवृत्ति अर्थ निधि न्यास	कोषाध्यक्ष, मुस्लिम विश्व-विद्यालय, अलीगढ़	2 प्रतिगत रूपान्तरण ऋण 1946	20,200 00	20,200 00	606 00
2 सर सैयद अहमद स्मारक स्थापना	रजिस्ट्रार मुस्लिम विश्व-विद्यालय, अलीगढ़	3 प्रतिगत रूपान्तरण ऋण 1946	1,16,000 00	1,16,000 00	3,480 00
7	8	9	10	11	
रु०	रु०	रु०	रु०		
..	49 50	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	49 00 0 50		
			49 50		
..	48 00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	47 52 0 48		
			48 00		
..	33 00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	32 66 0 34		
			33 00		
..	606 00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	599 94 606 00		
..	3,480 00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई फीस	3,445 20 34 80		
			3 480 00		

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
3. सर विलियम मैरिस छात्र- वृत्ति प्रक्षय निधि न्याय	कुलपति मुस्लिम विश्ववि- द्यालय, मन्सीगढ़	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	6,400.00	6,400.00	192.00
इलाहाबाद					
4. रीबा छात्रवृत्ति निधि न्याय	प्रधानाचार्य, गवर्नमेंट इंटर कालेज, इलाहाबाद	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	4,100.00	4,100.00	123.00
5. पद्मा छात्रवृत्ति निधि न्याय	शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रवेश, इलाहाबाद	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	5,200.00	5,200.00	156.00
6. बिजयनगरम छात्रवृत्ति प्रक्षय निधि न्याय	प्राधानाचार्य, गवर्नमेंट इंटर कालेज, इलाहा- बाद	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	14,800.00	14,800.00	444.00
7. बिजयनगरम छात्रवृत्ति प्रक्षय निधि न्याय	रजिस्ट्रार, इलाहाबाद विश्व- विद्यालय, इलाहाबाद	3 प्रतिशत रूपांतरण ऋण, 1946	26,000.00	26,000.00	780.00

7	8	9	10	11
₹०	₹०	₹०	₹०	
..	192.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई कीमत	190.08 1.92	..
			192.00	
..	123.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई कीमत	121.76 1.24	..
			123.00	
.	156.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई कीमत	154.44 1.56	..
			156.00	
.	444.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई कीमत	439.56 4.44	..
			444.00	
.	780.00	दिया गया ब्याज सरकार को दी गई कीमत	772.20 7.80	
			780.00	

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
8. वाराणसी माधोबाल छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	उपकुलपति, वाराणसी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी	3 प्रतिशत रुपांतरण ऋण, 1946	45,000.00	45,000.00	1,350.00
9. काटियावाड़ संस्कृत छात्र-वृत्ति अक्षय निधि न्यास	तरेख	3 प्रतिशत रुपांतरण ऋण, 1946	9,100.00	9,100.00	273.00
10. गीता छात्रवृत्ति अक्षय निधि न्यास	प्रधानाचार्य, राजकीय उच्च-तर माध्यमिक विद्यालय, वाराणसी	3 प्रतिशत रुपांतरण ऋण, 1946	5,800.00	5,800.00	174.00
11. नागरी प्रचारिणी सभा अक्षय निधि न्यास	सचिव, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी	3 प्रतिशत रुपांतरण ऋण, 1946	1,63,100.00	1,63,100.00	4,830.00
12. महाराज कुमार सुधाशु शेखर मिश्र देव, मोटार सवारी के प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी उद्दीना पदक अक्षय निधि न्यास	कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	3 प्रतिशत रुपांतरण ऋण, 1946	1,500.00	1,500.00	45.00
7	8	9	10	11	
₹०	₹०	₹०	₹०		
..	1,350.00	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	1,336.50 13.50	..	
			1,350.00		
..	273.00	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	270.26 2.74		
			273.00		
..	174.00	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	172.26 1.74	..	
			174.00		
..	4830.00	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	4,781.06 48.94	..	18,300/- रुपये के मूल्य के 3 प्रतिशत व्याज वाला रुपांतरण ऋण 1946 की प्रसिद्धिपूर्ति पर भारतीय रिजर्व बैंक, नागपुर ने आयकर और अधिभार के रूप में खोस पर 63 रुपए काट लिए थे जबकि सरकार की फीस सकल रकम में से वसूल की जा चुकी है।
			1,830.00		
..	45.00	दिया गया व्याज सरकार को दी गई फीस	11.54 0.46	..	
			45.00		

1	2	3	4	5	6
			₹०	₹०	₹०
13 बस्ती की गली भवन राज लक्ष्मी त्रेवी अक्षय निधि न्याय	रजिस्ट्रार, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	3 प्रतिशत रुपांतरण श्रृण 1946	7,300.00	7,300.00	219.00
पीडी गढ़वाल					
14 गढ़वाल क्षत्रिय शिक्षा न्याय निधि	सचिव, गढ़वाल क्षत्रिय शिक्षा न्याय निधि पीडी गढ़वाल	3 प्रतिशत रुपांतरण श्रृण 1946	51,800.00	51,800.00	1,554.00
लखनऊ					
15 नगर शिक्षा अक्षय निधि न्याय, अपर इंडिया, लखनऊ	सचिव, नगर शिक्षा अक्षय निधि न्याय, अपर इंडिया, लखनऊ	3 प्रतिशत रुपांतरण श्रृण 1946	16,600.00		
	7 वर्षीय राष्ट्रीय बचन पत्र (तीसरा निर्गम)		19,400.00	36,000.00	1,475.50
16 कप्तान कुं० इंद्रजीव सिंह एम०सी०आई०एम० एम० स्मारक अनुसंधान छात्रवृत्ति अक्षय निधि	प्रधानाध्यापक, मेडिकल कालेज, लखनऊ	3 प्रतिशत रुपांतरण श्रृण 1946	1,06,600.00	1,06,600.00	3,198.00
मिर्जापुर					
17 गिरौडी कायस्थ पाठ-शाला अक्षय निधि न्याय	कलेक्टर, मिर्जापुर	3 प्रतिशत रुपांतरण श्रृण 1946	1,600.00	9,150.00	48.00
	7 वर्षीय राष्ट्रीय बचन पत्र (दूसरा निर्गम)		7,550.00		
7	8	9	10	11	
	₹०		₹०	₹०	
..	219.00	दिया गया व्याज	216.80		
		सरकार को दी गई फीस	2.20		
			219.00		
..	1,554.00	दिया गया व्याज	1,538.46		
		सरकार को दी गई फीस	15.54		
			1,554.00		
.	1,475.50	दिया गया व्याज	1,348.25	108.90	108.90 रुपये का बैंक प्राप्त भारतीय स्टेट बैंक से प्राप्त नहीं हुआ है।
		सरकार को दी गई फीस	18.35		
			1,366.60		
..	3,198.00	दिया गया व्याज	3,166.02		
		सरकार को दी गई फीस	31.98		
			3,198.00		
..	18.00	दिया गया व्याज	47.52		
		सरकार को दी गई फीस	0.48		
			48.00		

पंजाब

भारत और पाकिस्तान के बीच, केंद्रीय एवं अक्षय निधियों से संबंधित प्रतिभूतियों का विशासन न हो सकने के कारण प्रतिभूतियों की सूची तैयार नहीं की जा सकी।

[गुप्त एफ० 1/1/7 1-टी०सी०ई०]

भगवत दास पाण्डे, कोषपाल

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

(Office of the Treasurer of Charitable Endowments for India)

New Delhi, the 15th June, 1974

S.O. 1982.—The following list of properties and of securities as on the 31st March, 1974 and abstract of accounts of interest for the year 1973-74 in respect of Charitable Endowments (Central) held by the Treasurer of Charitable Endowments for India or his agents under the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), are published for general information

Part I—List of Properties other than Securities

Sl. No	Particulars of Vesting Order	Name of endowment	Administrators of Property	Property held			Remarks	
				Description	Value	Annual Income, if known		
1	2	3	4	5	6	7	8	9
INDIA								
1	Ministry of Health Notification No F4-3(2)53-MI as amended by the Ministry of Health Notification No F.4-2/61 MII (ME)	12-6-1953 27-11-1963	The Lady Hardinge Hospital for Women and Children, Delhi, Fund	Board of Administration, Lady Hardinge Medical College and Hospital	Land and buildings of the Lady Hardinge Medical College and Hospital, Delhi together with all fixtures, furniture equipment, etc The area of the Lady Hardinge Medical College and Hospital Delhi—49.82 acres Location—Punchkuin Road, Boundaries. North—Punchkuin Road. South—Lady Hardinge Road. East—Connaught Circus West—Baird Road Survey No CE-2370 L DO No 94 Terms—Leased to the institution by the Land and Development Officer, Delhi on a nominal rental of Re 1 per annum Number of buildings including Mosque, Church, etc 71 in all Approximate cost of buildings assessed by the Land and Development Officer, Delhi. Rs 63,50,537/-	Rs 63,50,537 00	Not known	
2.	Ministry of Health Notification No F.14-26/61-Instt	31-8-1962	Pasteur Institute of India	Administrator of the Association of the Pasteur Institute of India	1 Anti-Rabies Research Centre building, Kasauli. 2 Lady Linlithgo Sanatorium building, Kasauli 3 Shelton Lodge, Kasauli	Not known	Not known	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
3.	Ministry of Defence Notification No. S.R.O. 250.	19th July, 1960.	Farm Fund of the Kumaon Regimental Farm at Kamola and Udaipuri.	Board of Administration of the Fund.	Kamola Tehsil Kala-dhungi District Nainital.			
					1. Dispensary (30ft. x 24ft.)	4,000	Not known	
					2. Thimayya Lodge (30ft. x 24ft.)	4,000		
					3. Guest House No. 1 (30ft. x 35ft.)	5,000		
					4. Guest House No. 2 (28ft. x 26ft.)	3,500		

MAHARASHTRA

1.	G.I.H.D. Education No. 433.	27th May, 1909.	The Indian Institute of Science.	The Collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H. Tata.	"Victoria Buildings"—All that piece of freehold situated in the Fort on the eastern side of Parsi Bazar Street, at or near the Elphinstone Circle with the messuage, tenements, buildings thereon known as "Victoria Buildings" containing by admeasurement 482-3/4 sq. yards or thereabouts.	Not known	Do.
2 &	Do.	Do.	Do.	Do.	"Albion Place and Alexandra Terrace"—All that piece of land, situated at Byculla on the eastern side of Parel Road with the messuage, tenements and buildings thereon, with their out-houses and stables known as "Albion Place and Alexandra Terrace" containing by admeasurement 11,104 sq. yards or thereabouts.	Do.	Do.
1.	Do.	Do.	Do.	Do.	New construction being a building now known as "Hotel Heritage" built on portion of land admeasuring 11,104 sq. yards or thereabouts situated at Byculla on the eastern side of Parel Road now known as Dr. Ambedkar Road.	19,00,000.00	1,89,120.00
4 & 5	Do.	Do.	Do.	Do.	"Reay House" and "Sandhurst House"—All that piece or parcel of leasehold land situated on the Apollo Reclamation, in the Island of Bombay, containing by admeasurement 2,004 8/9 square yards, with the two buildings thereon, known as "Reay House" and "Sandhurst House."	Not known	Not known

1	2	3	4	5	6	7	8
6 & 7	G.I.H.D. Fluctuation No. 433	27th May, 1909	The Indian Institute of Science	The Collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Siur and Shri Naval H. Tata.	"Rosevelt or Ezra House"—All that piece or parcel of lease hold land situated on the Apollo Reclamation, containing by admeasurement 533 square yards and 3/9 of another square yard, with the buildings thereon, known as the "Rosevelt House or Ezra House" and secondly all that piece of leasehold land also situated on the Apollo Reclamation, in the Island of Bombay, containing by admeasurement 573 square yards and 3/5 of another square yard.	Not known	Not known
8 & 9.	Do	Do.	Do.	Do.	"Sargent House" and "Jenkins House"—All that piece or parcel of land situated on the Apollo Reclamation in the Island of Bombay containing by admeasurement 3487-2/9 square yards with the buildings thereon known as "Sargent House" and "Jenkins House".	Do.	Do
10.	Do.	Do.	Do.	Do.	"New Shamji Buildings, now known as Station Terraces, Sleater Road"—All that piece of land of Foras tenure admeasuring 2,290 square yards or thereabouts with the several messuages, tenements or dwelling houses, known as "New Shamji Buildings Extension" now known as the "Station Terraces" situated on the South side of the Sleater Road, Bombay.	Do.	Do.
11.	Do.	Do.	Do.	Do.	"Candy House"—All that piece of leasehold land, situated on the Apollo Reclamation, in the Island of Bombay, containing by admeasurement 529-6/9 square yards known as "Candy House".	Do.	Do.
12&13	Do.	Do.	Do.	Do.	"Land near Albion Place and Alexandra Terrace"—All that piece of land containing by admeasurement 8,570 square yards or thereabouts, registered by the Collector of Bombay with other land situated at Byculla on the eastern side of Parcel Road in the City of Bombay, together with messuages, tenements and dwelling Houses standing thereon known as "Land near Albion Place and Alexandra Terrace."	Do.	Do.
E							107-8/9 sq. yards acquired by the Land Acquisition Officer for the City of Bombay.

1	2	3	4	5	6	7	8	9
14.	G.I.H.D. Education No. 433	27th May, 1909	The Indian Institute of Science.	The Collector of Bombay, Shri Narayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H. Tata.	<p>"Land at Parel Tank Road" Firstly—All that piece of land admeasuring 66,057 square yards or thereabouts whereof 7,021 sq. yards is Government Toka land and 2,189 sq. yards is recently assessed Government Land and remaining is Inam land situated at Parel on the public road leading to Parel Government tank, known as "Land at Parel Tank Road" Wageshri Hill.</p> <p>Secondly—All that piece of vacant Inam land admeasuring 6,005 square yards or thereabouts situated at Parel.</p> <p>Thirdly—All that piece of vacant land of the Government Toka tenure containing by admeasurement 1,058 square yards or thereabouts situated at and on the south side of Golangi Hill Road at Parel in the City of Bombay.</p> <p>Fourthly—All that piece of vacant Government Toka land containing by measurement 566 square yards or thereabouts situated at and on the south side of Golangi Hill Road at Parel in the City of Bombay.</p>	No known	Not known	<p>Out of 74,686 square yards 15,575.80 square yards acquired by Government under Land Acquisition Act for the construction of the work of the Tata Hydro-Electric Power Supply Co. Ltd. in connection with its transmission lines and 37,471.52 square yards subsequently acquired in 1922 by the Land Acquisition Officer. A portion of the land at Parel Tank Road admeasuring 2,043.88 square yards of CS No. 1/202 part and 623.33 square yards of CS No. 203 part has been acquired by the Bombay Municipal Corporation for the purpose of construction of Water Reservoir under Section 12(2) of the Land Acquisition Act 1 of 1894.</p>

1	2	3	4	5	6	7	8	9
15.	G.I.H.D. Education N. 433	27th May, 1909.	The Indian Institute of Science.	The Collector of Bombay, Shri Na- rayan Dattatraya Sirur and Shri Naval H. Tata.	All that piece of land situated on the West side of the Colaba Road at Colaba with- in the city and Regis- tration Sub-district of Bombay containing by admeasurement 2,020 sq. yards or there- abouts and bounded as follows: that is to say on or towards the North by the Property of the Trustees of Sir Currimbhoy Ebrahim Baronetcy Trust, on or towards the South by the Road of Police Chowkey, on or to- wards the East by Colaba Road and on or towards the West by Wodehouse Road, and which said piece of land is registered in the books of the Collector of Bombay under Rent Roll No. 8509 and bears Cadestral Survey No. 48 of Colaba Division together with the buildings and erec- tions standing thereon assessed by the Muni- cipality of Bombay under Award Nos. 213, 214 and Street Nos. 158 and 125 of Colaba Road and Wodehouse Road and Street No. 154 of Lower Colaba Road respectively.	18,44,108.28	1,99,675.08	
16.	G.R.E.D. No. 452	7th March, 1906	Sir Jam- setjee Je- jeebhoy Parsee Benevo- lent Insti- tution.	The Secretary, Sir Jamsetjee Jejee- bhoy Parsee Bene- volent Institution, Bombay.	A piece of land with dwelling house and building situated at Hornby Road, Fort, Bombay, admeasuring 1,688 square yards.	Not known	Not known	
17.	G.R.E.D. No. 1778	10th July, 1912	Sir Jam- setjee Jejee- bhoy Parsee Benevo- lent Insti- tution.	The Secretary, Sir Jamsetjee Jejee- bhoy Parsee Bene- volent Institution, Bombay.	All that piece or parcel of freehold land with messuage, tenement or stables standing thereon situated at Gola Lane, Fort, Bombay, admeasuring 173 and 62 square yards or thereabouts.	Do.	Do.	

1	2	3	4	5	6	7	8	9																																										
MADRAS																																																		
1. Government of India Ministry of Defence Notification No. 778-A as amended from time to time.	14th May, 1949	The Lawrence Memorial School (Love-dale) Fund.	(a) Three representatives of the Govt. of India of whom one shall be from the Ministry of Education and Scientific Research and shall be the Chairman one shall be from the Ministry of Finance and shall be the Treasurer of the School and one shall be from the Ministry of Defence. (b) Four other members to be nominated by the Govt. of India. (c) Aparent. (d) An Old Lawrencian.	(a) Land in Madras bearing Survey No. 232 and measuring 15 cawnies 18 grounds and 1678 sq. ft. with the buildings (hereon known as "Madras Military Female Orphan Asylum". (b) Lands in Ketti and Ootacamund in the Nilgiris District having the survey number and extents as noted below:		Rs. 1,26,475 00	Not known	The property is in the occupation of the Civil Orphan Asylum in consideration of the maintaining and educating 30 additional girls in addition to the girls of the Asylum such as were formerly admitted to the Madras Military Female Orphan Asylum.																																										
					<table> <tr> <th>Village</th> <th>S. No.</th> <th>Extent A.C.</th> </tr> <tr> <td>Ketti</td> <td>1158</td> <td>12-57</td> </tr> <tr> <td></td> <td>1224/4</td> <td>49-26</td> </tr> <tr> <td></td> <td>1354/2</td> <td>606-55</td> </tr> <tr> <td></td> <td>1355/3</td> <td>25-34</td> </tr> <tr> <td></td> <td>1355/5</td> <td>4-20</td> </tr> <tr> <td></td> <td>1356/2</td> <td>0-74</td> </tr> <tr> <td></td> <td>1356/4</td> <td>1-06</td> </tr> <tr> <td></td> <td>1225</td> <td>0-67</td> </tr> <tr> <td>Ootacamund</td> <td>5020</td> <td>1-66-4/8</td> </tr> <tr> <td></td> <td>5018</td> <td>0-05-5/8</td> </tr> <tr> <td>Ketti</td> <td>1159/1</td> <td>0-14</td> </tr> <tr> <td></td> <td>1161/1B</td> <td>1-65</td> </tr> <tr> <td>Ootacamund.</td> <td>4956</td> <td>6-3-4/8</td> </tr> </table>	Village	S. No.	Extent A.C.	Ketti	1158	12-57		1224/4	49-26		1354/2	606-55		1355/3	25-34		1355/5	4-20		1356/2	0-74		1356/4	1-06		1225	0-67	Ootacamund	5020	1-66-4/8		5018	0-05-5/8	Ketti	1159/1	0-14		1161/1B	1-65	Ootacamund.	4956	6-3-4/8			
Village	S. No.	Extent A.C.																																																
Ketti	1158	12-57																																																
	1224/4	49-26																																																
	1354/2	606-55																																																
	1355/3	25-34																																																
	1355/5	4-20																																																
	1356/2	0-74																																																
	1356/4	1-06																																																
	1225	0-67																																																
Ootacamund	5020	1-66-4/8																																																
	5018	0-05-5/8																																																
Ketti	1159/1	0-14																																																
	1161/1B	1-65																																																
Ootacamund.	4956	6-3-4/8																																																

UTTAR PRADESH

1. Government of U.P. Education Deptt. Notifications Nos. 602/XV-301 and 808-G/XV/619/1923.	2nd April, 1918 and 29th November, 1923 respectively.	Giraundi Kayastha Pathshala Endowment Trust, Mirzapur.	A Committee of Management consisting of the Collector, Mirzapur as ex-officio Chairman and Executors of the Estate of the late Munshi Bindeshwari Prasad Pleader.	(a) Three houses situated in Mohalla Welleslygunj, Distt., Mirzapur bounded as follows:- (1) South-House of Sri Piyare Lal, North—House of Musammat Jhunna, West—Government Road, East—House of Sri Sumer Sonar. (2) South—House of Munshi Bindeshwari Prasad, Vakil, North—Mosque, West—House of Shri Rameshwar Teli, East—Road. (3) South—House of Shri Budhu, North—House of Munshi Bindeshwari Prasad Vakil, West—House of Musammat Umrao, East—Road. (b) A grove situated in Mauza Giraundi, Tehsil Chunar, District Mirzapur. (c) Pathshala in Mauza Giraundi, Tehsil Chunar, District Mirzapur situated in the grove mentioned in (b) above.		Rs. 600.00	Rs. 36.00	
						600.00	36.00	
						600.00	36.00	
						600.00	15.00	
						50.00	Not known	

PUNJAB

Pending apportionment of properties relating to Central Charitable Endowments between India and Pakistan the list of properties could not be prepared.

PART II—List and abstract

Case No.	Name of endowment	Persons in whose behalf held	Particulars of Securities	Total of Securities	Cash Interest or dividend realised
1	2	3	4	5	6
				Rs.	Rs.
INDIA					
1	Merchant Seamen's Amenities Fund.	Merchant Seamen's Amenities Fund Committee.	—	—	12,930.75
2	Khandpara State Trust Fund.	Board of Trustees, Khandpara State Trust Fund.	Fixed Deposit with the Tamilnadu Industrial Investment Corp. Ltd.	30,600.00	30,600.00
3	Armed Forces Benevolent Fund.	Armed Forces Benevolent Fund General Committee.	3% Conversion Loan 1946	8,00,400.00	8,00,400.00

Account of Securities

Receipts		Cash Expenditure		Balance in cash		Remarks
Other Cash receipts	Total Cash receipts	Payments				
7	8	9		10		11
Rs. P.	Rs. P.		Rs. P.	Rs. P.		
(a) 25,300 00	38,230.75	Interest remitted Fee paid to Govt. (a) other payments	12,801.44 129.31 25,300.00	..		(a) Represents redemption value of 4% Ten-Year Treasury Savings Deposit Certificates since remitted back to the Fund authorities.
			38,230.75			The following other assets held by the Treasurer of Charitable Endowments for India have been returned to the authorities of the Merchant Seamen's Amenities Fund as the Treasurer has been divested of the properties of the Fund :
					Rs.	
					(i) 3% Conversion Loan 1946	1,49,100
					(ii) 4½% Loan 1986	4,50,000
					(iii) Fixed Deposit Investment with the Tamilnadu Industrial Investment Corp. Ltd.	2,63,200
						8,62,300
..	2,218.50	Interest remitted Fee paid to Govt.	2,196.32 22.18	..		
			2,218.50			
..	24,012.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	23,771.88 240.12	..		
			24,012.00			

1	2	3	4	5	6
				Rs.	Rs.
4	Lady Hardinge Hos- pital for Women and Children, Delhi, Fund.	Board of Administration, Lady Hardinge Medi- cal College & Hospital.	3% Conversion Loan 1946 4-1/2% Loan 1986 4-1/2% Loan 1977 Treasury Savings/Defence Deposit Certificates National/Plan/Defence/ Savings Certificates Fixed Deposit with the Tamilnadu Industrial Investment Corp. Ltd. 7-Year National Savings Certificates (II Issue) 6% West Bengal State Electricity Board Bonds 1982	8,05,800.00 7,300.00 25,300.00 19,500.00 14,60,000.00 1,63,100.00 41,000.00 22,000.00	 25,44,000.00 1,14,701.50
5	St. Dunstan's (India) Fund.	Board of Trustees, St. Dunstan's (India) Fund	3% Conversion Loan 1946 4-3/4% Loan 1989 Treasury Savings Deposits Certificate.	92,900.00 15,000.00 60,000.00	 1,67,900.00 (e) 7,777.50

7	8	9	10	11
Rs. P.	Rs. P.		Rs. P.	Rs. P.
(b) 2,43,155.00	3,57,856.50	Interest remitted Fee paid to Govt. (c) other payments	1,13,554.48 1,147.02 1,63,155.00 2,77,856.50	(d) 80,000.00
				(b) Represents :
				(i) Opening Balance re- mitted to the Fund authorities
				55.00
				(ii) Redemption value of 4 1/2 % Loan 1973
				88,100.00
				(iii) Redemption value of 4% Ten-Year Treasury Savings Deposit Cer- tificate
				75,000.00
				(iv) Redemption value of Post Office National Savings Certificates
				80,000.00
				2,43,155.00
				(c) Represents :
				(i) Opening balance re- mitted to the Fund authorities
				55.00
				(ii) Fixed Deposit Invest- ment with the Tamil- nadu Industrial In- vestment Corp. Ltd.
				1,63,100.00
				1,63,155.00
				(d) Redemption value of Post Office National Savings Certificates to be in- vested in trustee securities on receipt of advice of the appropriate authority.
				(c) Includes refund of income-tax of Rs. 78/- remitted to the Fund autho- rities.
	7,777.50	Interest remitted Fee paid to Govt.	7,699.72 77.78 7,777.50	

1	2	3	4	5	6
				Rs.	Rs.
6	Air Force Officers' Contributory Education Fund.	General Committee, Air Force Officers' Contributory Education Fund.	Fixed Deposit with the Tamilnadu Industrial Investment Corp. Ltd. National Defence Certificates Defence Deposit Certificates 4-3/4% Madras Loan 1976	50,000.00 55,000.00 1,00,000.00 40,100.00	2,45,100.00 11,279.74
7	Thomas Reed Bell Memorial Fund.	The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun.	3% Conversion Loan 1946	3,100.00	93.00
8	Central Post-War Resettlement Fund.	The Managing Committee Central Post-War Resettlement Fund.	4% Loan 1979	1,80,000.00	7,200.00
9	Pasteur Institute of India.	Administrator of the Pasteur Institute of India.	3% Conversion Loan 1946 4% Loan 1980 National Plan Savings Certificates	66,900.00 1,10,900.00 15,000.00	1,92,800.00 6,443.00
10	National Foundation for Teachers' Welfare.	General Committee, National Foundation for Teachers' Welfare.	5-1/2% Maharashtra State Development Loan 1977. Fixed Deposit with the T.I. I. Corp. Ltd. 5-3/4% Bombay Municipal Debentures 1977 5-3/4% Bombay Municipal Debentures 1978 5-1/2% Madhya Pradesh State Development Loan 1977	29,08,700.00 23,00,000.00 82,75,000.00 25,68,500.00 19,77,600.00	1,80,29,800.00 10,66,705.85
7	8	9	10	11	
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.	
..	11,279.74	Interest remitted Fee paid to Govt.	11,166.94 112.80 11,279.74	..	
..	93.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	92.06 0.94 93.00	..	
..	7,200.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	7,128.00 72.00 7,200.00	..	
..	6,443.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	6,378.56 64.44 6,443.00	..	
(f)	102.50	10,66,808.35 Interest remitted Fee paid to Govt. (f) Other payments	10,56,038.78 10,667.07 102.50 10,66,808.35	..	(f) Represents refund of commission charged by the Reserve Bank of India on account of drawal and remittance of interest on certain securities, since remitted to the Fund authorities.

1,	2	3	4	5	6
11. Sarada Ranganathan Endowment for Library Science.	Committee of Management of the Fund.	Fixed Deposit with the Tamil Nadu industrial Investment Corp. Ltd.	3,80,000.00	3,80,000.00	24,525.00
12. Banubai Kanga Trainees Welfare Fund of the Training Centre for the Adult Blind, Dehra Dun.	The Superintendent Training Centre for the Adult Blind, Dehra Dun.	Defence Deposit Certificates. 7 year National Savings Certificates (III Issue) 6% West Bengal State Electricity Board Bonds, 1982.	10,350.00 39,600.00 4,400.00	54,350.00	2,471.62
13. Flag Day Fund	Managing Committee, Flag Day Fund.	3% Conversion Loan 1946. 4-1/2% Madhya Pradesh State Development Loan, 1974. 4-1/2% Andhra Pradesh State Development Loan, 1974. 4-1/2% Bihar State Development Loan, 1974. 4-1/2% Uttar Pradesh State Development Loan, 1974. 4-1/2% Madras Loan 1974. 4-1/2% Maharashtra State Development Loan, 1974	4,20,000.00 1,34,000.00 1,65,000.00 1,58,000.00 50,000.00 1,08,000.00 1,07,000.00	11,42,000.00	45,090.00

7	8	9	10	11
..	24,525.00	Interest remitted . Fee paid to Govt.	24,279.74 245.26 <u>24,525.00</u>	..
(g) 11.00	2,482.62	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	2,446.90 24.72 <u>2,471.62</u>	11.00 (g) Represents opening balance.
..	45,090.00	Interest remitted . Fee paid to Govt. .	44,639.08 450.92 <u>45,090.00</u>	..

1	2	3	4	5	6
14. War Bereaved and Disabled Servicemen Special Relief Fund.	Managing Committee, War Bereaved and Disabled Servicemen Special Relief Fund.	5% Loan 1984. Fixed Deposit with Tamilnadu Industrial Investment Corp. Ltd.	1,50,16,700.00 1,00,00,000.00		3,59,870.50
		6% Bangalore Water Supply & Sewerage Board Debentures Bonds 1984.	7,00,000.00		
		6% Kerala Financial Corp. Bonds 1983.	2,00,000.00		
		6% Andhra Pradesh Electricity Board Bonds 1984.	40,00,000.00		
		6% Gujarat Housing Board Debentures 1983 (II Series)	8,00,000.00		
		6% Andhra Pradesh Coop. Central Land Mortgage Bank Debentures 1982-87	1,00,000.00		
		6% Orissa State Electricity Board Bonds 1984.	45,00,000.00		
		6% Assam State Electricity Board Bonds 1984. (I)	2,00,000.00		
		6% Kerala State Electricity Board Bonds 1982.	10,00,000.00		
		6% Kerala State Electricity Board Bonds 1984.	3,75,000.00		
		6% Debentures 1985 of Bihar Rajya Sahakari Bhumi Vikas Bank Ltd.	3,00,000.00		
		6% U.P. State Electricity Bd. Bonds 1982 (I Series)	4,50,000.00		
		6% Gujarat Ind. Dev. Bonds 1983 (II)	15,00,000.00		3,91,41,700.00

MAHARASHTRA

1. Indian Institute of Science (Bangalore Properties).	The Council of the Indian Institute of Science, Bangalore.	7 Years National Savings Certificates (III Issue)	2,200.00	2,200.00	330.00
2. Indian Institute of Science (Bombay Properties).	The Council of the Indian Institute of Science, Bangalore.	3% Conversion Loan, 1946 5-1/2% Loan 2000 5-3/4% Maharashtra Loan, 1982.	10,22,800.00 1,40,300.00 57,800.00	12,20,900.00	41,724.00
3. Fakirjee Cowasjee of Karachi Scholarship Fund.	Captain Superintendent Training ship "Rajendra," Off New Ferry Wharf, Bombay-9.	3% Conversion Loan 1946	60,000.00	60,000.00	1,386.00
4. Chatfield Memorial Prize Fund.	1. Principal, Training College for men, Poona. 2. Principal, Training College for men, Dharwar. 3. Principal, Training College for men, Ahmedabad.	3% Conversion Loan 1946	200.00	200.00	6.00

7	8	9	10	11
Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	
(h) 4,00,00,088.82	4,03,59,959.32	Interest remitted 3,56,271.79 Fee paid to Govt. 3,598.71 (i) Other payments 4,00,00,088.82 ----- 4,03,59,959.32	..	(h) Represents (i) 4,00,00,000 received from the Fund authorities for investment in trustee securities (ii) 88.82 balance remained after the investment in trustee securities of the face value of Rs. 3,97,16,700/- at a cost of Rs. 3,99,99,911.18. ----- 4,00,00,088.82
				(I) Represents (i) 88.82 balance remained after investment in trustee securities, since remitted back to the Fund authorities (ii) 3,00,00,000.00 remittance to the Reserve Bank of India for investment. The Bank have purchased trustee securities of the face value of Rs. 2,97,16,700/- at a cost of Rs. 2,99,99,911.18. Out of this securities of the face value of Rs. 5,75,000/- are still awaited from the Bank (iii) 1,00,00,000.00 remittance to the Tamilnadu Industrial Investment Corp. Ltd. for investment in fixed deposit. ----- 4,00,00,088.82
				The securities of the face value of Rs. 3,91,41,700/-, bearing securities of Rs. 5,75,000/- which are still awaited from the Bank have been shown as corpus of the Fund.
(m) 3,141.00	3,471.00	Interest remitted 217.80 Fee paid to Govt. 2.20 (m) Other payments 3,141.00 ----- 3,361.00	110.00	(m) Represents refund of income-tax since remitted to the Fund authorities.
(p) 27.02	41,751.02	Interest remitted 26,118.18 Fee paid to Govt. 263.82 ----- 26,382.00	15,369.02	(p) Represents opening balance.
(s) 414.00	1,800.00	Interest remitted 684.00 (s) Other Payments 414.00 Fee paid to Govt. 9.00 ----- 1,107.00	693.00	(r) Income-tax and surcharge of Rs. 414/- has been deducted from the gross interest of Rs. 1,800/- which will be claimed and refunded (s) Represents refund of income tax and surcharge since remitted to the Fund authorities.
(t) 22.25	28.25		28.25	(t) Represents opening balance.

1	2	3	4	5	6
1. Ganesh Balwant Limaye Scholarship Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946	56,000.00	56,000.00	1,680.00
6. Sir William Moore Memorial Fund.	The Director of Health Services, Maharashtra State, Bombay.	3% Conversion Loan 1946	1,100.00	1,100.00	33.00
7. Kazi Shahbuddin Endowment for the encouragement of Education among Mohame-dans in the Bombay Presidency.	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946 5-3/4% Maharashtra Loan 1981.	1,45,300.00 5,100.00	1,50,400.00	4,652.24
8. Fund for Prizes in English in connection with the S.S.C. Examination.	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946 4% B.P.T. Loan.	400.00 3,000.00(v)	3,400.00	12.00
9. Sir Sassoon David Trust Fund for Agriculture and Educational purposes.	Board of Trustees of the Fund C/o Secy. to Govt. of Maharashtra, Agriculture and Co-operation Deptt. Bombay.	5-3/4% Maharashtra Loans 1983.	7,51,100.00	7,51,100.00	21,594.12
10. After-care Fund in connection with the Bombay State Probation and After-care Association.	President Maharashtra State Probation and After-care Association B.I.T. Block No. 33, King's Circle, Matunga Bombay-19.	5-1/2% Maharashtra Loan 1978 3% Conversion Loan 1946	14,000.00 7,000.00	21,000.00	980.00
11. Imperial Indian Relief (Scholarship) Fund	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946	25,200.00	25,200.00	756.00
12. Savitribai Krishnarao, Uplap Scholarship Fund.	Do.	3% Conversion Loan 1946.	12,800.00	12,800.00	384.00
13. Bombay Province Agricultural Show Fund.	Director of Agriculture, Maharashtra State, Poona	3% Conversion Loan 1946. 5-3/4% Maharashtra Loan 1979.	4,16,000.00 2,000.00	4,18,000.00	12,595.00
14. Dr. Ramchandra Shivaji Poredi Scholarship Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	Conversion Loan 1946.	11,100.00	11,100.00	333.00
15. Sir Cusrow Wadia Trust Fund.	Chairman of the Governing Body of the Fund C/o Secy. to Govt. of Maharashtra, Agriculture & Co-operation Deptt. Bombay.	4-3/4% Maharashtra Loan 1976.	12,81,300.00	12,81,300.00	60,861.74
16. Post-War Services Reconstruction Fund (Rajasthan Share).	Secretary of the Fund C/o Maharashtra State S.S. & A. Board, Poona-1.	5-3/4% Maharashtra Loan 1982. 3% Conversion Loan 1946. 4-1/2% Maharashtra Loan 1974.	6,400.00 1,200.00 3,500.00	11,100.00	561.50
17. War Memorial Fund for Indian Merchant Seamen 1947.	Committee of Management of the Indian Sailors' Home Society, Masjid Bunder Siding Road, Bombay-9.	3% Conversion Loan 1946.	21,32,900.00	21,32,900.00	63,987.00
18. Homi Mehta Victory Thanks giving Fund (Rajasthan Share).	Secretary of the Fund C/o Maharashtra State S.S. & A. Board, Poona 1.	3% Conversion Loan 1946. 5-3/4% Loan 2003 4-1/2% Maharashtra Loan 1974.	800.00 100.00 400.00	1,300.00	45.89

F	7	8	9	10	11
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
		1,680.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	831.60 8.40	840.00
				840.00	
		33.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	16.33 0.17	16.50
				16.50	
		4,652.24	Interest remitted Fee paid to Govt. .	2,302.85 23.17	2,326.12
				2,326.12	
		12.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	5.94 0.06	6.00
				6.00	(v) Interest for the two half year ended due in April and October of the securities of the B.P.T. Bonds of the face value of Rs. 3000 has not been received. The steps to collect the interest are being taken.
		64,782.36	Interest remitted Fee paid to Govt. .	64,134.54 647.82	64,782.36
				64,782.36	
		980.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	485.10 4.90	490.00
				490.00	
		756.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	374.22 3.78	378.00
				378.00	
		384.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	190.08 1.92	192.00
				192.00	
		12,595.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	6,234.52 62.98	6,297.50
				6,297.50	
		333.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	164.83 1.67	166.50
				166.50	
(w)	97.08	60,958.82	Interest remitted Fee paid to Govt. .	60,253.12 608.62	97.08
				60,861.74	(w) Represents opening balance.
		561.50	Interest remitted Fee paid to Govt. .	538.06 5.44	18.00
				543.50	
		63,987.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	31,673.56 319.94	31,993.50
				31,993.50	
(ab)	100.00	145.89	Interest remitted Fee paid to Govt. . (ab) Other payments	33.55 0.34 100.00	12.00
				133.89	(ab) Represents redemption proceeds of 44% Loan 1973 of the face value of Rs. 100/-, since converted at par into 54% Loan 2003 of Rs. 100/-.

1	2	3	4	5	6
			Rs.	Rs.	Rs.
19. L.V. Mandke Prize Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946.	1,600.00	1,600.00	48.00
20. Miss Manikbai Shinde Prize Fund.	Do.	3% Loan 1896-97.	1,000.00	1,000.00	30.00
21. Maratha War Memorial Fund.	Hony. Secretary, Maratha War Memorial Fund, The Maratha Light Infantry Regimental Centre, Belgaum.	5-1/2% Loan 2000. 3% Conversion Loan 1946.	9,100.00 5,45,300.00	5,54,400.00	16,859.50
22. Sir M.V. Joshi Trust Fund.	Principal, Agricultural College, Poona.	3% Conversion Loan 1946. 5-1/2% Loan 2002.	12,800.00 500.00	13,300.00	427.11
23. Miss Clarke Memorial Nursing Fund.	Chairman, Bombay Branch of the National Association for supplying Female Medical Aid and Instruction to the Women of India, C/o Shri R.N. Bhavnagri, S.B. Billimoria & Co., Chartered Accountants, 113, Mahatma Gandhi Road, Bombay-1.	3% Conversion Loan 1946.	11,000.00	11,000.00	330.00
24. Barjorji Maneckji Sutaria Prize Fund.	Director of Education, Maharashtra State, Poona.	3% Conversion Loan 1946.	2,000.00	2,000.00	60.00
25. Campbell Memorial Medal Fund	Committee of Management of the Asiatic Society of Bombay, Town Hall, Bombay-1.	5 1/2% Maharashtra Loan 1984.	4,900.00	4,900.00	281.74
26. Sir Jamsetjee Jejeebhoy Parsee Benevolent Institution.	Secretary, Sir J.J.P.B. Institution, 209 Dr. Dadabhoy Naoroji Road, Fort, Bombay.	State Bank Shares . 3% Loan 1896-97 . 3% Conv. Loan 1946 . 4% Loan 1981 . 4 1/2% Loan 1989 . 4 1/2% Maharashtra Loan 1974. 4 1/2% Maharashtra Loan 1976. 5 1/2% Loan 2001 . 4 1/2% Madras Loan 1976 4% Bombay Port Trust Debentures. 5 1/2% Maharashtra Loan 1978. 5 1/2% Maharashtra Loan 1977. 5 1/2% Madras Loan 1979 5 1/2% Madras Loan 1980 5 1/2% Maharashtra Loan 1982. 5 1/2% Maharashtra Loan 1981. 6% Maharashtra State Electricity Board Bonds 1981. 6% Bombay Municipal Debentures 1983. 5 1/2% Loan 1999 . 5 1/2% Loan 2002 .	1,300.00 6,900.00 12,99,500.00 500.00 500.00 3,000.00 7,000.00 8,80,800.00 2,000.00 11,000.00 4,400.00 500.00 2,500.00 2,500.00 11,400.00 8,900.00 3,36,200.00 20,500.00 10,500.00 3,400.00		1,14,461.62

7	8	9	10	11
Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	
..	48.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	23.76 0.24	24.00
			24.00	
..	30.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	29.70 0.30	.
			30.00	
(ac) 208.91	17,068.41	Interest remitted Fee paid to Govt. . Other payments	8,593.20 86.80 173.00	8,215.41 (ac) Represents— (i) Opening balance of Rs. 35.91 and (ii) Refund of Income Tax of Rs. 173/- since remitted to the administrator.
			8,853.00	
.	427.11	Interest remitted Fee paid to Govt. .	232.77 2.34	192.00
			235.11	
..	330.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	163.35 1.65	165.00
			165.00	
..	60.00	Interest remitted Fee paid to Govt. .	29.70 0.30	30.00
			30.00	
(ad) 32.00	313.74	Interest remitted Fee paid to Govt. . (ad) Other payments	139.46 1.41 32.00	140.87
			172.87	(ad) Represents refund of income- tax and Surcharge since remitted to the Fund authorities.
				(ah) Represents - 14,000.00 Repayments proceeds of 4% B.P.T. Bonds; 3,500.00 Repayment proceeds of 4% B.M. Debentures re- invested into 5½% Loan 2002 at a total cost of Rs. 3,436.72 of the face value of Rs. 3,400/- unin- vested balance being Rs. 63.28 refunded to the administrator; 116.00 Refund of income-tax; and 10,680.95 Opening Balance. 28,296.95
				(ai) Represents— 178.22 Uninvested balance since remitted; 3,436.72 Cost of securities of 5½% Loan 2002 for Rs. 3,400/-; 10,436.01 Cost of securities of 5½% Loan 1999 for 10,500/-; 116.00 Refund of Income tax re- mitted. 14,166.95
(ah) 28,296.95	1,42,758.51	Interest remitted (ai) Other Payments Fee paid to Govt. .	92,528.99 14,166.95 939.38	35,123.25
			1,07,635.32	

1	2	3	4	5	6
				Rs.	Rs.
27.	Bombay Branch of the National Association for supplying Female Medical Aid and instruction to the Women of India.	Treasurer of the Bombay Branch of the National Association, C/o. Shri R.N. Bhavnagri S.B. Billimoria and Co., 113 M.G. Road, Bombay-1.	3 $\frac{1}{2}$ % Conversion Loan 1946 5 $\frac{1}{2}$ % Maharashtra Loan 1981	2,18,100.00 30,000.00	2,48,100.00 8,268.00
28.	Rustomji Jejeebhoy School Fund.	Jamsetjee Gujarati Secretary, Sir J.J. Parsee Benevolent Institution, 209, Dr. D.N. Road, Fort, Bombay.	3% Conversion Loan 1946	72,000.00	72,000.00 2,160.00

MADRAS

1.	The Lawrence Memorial School (Lovcdale) Jand	(a) Three representatives of the Govt. of India of whom one shall be from the Ministry of Education and Scientific Research, and shall be the Chairman, one shall be from the Ministry of Finance and shall be the Treasurer of the School and one shall be from the Ministry of Defence. (b) Four other members to be nominated by the Govt. of India. (c) A parent. (d) An Old Lawrencean.	4 $\frac{1}{2}$ % Loan 1986 3 $\frac{1}{2}$ % Conversion Loan 1946 5 $\frac{1}{2}$ % Loan 1990 Fixed Deposit with the T.J.I. Corp. Ltd. Fixed Deposit	16,400.00 7,90,900.00 16,000.00 4,17,600.00 1,00,000.00	13,40,900.00 55,232.00
2.	The Victoria Jubilee Scholarship Endowment Fund at Mangalore.	A Committee consisting of (1) Dt. Judge, South Kanara (2) President District Board, S. Kanara (3) The Chairman, Municipal Council, Mangalore and (4) District Educational Officer South Kanara with the District Judge, South Kanara at President.	3% Conversion Loan 1946	35,400.00	35,400.00 1,062.00
3.	Jonnagadla Rangiah Chetty Collegiate Scholarship Endowment Fund at Madras.	The Director of Collegiate Education Madras.	4 $\frac{1}{2}$ % Madras Loan 1974 3 $\frac{1}{2}$ % Conversion Loan 1946 5 $\frac{1}{2}$ % Madras Loan 1980 5 $\frac{1}{2}$ % Madras Loan 1980 5 $\frac{1}{2}$ % Madras Loan 1979 5 $\frac{1}{2}$ % Loan 2001	3,000.00 32,400.00 200.00 3,000.00 400.00 2,700.00	41,700.00 1,116.50
4.	Grigg Memorial Endowment Fund at Madras.	The Director of School Education Madras & Collector Madras.	3% Conversion Loan 1946 5 $\frac{1}{2}$ % T.N. Loan 1981	11,500.00 1,100.00	12,600.00 394.24
5.	J.M. Bourne Memorial Endowment Fund at Madras.	The Chief Engineer of the Southern Railway, Madras.	3% Conversion Loan 1946 5 $\frac{1}{2}$ % T.N. Loan 1982 5 $\frac{1}{2}$ % T.N. Loan 1983	300.00 1,200.00 100.00	1,600.00 67.74

WEST BENGAL

1.	The Indian People's Famine Trust.	Board of Management, New Delhi.	3% Conversion Loan 1946	32,78,400.00	32,78,400.00 98,352.00
2.	The Jewish Charitable Endowment Fund.	Mussa Board, Calcutta.	3% Conversion Loan 1946 5 $\frac{1}{2}$ % West Bengal Loan 1983.	38,000.00 59,700.00	97,700.00 5,105.12
3.	The Fund for the Medical Relief for Officers and Seamen of the Mercantile Marine.	Civil Surgeon and Secy. General Hospital Trust Fund Committee, Chittagong.	3% Conversion Loan 1946	10,000.00	10,000.00

7	8	9	10	11
Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	
..	2,160.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	1,069.20 10.80 <u>1,080.00</u>	1,080.00
(aj) 58,665.89	1,13,897.89	Interest remitted Fee paid to Govt.	55,938.96 565.04 <u>56,504.00</u>	57,393.89 (aj) Represents opening balance.
(ak) 2,177.08	3,239.08	Interest remitted Fee paid to Govt.	110.00 1.10 <u>111.10</u>	3,127.98 (ak) Represents :- 1,847.08 Opening Balance ; 330.00 Refund of unutilised amount of scholarship released to 2,177.08 the Principal Karnataka Regional Engineering Col- lege, Mangalore on 17.9.73
(al) 7,372.62	8,489.12	(w) other pay- ments.	6,196.69	2,292.43 (al) Represents opening balance. (w) Represents cost of the following securities purchased :- (i) 51% Madras Loan 1978 3,000.00 3,037.27 (ii) 51 Madras Loan 1979 . 400.00 404.50 (iii) 51 Loan 2001 . 2,700.00 2,754.92 <u>6,100.00 6,196.69</u>
(am) 2,373.98	2,768.22	2,768.22 (am) Represents opening balance.
(v) 760.00	827.74	827.74 (v) Represents opening balance.
..	98,352.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	97,368.48 983.52 <u>98,352.00</u>	..
(b) 27.70	5,132.82	Interest remitted Fee paid to Govt. (c) Other payments	3,745.91 37.84 27.70 <u>3,811.45</u>	1,321.37 (b) Represents opening balance since remitted to the funds authorities.
(y) 1,389.25	1,389.25	1,389.25 (y) Represents opening balance

1	2	3	4	5	6
		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
MADHYA PRADESH					
1 Nawab Sultan Jahan Begum Education Fund, Bhopal.	Board of Governors consisting of the following:-	3% Conversion Loan 1946 5 3/4% M.P. Loan 1982.	9,24,400.00 4,24,500.00	13,48,900.00	50,825.74
	(1) His Highness Sikan-dei Saulat Iftikhar-ul-Mulk Nawab Mohammad Hamidullah Khan.				
	(2) Shri Mahabir Prasad Verma formerly Judge of the Bhopal High Court.				
	(3) Shri Mohammed Ahmed Ansari formerly Judge of the Bhopal High Court.				
	(4) Colonel Yameenul Mulk Nawab zada Rashiduz-Zafar Khan Bahadur, and				
	(5) Mutamidul-Insha Ali Quadir Shri Syed Mashuq Ali, Secretary, Sarf-e-Khas of His Highness the Nawab of Bhopal.				
2 C.P. & Berar King Edward Memorial Society Fund	Secretary to the Governing Body of the King Edward Memorial Society, Nagpur.	3% Loan 1896-97. 5 3/4% M.P. Loan 1983 3% Conversion Loan 1946.	19,000.00 1,85,900.00 2,42,800.00	4,47,700.00	10,162.62
7	8	9	10	11	
Rs.	Rs.	Rs.	Rs.		
(an) 89 18	50,914 92	Interest remitted 39,627.34 Fee paid to Govt. 521.40 40,148.74	10,766.18	(an) Represents opening balance. The amount of interest does not include a total sum of Rs. 15,181 being the amount of Income Tax and Surcharge etc. deducted at source for which necessary deduction certificates for Rs. 11,992 sent to the Administrator.	
(ao) 36.97	10,199 59	Interest remitted 10,030.63 Fee paid to Govt. 131.99 10,162 62	36 97	(ao) Represents opening balance. The interest does not include a sum of Rs. 3,036 being income-tax and surcharge deducted at source for which deduction certificate sent to the Administrator. Interest on the following securities for the half years as noted against each held under suspense by the R.B. I. Nagpur for want of exemption certificate from the I. T. officer, Bhopal. (1) 3% Loan 1896- June, 1973 and December, 1973 (2) 3% Conversion Loan 1946. September, 1973 and March 1974. (3) 5 1/4% M.P. Loan 1983. August, 1973 and March, 1974.	

1	2	3	4	5	6
			Rs.	Rs.	Rs.
3 C.P. Agriculture and Industries Improvement Fund.	Secretary to the Governing Body of the Society of Agriculture and Industries, Nagpur	3% Conversion Loan 1946 5 3/4 % M.P. Laon 1979	1,24,000.00 5,900.00	1,29,900.00	2,994.13
4 Anson Gardiner memorial Scholarship Fund	Bishop of Nagpur	5% M.p Loan 1983 3% Conderston Loan 1946	3,800.00 400.00	4,200.00	93.25

7	8	9	10	11
Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	
(ap) 6,100.00	9,094.13	Interest remitted 2,826.80 Fee paid to Govt. 37.20 (ar) other payments 6,100.00 <u>8,964.00</u>	4130.13	(ap) Represents opening balance. The interest does not include a sum of Rs. 895 being income-tax and surcharge deducted at source for which deduction certificate for Rs. 856 sent to the Administrator. The interest on 5 3/4 % M.P. Loan 1979 for Rs.130.13 for the period ending 31-8-1973 has not been paid. The interest on the following securities for the periods noted against each has not been received from R.B.I., Nagpur, due to non-receipt of Income-tax Exemption certificate from I.T.O., Bhopal, so far.
				Particulars of securities Periods
				(1) 3 % conversion loan 1946 September 1973 and March, 1974
				(2) 5 1/4 % M.P. Loan 1979 February, 1974
				(ar) Represents
				(1) Rs. 6,011.40 remitted to RBI for purchase of 5 1/4 % M.P. Laon, 1979 for Rs. 5,900/-
				(2) Rs. 88.60 Balance amount refunded to the Administrator.
(aq) 13.17	106.42	Interest remitted 94.04 Fee paid to Govt. 1.21 <u>95.25</u>	11.17	(aq) Represents opening balance. Interest on the following securities for the half years as noted against each held under suspense by the R.B.I. Nagpur for want of exemption certificate from the I.T. Officer, M.P. Bhopal.
				(1) 3 % Conversion Loan 1946. September, 1973- and March, 1974.
				(2) 5 1/4 % M.P. Loan 1983. August, 1973 and February 1974.

The interest does not include a sum of Rs. 28 being income-tax and surcharge deducted at source for which deduction certificate for Rs. 26 sent to the Administrator. The interest on 3% conversion Loan 1946 for 2 half years i.e. 19-9-1972 and 15-3-1973 amounting to Rs. 12 after deduction of Rs. 2 as income tax, the net amount of Rs. 10 was received but through an oversight the income-tax of Rs. 2 was not deducted and the whole amount of Rs. 12 was paid after deduction of Government fee. This will be deducted in future and deduction certificate for Rs. 2 will be sent to the administrator.

1	2	3	4	5	6
			Rs.	Rs.	Rs.
5 Saubhagyawati Krishna-bai Bal Krishna Sule Prize Fund.	Inspectress of Schools, Nagpur Circle, Nagpur	5½% M.P. Loan 1983	200.00	200 00	4 75
6 R.B. Bhanduji Janardhan Chaubal Prize Fund.	Secretary, Vidarbha Board of Secondary Education Nagpur.	5½% M.P. Loan 1983	900 00	900 00	19.79
7 Ram Chandra Thakur, Prize Fund	Secretary, Board of Secondary Education M.P. Bhopal	3% Conversion Loan 1946	500 00	500.00	12.00
8. Browning Scholarship and Browning Teacher Scholarship Fund.	Collector, Nagpur, Director of Public Instructions, M.P. Bhopal & Inspector of Schools Nagpur.	3% Conversion Loan 1946 5½% M.P. Loan 1979	11,600.00 2,200.00	3,800	365 50
9. Hardinge Medal Fund	Director of Public Instructions, M.P. Bhopal	3% Conversion Loan 1946	2,100 00	2,100 00	48 00

7	8	9	10	11
Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	
(mm) 288.10	292.85	..	292.85	(mm) Represents opening balance. The interest does not include a sum of Rs. 1 being income-tax deducted at source. The deduction certificate is with us as no Administrator has yet been appointed. The interest for the period ending August, 1973 and February, 1974 is under suspense for want of income tax exemption certificate.
(nn) 370.36	390.15	..	390.15	(nn) Represents opening balance. The interest does not include a sum of Rs. 6 being income-tax and surcharge deducted at source. The interest for the periods ending August, 1973 and February, 1974 is under suspense for want of income-tax exemption certificate.
..	12.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	11.84 0.16 <u>12.00</u>	.. Interest for the half years September, 1973 and March, 1974 held under suspense for reasons explained above. The interest does not include income tax surcharge of Rs. 3 deducted at source by R.B.I. Nagpur. The interest does not include a sum of Rs. 109 being income-tax and surcharge deducted at source by the R.B.I. Nagpur.
(ar) 78.44	443 94	Interest remitted Fee paid to Govt.	360.76 4.74 <u>365.50</u>	78.44 Interest on the following securities for the half year as noted against each held under suspense by the R.B.I. Nagpur as explained above. (1) 3% Conversion Loan 1946. September, 1973 and March 1974. (2) 5½% M.P. Loan 1978. September, 1973 and March 1974. (ar) Represents opening balance. The interest does not include a sum of Rs. 15 deducted on account of income-tax.
..	48.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	47.36 0.64 <u>48.00</u>	.. Interest for the half year September, 1973 and March, 1974 held under suspense for the same reasons as explained above.

1	2	3	4	5	6
			Rs.	Rs.	Rs.
10. Meyhew and Spence Silver Medal Fund.	District Educational officer, Bilaspur	51% M.P. Loan 1983	500.00	500.00	11.38
11 Pandit Premshankar Gangashankar Thakur Scholarship Fund.	Chief Executive officer, Janapad Sabha, Damoh	3% Conversion Loan 1946	7,100.00	7,100.00	165.00
12 Rewa Shanker Pandya High School Scholarship Fund.	Divisional Superintendent of Education, Jabalpur.	3% Conversion Loan 1946	5,000.00	5,000.00	116.00
13. Laxmibai Scholarship Fund.	District Educational Officer, Jabalpur.	3% Conversion Loan 1946	2,600.00	2,600.00	61.00
14. Woodburn Scholarship Fund.	Principal, Rajkumar, College, Raipur.	51% M.P. Loan 1983 3% Conversion Loan 1946	2,400.00 8,300.00	10,700.00	244.00

7	8	9	10	11
Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	
(as) 106.84	118.22	..	118.22	() The interest does not include Rs. 6 being the income-tax deducted at source for the period ending August 1972 and February, 1973. Interest for the period ending August, 1973 and February, 1974 held in suspense for the reasons explained above.
..	165.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	162.86 2.14 <u>165.00</u>	(as) Represent un-invested redemption proceeds of 4% M.P. Loan 1971 of Rs. 95.72 and unpaid interest of Rs. 11.12 for the period August 1972 and Rs. 11.38 for February 1973 since Govt. drafts below Rs. 50 not issued by S.B.I., Bhopal.
..	116.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	114.50 1.50 <u>116.00</u>	() The interest does not include Rs. 48 being the income-tax and surcharge deducted at source. Interest for the periods ending September, 1973 and March, 1974 held under suspense, by the R.B.I., Nagpur.
..	61.00	Interest remitted Fee paid to Govt.	60.22 0.78 <u>61.00</u>	() The interest does not include Rs. 17 being income-tax and surcharge deducted at source. Interest for the period ending September, 1973 and March, 1974 held under suspense by the R.B.I., Nagpur, as explained above.
(at) 44.63	288.63	Interest remitted Fee paid to Govt.	240.81 3.19 <u>244.00</u>	44.63 (at) Represents opening balance. The interest does not include Rs. 74 being income-tax and surcharge deducted at source. Interest on the following securities for the periods noted against each held under suspense by the R.B.I., Nagpur as explained above. (1) 3% Conversion Loan 1946. September, 1973 and March, 1974 (2) 51% M. P. Loan 1983. August, 1973 and February, 1974.

1	2	3	4	5	6
			Rs.	Rs.	Rs.
15. M.P. State Tuberculosis Association Fund	Honorary Secretary, Vidarbha Regional T.B. Association, Nagpur.	3% Conversion Loan 1946	64,100.00	64,100.00	1,480.00
BIHAR					
1. The Woodhouse Memorial Fund.	The Collector, Bhagalpur	Defence Deposit Certificate.	1,100.00	1,100.00	49.50
2. The Raja Raghunandan Prasad Trust Fund.	The Honorary Treasurer, Bihar SPCA, Sadaquat Ashram, Patna.	3% Conversion Loan 1946.	1,600.00	1,600.00	48.00
3. The Sir Fakhruddin Memorial Gold Medal Fund.	The Director of Education, Secondary Education, Bihar, Patna.	3% Conversion Loan 1946.	1,100.00	1,100.00	33.00
UTTAR PRADESH					
<i>Aligarh</i>					
1. Tassadduque Rasul Arabic Scholarship Endowment Trust.	Treasurer, Muslim University, Aligarh.	3% Conversion Loan 1946.	20,200.00	20,200.00	606.00
2. Sir Syed Ahmed Memorial Trust Fund.	Registrar, Muslim University, Aligarh.	3% Conversion Loan 1946.	1,16,000.00	1,16,000.00	3,480.00
3. Sir William Marris Scholarship Endowment Trust.	Vice-Chancellor, Muslim University, Aligarh.	3% Conversion Loan 1946.	6,400.00	6 400.00	192.00
<i>Allahabad</i>					
4. Rewa Scholarship Endowment Trust.	Principal, Government Inter College, Allahabad.	3% Conversion Loan 1946.	4,100.00	4,100.00	123.00
5. Panna Scholarship Endowment Trust.	Director of Education U. P. Allahabad.	3% Conversion Loan 1946.	5,200.00	5,200.00	156.00
6. Vizianagram Scholarship Endowment Trust.	Principal, Government Inter College, Allahabad.	3% Conversion Loan 1946.	14,800.00	14,800.00	444.00
7. Vizianagram Scholarship Endowment Trust.	Registrar, Allahabad University, Allahabad.	3% Conversion Loan 1946.	26,000.00	26,000.00	780.00
<i>Varanasi</i>					
8. Sadholal Scholarship Endowment Trust.	Up-Kulpati, Varanaseya Sanskrit Vishwavidyalaya, Varanasi.	3% Conversion Loan 1946.	45,000.00	45,000.00	1,350.00
9. Kathiawad Sanskrit Scholarship Endowment Trust.	Do.	3% Conversion Loan 1946.	9,100.00	9,100.00	273.00
10. Rewa Scholarship Endowment Trust.	Principal, Government Higher Secondary School, Varanasi.	3% Conversion Loan 1946.	5,800.00	5,800.00	174.00
11. Nagri Pracharni Sabha Endowment Trust.	Secretary, Nagri Pracharni Sabha, Varanasi.	3% Conversion Loan 1946.	1,63,100.00	1,63,100.00	4,830.00

7	8	9	10	11
Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
..	1,480.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	1,460.76 19.24 <hr/> 1,480.00	.. () The interest does not include Rs. 443/- being income-tax and surcharge deducted at source. Interest for the periods ending September, 1973 and March, 1974 held under suspense by the R.B.I., Nagpur for the reasons explained above.
..	49.50	Interest remitted. Fee paid to Govt.	49.00 0.50 <hr/> 49.50	..
..	48.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	47.52 0.48 <hr/> 48.00	..
..	33.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	32.66 0.34 <hr/> 33.00	..
..	606.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	599.94 6.06 <hr/> 606.00	..
..	3,480.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	3,445.20 34.80 <hr/> 3,480.00	..
..	192.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	190.08 1.92 <hr/> 192.00	..
..	123.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	121.76 1.24 <hr/> 123.00	..
..	156.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	154.44 1.56 <hr/> 156.00	..
..	444.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	439.56 4.44 <hr/> 444.00	..
..	780.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	772.20 7.80 <hr/> 780.00	..
..	1,350.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	1,336.50 13.50 <hr/> 1,350.00	..
..	273.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	270.26 2.74 <hr/> 273.00	..
..	174.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	172.26 1.74 <hr/> 174.00	..
..	4,830.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	4,781.06 48.94 <hr/> 4,830.00	.. Rs. 63/- Income-tax and surcharge deducted at source by R.B.I., Kanpur on the securities of the 3% conversion Loan 1946 for Rs. 18,300/- although the Government Fee has been realised on the gross amount.

1	2	3	4	5	6
			Rs.	Rs.	Rs.
12. Maharaj Kumar Sri Sudhansu Sokhar Singh Deo heir apparent of Sonepur Estate Orissa Medal Endowment Trust.	Vice-Chancellor, Banaras Hindu University, Varanasi.	3% Conversion Loan 1946.	1,500.00	1,500.00	45.00
13. Rani Bhuwan Raj-Lakshmi Devi of Basti Endowment Trust.	Registrar, Banaras Hindu University, Varanasi.	3% Conversion Loan - 1946.	7,300.00	7,300.00	219.00
<i>Pauri Garhwal</i>					
14. Garhwal Kshatriya Education Trust Fund.	Secretary, Garhwal Kshatriya Education Trust Fund, Pauri Garhwal.	3% Conversion Loan 1946.	51,800.00	51,800.00	1,554.00
<i>Lucknow</i>					
15. Nagar Education Endowment Trust, Upper India, Lucknow.	Secretary, Nagar Education Endowment Trust, Upper-India, Lucknow.	3% Conversion Loan 1946.	16,600.00		
		7-year National Savings Certificates (III Issue).	19,400.00	36,000.00	1,475.50
16. Captain Kt. Indrajit Singh M.C.I.M.S. Memorial Research Scholarship Endowment Fund.	Principal, Medical College, Lucknow.	3% Conversion Loan 1946.	1,06,600.00	1,06,600.00	3,198.00
<i>Mirzapur</i>					
17. Girraundi Kayastha Pathshala Endowment Trust.	Collector, Mirzapur	3% Conversion Loan 1946.	1,600.00	9,150.00	48.00
		7-year National Savings Certificates (II Issue).	7,550.00		

PUNJAB

Pending apportionment of Securities relating to Central Charitable Endowments between India and Pakistan the list of Securities could not be prepared.

7	8	9	10	11
Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	
..	45.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	44.54 0.46	..
			45.00	
..	219.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	216.80 2.20	..
			219.00	
..	1,554.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	1,538.46 15.54	..
			1,554.00	
..	1,475.50	Interest remitted. Fee paid to Govt.	1,348.25 18.35	108.90
			1,366.60	Bank Draft for Rs. 108.90 not received from the State Bank of India, Allahabad.
..	3,198.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	3,166.02 31.98	..
			3,198.00	
..	48.00	Interest remitted. Fee paid to Govt.	47.52 0.48	..
			48.00	

[No. F.1/1/74—TCE.]

M. D. PAL, Treasurer

केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड

नई दिल्ली, 29 मई, 1974

(आय-कर)

का० प्रा० 1983—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 126 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, समय-समय पर संशोधित अपनी अधिसूचना सं० 1 (विन सं० 55/233/63-आय-कर) तारीख 18 मई, 1964 से उपाबद्ध अनुसूची में निम्नलिखित परिवर्धन एतद्वारा करता है :—

उक्त अनुसूची में क्रम सं० के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :—

1	2	3	4	5	6
आय-कर अधिकारी बीमा ऐजेंट सर्किल—क, बार्ड, कलकत्ता	वेतन और/या प्रतिभूतियों पर गृह सम्पत्ति और/या व्यापार और/या अन्य स्त्रोतों से भी आय प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को छोड़ कर, पारिश्रमिक या इनाम के रूप में, चाहे जीवन बीमा कार्य को उपाप्त करने या याचना करने के कमीशन के रूप में हो या अन्यथा, (जिसके अन्तर्गत बीमा पालिमियो के जारी रहने, नवीकरण या पुनःप्रवर्तिन से संबंधित कार्य भी हैं) आय वाले सभी व्यक्ति ।	सहायक आय-कर आयुक्त निरीक्षण रेंज—4 कलकत्ता	अपीलीय सहायक आय-कर आयुक्त रेंज—ड, कलकत्ता	आय-कर आयुक्त पश्चिमी बंगाल—1 कलकत्ता	
आय-कर अधिकारी बीमा ऐजेंट सर्किल—ख—बार्ड कलकत्ता ।	वेतन और/या प्रतिभूतियों पर गृह सम्पत्ति और/या व्यापार और/या अन्य स्त्रोतों से भी आय प्राप्त करने वाले व्यक्तियों से अन्यथा, पारिश्रमिक या इनाम के रूप में, चाहे जीवन बीमा कार्य को उपाप्त करने या याचना करने के कमीशन के रूप में हो या अन्यथा, (जिसके अन्तर्गत बीमा पालिमियो के जारी रहने, नवीकरण या पुनः प्रवर्तिन से संबंधित कार्य भी हैं) आय वाले सभी व्यक्ति ।	यथोक्त	यथोक्त	यथोक्त	

यह अधिसूचना 1 जून, 1974 से प्रभावी होगी ।

[सं० 633 का० सं० 173/40/73-आई टी ए (ए आई)]

बी० बी० श्रीनिवासन,

अवर सचिव,

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, 29th May, 1974

(INCOME-TAX)

S.O. 1983.—In exercise of the powers conferred by Section 126 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following additions to the Schedule annexed to its Notification No. 1 (F. No. 55/233/63-IT) dated the 18th May, 1964 as amended from time to time:

After Serial No. in the said Schedule the following shall be added.

1	2	3	4	5	6
1. Income-tax officer, Insurance Agents' Circle, A-Ward, Calcutta	All persons with income by way of remuneration or reward, whether by way of commission or otherwise for soliciting or procuring life insurance business (including business relating to the continuance, renewal or revival of policies of insurance), other than persons deriving also income from salaries and/or interest on securities and/or house property and/or business and/or profession and/or other sources.	Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Range-IV, Calcutta.	Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, Range E, Calcutta.	Commissioner of Income-tax, West Bengal-I, Calcutta	

1	2	3	4	5	6
2.	Income-tax Officer, Insurance Agent's Circle, B-Ward, Calcutta.	All persons with income by way of remuneration or reward, whether by way of commission or otherwise for soliciting or procuring insurance business other than life insurance business (including business relating to the continuance, renewal or revival of policies of insurance) other than persons deriving also income from salaries and/or interest on securities and/or house property and/or business and/or profession and/or other sources.	Do.	Do.	Do.

This Notification shall take effect from the 1st June, 1974.

[No. 633 F. No. 173/40/73-IT (AI)]

V. B. SRINIVASAN, Under Secy.

ORDER

New Delhi, the 28th June, 1974

ESTATE DUTY

S.O. 1984.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 4 of the Estate Duty Act, 1953 (34 of 1953), and in supersession of all previous notifications on the subject, the Central Board of Direct Taxes hereby direct that Assistant Commissioners of Income-tax appointed to be the Appellate Controllers of Estate Duty with headquarters as specified in Column 2 of the Table below, shall perform the functions of Appellate Controllers of Estate Duty in respect of :—

- the estates of deceased persons assessed to estate duty by an Assistant Controller of Estate Duty; and
- the estates of deceased persons in relation to which an appeal lies under section 62 of the Estate Duty Act, 1953, against an order passed by an Assistant Controller of Estate Duty.

Where in exercise of the functions under the Estate Duty Act, 1953, such assessments have been made or orders have been passed by the Assistant Controller of Estate Duty, as specified in Column 3 of the Table below :—

TABLE

S. No.	Appellate Controller of Estate Duty	Asstt. Controller of Estate Duty.
1	2	3
1.	Patna	Patna
2.	Ranchi	Ranchi (except the cases of Bhagalpur, Monghyr & Santhal Parganas Distt.).
3.	Bhagalpur	Ranchi (in respect of the cases of Bhagalpur, Monghyr and Santhal Parganas Distts. only).

This order shall have effect from 8th July, 1974.

[No. 51/1974/F. No. 301/125/73-E.D.]

V. D. WAKHARKAR, Under Secy.

बैंकिंग विभाग

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1974

क्र० प्र० 1985—बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, रिजर्व बैंक आफ इंडिया की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 18, धारा 20 की उपधारा (2), धारा 21 की उपधारा (3), धारा 26, धारा 27 की उपधारा (1) और

आदेश

नई दिल्ली, 28 जून, 1974

संपदा-शुल्क

क्र० प्र० 1984—संपदा-शुल्क अधिनियम, 1953 (1953 का 34) की धारा 4 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और उक्त विषय पर सभी पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं का अधिकांश करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड निदेश देता है कि वे सहायक आयकर आयुक्त, जिन्हें संपदा-शुल्क नियंत्रक, अपील, के रूप में नियुक्त किया गया है और जिनके मुख्यालय नीचे की सारणी के स्तम्भ 2 में यथा विनिर्दिष्ट हैं, निम्नलिखित की बाबत संपदा-शुल्क नियंत्रक, अपील, के कृत्य करेंगे—

(क) सहायक संपदा-शुल्क नियंत्रक द्वारा संपदा-शुल्क के लिए निर्धारित मूल व्यक्तियों की संपत्ति, और

(ख) मूल व्यक्तियों की ऐसी संपत्ति, जिनके संबंध में सहायक संपदा-शुल्क नियंत्रक द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध संपदा-शुल्क अधिनियम, 1953 की धारा 62 के अधीन अपील की जा सकती है।

जहां संपदा शुल्क अधिनियम, 1953 के अधीन कृत्यो का प्रयोग करते हुए, नीचे की सारणी के स्तम्भ 3 में यथा विनिर्दिष्ट सहायक, संपदा-शुल्क नियंत्रक द्वारा ऐसे निर्धारण किए गए हैं या ऐसे आदेश पारित किए गए हैं ;—

सारणी

क्र० सं०	संपदा-शुल्क नियंत्रक (अपील)	सहायक संपदा-शुल्क नियंत्रक
1	2	3
1.	पटना	पटना
2.	रांची	रांची (भागलपुर, मुंगेर और संथाल परगना जिला के मामलों को छोड़कर)
3.	भागलपुर	रांची (केवल भागलपुर, मुंगेर और संथाल परगना जिलों की बाबत)

यह आदेश 8 जुलाई, 1974 से प्रभावी होगा।

[सं० 51/1974/क्र० सं० 301/125/73-ई०डी०]

वी० डी० वाखारकर, अवर सचिव

सेक्शन 31 के उपबोध "अंडमान एण्ड निकोबार स्टेट कोऑपरेटिव बैंक लि०" पर जनवरी, 1974 के प्रथम दिवस से आरम्भ और दिसम्बर, 1974 के 31वें दिवस का समाप्ति होने वाली एक वर्ष की अवधि तक लागू नहीं होगी।

[स० एफ० ४(6)/74ए० सी०]

शुभिकेश गुहा, अवर सचिव

DEPARTMENT OF BANKING

New Delhi, the 24th July, 1974.

S.O. 1985.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949

(10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, here by declares that the provisions of section 18, sub-section (2) of section 20, sub-section (3) of section 24, section 26, sub-section (1) of section 27 and section 31 of the said Act, in so far as they require a co-operative bank to submit returns to the Reserve Bank of India, shall not apply to the Andaman and Nicobar State Co-operative Bank Ltd. for a period of one year commencing on the 1st day of January 1974 and ending with the 31st day of December, 1974.

[No. F. 8/6/74-AC]

H. K. GUHA, Under Secy.

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1974

क्रा० प्रा० 1986 — रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम, 1931 के अनुसरण में जलाई 1974 की 19 तारीख को समाप्त हुये मन्दाह के लिये लेखा (दृष्ट विभाग)

देयताये	रुपये	रुपये	आस्तिमया	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुये नोट	49,79,72,000		गोले का सिक्का और बुलियन		
			(क) भारत में रखा हुआ	182,53,05,000	
मचलत में नोट	63,68,67,88,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ		
			विदेशी प्रतिभूतियां	166,73,97,000	
जारी किये गये कुल नोट		6418,47,60,000	जोड़		349,27,02,000
			रुपये का सिक्का		11,09,38,000
			भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां		6058,11,20,000
			देशी विनिमय बिल और दूसरे वाणिज्य पत्र		
कुल देयताये		6418,47,60,000	कुल आस्तिमया		6118,47,60,000

तारीख 24 जुलाई, 1974

एस० जगन्नाथन, सचिव

10 जनवरी, 1974 को पारित बैंक माह इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताये	रुपये	आगतिया	रुपये
चुक्ता पूंजी	5,00,00,000	नोट	49,79,72,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का निष्का	3,07,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाये) निधि	284,00,00,000	छोटा निष्का	2,75,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि	95,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल (क) देशी	253,96,43,000
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाये) निधि	265,00,00,000	(ख) विदेशी
जमा राशियाँ :—		(ग) सरकारी खजाना बिल	234,93,13,000
(क) सरकारी		विदेशों से रखा हुआ बकाया*	537,49,71,000
(i) केन्द्रीय सरकार	54,60,13,000	निवेश**	348,48,62,000
(ii) राज्य सरकारें	11,39,04,000	ऋण और अग्रिम :—	
(ख) बैंक		(i) केन्द्रीय सरकार को
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	595,48,51,000	(ii) राज्य सरकारों को (ख)	111,90,16,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	18,01,78,000	ऋण और अग्रिम :—	
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	1,53,66,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को*	342,75,73,000
(iv) अन्य बैंक	90,71,000	(ii) राज्य सरकारी बैंकों को**	161,36,86,000
		(iii) दूसरों को	28,68,20,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाये) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को	67,87,33,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	14,88,12,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	64,00,00,000
(ग) अन्य	535,94,92,000	(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों से निवेश राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	11,13,14,000
देय बिल	76,25,67,000	राज्य सहकारी बैंकों का ऋण और अग्रिम	51,58,60,000
अन्य देयताये	481,41,83,000	राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएँ) निधि से
		ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	178,69,56,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडो/डिबेंचरों से निवेश
		अन्य आगतिया	119,93,15,000
	रुपये 2577,56,28,000		रुपये 2577,56,28,000

*नकदी आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियाँ शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाये) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाये) निधि में गे किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

(ii) राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाये) निधि में प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को दिये गये अस्थायी ओवरड्राफ्ट शामिल हैं।

*त्रिज्व बैंक आफ इंडिया अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंक को सीमादी तिलों पर अग्रिम दिये गये 166,70,23,000 रुपये शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

एम० जगन्नाथन, गवर्नर

[म० फ० 10/1/74-बी.ओ.आई.]

तारीख . 24 जुलाई, 1974

म० व० मीरचन्दानी, अवर सचिव

Reserve Bank of India

S.O. 1896.—An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act, 1934, for the week ended the 19th day of July, 1974
New Delhi, the 27th July, 1974

Issue Department

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	49,79,72,000		Gold Coin and Bullion:—		
Notes in circulation	6368,67,88,000		(a) Held in India	182,53,05,000	
Total Notes issued		6418,47,60,000	(b) Held outside India		
			Foreign Securities	166,73,97,000	
			Total		349,27,02,000
			Rupee Coin		11,09,38,000
			Government of India Rupee Securities		6058,11,20,000
			Internal Bills of Exchange and other Commercial paper
Total Liabilities		6418,47,60,000	Total Assets		6418,47,60,000

Dated the 24th day of July, 1974

S. JAGANNATHAN, Governor.

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 19th July, 1974

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid Up	5,00,00,000	Notes	49,79,72,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	3,07,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	284,00,00,000	Small Coin	2,75,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	95,00,00,000	Bills Purchased and Discounted :—	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	265,00,00,000	(a) Internal	253,96,43,000
Deposits:—		(b) External	234,93,13,000
(a) Government		(c) Government Treasury Bills	537,49,71,000
(i) Central Government	54,60,13,000	Balances Held Abroad*	348,48,62,000
(ii) State Governments	14,39,04,000	Investments**	
(b) Banks		Loans and Advances to:—	
(i) Scheduled Commercial Banks	595,48,54,000	(i) Central Government	
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	18,01,78,000	(ii) State Governments †	111,90,16,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,53,66,000	Loans and Advances to:—	
(iv) Other Banks	90,71,000	(i) Scheduled Commercial Banks*	342,75,73,000
(c) Others	535,94,92,000	(ii) State Co-operative Banks*	161,36,86,000
Bills Payable	76,25,67,000	(iii) Others	28,68,20,000
Other Liabilities	481,41,83,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to:—	
		(i) State Governments	67,87,33,000
		(ii) State Co-operative Banks	14,88,12,000
		(iii) Central Land Mortgage Banks	64,00,00,000
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank	
		Debentures	11,13,14,000
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	51,58,60,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	178,69,56,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank
		Other Assets	119,95,15,000
RUPEES	2577,56,28,000	RUPEES	2577,56,28,000

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

††Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

‡Including Rs. 166,70,73,000 advanced to scheduled Commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act

†††Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 24th day of July, 1974.

[No. F. 10/1 74—BOI]

C.W. MIRCHANDANI Under Secy.

S. JAGANNATHAN, Governor.

समाहर्तृलय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

गुन्टर, 19 अप्रैल, 1974

दिनांक 20-7-72 की अधिसूचना सं० 1/72 का अनुबन्ध

क्रा० प्रा० 1987.—दिनांक 20-7-72 की इस समाहर्तृलय की अधिसूचना सं० 1/72 की अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन और किए जाएंगे।

2. क्रम संख्या 1 (अंगोल मंडल) में स्तंभ 4 के नीचे तथा मरकापुर आईआर के सामने की गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए।

- (i) निम्नलिखित गांवों को छोड़कर सम्पूर्ण मरकापुर तालुक मरकापुर फिरके के चिन्तकुन्ता, थिपप्पापलेम, बोन्दमपाडु और पतिपल्ली गांव, येररागेन्डलापलेम फिरके के दुक्कालि और रमा-ममूडम् गांव, त्रिपराथकम फिरके के पुल्लालचेरु और वेन्कटारेड्डि पल्ली गांव, और दोरनील फिरके का पेडुरायीडु।
- (ii) स्तंभ (4) में नेनाली एम० ओ० आर० के सामने निम्नलिखित गांव और जोड़ दिए जाए। नेनाली तालुक के चेन्नोल फिरके का मोडुडुर, तथा नेनाली तालुक के कोल्लिपारा फिरके के कोल्लापारा गांव।

- (iii) स्तंभ 4 में राजमुन्नी मंडल (अधिसूचना की क्रम सं०-3) के समाने निम्नलिखित परिवर्धन व ऊपभाजन (विभाजन) किए जाएं।

रघुवैवापुरम फिरके का केमाराग, वुडुडी फिरके के श्री रंगापत्तम, मगला और कर्कवरम् गांव रम्मावोडावरम फिरके का नात्तीबाडा, और तुनी तालुक के पोलावरम् गांव और जोड़ दिए जाएं। तुनी तालुक के कोलिमेर, इन्दुगुपाल्नी, विल्लानुर, मुरामपुर-अपोटा और भीमावन्नुकोटा गांव तुनी तालुक के में से हटा दिए जाएं।

- (iv) स्तंभ (4) में विणाखापटनम् आई० डी० ओ० के समाने निम्नलिखित गांव अर्थात् तर्गमहपटनम् तालुक का मकेवरीपथेग और तर्गमहपटनम् फिरके विष्णुप्प कर दिए जाएं।

पावेरु तालुक के पादेग व कीलागाडा फिरके तथा गजापथितगरम् तालुक का और जोड़ दिया जाए।

- (v) दिनांक 20-7-72 की अधिसूचना सं० 1/72 की अनुसूची की क्रम सं० 5 के बाह्य निम्नलिखित क्रम सं०-6 के रूप में जोड़ दी जाए।

क्रम सं०	मंडल का नाम	एम० ओ० आर०/आई० आर० का नाम	छूट प्रदत्त क्षेत्र नाम	यदि उगाने वाला स्तंभ 4 में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में नीचे बनाई गई भूमि सम्बन्धी सीमा के अन्दर ही तम्बाकू की खेती करना है तो उसे 1944 के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली के नियम 15 के अन्तर्गत घोषणा करने से छूट दी जाएगी।	स्तंभ 4 में विनिर्दिष्ट अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत कृषक द्वारा भिन्नार्थ जाने वाली तम्बाकू की वह मात्रा जिसके संबंध में के० उत्पा० नियमावली के 16वें नियम के अधीन घोषणा करने से छूट दी गई है।
1	2	3	4	5	6
6.	गुन्टर आई० ओ०-II	वृक्षपल्ली आई० आर०	गुर्जाणा तालुक के गुर्जाणा फिरके के दाईदा-गुलीपडु, टेमकुन्ता, गोटीमुक्काणा। गुर्जाणा तालुक का दाचेपल्ली फिरके का बाटरूपा-लेम, कटरापाडु, चिन्मयापलेम ताडुल्ला, ठोमावरम, रेगुलागाडु, अनुगुमोल्लिपाडु, गमलापाडु, रामापुरम्पल्ली का श्रीनगर, रामापुरम्, पोंडुगला के मनेलापल्ली तालुक के चिन्मयापलेम गांव के गुट्टीकोन्डा, वेन्कटपुरम्, चाडना अग्रहरकजनपडु, पेडा-अग्रहरम्, तथा विक्रायपडु, चिन्मयापलेम गांव कोटापलम् गांव के अरलापडु, मोजिमपडु के मोजिमपडु के कोटापलम् गांव कोनांकी, टी० पी० जी० तथा पडुगांव, पिडुगुल्ला फिरका के कोटागवरेष्वरपडु, कमेगल्लिगांव के गुरुलापल्लि, त्रिपुरापुरम्, अग्रहरम् पेडानमाल-पुडि, पण्णयापल्लम्, सनमुलेतनपल्लम्, अमाजुग-दम, वेदानम्, कमेपल्लि गांव और गोपाथापुरम् गांव, वेलायकाडा फिरके के वेलावरम् और चित्तायका गांव।	12 ऐम्	16 कि० आ०

1	2	3	4	5	6
मचरेला आदि० आर०		गोली का गाट्टीपलेमपल्ली, मल्लावरम्, दामरपाडु, पावापल्लि, पोलापल्लि का बेराला पल्ली, रासावरम्, अन्माकुर, मुथ्यालमपडु, निगापुरम्, कोट्टा पल्लि, कोट्टापल्लि की भुवन्दिगडु नामक पल्ली, नागुलावरम्, की मुखारेड्डिपालेम, वल्लाम कोन्डावरीपलेम, नगुलावरम् तथा कोप्पनुरु आदि पल्लियाँ, पमावमुला के एकुवम- पेटा, काथुक्कुर, पमावेमला, ताल्वापल्लि, पल- नाडु ताल्लुके के मचरेला फिरके वा दक्षिणी विजयपुरम्, गोडलापडु का ओडनीवेडी नामक पल्ली, गुनडलापडु, रापमल्लापडु, मन्दादी, गाट्टीपल्लाका गोमलागुटा नामक छोटा गाँव, गाट्टीपल्ला, श्रीगिरीपडु, श्रीगिरीपडु का लायला- पल्ली नामक छोटा गाँव, उप्पलापडु, वामीला- वीडु, वामीलावीडु का येरगापलेम नामक पल्ली, मुट्टकुर, मुट्टकुर की कानचेरागुन्टा नामक पल्ली, कोल्लगुन्टला, कोल्लगुन्टला की काकीगला और मचेलापाडु पल्लियाँ, पलनाडु ताल्लुके के वेलदुर्गती फिरके का कोथामुल्लारेडीगुडैम, पल- नाडु ताल्लुके के गुर्जाला फिरके का चौरागुडीसा- डु, मेचीकल्लु ।			
विनुकोन्डा आदि० आर०		पिचिकिपलेम, पिचिकिपलेम की गन्तीगुन्तलापरी- पलेम, गाक्काकोन्डा, तलपिल्ली (या ओवन- पयम) तलपिल्ली के गुरागपा नाडुपलेम, इम- लट, लड्डुपालेम, हैमलेट, गाल्ला- पालेम गुरुवारीपलेम आदि पल्लियाँ, (या ओव- नापलेम) । कोन्डरापरोलु, मडमान्वापडु, नगु- लावरम्, मल्लुपाल्लि, उम्माविवरम्, आइनाथान, विनुकोन्डा ताल्लुके के इनुगापलेम फिरके का वम्भाम्पडु, पुलचिन्ताला गाँव का रेड्डीपलेम, बोतलागुन्टा इमलेट, इमलट, लुकावरम् इमलट, माक्कापाडु इमलट पाचिकीपयम, मुक्कालपडु, मुक्कालपडु की त्राडु थरी- पलेमपल्ली, चिन्तालाक्कुरु, चोन्ननाक्कुरु की निगामोक्कापल्ली और नागिरेड्डी पल्ली इमलेट, मुथुग्यापुरम्, अ नुगुलापाडु, नीलाग- गावरम्, नायुनिपलेम, पेडुवावरम् शिवपुरम् तनामल्लावरम् नागीगला, निम्मापुरम्, आठ- नापल्ली, आठनापल्ली की नारायेड्डिपल्ली नामक हैमलेट, दोन्दापडु, दान्दापडु का थारन- पुरम् हैमलेट, कानुमारवापडु, कानुमारवापडु की मात्रलयापुरम् हैमलेट । टीम्मवालेम, उप्प- लापाडु का तुम्मरावरीपलेम, हैमलेट, जिका- टीगलापलेम नामक पल्ली उप्पलापडु के कोठा गाँव तथा उप्पलापडु की पल्लियाँ, युरेपल्लि, तल्लापाडु, वेनकुपलेम, यिल्लामारजुपल्लि, नारग्यापलेम, विनुकोन्डा ताल्लुके के इनावाल फिरके वा वागुन्नापल्लि । वागुन्नाकोन्डा, बोण्डु- बोन्डा की गान्डा (डु) नामक पल्लियाँ, कानुमार- वावरम्, गुटलापल्लि गुटलापल्लि की वान्दरीका वन्नम्, गुटलापल्लि गुटलापल्लि की वान्दरीका			

1	2	3	4	5	6
			तथा पाल्कुर नामक पल्लियाँ, खुल्लापुरम खुल्लापुरम की मनापेन्टापाडु नामक पल्ली, गान्धीगामुमुला के सुल्यापलेम हैमलेट बोल्लापल्लि, बोल्लापल्लि की मेल्पापाडु पल्ली, विनुकोन्डा ताल्लुके के वेल्दुर फिरके का कोटापलेम, नरमयलिपलेम गान्धीगामुमुला श्री कोन्डापलेम।		
	कम्मपुडि आई० आर०		गुर्जाला ताल्लुके के कम्मपडु फिरके का मियराटला बेन्ना, दाम्बेमुला की ग्यामराजापुरम, पल्ली वाम्बेमुला, धर्माथरम्, ओवेलेसुपुपल्लि, अरि- गोप्पाला, नरमलापडु, अणिवरेला, कम्मपडि, विदुनागलापडु, चितापल्ली, आइनकोन्डमा- गुस्तीलाकी बेपकमपल्लि, चाइनाकोन्डमागुन्त- ला, पेडकोन्डमागुन्डला की कारुनाम्मीबोपलेम- पल्ली, पेडकोन्डमागुन्डला, शकुरापुरम् की का- चेवरम् और इनापराजुपल्ली नामक पल्लियाँ, बाटम्बगुपलेम हैमलेट, गाडेवरीपल्लि हैमलेट, शकुरापुरम्। विनुकाडा ताल्लुके के एपुर फिरके का अदयल्लपलेम, गुम्हेपल्लि, मल्लेवगु की जयन्तीपुरम् और रेड्डीपलेम मल्लादगु, गिरि- कापडु की मारिपलेम, चेक्करयापलेम, हनुमा- पुरम पल्लियाँ, पार्सीडोपडु हैमलेट गरिकापडु, अग्निगुन्डाला का बडीचेरला, अग्निगुन्डाला बोम्माराजुपल्ली की बादरपलेम, बोम्माराजुपल्ली		

[सी०सं०बी० 1/30/67/73-सू० एम० पी० - 1]

ए० एम० आई० जफर, समाहर्ता

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Addendum to Notification No. 1/72 dated 20-7-72

Guntur, the 19th April, 1974

S.O. 1987.—The following amendments shall be made in the schedule of this Collectorate Notification No. 1/72 dated 20-7-1972.

2. For the entries under column 4 against Markapur I.R. in respect of Sl. No. 1 (Ongol Division) the following may be substituted :—

(i) "Entire Markapur taluk except the following villages : —

Chintakunta, Thippayapalem, Bondalapadu and Bhupatipally of Markapur firka; Ramasamudram and Duvvali of Yerragondlapalem Firka; Pullalacheruvu and Venkatarreddipally villages of Tirputanthankam firka, and Peddaraveedu of Dornol firka."

(ii) Against Tenali M.O.R. the following villages may be added in col. (4) Modukur of Chebole firka of Tenali taluk and Kollipara of Kollipara firka of Tenali taluk.

(iii) The following additions and deletions may be made in col. (4) against Rajahmundry division (Sl. No. 3 of the notification) Kesaram of Raghudevapuram firka; Srirangapatnam, Munagala and Kapavaram of Burugupudi firka; Tatiwada of Rampachodavaram firka; and Polavaram of Tuni taluk may be added, Kolimeru, Indugupalli, Billanandur, Surampurajupeta and Bhimavarapukota of Tuni taluk may be deleted from Tuni taluk.

(iv) following villages may be deleted under col. (4) against Visakhapatnam I.D.O. Makevaripalem and Narsipatnam firkas of Narsipatnam taluk may be deleted.

Gajapathinagaram taluk, Paderu and Kilagada firkas of Paderu taluk may be added.

(v) After Serial No. 5 of the schedule to the Notification No. 1/72, dated 20-7-72, the following may be added as Sl. No. 6.

Sl. No. Name of the Division	Name of the M.O.R. I.R.	Area; Exempted	Maximum area with a grower may undertake tobacco cultivation without declaration under rule 15 of C.E. Rules, 1944 in areas specified in column No. 4	Qty. limit of tobacco which a cultivator may cure without a declaration under Rule 16 of CE Rules 1944 within the jurisdiction area specified in col. 4	Remarks
1	2	3	4	5	6
6. Guntur I.D.O. II	Dachepalli I.R.	Gottimukkala, Terukutta, Daida Pulipadu of Gurajala firka of Gurajala taluk; Pondugala, Ramapuram, Srinagar hamlet of Ramapuram, Gamalapadu, Alugumallipadu, Regulagadda, Vemavaram, Tadutla, Chinnayyapalem, Katrappadu, and Batrupalem of Dachepalli firka of Gurajala taluk; Guttikonda, Venkatapuram hamlet of Guttikonda, China Agraharam, Janapadu, Pedd Agraharam, Karlapadu, Chennayapalem hamlet of Karalapadu, Morjampadu, Kothapalem hamlet of Morjampadu, Konanki, T.P.G. Padu hamlet of Konanki, Kottagavarswarapadu of Piduguralla firka; Gundalapally, Tripurapuram, N. Agraharam hamlet of Tripurapuram, Pedanamalapudi, Papayapalem, Mannesultanapalem, Amajugudem, Bodanam, Kamepalli hamlet and Gopalapuram hamlet of Bodanam, Kethavaram, Chittavala of Bellamkonda firka of Sattenapalli taluk.			12 Acres
	Macherla I.R.	Goli, Gottipalem hamlet of Goli, Mallavaram, Damerpadu, Polapalli, Terala hamlet of Polapalli, Rayavaram, Atmakur, Mutyalampadu, Lingapuram, Kottapalli, Bhyravanipadu hamlet of Kottapalli, Koppanuru, Nagulavaram, Bellamkondavaripalem and Subbaredoipalem hamlets of Nagulavaram, Tallapalli, Pasavemula Kothuru and Ekuvampeta hamlets of Pasavemula, Vijayapuri South of Macherla firka of Balanadu taluk; Mandadi, Ratchamalla-padu, Gundlapadu, Bodlivedu hamlet of Gundlapadu, Gottipalla, Gangalagunta hamlet of Gottipalla, Sreegiripadu, Loyalapalli hamlet of Sreegiripadu Uppalapadu, Pasilaveedu, Yerrapalem hamlet of Pasilaveedu, Mutukur, Kanchergunta hamlet of Mutukur Kollaguntla, Kakirala hamlet and Machelapadu hamlets of Kollaguntla, Kothapullareddigudem of Veldurti firka of Palnadu taluk; Manchikallu, Cheeragudipadu of Gurajala firka of Palnadu taluk.			
	Vinukonda I.R.	Pitchikipalem, Ganniguntalavaripalem hamlet of Pitchikipalem, Gokanakonda, Tarlapalli (or Obanapalem) Gurappanadupalem hamlet, Iaddipalem hamlet, Gollapalemhamlet and Guravaripalem, hamlets of Tarlapalli (or Obanapalem) Kondrapolu, Madamanchipadu, Nagulavaram, Settupalli Ummadivaram, Inavole Kambampadu of Enugapalem firka of Vinukonda taluk; Pulchintala, Makkapadu hamlet, Iookavaram hamlet, Duniapalem hamlet, Ramudupalem hamlet, Muppajuvavaripalem hamlet, Botalgunta			

1	2	3	4	5	6	7
			hamlet, and Reddipalem hamlets of Pulchintala village Pamidipadu, Mukkalapadu, Jadduvaripalem hamlet of Mukkalapadu, Chinulacheruvu, Nagireddipalli hamlet and Lingamokkapalli hamlets of Chintalacheruvu, Mrutyujapuram, Anugulapadu, Neelagangavaram, Nayunipalem, Peddavaram, Sivapuram, Tana, Annavaram, Tangirala, Timmapuram, Brahmanapalli, Naraareddipalli hamlet of Brahmanapalli, Dondapadu Bharatapuram hamlet of Dondapadu, Kanumarlapadu, Savalyapuram hamlet of Kanumarlapadu, Timmayapalem, Chikatigalapalem hamlet Tummaravaripalem hamlets of Uppalapadu village Kotha Uppalapadu, hamlet of Uppalapadu, Surepalli, Tellapadu, Venkupalem, Vittamarajupalli, Naragayapalem, Dasullapalli of Inavolu firka of Vinukonda taluk.			
			Koppukonda, Nandipadu hamlet of Koppukonda, Kanumaracheruvu, Gutlapalli, Patakur hamlet and Kandrika hamlets of Gutlapalli, Ravulapuram, Manapentapadu hamlet of Revulapuram, Gandiganumula Sulayapalem hamlet of Gandiganumula Bollapalli, Mailapadu hamlet of Bollapalli, Srikondapalem, Narasayinipalem, Cowtapalem of Veltur firka of Vinukonda taluk;	12 Areas	60 Kgs.	
	Karempudi I.R.	Sankarapuram, Gadevaripalli hamlet, Batruvaripalem hamlet, Inaparajupalli hamlet and Kachevaram hamlets of Sankarapuram, Pedakondamagundla, Kallammivaripalem hamlet of Pedakondamagundla, Chinakondamaguntla, Vepakampalli hamlet of Chinakondamaguntla, Chitapalli, Chinnagarlapadu, Karempudi, Appicheria, Naramalapadu, Adigoppala Obelesunupalli, Dhamravaram, Daruvelamula Symarajapuram hamlet of Daruvelamula, Denga, Sigaratla of Karempudi firka of Gurajala taluk.				
		Bommarajupalli, Badrupalem hamlet of Bommarajupalli, Agnigundala, Vadicherla hamlet of Agnigundala, Garikapadu, Pamidipadu hamlet, Manumapuram, Chekkarayapalem, Marripalem hamlets of Garikapadu, Mallevagu, Reddipalem hamlet and Jayantipuram hamlets of Mallavagy, Gundepalli, Ayyanapalem of Epur firka of Vinukonda taluk.				

[C. No. V/4/30/67/73-U.M.P-4]
A. S. I. JAFFAR, Collector

भाणिज्य मंत्रालय

आवृत्ति

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1974

फा. आ. 1988.—भारत रक्षा नियम, 1971 के नियम 151 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, श्री के. एस. गुप्त, अवग मन्त्रि, गृह, उत्तर प्रदेश

सरकार, लखनऊ को श्री राज नागचण शर्मा के स्थान पर जो सेवा विवृत हो गए हैं, 30 जून, 1974 से उत्तर प्रदेश के लिए शक्त सम्पत्ति के उप अभिरक्षक के रूप में एतद्द्वारा नियुक्त करती हैं।

[सं. 12(24)/73-ई.आई.पी.]

टी. एस. परमेश्वरन्, उप सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 10th August, 1974

S.O. 1988.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (i) of rule 151 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby appoints Shri K. S. Gupta, Under Secretary, Home, Government of Uttar Pradesh, Lucknow, as Deputy Custodian of Enemy Property for Uttar Pradesh with effect from 30th June, 1974 vice Shri Raj Narain Sharma retired.

[No. 12(24)/73-FIEP]

T. S. PARAMESWARAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 10 अगस्त, 1974

आदेश

क्र० आ० 1989.—यतः भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिये इस्पात के तारों के रस्से को निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन लाने के लिये कल्पित प्रस्ताव निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) द्वारा यथापेक्षित भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय के आदेश सं० क्र० आ० 161, तारीख 13 जनवरी, 1973 के अन्तर्गत, भारत के राजपत्र, भाग 2 खंड 3, उपखंड (ii), तारीख 13 जनवरी, 1973 में प्रकाशित किए गए थे।

और यतः एतद्वारा संभाव्यतः प्रभावित होने वाली सभी व्यक्तियों से, राजपत्र में उक्त आदेश के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिन के भीतर आक्षेप और सुझाव मांगे गये थे।

और यतः उक्त राजपत्र जनता को 29 जनवरी, 1973 को उपलब्ध करा दिया गया था।

और यतः उक्त प्रस्ताव पर जनता में प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर, केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है :

अतः, अब, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् यह राय होने के कारण कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिये ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है—

(1) अधिसूचित करनी है कि इस्पात के तार के रस्से, निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगे।

(2) इस्पात के तार के रस्सों के निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1974 के अनुसार क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जो निर्यात से पूर्व इस्पात के तार के रस्सों पर लागू होंगे :

(3) (क) भारतीय मानक संस्थान द्वारा अनुमोदित विनिर्देश, किसी अन्य देश में ऐसे संस्थान द्वारा जारी या अनुमोदित किए गए विनिर्देशों को;

(ख) अन्तर्राष्ट्रीय मानक संगठन और अमेरिकन स्टैंडर्ड्स संस्थान द्वारा इस्पात के तार के रस्सों के लिये जारी किए गए विनिर्देशों को ;

(ग) विनिर्देशों को जो ऊपर के खंड (क) या (ख) के अन्तर्गत नहीं आते हैं किन्तु निर्यातकर्ता द्वारा घोषित ऐसे मानकों की परीक्षा और अनुमोदन करने के लिये निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों के 54 GI/74—11

पैनल द्वारा अनुमोदित हों, को इस्पात के तार के रस्सों के लिये मानक विनिर्देशों के रूप में, मान्यता देनी है।

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के दौरान ऐसे इस्पात के तार के रस्सों का

निर्यात का प्रतिबंध करनी है जब तक कि उनके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से किसी एक द्वारा जारी किया गया इस आशय का प्रमाणपत्र न हो कि इस्पात के तार के रस्सों का परेक्षण क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के संबंधित शर्तों को संतुष्ट करता है और निर्यात योग्य है।

2. इस आदेश की कोई भी बात इस्पात के तार के रस्सों के उन नमूनों के निर्यात पर लागू नहीं होगी जिनका तेल पर्यन्त विशुद्ध मूल्य भावी क्रेताओं के लिये एक सौ पच्चीस रुपये से अधिक नहीं है।

3. परिभाषा.—इस आदेश में इस्पात के तार के रस्सों से कर्पण, लपेटन, उत्तोलन, तेलकूप खेधन या किसी अन्य संबद्ध प्रयोग के लिये प्रयोगित, संतु आन्तरिक रहित या रहित बलवार इस्पात की तारों द्वारा बने रस्से अभिप्रेत हैं।

4. यह आदेश 10 सितम्बर को प्रवृत्त होगा।

[स० 6(20)/71-नि० नि० तथा नि० सं०]

ORDER

New Delhi, the 10th August, 1974

S.O. 1989.—Whereas for the development of export trade of India, certain proposals for subjecting steel wire ropes to quality control and inspection prior to export were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964, in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 13 January, 1973, under the Order of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 161, dated the 13th January, 1973;

And whereas objections and suggestions were invited within thirty days from the date of publication of the said Order in the Official Gazette, from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 29th January, 1973.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, being of the opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India, hereby—

(1) notifies that steel wire ropes shall be subject to quality control and inspection prior to export;

(2) specifies the type of quality control and inspection in accordance with the Export of Steel Wire Ropes (Quality Control and Inspection) Rules, 1974 as the type of quality control and inspection which would be applied to such steel wire ropes prior to export;

(3) recognises—

(a) the specifications approved by the Indian Standards Institution the specifications issued or approved by a like institution in any other Country.

(b) the specifications issued by the International Standards Organisation and American Petroleum Institute for steel wire ropes;

(c) the specifications which do not fall under clause (a) or (b) above but approved by a panel of experts appointed by the Export Inspection Council for the purpose of examining and approving such standards declared by the exporter as contractual specifications, as the standard specifications for steel wire ropes;

(4) prohibits the export, in the course of international trade, of such steel wire ropes unless the same are accompanied by a certificate issued by any of the Export Inspection Agencies established under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the consignment of steel wire ropes satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is export-worthy.

2. Nothing in this Order shall apply to the export of samples of steel wire ropes to prospective buyers, the f.o.b. value of which does not exceed rupees one hundred and twenty-five.

3. Definition.—In this Order "steel wire ropes" means ropes manufactured by stranding steel wires, with or without fibre core, used for haulage, winding hoisting, drilling or for any other allied use.

4. This Order shall come into force on 10th September, 1974.

[No. 6(20)/71-EI&EP.]

का० प्रा० 1990.—निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्

1. मक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम इस्यात की तार के रस्सों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1974 है।

(2) ये 10 मितम्बर, 1974 को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) अभिप्रेत है;

(ख) "अधिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अन्तर्गत कोचीन, मद्रास, कलकत्ता, मुम्बई, और दिल्ली में स्थापित निर्यात निरीक्षण अधिकरण अभिप्रेत है;

(ग) 'इस्यात की तार के रस्सों से कर्षण, लपेटन, उत्तोलन, नेलकूप घन या किमी अन्य सम्बद्ध प्रयोग के लिये प्रयोगित, संयुक्त-रक सहित या रहित बलदार इस्यात की तारों द्वारा बने रस्से अभिप्रेत है।

3. क्वालिटी नियंत्रण.—(1) इस्यात की तार के रस्सों की क्वालिटी इन नियमों से उपबन्धित अनुसूची में विनिर्दिष्ट नियंत्रण के स्तरों सहित उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट निर्माण के विभिन्न स्तरों पर नियंत्रणों का प्रयोग करके सुनिश्चित की जायेगी।

(2) उप-नियम (1) में उल्लिखित निर्माण के विभिन्न स्तरों पर नियंत्रण, निम्नलिखित नियंत्रण हैं—

(i) खरीदा गया सामान तथा संघटक नियंत्रण

(क) प्रयुक्त किये जाने वाले पदार्थों और सघटकों के गुणधर्मों तथा सहायताओं सहित उनकी विस्तृत विमाओं को समाविष्ट करने हुए, क्रय विनिर्देश विनिर्माता द्वारा बनाये जायेंगे।

(ख) स्वीकृत परेपणों के साथ या तो विनिर्माता का क्रय विनिर्देशों की अपेक्षाओं की पूर्ति करने हुए, परख प्रमाणपत्र हो गया या ऐसे परख प्रमाणपत्र के न होने पर प्रत्येक परेपण में नमूनों की परीक्षा क्रय विनिर्देशों से उसकी अनुसूचना की जांच करने के लिये नियंत्रित रूप से की जायेगी। विनिर्माता के परख प्रमाणपत्रों की श्रद्धा जांचने के लिये उनकी कम से कम पांच परेपणों के बीच एक बार प्रति-जांच की जायेगी।

(ग) आने वाले परेपण की क्रय विनिर्देशों से अनुसूचना निश्चित करने के लिये उपयुक्त नमूना लेने की योजना के अनुसार निरीक्षण और परख की जायेगी।

(घ) निरीक्षण और परख किए जाने के पश्चात् दोनों के उचित पृथक्करण और नियंटान के लिये व्यवस्थित पद्धति अपनाई जायेगी।

(ङ) उपर्युक्त नियंत्रणों की बाबत पर्याप्त अभिलेख व्यवस्थित रूप से रखे जायेंगे।

(ii) प्रक्रम नियंत्रण

(क) विनिर्माण के विभिन्न प्रक्रमों के लिये विनिर्माताओं द्वारा विस्तृत प्रक्रम विनिर्देश बनाए जायेंगे।

(ख) प्रक्रम विनिर्देशों में अधिकृत प्रक्रमों के नियंत्रण के लिये उपकरणों यंत्रों की पर्याप्त सुविधा होगी।

(ग) विनिर्माण के प्रक्रम के दौरान प्रयोग किए गए नियंत्रणों के सत्यापन को सुलभ बनाने के लिये पर्याप्त अभिलेख रखा जाएगा।

(iii) उत्पाद नियंत्रण

(क) विनिर्माता के पास अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत मान्य विनिर्देशों के अनुसार उत्पाद को परख करने के लिये परख की पर्याप्त सुविधाये होंगी।

(ख) की गई परख की बाबत पर्याप्त अभिलेख नियमित और व्यवस्थित रूप से रखे जायेंगे।

(iv) माप विद्या संबंधी नियंत्रण

(क) उत्पादन और निरीक्षण में प्रयुक्त मापको और यंत्रों की कालिक जांच प्रशणोधन किया जायेगा और वृत्तपत्र के रूप में उसका अभिलेख रखा जायेगा

(v) संरक्षण नियंत्रण

(क) सामक विनिर्देशों से सुसंगत उपबन्धों का, यदि कोई हो, विनिर्माता पालन करेगा।

(ख) यदि मानक विनिर्देशों में कुछ की उपबन्धित नहीं किया गया है तो स्टोरेज और वितरण के दौरान मौसम के प्रतिकूल प्रभावों के विरुद्ध भली प्रकार सुरक्षित रखा जायेगा।

(vi) पैकिंग नियंत्रण

(क) पैकिंग त्रेता के अनुबंध या सामान्य व्यापार प्रणाली के अनुसार होगी।

न (ख) लाने में जाने में हाथ से बचाने के लिये रील या कुण्डल उप-युक्ततः सुरक्षित रखे जायेंगे।

4. निरीक्षण का आधार :—निर्यात के लिये आशयित इस्पात के तार के रस्सों का निरीक्षण यह देखने के लिये किया जायेगा कि निरीक्षण के लिये प्रस्तुत किए गए इस्पात के तार के रस्सों का परेपण अधिनियम की धारा 6 के अन्तर्गत मान्य विनिर्देशों के अनुरूप है।

5. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) इस्पात के तार के रस्सों के परेपण का निर्यात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता मासिक विनिर्देशों के विवरण का संकेत देने हुए, अभिकरण को लिखित सूचना देगा और ऐसी सूचना के साथ घोषणा देगा कि निर्यात के लिये आशयित इस्पात के तार के रस्सों का परेपण नियम 3 में अधिस्थित क्वालिटी नियंत्रण का प्रयोग करके विनिर्दिष्ट किया गया है, और कि परेपण इस प्रयोजन के लिये मान्य विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है। निर्यातकर्ता ऐसी सूचना को एक प्रति उसी समय निर्यात निरीक्षण परिषद् के निम्नलिखित कार्यालयों में से किसी एक को देगा, जो निरीक्षण के स्थान से निकटतम है, अर्थात्—

मुख्य कार्यालय निर्यात निरीक्षण परिषद् 'वर्ल्ड ट्रेड सेंटर'
14/1-बी, एजरा स्ट्रीट, (आठवीं मंजिल)
कलकत्ता 1।

क्षेत्रीय कार्यालय (1) निर्यात निरीक्षण परिषद्, भ्रमन
चैम्बर, पाचवीं मंजिल, 113, महर्षि कर्वे
रोड, मुम्बई-4
(2) निर्यात निरीक्षण परिषद्, मनोहर
बिल्डिंग, महात्मा गांधी रोड, एन.कुलम,
कोचीन-11

(3) निर्यात निरीक्षण परिषद्, 13137,
पश्चिम विस्तार क्षेत्र, आर्य समाज रोड,
नई दिल्ली-5

(2) निर्यात कर्ता परेपण पर लगाया जाने वाला पहचान चिह्न भी अभिकरण को देगा।

(3) उप-नियम (1) के अन्तर्गत प्रत्येक सूचना तथा घोषणा विनिर्माता के परिमर से परेपण के भेजे जाने से कम से कम दस दिन पहले अभिकरण के कार्यालय में पहुँच जानी चाहिये।

(4) उपनियम (1) के अन्तर्गत सूचना तथा घोषणा प्राप्त होने पर अभिकरण, स्वयं को संतुष्ट कर लेने पर कि विनिर्माण के प्रक्रम के दौरान नियम 3 में उपबंधित पर्याप्त क्वालिटी नियंत्रणों का प्रयोग किया गया है और निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा इसके लिये जारी किए गए निर्देशों, यदि कोई हो, का पालन किया गया है, मान्य विनिर्देशों के लिये परेपण की अनुरूपता सुनिश्चित करने के लिये इस्पात के तार के रस्सों का निरीक्षण करेगा और निर्यातकर्ता अभिकरण को सभी आवश्यक सुविधायें देगा ताकि वह ऐसा निरीक्षण कर सके।

(5) निरीक्षण की समाप्ति के पश्चात्, अभिकरण इस्पात के तार के रस्सों को इस प्रकार यह सुनिश्चित करने के लिये सुरक्षित सील-स्टैम्प-स्टेसिल करेगा कि वस्तुओं के साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सके। परेपण के अस्वीकृत होने की घणा में, यदि निर्यातकर्ता की इच्छा हो, तो अभिकरण द्वारा परेपण सील-स्टैम्प-स्टेसिल नहीं किए जा सकते। ऐसी घणाओं में निर्यातकर्ता अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं कर सकेगा।

(6) जब अभिकरण संतुष्ट है इस्पात के तार के रस्सों का परेपण मान्य विनिर्देशों के अनुरूप है तो वह निरीक्षण की समाप्ति पर तीन दिन

के भीतर निर्यातकर्ता को एक प्रमाणपत्र यह घोषणा करने हुए दे देगा कि परेपण, क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण से संबंधित बातों को पूरा करता है और निर्यातयोग्य है।

परन्तु जहाँ अभिकरण इतना संतुष्ट नहीं है, वह उक्त तीन दिन की अवधि के भीतर ऐसा प्रमाणपत्र देने से इंकार कर देगा तथा ऐसे इंकार की सूचना इसके लिये कारण सहित निर्यातकर्ता को दे देगा।

6. निरीक्षण का स्थान :—इन नियमों के अन्तर्गत निरीक्षण केवल विनिर्माता के परिमर पर किया जायेगा।

7. निरीक्षण शुल्क :—इन नियमों के अन्तर्गत प्रति परेपण के लिये सौ रुपये के अधीन रहते हुये ५०००००० मूल्य के प्रति सौ रुपये के लिये पचास पैसे की दर से शुल्क निर्यात कर्ता द्वारा अभिकरण को निरीक्षण शुल्क के रूप में दिया जायेगा।

8. अपील :—(1) नियम 4 के उपनियम (6) के अन्तर्गत अभिकरण द्वारा प्रमाणपत्र देने से इंकार कर देने पर व्यथित कोई व्यक्ति उसके द्वारा ऐसे इंकार की सूचना प्राप्त करने पर 10 दिनों के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा इसके लिये नियुक्त कम से कम तीन व्यक्तियों के विशेषज्ञों के पैनल के समक्ष अपील कर सकता है।

(2) ऐसे पैनल में, विशेषज्ञों के पैनल की कुल सदस्यता के कम से कम बी-तिहाई गैर-सरकारी सदस्य होंगे।

(3) ये पैनल की गणपूर्ति तीन होगी।

(4) ऐसी अपील पर पैनल का विनिश्चय अन्तिम होगा।

(5) अपील, उसके प्राप्त होने से पन्द्रह दिन के भीतर निपटा दी जायेगी।

अनुसूची

(नियम 3 देखिए)

क्रम परख/निर्यात अपेक्षाएँ परख	लाट	आकार	टिप्पणियाँ
सं० की विशेषताएँ	किए जाने वाले नमूनों की सं०		
1	2	3	4
1. सामग्री : गंधक और फास्फोरस का अंश	मानक विनिर्देश के अनुसार	1	कुण्डलियों का प्रत्येक ताप या ढलाव
			जब उत्पादन कर्ता के प्रमाणपत्र द्वारा रसायनिक मिश्रण समायोजित किया जाता है तो कुण्डलियों के 5 तापों या ढलावों से एक नमूने की परख की जा सकती है।
2. मरोड़ने से पहले अलग-अलग तारें :			
(क) आकार	यथोक्त	1	प्रत्येक कुण्डली
(ख) तनन सामर्थ्य	यथोक्त	1	यथोक्त
(ग) मरोड़	यथोक्त	1	यथोक्त

1	2	3	4	5	6
(घ) विपरीत झुकाव	मानक विनिर्देशक के अनुसार	1	प्रत्येक कुल्हसी		
(ङ) लपेटना	यथोक्त	1	यथोक्त		
(च) जस्ती कोटिंग की एक समा- नता	यथोक्त	1	एक आकार का प्रत्येक दो घंटे का उत्पादन		
(छ) जस्ती कोटिंग का, भार	यथोक्त	1	यथोक्त		
(ज) बोधा से सुक्ति (पपड़ियां, असमतताएं, खिचलन आदि)	यथोक्त	1	पर्याप्त निरी- क्षण		
3 पूरा रस्सा					
(क) आकार	यथोक्त	1	प्रत्येक रोल		
(ख) बल की दिशा	यथोक्त	1	यथोक्त		
(ग) बल की लम्बाई	यथोक्त	1	यथोक्त		
(घ) बोधा से सुक्ति (ढीले मरोड़, असम अन्तर, टूटी हुई तारें, मोड़ तारों का एक दूसरे पर चढ़ना आदि)	यथोक्त	1	यथोक्त		
(ङ) पूर्ण गठन	यथोक्त	1	यथोक्त		
(च) टूटन समाप्ति	यथोक्त	1	प्रत्येक उत्पादन की लम्बाई		
तैयार रस्से से अलग अलग तारें*					
(क) तनन सामग्री	यथोक्त	6	यथोक्त	यदि परख में दो या अधिक तारें असफल हो तो छः और तारों की परख की जाएगी और उत्पादन लम्बाई सभी स्वीकार की जाएगी जब पुनः परख में असफ- लता एक नमूने से अधिक की नहीं होगी।	
(ख) विपरीत झुकाव	यथोक्त	6	यथोक्त		
(ग) मरोड़	यथोक्त	6	यथोक्त		

*—तैयार रस्से में से तारों के चुने हुए नमूनों की परख के निम्न, रस्सी में से उपयुक्त लम्बाई काटी जाएगी और सीधी की जाएगी। आन्तरिक और भर्ती की तारों को छोड़ कर, तारों तक एकसाथ सभी प्रकार मिलाई जाएगी और 36 तारे चुन ली जाएंगी। इन तारों में से 18 परख के अधीन होंगी और शेष 18 पुनः परख के लिए आवश्यकता पड़ने की दशा में रखी जाएंगी।

[सं० 6 (20)/71-नि० नि० तथा नि० सं०]

म० कु० ब० भटनागर, अवर सचिव

S.O. 1990.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Export of Steel Wire Ropes (Quality Control and Inspection) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on 10th September, 1974.

2. Definition :—In these rules, unless the context otherwise requires,

(a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Agency" means any of the Export Inspection Agencies established at Cochin, Madras, Calcutta, Bombay and Delhi under section 7 of the Act;

(c) "Steel wire ropes" means ropes manufactured by stranding steel wires, with or without fibre core, used for haulage, winding, hoisting, drilling or for any other allied use.

3. Quality control :—(1) The quality of the steel wire ropes shall be ensured by exercising the controls at different stages of manufacture specified in sub-rule (2) together with the levels of controls specified in the Schedule annexed to these rules.

(2) The controls at different stages of manufacture mentioned in sub-rule (1) are the following controls;

(i) Bought out materials and components control :

(a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of materials and components to be used and detailed dimensions thereof with tolerances.

(b) The accepted consignments shall either be accompanied by a producer's test certificate corroborating the requirement of the purchase specifications or in the absence of such test certificates samples from each consignment shall be regularly tested to check up its conformity to the purchase specifications.

The producer's test certificates shall be counter-checked at least once in five consignments to verify the correctness.

(c) The incoming consignments shall be inspected and tested for ensuring conformity to purchase specifications against a suitable sampling plans.

(d) After the inspection and tests are carried out, systematic methods shall be adopted for proper segregation and disposal defectives.

(e) Adequate records in respect of the above mentioned controls shall be systematically maintained.

(ii) Process control :

(a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturers for various processes of manufacture.

- (b) Equipment/instrumentation facilities shall be adequate to control the processes as laid down in the process specifications.
- (c) Adequate records shall be maintained to enable the verification of the controls exercised during the process of manufacture.

(iii) Product control :

- (a) The manufacturer shall have adequate testing facilities to test the product as per the specification recognised under section 6 of the Act.
- (b) Adequate records in respect of the tests carried out shall be regularly and systematically maintained.

(iv) Metrological control :

Gauges and instruments used in the production and inspection shall be periodically checked/calibrated and records shall be maintained in the form of history cards.

(v) Preservation control :

- (a) The manufacturer shall comply with relevant provisions, if any, of the standard specifications.
- (b) If nothing is provided for in the standard specifications, the products shall be well preserved against adverse effects of weather conditions during storage and transit.

(vi) Packing control :

- (a) Packing shall be in line with buyer's stipulation or as per normal trade practice.
- (b) The reels or coils shall be suitably protected to avoid damage in transit.

4. **Bases of Inspection.**—The inspection of steel wire ropes intended for export shall be carried out with a view to seeing that the consignment of steel wire ropes offered for inspection conforms to the specification recognised under section 6 of the Act.

5. **Procedure of inspection** :—(1) The exporter intending to export a consignment of steel wire ropes shall give intimation in writing to the Agency indicating the details of the contractual specification and submit along with such intimation a declaration that the consignment of steel wire ropes intended for export has been manufactured by exercising quality controls laid down in rule 3, and that the consignment conforms to the requirements of the specification recognised for this purpose. The exporter shall at the same time endorse a copy of such intimation to any of the following offices of the Export Inspection Council, which is nearest to the place of inspection, namely :—

Head Office :

Export Inspection Council,
'World Trade Centre'
14/1-B, Ezra Street, 7th floor,
Calcutta-1.

Regional Offices :

1. Export Inspection Council,
Aman Chambers, 4th floor,
113, Maharshi Karve Road,
Bombay-4.
2. Export Inspection Council,
Manohar Buildings,
Mahatma Gandhi Road,
Ernakulam, Cochin-11.
3. Export Inspection Council,
13/37, Western Extension Area,
Arya Samaj Road,
New Delhi-5.

2. The exporter shall also furnish to the Agency the identification marks applied on the consignment.

(3) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall reach the office of the Agency and the Council not less than ten days prior to the despatch of the consignment from the premises of the manufacturer.

(4) On receipt of the intimation and declaration under sub-rule (1), the Agency, on satisfying itself that during the process of manufacture adequate quality controls, as provided in rule 3, have been exercised and the instructions, if any, issued by the Export Inspection Council in this regard, have been observed, shall carry out the inspection of steel wire ropes to ensure conformity of the consignment to the recognised specification and the exporter shall provide all necessary facilities to the Agency to enable it to carry out such inspection.

(5) After completion of inspection, the Agency shall immediately seal/stamp/stencil the consignment of steel wire ropes in a manner as to ensure that the goods cannot be tampered with. In case of rejection of a consignment, if the exporter so desires, the consignment may not be sealed/stamped/stencilled by the Agency. In such cases, however, the exporter shall not be entitled to prefer an appeal against the rejection.

(6) When the Agency is satisfied that the consignment of steel wire ropes complies with the requirement of the recognised specification, it shall issue within 3 days of completion of inspection, a certificate to the exporter declaring that the consignment satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is exportworthy :

Provided that where the Agency is not so satisfied, it shall within the said period of three days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter along with the reasons therefor.

6. **Place of inspection.**—Inspection under these rules shall be carried out at the premises of the manufacturer only.

7. **Inspection fee.**—Subject to a minimum of rupees hundred for each consignment, a fee at the rate of fifty paise for every hundred rupees of f.o.b. value, shall be paid by the exporter to the Agency as inspection fee under these rules.

8. **Appeal.**—(1) Any person aggrieved by the refusal of the Agency to issue a certificate under sub-rule (6) of rule 4, may, within 10 days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than 3 persons appointed for the purpose by the Central Government.

(2) The panel will consist of at least two-thirds of non-officials of the total membership of the panel of experts.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The decision of the panel on such appeal shall be final.

(5) The appeal shall be disposed of within 15 days of its receipt.

SCHEDULE

(See rule 3)

Sl. No.	Test/Inspection characteristic	Requirements	No. of samples to be tested	Test size	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. Material :					
	Sulphur and phosphorus contents	As per standard specification	1	Each and every heat or cast of coils	When the chemical composition is supported by producer's certificates, one sample from 5 heats or casts of the coils may be tested.
2. Individual wires before stranding :					
(a)	Size	-do-	1	Each coil	
(b)	Tensile strength	-do-	1	-do-	
(c)	Torsion	-do-	1	-do-	
(d)	Reverse bending	-do-	1	-do-	
(e)	Wrapping	-do-	1	-do-	
(f)	Uniformity of zinc coating	-do-	1	Every two hours' production of one size.	
(g)	Weight of zinc coating	-do-	1	-do-	
(h)	Freedom from defects (scales, inequalities, shifts, etc.)	-do-	Adequate inspection		
3. Completed Rope :					
(a)	Size	-do-	1	Each roll	
(b)	Direction of lay	-do-	1	-do-	
(c)	Lay length	-do-	1	-do-	
(d)	Freedom from defects (loose strands, uneven gaps, broken wires, kinks, over-riding of wires etc.)	-do-	1	-do-	
(e)	Pre-forming	-do-	1	-do-	
(f)	Breaking strength	-do-	1	Each production length	
4. Individual wires from finished rope* :					
(a)	Tensile strength	-do-	6	-do-	If two or more wires fail in testing, six more wires shall be tested and production length accepted only when the failure in retesting does not exceed one sample.
(b)	Reverse bending	-do-	6	-do-	
(c)	Torsion	-do-	6	-do-	

* For testing samples selected from wires out of finished rope, a suitable length shall be cut off from the rope and unstranded. The wires, excluding all core and filler wires, shall then be well mixed together and 36 wires shall be selected at random. Out of these 18 wires shall be subjected

to testing and remaining 18 kept for retesting in case it is called for.

[No. 6(20)/71-EI&EP.]

M. K. B. BHATNAGAR, Under Secy.

(काफी बोर्ड)

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1974

का० प्रा० 1991.—यत् भारत सरकार के विदेश व्यापार मंत्रालय ने, भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3 उपखण्ड (2) में दिनांक 30 मितम्बर 1972 की प्रकाशित अधिसूचना सं० का० प्रा० 2635 दिनांक 22 जुलाई, 1972 द्वारा श्री शेरखा के स्थान पर, जो यदि राज्य सभा की सदस्यता से न हटते तो 15 जुलाई 1974 तक काफी बोर्ड, बंगलूर के सदस्य के पद पर बने रहते, बोर्ड के एक सदस्य के रूप में राज्य सभा के सदस्य श्री बी० पी० नागराज मूर्ति का निर्वाचन अधिसूचित किया;

अतः अब काफी नियम 1955 के नियम 4 के साथ पठित काफी अधिनियम 1942 (1942 का 7) की धारा 4 की उपधारा (2) के खंड (ख) द्वारा प्रयत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उपरोक्त अधिसूचना में एतद्वारा निम्नोक्त सशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में “वे सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिये पद पर रहेंगे” इन शब्दों के स्थान पर “वे तब तक इस पद पर रहेंगे जब तक कि यह रिक्ति न होती तो श्री शेरखा, सदस्य, जिनके स्थान पर उन्हें नियुक्त किया गया है, उस पद पर रहने के हकदार होते अर्थात् 15 जुलाई 1974 तक” ये शब्द रखे जायेंगे।

[का० सं० 1/2/72-लाट (बी)]

एस० महादेव अय्यर, अवसर सचिव

(Coffee Control)

New Delhi, the 25th July, 1974.

S.O. 1991.—Whereas the Government of India, in the Ministry of Foreign Trade, has, by notification No. SO 2635 dated the 22nd July, 1972, published in sub-section (2) of Section 3 of part II of the Gazette of India dated the 30th September, 1972, notified the election of Shri B. P. Nagaraja Murthy, Member, Rajya Sabha, as a member of the Coffee Board, Bangalore vide Shri Sherkhan, who would have held office as a member of the Board upto 15th July 1974, but for his ceasing to be a member of the Rajya Sabha;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 4 of the Coffee Act, 1942 (7 of 1942) read with rule 4 of the Coffee Rules, 1955, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification, aforesaid, namely:—

In the said notification, for the words “he shall hold office of a period of three years from the date of publication of this notification in the Official Gazette”, the words “he shall hold office so long as Shri Sherkhan, the member whose place he fills would have been entitled to hold office if the vacancy had not occurred, that is to say, upto the 15th day of July, 1974” shall be substituted.

[F. No. 12/72]

S. MAHADEVA IYER, Under Secy.

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1974

का० प्रा० 1992.—प्रायुध और उपस्कर निदेशक, आर्मी मुख्यालय, जनरल स्टाफ ब्रांच, प्रायुध एवं उपस्कर निदेशालय, डी०एच०क्यू०पी०ओ०, नई दिल्ली

को डेक्टर लाइट इन्टेनसिटी, इंटर कनेक्शन केबल तथा बीएचएम रेडियो लिंक आदि के आयात के लिए 90,000 रुपये मात्र (केवल नब्बे हजार रुपये) के लिए सी०सी०पी० संख्या जी/जे/304094/4एन/आई आई/21/एच/31/39-40 दिनांक 29-5-74 प्रदान किया गया था। उसे पंजीकृत लिफाफे के अंदर 1-6-74 को भेजा गया था। हम तारीख तक पंजीकृत लिफाफा पताधारी को नहीं प्राप्त हुआ है। उप-मुख्य, आर्मी स्टाफ, आर्मी मुख्यालय ने सी०सी०पी० की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए अनुरोध किया है।

अपने तर्क के समर्थन में उप-मुख्य, आर्मी स्टाफ ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। जूरी माल की जबरन सुरक्षा कार्यों के लिए है, अतः अधोहस्ताक्षरी निदेश देता है कि डाक की जांच पड़ताल को अनिर्णीत छोड़कर उनको उक्त सी०सी०पी० की अनुलिपि प्रति जारी की जाए। मूल प्रति को रद्द कर दिया गया है। सी०सी०पी० की अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या : सेंट/51/74-75/पीएलएस/बी/]

एस० के० उसमानी उप मुख्य नियंत्रक कृते मुख्य नियंत्रक

ORDER

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

New Delhi, the 25th July, 1974

S.O. 1992.—The Director of Weapons and Equipment, Army Headquarters, General Staff Branch, Weapon & Equipment Dte. D.H.Q. P.O. New Delhi was granted CCP No. GJ/3040944/N/Y/51/H/39-40 dated 29-5-74 for import of Detector light intensity, inter connection cables and VHF Radio Link etc. for Rs. 90,000/- only (Rupees ninety thousand only). The same was sent under Registered cover on 1-6-74. The registered cover till this date has not reached the addressee. The Dy. Chief of the Army Staff, Army Head Quarters have requested for the issue of duplicate copy of the CCP.

In support of his contention the Dy. Chief of the Army Staff has filed an affidavit. Since the goods are required for defence purposes the undersigned directs that duplicate copy of the said CCP be issued to him pending postal enquiries. The original copy has been cancelled. Duplicate copy of C.C.P. is being issued separately.

[File No. Cent/51/74-75/PLS/B]

S. K. USMANI, Dy. Chief Controller
for Chief Controller

आदेश

का० प्रा० 1993.—सर्वश्री हिंदुस्तान स्टील लि०, कलकत्ता को रुपये में भुगतान क्षेत्र में एम०एम० राउन्ड प्लेन/टोर्नटोल् आदि के आयात के लिए 2,82,00,000 रुपये के लिए लाइसेंस संख्या जी/टी/2500472 दिनांक 7-6-73 प्रदान किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क निकासी प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रति खो गई/अस्थायित्व हो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा आगे सूचना दी गयी है कि लाइसेंस कलकत्ता पत्तन पर पंजीकृत कराया गया है। उनके द्वारा आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस का 18,96,488 रुपये तक आंशिक उपयोग कर लिया गया है और उस पर 2,63,03,512 रुपये शेष बचा है।

अपने तर्क के समर्थन में, आवेदक ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या जी/टी/2500472 दिनांक 7-6-73 की मूल सीमाशुल्क प्रति खो गई है और निदेश देती है कि उनको उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रति एमद द्वारा रद्द की जाती है।

लाइसेंस संख्या जी/टी/2500472 दिनांक 7-6-73 की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[फ० संख्या एचएसएल-12/73-74/आरएम सैन/1244]

ORDER

S.O. 1993.—M/s. Hindustan Steel Ltd, Calcutta were granted licence No. G/T/2500472 dated 7-6-73 for the import of M. S. Rounds Plain/Torsteel etc. from R.P.A. to the value of Rs. 2,82,00,000/-. They have requested for the issue of duplicate Customs purposes copy of the above licence on the ground that the Original Customs copy of the above licence has been lost/misplaced by them. It has been further reported by the licensee that the licence has been registered with Calcutta Port. It has been further stated by them that the licence has been partly utilised to the value of the Rs. 18,96,488/- leaving a balance of Rs. 2,63,03,512/-.

In support of their contention, the applicant have filled an affidavit. The undersigned is satisfied that the original custom copy of the licence No. G/T/2500472 dated 7-6-73 has been lost and direct that Duplicate custom copy of the said licence should be issued to them. The Original custom copy of the licence is hereby cancelled.

The duplicate custom copy of the licence No. G/T/2500472 dated 7-6-73 is being issued separately.

[F No. HSL-12/73-74/RM Cell/1244]

आदेश

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1974

कां.प्रा. 1994.—दि प्रोजेक्ट्स एंड इक्विपमेंट कार्पोरेशन प्रा. लि., नई दिल्ली को मोडियन समाजवादी गणतंत्र संघ से 1,82,924 रु० मूल्य के प्रयोग प्रशासकीय उपकरणों आदि के आयात के लिए लाइसेंस सख्या जी/टी/2391109, दिनांक 24-2-72 प्रदान किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियों की अनुलिपियां जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति दोनों खो गयी / अस्थानस्थ हो गई है। यह किसी भी पक्ष से पंजीकृत नहीं कराया गया है। उन्होंने लाइसेंस का बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस सख्या जी/टी/2391109, दिनांक 24-2-72 की मूल सीमाशुल्क निकासी और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियां खो गई हैं और निदेश देती है कि इनकी अनुलिपि प्रतियां उनकी जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की दोनों मूल प्रतियां एतद्वारा रद्द की जाती हैं।

लाइसेंस सख्या जी/टी/2391109, दिनांक 24-2-72 की अनुलिपि प्रतियां अलग से जारी की जा रही हैं।

[फा०सं० : एमटीसी/एसएसआर-52/71-72/आरएस सैल/1260]

कुमारी एस० के० उस्मानी, उप-मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 26th July, 1974

S.O. 1994.—The Projects & Equipments Corporation of India Ltd, New Delhi were granted licence No. G/T/2391109 dated 24-2-72 for the import of Laboratory Testing Equipments etc. from USSR to the value of Rs. 1,82,924/-. They have requested for the issue of duplicate custom and Exchange copies of the above licence on the ground that the original both copies of the above licence have been lost/misplaced. It has not been registered with any port. They have not utilised the licence at all.

In support of their contention, the applicant have filled an affidavit. The undersigned is satisfied that the Original Custom & Exchange copies of the licence No. G/T/2391109 dated 24-2-72 has been lost and direct that Duplicate Customs and Exchange Copies of the said licence should be issued to them. The Original both copies of the licence is hereby cancelled.

The duplicate copies of the licence No. G/T/2391109 dated 24-2-72 is being issued separately.

[File No. STC/USSR-52/71-72/RM Cell/1260]

MISS S. K. USMANI, Dy. Chief Controller.

आदेश

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 1974

कां.प्रा. 1995—सर्वश्री कलकत्ता स्टील को० लि०, कलकत्ता को 36000 रुपये (छत्तीस हजार रुपये मात्र) मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी०/ए/1373425/सी/एसएस/45/एच/33-34/स्पेशल सैल दिनांक 1-1-73 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है। यह भी सूचना दी गई है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति कलकत्ता के सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास पंजीकृत कराई थी और उसका आंशिक उपयोग किया था। इसका 5,363 रुपये के लिए उपयोग कर लिया था और 30,637 रुपये का उपयोग करना शेष था।

2 इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथपत्र दाखिल किया है। तदनुसार मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है। इसलिए यथासंशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की उप-धारा 9(सी सी) द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री कलकत्ता स्टील कंपनी लि०, कलकत्ता को जारी किए गए लाइसेंस सं० पी०/ए/1373425/सी/एसएस/45/एच/33-34/स्पेशल सैल दिनांक 1-1-73 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

3. उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि आवेदक को अलग से जारी की जा रही है।

[सख्या एमपीसीएल/1/आरएमपी/76(2)(सी)/72-73/631]

एम० आर० मिनोचा, मुख्य नियंत्रक,

ORDER

New Delhi, the 20th July, 1974.

S.O. 1995.—M/s. Calcutta Steel Co. Ltd, Calcutta were granted an import licence No. P/A/137425/C/XX/45/H/33-34/ Sp. Cell dated 1-1-73 for Rs. 36,000 (Rupees Thirty Six Thousand only). They have applied for the issue of a duplicate Customs Purposes Copy of the said licence on the ground that the original Customs Purposes Copy has been lost. It is further stated that the original Customs Purposes Copy was registered with the Customs authorities at Calcutta utilised partly. It was utilised for Rs. 5,363/- and the balance available on it was Rs. 30,637/-.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit. I am accordingly satisfied that the original Customs Purposes Copy of the said licence has been lost. Therefore, in exercise of the powers conferred under Sub-clause 9(cc) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said original Customs Purposes Copy of Licence No. P/A/137425/C/XX/45/33-34/Sp. Cell dated 1-1-73 issued to M/s Calcutta Steel Co. Ltd, Calcutta is hereby cancelled.

3. A duplicate Customs Purposes Copy of the said licence is being issued separately to the licensee.

[No. SPCL/1/RMP/76(2)(c)/72-73/631]

S. R. MINOCHA, Jt. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1974

का० आ० 1996.—श्री एस० चेतनराज, उप-मंजरी, मिर्जापुर तथा जलमार्ग, विभाग प० बंगाल सरकार कलकत्ताको एक 32 बोर रिवॉल्वर के आयात के लिए 950 रु० मूल्य का सीमाशुल्क निकासी परमिट सं० पी०/जे०/3038981/एन/एसएन/47/एच/37-38 दिनांक 8-6-1973 प्रदान किया गया था। उन्होंने सीमाशुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। यह भी उल्लेख किया गया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट किसी भी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं किया गया था और उसका उपयोग नहीं किया गया था। इस तर्क के समर्थन में उन्होंने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट सं० पी०/जे०/3038981/दिनांक 8-6-73 खो गया/अस्थानस्थ हो गया है और निदेश देता हूँ कि इसकी अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट रद्द किया जाता है।

[फा० सं० 315-4/एस-44/एस 74/एडहॉक/979]

ORDERS

New Delhi, the 26th July, 1974

S.O. 1996.—Shri S. Chatteraj, Deputy Minister Irrigation & Waterways Deptt., Govt. of West Bengal, Calcutta was granted CCP No. P/J/3038981/N/MN/47/H/37-38 dated 8-6-1973 for Rs. 950/- only for the import of one .32 Bore Revolver. He has applied for a duplicate copy of the C.C.P. on the ground that the original C.C.P. has been lost/misplaced. It is further stated that the original C.C.P. was not registered with any Customs House and not utilised. In support of this contention, he has filed an affidavit. I am satisfied that the original CCP No. P/J/3038981 dated 8-6-73 has been lost/misplaced and direct that a duplicate C.C.P. should be issued to the applicant. The original C.C.P. is cancelled.

[File No. 315-IV/S-44/AM74/Adhoc/979]

का० आ० 1997.—मेजर पी० पी० सिंह, सेकन्ड-इन्-कमान्ड, आठवीं बटालियन, ब्रिगेड आफ गार्ड्स, द्वारा 99 ए० पी० ओ० को एक 32 बोर का रिवॉल्वर और 100 कारतूसों के आयात के लिए 1045/रुपये मूल्य का एक सीमाशुल्क निकासी परमिट सं० पी०-जे०/1395890/एन/एस एन/49/एच/37-38 दिनांक 27-10-1973 प्रदान किया गया था। उन्होंने सीमाशुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि के लिए आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। यह भी उल्लेख किया गया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट किसी भी सीमाशुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं किया गया था और उसका उपयोग नहीं किया गया था। इस तर्क के समर्थन में उन्होंने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट सं० पी०/जे०/1395890 दिनांक 27-10-73 खो गया/अस्थानस्थ हो गया है और निदेश देता हूँ कि इसकी अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट रद्द किया जाता है।

[फा० सं० 315-4/पी० 25/एस० एस० 74/एस० एस०/880]

सरदूल सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक

S.O. 1997.—Major P. P. Singh, Second-in-Command 8th lion, Brigade of the Guards C/o. 99 A.P.O. was granted CCP No. P/J/1395890/N/MN/49/H/37-38 daed 27-10-1973 for Rs. 1045/- only for the import of a .32 bore revolver and 100 cartridges. He has applied for a duplicate copy of the C.C.P. on the ground that the original C.C.P. has been lost/misplaced. It is further stated that the original C.C.P. was not registered with any Customs House and not utilised. In support of this contention, he has filed an affidavit. I am satisfied that the original CCP No. P/J/1395890 dated 27-10-73 has been lost/misplaced and direct that a duplicate C.C.P. should be issued to the applicant. The original C.C.P. is cancelled.

[F. No. 315-IV/P. 25/AM 74/ALS/980]
SARDUL SINGH, Dy. Chief Controller

आदेश

नई दिल्ली, 26 जुलाई, 1974

का० आ० 1998.—सर्वश्री वि सैमूर लैम्प वर्क्स लि०, बंगलूर को एक आयात लाइसेंस संख्या: पी०/डी/2187969, दिनांक 3-3-72 मूल्य 910400/- रुपये हमसे संलग्न सूची के अनुसार कच्चे माल/संघटकों के आयात के लिए दान किया गया था।

2. उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति उन से खो गई है या अस्थानस्थ हो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा यह भी सूचना दी गई है कि लाइसेंस पर 652058/- रुपये का उपयोग करना शेष था। लाइसेंस सीमाशुल्क कार्यालय, बम्बई में पंजीकृत कराया था।

3. अपने तर्क के समर्थन में आवेदकों ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस संख्या: पी०/डी/2187969, दिनांक 3-3-72 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति खो गई है या अस्थानस्थ हो गई है और निवेश देता है कि इसकी अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति रद्द की जानी है।

4. लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि श्रवण में जारी की जा रही है।

[संख्या: लैम्ब/17/1/71-72/आर एम-2]

आई० बी० चुनकन, उप-मुख्य नियंत्रक
कृते मुख्य नियंत्रक

ORDER

S.O. 1998.—The Mysore Lamp Works Ltd., Bangalore, were granted import Licence No. P/D/2187969 dt. 3-3-1972 for import of Raw Materials/Components as per list attached to it valued at Rs. 910400/-.

2. They have requested for the issue of duplicate Customs Purposes Copy of the above said licence on the ground that the original Customs Purposes Copy has been lost or misplaced by them. It has been further reported by the licensee that the licence had an unutilized balance of Rs. 652058/-. The licence was registered with Bombay Customs House, Bombay.

3. In support of their contention, the applicants have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs Purposes Copy of Import Licence No. P/D/

2187969, dt. 3-3-1972 has been lost or misplaced and directs that a Duplicate Customs Purposes Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Customs Purposes Copy is cancelled.

4. The Duplicate Customs Purposes Copy of the licence is being issued separately.

[No. Lamp/17/1/71-72/RM. II]

I. V. CHUNKATH, Dy. Chief Controller
for Chief Controller

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

बंगलोर, 14 मई, 1974

का० प्रा० 1999.—सर्वश्री वेंकटेश्वर ब्लॉक वर्क्स सं० 57, वार्ड 4, ब्रह्मिन स्ट्रीट बेलरि को फोटोग्राफिक नेगेटिव एवं लिथोग्राफिक जिंक शीट्स के आयात के लिए 12,100 रु० का एक आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1827515/सी/एसएस/47/एस/35-36 दिनांक 6-6-1973 स्वीकृत किया गया था। उन्होंने अब उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क कार्य संबंधी एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क कार्य संबंधी एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियां किसी भी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना और उनका विल्कुल उपयोग किए बिना ही खो गई हैं और अब लाइसेंस के पूरे मूल्य अर्थात् 12,100 रु० के लिए उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क कार्य संबंधी प्रति एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियां की आवश्यकता है।

उपर्युक्त सर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क कार्य संबंधी एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियां खो गई हैं और निवेश वेता हूं कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमा शुल्क कार्य संबंधी एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियां जारी की जानी चाहिए। उक्त लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क एवं मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रतियां एनब्रद्वारा रद्द की जाती हैं।

[संख्या आईटीसी/एसएसआई/सी० 477/ए० एम०/73/एम पी]

टी० एन० वेंकटेश्वर, उप-मुख्य नियंत्रक

OFFICE OF THE DEPUTY CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS & EXPORTS

ORDER

Bangalore, the 14th May, 1974

S.O. 1999.—M/s. Sree Venkateswara Block Works No. 57, Ward IV, Brahmin St. Bellary were granted import licence No. P/S/1827515/C/XX/47/X/35-36 dated 6-6-1973 for Rs. 12,100/- for import of Photographic Negatives and Lithographic Zinc Sheets. They have now applied for duplicate copy of Customs and Exchange Control Purposes copy of the above licence on the ground that the original of the above Customs Purposes and Exchange Control Purposes copy of the licence have been lost without having been registered with any Customs Authorities and not utilised at all and that the duplicate copy of Customs Purposes and Exchange Control Purposes copy of the above licence now required is for the full value of the licence Rs. 12,100/-.

In support of the above contention the applicant have filed an affidavit. I am satisfied that the original Customs Purposes and Exchange Control Purposes copy of the above

licence have been lost and direct that a duplicate copy of Customs Purposes and Exchange Control Purposes copy of the above licence should be issued to the applicant. The original Customs Purposes and Exchange Control Purposes copy of the above licence are hereby cancelled.

[No. ITC./SSI./C. 477./AM. 73/NP]

T. N. VENKATESHWARAN, Dy Chief Controller

संयक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, कलकत्ता

आदेश

कलकत्ता, 19 फरवरी, 1974

का० प्रा० 2000.—सर्वश्री इम्पीरियल इंजीनियरिंग एंड मेटल वर्क्स (भ्रजन्ता सिनेमा के सामने), पटेल बाबू रोड, डाकघर भागलपुर-1 को दस्ती प्रोचारा, मशीन-प्रोचारा तथा उप साधकों के विनिर्माण के लिए प्राइमटूल और मिश्रधातु इस्पात के आयात के लिए प्रस्तावित एकक के रूप में 2750/- रुपये मूल्य का एक लाइसेंस सं० पी/एस/8220869/सी दिनांक 25-2-72 निम्नलिखित शर्तों के अधीन जारी किया गया था :—

“लाइसेंस के अधीन आयात किया गया माल लाइसेंसधारी के कारखाने में उन्हीं अंतिम उत्पादों के विनिर्माण के लिए उपयोग किया जाएगा जिसके लिए लाइसेंस दिया गया है और उसका कोई भी भाग न तो बेचा जाएगा न हस्तान्तरित किया जाएगा और न अन्यथा उपयोग किया जाएगा। लाइसेंसधारी द्वारा आयातित माल के उपयोग का उचित लेखा रखा जाएगा।”

2. फर्म ने उप-निदेशक, उद्योग भागलपुर को सम्बोधित अपने पत्र दिनांक 5-5-73 और इसकी एक प्रति इस कार्यालय को प्रेषित में स्वयं यह उल्लेख किया था कि वे अब उद्योग स्थापित करने के इच्छुक नहीं हैं और उनको नियम की गई लघु उद्योग पंजीकरण संख्या को रद्द करने के लिए उप-निदेशक, भागलपुर से आवेदन किया था।

3. इसके पश्चात् एक कारण निर्देशन नोटिस सं० 90/72/ई एण्ड एस दिनांक 6-8-73 उनको यह सूचना दी गई जारी किया गया था कि उक्त लाइसेंस धारा 9, उप-धारा (सी सी) के अनुसार हम आधार पर यह क्यों न कर दिया जाए कि यह उस उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा जिसके लिए प्रदान किया गया था।

4. सर्वश्री इम्पीरियल इंजीनियरिंग एंड मेटल वर्क्स, पटेल बाबू रोड भागलपुर-1 ने ऊपर पैरा 3 में उल्लिखित कारण निर्देशन नोटिस का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया।

5. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की व्यक्तिगत सुनवाई के लिए भी कारण निर्देशन नोटिस में सुझावर प्रदान किया था। लेकिन फर्म ने कारण निर्देशन नोटिस का कोई उत्तर नहीं दिया।

6. पिछले पैरा में जो कुछ कहा गया है उसकी ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विप्राधीन लाइसेंस को रद्द कर दिया जाना चाहिए या अन्यथा अप्रभावी कर दिया जाना चाहिए। इसलिए अधोहस्ताक्षरी आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की धारा 9 उप-धारा (सी सी) के अन्तर्गत प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री इम्पीरियल इंजीनियरिंग एंड मेटल वर्क्स (भ्रजन्ता सिनेमा के सामने), पटेल बाबू रोड, डाकघर भागलपुर-1 को जारी किए गए 2750/- रुपये मूल्य के लाइसेंस सं० पी/एस/8220869/सी दिनांक 25-2-72 को एतद्वारा रद्द करता है।

[संख्या 90/72/ई एण्ड एस]

टी० एन० ला, उप-मुख्य नियंत्रक

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS & EXPORTS
ORDER

Calcutta, the 19th February, 1974

S.O. 2000.—A licence No. P/S/8220869/C daed 25-2-72 of the value of Rs. 2,750/- for import of Prime Tool & Alloy Steel etc. was issued to M/s. Imperial Engg. & Metal Works (In front of Ajanta Cinema), Patal Babu Road, P.O. Bhagalpur-1 for the manufacture of Hand Tools, Machine Tools & Accessories as a proposed unit, subject to the conditions as under :—

"Goods imported under the licence shall be utilised in licensee's factory for manufacture of end products for which licence is issued and no porting thereof shall be sold, transferred or other-wise utilised. Proper account of utilisation of the goods imported must be kept by licensee."

2. The firm themselves stated in their letter dt. 5-5-73 addressed to the Dy. Director of Industries, Bhagalpur and a copy endorsed to this office that they were no more interested in setting up the industry and had requested the Dy. Director of Industries, Bhagalpur to cancel the S.S.I Registration No. allotted to them.

3. Thereafter, a show cause notice No. 90/72/E&L dt. 6-8-73 was issued asking them to show cause within 15 days from the date of the notice as to why the said licence in their favour should not be cancelled on the ground that the same will not serve the purpose for which it was granted in terms of Clause 9, sub-clause (cc).

4. M/s. Imperial Engineering & Metal Works, Patal Babu Road, Bhagalpur-1 did not submit any reply to the show cause notice-referred to in para 3 above.

5. The undersigned had also afforded an opportunity of personal hearing in the matter in the show cause notice. But the firm did not submit any reply to the show cause notice.

6. Having regard to what has been stated in the preceding paragraph, the undersigned is satisfied that the licence in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (cc) of the Imports (Control) Order, 1955 hereby cancel the licence No. P/S/8220869/C dt. 25-2-72 for Rs. 2,750/- issued in favour of M/s. Imperial Engineering and metal Works (In front of Ajanta Cinema), Patal Babu Road P.O. Bhagalpur-1.

[No. 90/72/E&L]

T. T. LA, Dy. Chief Controller

केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र

आदेश

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1974

सं० पी/जे-15(एन)/ए० एम० 73

ए० यू० एच० एच० दिनांक 26-3-74 का शुद्धिपत्र

का० आ० 2001.—लाइसेंस संख्याएं पी/एम/1802374 और पी/एम/1802375 दोनों का दिनांक 26-9-73 और प्रत्येक का मूल्य 5000 रुपये से संबंधित उपर्युक्त इस कार्यालय के आदेश की धोर ध्यान किया जाता है जिसके अन्तर्गत सर्वश्री जयश्री उद्योग, नियर इंडस्ट्रियल एरिया, बहादुरगढ़ को जारी किए गए लाइसेंस सं० पी/एम/1802374 दिनांक 26-9-73 मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और पी/एम/1802375 दिनांक 26-9-73 की मूल सीमाशुल्क निकासी और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की गई है।

यह सभी संबंधों की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि उपर्युक्त रद्द करने के आदेश में इन लाइसेंसें को मूल्य 2500 रुपये के बजाए 5000 रुपये पढ़ा जाए।

[सं० जे०-15(एन)/ए० यू० एच० एच०/सी एल ए/119 से 155]

(Central Licensing Area)

ORDER

New Delhi, the 26th March, 1974.

Corrigendum to No. P/J-15(N)/AM. 73
AUHH dated 26-3-74

S.O. 2001.—Attention is divided to this office order referred to above relating to licence Nos. P/S/1802374 and P/S/1802375 both dated 26-9-73 for Rs. 5000/- each under which original customs purposes copy of licence no. P/S/1802374 dated 26-9-73 and Custom Purposes Copy Exchange Control Copy of licence no. P/S/1802375 dated 26-9-73 issued in favour of M/s. Jai Shree Udyog, near Industrial Area, Bahadurgarh have been cancelled.

It is notified for information of all concerned that the value of the captioned licence may be read as Rs. 5000/- instead of Rs. 2500/- in the above referred Cancellation Order.

[No. J-15 (N)/AU. HH/CLA/119 to 155]

आदेश

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1974

का० आ० 2002.—सर्वश्री जयश्री उद्योग, नियर इंडस्ट्रियल एरिया, बहादुरगढ़ को वास्तविक उपभोक्ता श्रेणी के अन्तर्गत यू० के० में चिकित्सा तथा शाल्यक उपकरणों और उपकरणों के लिए करने माल के आयात के लिए 2500 रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी/एम/1802375 दिनांक 26-9-73 को प्रदान किया गया था।

उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रतियां बिल्कुल भी उपयोग किए बिना और किसी भी सीमाशुल्क प्राधिकरण में पत्रीकृत कराए बिना खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

उपर्युक्त कथन के समर्थन में आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तिका, 1973-74 के पैरा 320 के अन्तर्गत यथा अपेक्षित पाप्य पत्र वांछित किए हैं। मैं समुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल प्रति खो गई/अस्थानस्थ हो गई है।

आयात नियंत्रण आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 के खंड 9 (सी० सी०) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं लाइसेंस की उक्त मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आदेश देता हूँ।

अब आवेदक को आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि पुस्तिका, 1973 के पैरा 320(4) की शर्तों के अनुसार पूर्णतः लाइसेंस (केवल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति) की अनुलिपि प्रतियां जारी की जा रही हैं।

[सं० पी/जे-15 (एन)/73 ए० यू० एच० एच०/सी एल ए/2617]

के० आर० धीर, उप-मुख्य निरीक्षक
हुते संयुक्त मुख्य निरीक्षक

ORDER

New Delhi, the 26th March, 1974

S.O. 2002.—M/s. Jai Shree Udyog, Near Industrial Area, Bahadurgarh were granted licence No. P/S/1802374 dated 26-9-1973 for Rs. 2500/- from G. C. A. under A.U. Category for import of raw material for Medical and surgical Equipment and appliances.

They have applied for the issue of duplicate customs purpose copy of the said licence on the ground that the original copy thereof has been lost/misplaced having been utilised upto Rs. nil without having been registered with any Customs Authority.

The applicant has filed affidavits in support of the above statement as required under para 320 of I. T. C. Hand Book of Rules and procedure, 1973-1974. I am satisfied that the original copy of the said licence has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under section 9 (CC) of Import Control Order, 1955 dated 7-12-55, I order the cancellation of the said original custom copy of the licence

The applicant is now being issued duplicate copy (Custom Purpose only) of the aforesaid licence in accordance with the provision of para 320 (4) of the J T C hand Book of Rules and Procedure, 1973-74

[No P/J-15 (N)/AU. HH/CLA/6217]

K. R. DHEER, Dy Chief Controller
for Jt Chief Controller

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 19 जुलाई, 1974

क्र० प्र० 2003—राजनयिक एवं कोसली अधिकारी (प्रथम एवं शुल्क) अधिनियम, 1948 (1948 का 41वा) के खंड (क) की धारा 2 के अनुसरण में केन्द्र सरकार एतद्वारा मोम्बासा (कीनिया) स्थित भारत के कमिशन में सहायक श्री ए० के० चतुर्वेदी को तत्काल से कोसली एजेंट का कार्य करने का अधिकार देती है।

[सं० टी 4330/4/73]

राम लाल, प्रवर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 19th July, 1974

S.O. 2003—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri A. K. Chaturvedi, Assistant in the Commission of India Mombasa (Kenya) to perform the duties of a Consular Agent with immediate effect

[File No T 4330/4/74]

RAM LAL, Under Secy

औद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली 26 जुलाई, 1974

क्र० प्र० 2004—केन्द्रीय सरकार विकास परिषद (कार्यविधिक) नियम 1962 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पठित उद्योग (विकास और वित्तियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नेपा मिल्स के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री एन०बी० दास गुप्ता को, भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश संख्या वा०प्र०पी०जी०सी०/आई डी०/73, तारीख 9

जुलाई 1973 द्वारा, कागज लुगदी और सहज उद्योगों के विनिर्माण या उत्पादन में लगे अनुसूचित उद्योगों के लिए दो वर्ष की अवधि के लिए पुनर्गठित विकास परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त करनी है और निदेश देती है कि उक्त आदेश में निम्नलिखित वा प्रविष्ट्यापित किया जाएगा, अर्थात् —

उक्त आदेश में, प्रविष्टि संख्या 22 के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी

22 श्री एन०बी० दास गुप्ता,
अध्यक्ष एवम् प्रबन्ध निदेशक,
नेपा मिल्स,
नेपा नगर,
म०प्र०

[सं० 3(45)/73 पेपर अनुभाग]

ए०बी०सेन गुप्ता, प्रवर सचिव।

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 26th July, 1974

S.O. 2004—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with Rules 2, 4, and 5 of the Development Council (Procedural) Rules, 1962 the Central Government hereby appoints Shri N B Das Gupta, Chairman-cum-Managing Director, Nepa Mills to be a member of the Development Council reconstituted for a period of two years by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, No SO P/DC/ID/73 dated the 9th July, 1973 for the scheduled industries engaged in the manufacture or production of Paper, Pulp and Allied Industries, and directs that the following substitute shall be made in the said order, namely;

In the said order, for entry No. 22 the following entry shall be substituted

22 Shri N B Das Gupta,
Chairman cum-Managing Director,
Nepa Mills,
Nepanagar, (M P)

[No 3(45)/73-Paper Section]
A B SEN GUPTA, Under Secy

औद्योगिक विकास विज्ञान एवं औद्योगिकी मंत्रालय

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1974

क्र० प्र० 2005—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिन्ह) विनियम 1966 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस नीचे अनुसूची में दिए गए व्यौरों के अनुसार निर्धारित की गई हैं। ये फीस आगे दिखाई गई विधियों से लागू हो जाएगी।

अनुसूची					
क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पादक का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	बिजली के उपकरणों के ज्वालासह खोल	IS : 2148-1968 बिजली के उपकरणों के ज्वालासह खोलों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एक ज्वालासह उपकरण	(1) 5000 सेमी ³ तक के कुल आयतन की प्रति इकाई और ऐसे नमों के लिए जिनका आयतन मापने के लिए बहुत थोड़ा है, के लिए 10 पैसे । (2) 5000 सेमी ³ से अधिक लेकिन 10,000 सेमी ³ से कम कुल आयतन के लिए प्रति इकाई 25 पैसे (3) 10,000 सेमी ³ और उससे अधिक और 25,000 सेमी ³ से कम कुल आयतन के लिए प्रति इकाई 50 पैसे	1 जनवरी 1974
				(4) 25,000 सेमी ³ और उससे अधिक और 50,000 सेमी ³ से कम के कुल आयतन के लिए प्रति इकाई रु० 1.00 (5) 50,000 सेमी ³ या उसके किसी भाग के कुल आयतन के लिए प्रति इकाई रु० 2.00	
2.	खेती में जुलाई के लिए प्रयुक्त चक्ती-मुमा हल	IS : 4366-1967 खेती में जुलाई के लिए प्रयुक्त चक्ती-मुमा हलों की विशिष्टि	एक जोड़ा	15 पैसे	16 अगस्त, 1972

[सं० सी० एम० डी/13:10]

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, SCIENCE AND TECHNOLOGY

Indian Standards Institution

New Delhi, 10th July, 1974

S. O. 2005.— In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products, details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each:

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Flameproof enclosures of electrical apparatus	IS: 2148-1968 Specification for flameproof enclosures of electrical apparatus (first revision)	One flameproof enclosure	(i) 10 paise per unit of gross volume up to and including 5000 cm ³ and items where Volume is too small to be measured; (ii) 25 paise per unit of gross volume above 5000 cm ³ but less than 10,000 cm ³ ;	1 Jan 1974

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
				(iii) 50 paise per unit of gross volume 10000 cm ³ and above but less than 25000 cm ³ ;	
				(iv) Re. 1.00 per unit of gross volume of 25000 cm ³ and above but less than 50,000 cm ³ and	
				(v) Rs. 2.00 per unit per 50,000 cm ³ or part thereof of gross volume for enclosure of volume more than 50,000cm ³ and above.	
2. Agricultural discs	tillage	IS: 4366-1967 Specification for agricultural discs.	One piece	15 Paise	16 Aug. 1972

No. CMD/13 : 10

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1974

क्रा० प्र० 2006.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन निष्ठ) विनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-417, 2515 और 3019 जिनके ध्येरे नीचे दिए हैं, फर्म द्वारा अपना नाम मैसर्स इंडियन केबल इंडस्ट्रीज से बदल कर मैसर्स फिनोलेक्स केबल्स लिमिटेड कर दिए जाने के कारण 1 मई 1974 से रद्द कर दिए गए हैं और फर्म के नए नाम पर नए लाइसेंस मंजूर किए जा चुके हैं जो 1 मई 1974 से लागू हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सी एम/एल—) तथा तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सी एम/एल-417 24 मई 1962	इंडियन केबल इंडस्ट्रीज, बम्बई-पूना रोड, पिम्परी, पूना-18 (महाराष्ट्र)	(1) पी वी सी रोहित केबल, खोल वाले और बिनाखोल वाले, इकहरी कोर, 250/440 बो०, और 650/1100 बो० ग्रेड, एलुमिनियम और ताँबे के चालकों वाले। (2) पीवीसी रोहित और खोल वाले लव-कोले बहुकोर केबल, 250/440 बो० ग्रेड ताँबा के चालकों वाले, और (3) पीवीसी रोहित लवकीली औरियां, 250/440 बो० ग्रेड ताँबा के चालकों वाली, मार्क: "फिनोलेक्स"	(1) IS: 694 (भाग 1)-1964 ताँबे के चालकों वाले पीवीसी रोहित केबल (1100 बो० तक के लिए) की विशिष्टि (पुनरीक्षित) (2) IS: 694 (भाग 2)-1964 एलुमिनियम चालकों वाले पीवीसी रोहित केबल (1100 बो० तक की मोल्दता के लिए) की विशिष्टि (पुनरीक्षित)
1.	सी एम/एल-2515 21-1-1971	इंडियन केबल इंडस्ट्रीज, बम्बई-पूना (महाराष्ट्र)	मोटर गाड़ियों के केबल :— (1) पीवीसी रोहित इकहरी कोर हल्की इयूटी ; और (2) पीवीसी रोहित इकहरी कोर, भारी इयूटी (स्टार्टर) मार्क: "फिनोलेक्स"	IS : 2465-1969-मोटर गाड़ियों के केबल की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)।
3.	सीएम/एल-3019 30-3-1972		एलुमिनियम चालकों वाले तापनम्य रोहित ऋतुसह केबल पीवीसी रोहित और पीवीसी खोल वाले 250/440 बो० ग्रेड मार्क: "फिनोलेक्स"	IS: 3035 (भाग 1)-1965 तापनम्य रोहित ऋतुसह केबल भाग 1 पीवीसी रोहित और पीवीसी खोल वाले

[सी एम डी/55: 417 (ई टी)]

New Delhi, the 24th July, 1974

S.O. 2006.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licences No. CM/L-417, 2515 and 3019, particulars of which are given below have been cancelled with effect from 1 May 1974 due to change in the name of the firm from M/s Indian Cable Industries to M/s Finolex Cables Limited and new licences have been granted in firm's new name operative from 1 May, 1974 :

SCHEDULE

1	2	3	4	5
Sl. No.	Licence No. (CM/L-) and date	Name & Address of the licensee	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standards
1.	CM/L-417 24 May 1962	Indian Cable Industries, Bombay-Poona Road, Pimpri Poona-18 (Maharashtra)	(i) PVC insulated cables, sheathed and unsheathed, single core 250/440 volts and 650/1100 volts grade with aluminium and copper conductor (ii) PVC insulated and sheathed flexible multicore cables, 250/440 volts grade with copper conductor; and (iii) PVC insulated flexible cords, 250/440 volts grade with copper conductor Brand : 'FINOLEX'	(1) IS : 694 (Pt I)-1964 specification for PVC insulated cables (for voltage up to 1100 V) with copper conductors (revised) 2. IS : 694 (Pt II)-1964 Specification for PVC insulated cables (for voltages up to 1100 V) with aluminium conductors (revised)
2.	CM/L-2515 21-1-1971	Indian Cable Industries, Bombay-Poona Road, Pimpri, Poona-18. (Maharashtra)	Cables for motor vehicles : (i) PVC insulated, single core light duty; and (ii) PVC insulated single core, heavy duty (starter) Brand : 'FINOLEX'	IS : 2465-1969 Specification for cables for motor vehicles (first revision)
3.	CM/L-3019 30-3-1972	-do-	Thermoplastic insulated weather proof cables, PVC insulated and PVC sheathed 250/440 volts grade with aluminium conductors Brand : 'FINOLEX'	IS : 3035 (Pt D)-1965 Specification for thermoplastic insulated weatherproof cables Part I PVC insulated and PVC sheathed

[C M D/55 : 417 (ET)]

क्र० आ० 2007.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सीएम/एल-2088 जिसके व्योरे नीचे दिए गए हैं, लाइसेंसधारी द्वारा अपने नाम बदल दिए जाने के कारण 16 जुलाई, 1974 से रद्द कर दिया गया है :—

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	सम्बन्धी भारतीय मानक
1	2	3	4	5
1.	सीएम/एल-2088 30-9-1969	बाटा शू कम्पनी प्रा० लि०, बाटानगर, पुलिस स्टेशन, महेशतला, जिला 24-पारगना।	खनिकों के लिए रबड़ कैनवास के बनाव बूट	IS : 3976-1967—खनिकों के लिए रबड़ कैनवास के बनाव बूटों की विशिष्टि।

[सी० एम० डी०/55 : 2088]

ए० के० गुप्ता, उपमहानिदेशक

S. O. 2007.—In pursuance of Sub-regulation(4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that licences Nos. CM/L-2088 particulars of which are given below has been cancelled with effect from 16 July 74 due to change in the name of the licensee.

S. No.	Licence No. & date	Name and address of the licensee	Article/Process covered by the licence	Relevant Indian Standard
1	2	3	4	5
1.	CM/L-2088 30-9-1969	Bata Shoe Company Private Ltd., Batanagar, P.S. Maheshtala, Distt. 24 Parganas.	Safety Rubber Canvas Boots for Miners	IS : 3976-1967 specification for Safety Rubber Canvas Boots for Miners.

[CMD/55 : 2086]

A. K. GUPTA, Deputy Director General

भारी उद्योग मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1974

शुद्धि-पत्र

का० प्रा० 2008.—भारत के राजपत्र के भाग 2 खंड 3, उपखंड (2) विभांक 4-5-74 का० प्रा० 1134 में प्रकाशित बस्त्र मशीनों के निर्माण अथवा उत्पादनरत अनुसूचित उद्योगों की विकास परिषद् को स्थापित करने के बारे में भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय के आदेश सं० 2-2/71 एच० एम० (1) दिनांक 20-4-74 में निम्न-लिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात् :—

- 1 उक्त आदेश में, क्रम सं० 2, 15 और 17 के सामने दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात्
- 2 श्री एच० जी० दलाल,
अध्यक्ष,
बस्त्र मशीन निर्माता संघ,
80, डा० ऐनी बेसेंट रोड,
बर्ली, बम्बई ।
- 15 अध्यक्ष,
एसोसिएशन आफ मचेंदर्स एण्ड मैन्युफैक्चरर्स आफ टेक्स्टाइल स्टोर्स एण्ड मशीनरी (इण्डिया),
बम्बई ।
- 17 श्री भार० पी० मरिक्,
निदेशक,
लगन जूट मशीनरी कं० (प्रा०) लिमिटेड,
24-बी, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता ।

[सं० 2-2/71-एच० एम० (1)]

एस० कान्नन, अधीक्षक सचिव

MINISTRY OF HEAVY INDUSTRY

New Delhi, the 18th July, 1974

CORRIGENDUM

S.O. 2008.—In order of the Government of India, Ministry of Heavy Industry No. 2-2/71 HM(I) dated 20-4-74, establishing a Development Council for the scheduled industries engaged in the manufacture or production of Textile Machinery, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 4-5-74, S.O. No. 1134 the following amendments shall be made, namely :—

- (1) In the said order, for the entries occurring against S. No. 2, 15 and 17, the following entries shall be substituted, namely :—
2. Shri H. G. Dalal,
Chairman,
Textile Machinery Manufacturers' Association,
80, Dr. Annie Besant Road, Worli,
Bombay.
15. The President,
Association of Merchants & Manufacturers' of Textile Stores and Machinery (India),
Bombay.
17. Shri R. P. Marik,
Director,
Legan Jute Machinery Co. (P) Ltd.
24-B, Park Street,
Calcutta.

[No. 2-2/71-HM(I)]
S. KANNAN, Under Secy.

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1974

का० प्रा० 2009.—यसः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में डी० एस० एन० के०-70 से डी० जी० एम० और सी० टी० ई० काडी० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यसः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः, अब, पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

यद्यपि कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप समक्ष प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेखभाव प्रभाग, मकरपुरा रोड, बरौदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगतः हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

डी० एस० एन० के०-70 से डी० जी० एम० और सी० टी० ई० काडी० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : महसना	तालुका : काडी		
ग्राम	सर्वेक्षण सं०	हेक्टर	ए.प्रार.ई.	पी०ए.प्रार.ई.
बलासना	92	0	17	28
	काटे ट्रैफ	0	00	90
	87	0	01	92
	110/2	0	10	80
	108/2	0	07	44
	108/1	0	07	62
	107/1	0	05	52

[सं० 12016/2/74-एल० एण्ड एल०]

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 8th July, 1974

S.O. 2009.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from DS. NK.-70 to GGS Cum CTF Kadi in Gujarat State Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from D.S NK-70 To GGS-cum-CTF Kadi
State : Gujarat Dist : Mehsana Taluka : Kadi

Village	Survey No.	Hectare	Are	P. Are
Chalasan	92	0	17	28
	Cart track	0	00	90
	87	0	01	92
	110/2	0	10	80
	108/2	0	07	44
	108/1	0	07	62
	107/1	0	05	52

[No. 12016/2/74-L&L]

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1974

का० आ० 2010—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सानन्द जी० जी० एम० से सी० टी० एफ० कलोल तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन देय तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी जाय।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावछ अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब, पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उक्त उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आशय समक्ष प्राधिकारी, गैस तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बरोदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर मनेगा।

और ऐसा आशय करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी तथ्य करेगा कि क्या वह चाहता है कि उक्त मन्थार्थ व्यक्तिगत हो या किमी विधि व्यवसायी की सार्फत।

अनुसूची

सानन्द जी० जी० एम० से सी० टी० एफ० कलोल तक पाइप लाइन
बिछाने के लिए अर्जित की जाने वाली अनिवार्य भूमि

राज्य गुजरात	जिला : मेहसाना	तालुका : कलोल
ग्राम	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर ए.प्रार.ई. पी.ए.प्रार.ई.
सैज	1082	0 00 30
	1085/1/बी	0 04 70

[संख्या 12016/7/74-एन० एण्ड एल०/1]

New Delhi, the 18th July, 1974

S.O. 2010.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sannand GGS to CTF Kalol in Gujarat State Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda-9.

And every person making such an objection shall also state specially whether he wishes to be heard person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Additional I and to be acquired for Pipeline from sanand GGS to CTF Kalol

State : Gujarat	District : Mehsana	Taluka : Kalol
Village	Survey No.	Hectare Are P. Ar e
Sauj	1082	0 00 30
	1085/1/B	0 04 70

[No. 12016/7/74-L & L/I]

का० आ० 2011.—यह पेट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन तथा खान और धातु मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 155 तारीख 4-1-74 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिसूचना के संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यह तथ्य प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

और, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार प्राप्त लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा प्राप्त किया जाता है।

और, अतः उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बंधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की तिथि होगा।

अनुसूची

डी० एस० महसाला-2 से कृष्ण मुख प्रतिष्ठान तक पाइपलाइन हेतु
राज्य : गुजरात जिला और तालुका : महसाला

ग्राम	सर्वेक्षण संख्या		एकड़		
	पुरानी नई	हेक्टर ए०आर०ई०	पी०ए०	आर०ई०	
अनाश	310	354	0	08	84
	327	358	0	07	69
कृष्ण मुख प्रतिष्ठान से फ्लेयर प्लान्ट तक पाइप लाइन					
	326	369	0	05	76
	325	357	0	04	44

[स० 12016/6/73 एल० एण्ड एल०]

S.O. 2011.—Whereas by a notification of the Govt. of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 155 dated 4-1-74 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the Power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publi-

cation of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

For pipeline from DS Mehsana-2 to well Held Installation
State : Gujarat Dist & Taluk : Mehsana

Village	Survey No		Area		
	Old	New	Hectare	Are	P. Are
Aloda	310	354	0	08	64
	327	358	0	07	68
Pipeline from well Held Installation to frame Point					
	326	369	0	05	76
	325	357	0	04	44

[No. 12016/6/73-L & I]

का० आ० 2012—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में के० टी० ई० -1 से सी० टी० एफ० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप-लाइन तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जाती जाय।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों का बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्राप्त करना आवश्यक है।

अतः, अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उक्त उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बसने कि उक्त भूमि में हिनयत कोई व्यक्ति उक्त भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप समक्ष प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा राड, बरोदा-4 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला 77 व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुतबाई व्यवस्था हो या किसी त्रिधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

अधन स्थान स० के० टी० ई०-1 से सी० टी० एफ० तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात		जिला : महसाला		तालुका : कलोल	
ग्राम		सर्वेक्षण संख्या		हेक्टर ए०आर०ई० पी०ए० आर०ई०	
1	2	3	4	5	
कलोल-1	1/13/1	0	09	00	
	18/1	0	0	90	
	18/1	0	4	80	
	कटि ट्रैफ	0	0	50	
	16	0	3	60	
	17/1	0	20	53	
	17/2	0	4	80	
	43	0	55	35	
	44	0	3	75	

[संख्या 12016/7/74-एल० एण्ड एल०/2]

डी० आर० भल्ला, अवर सचिव

S.O. No. 2012.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from KDE-4 to CTF in Gujarat State Pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

AND WHEREAS it appears that for the purpose of laying such Pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

PROVIDED THAT any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Baroda 9.

AND every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

For laying Pipe Line from Drill Site No. KDE-4 to C.T.F.
State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Survey No.	Hectare	Ac.	P. Ac.
1	2	3	4	5
Kalol-I	1/13/1	0	09	00
	18/1	0	0	90
	18/1	0	4	80
	Cart track	0	0	50
	16	0	3	50
	17/1	0	20	55
	17/2	0	4	80
	43	0	55	35
	44	0	3	75

[No. 12016/7/74-L&L/II]

B. R. BHALLA, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 26 जून, 1974

क्र. सं. 2013.—जहाँ जहाँ अधिनियम निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (घ) का अनुसरण करने हुए केन्द्र सरकार ने श्री पी. जगन्नाथ अय्यर, मुख्य सहायक निदेशक, केरल को 16 मई, 1973 से आगे और 3 वर्ष के लिए इस सरकार का प्रतिनिधित्व करने के लिए केन्द्रीय खाद्य मानक समिति का सदस्य पुनः मनोनीत किया है।

तथा यहाँ उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 2 के खण्ड (घ) का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार ने श्री पी. एन. एम. खन्ना, उपनिदेशक (खाद्य निरीक्षण) ब्यू. एम. जी. ब्राच, ग्रामीन डेटकवाटर्स, नई दिल्ली को उक्त समिति का 3 वर्ष की अवधि के लिये सदस्य मनोनीत किया है।

तथा यहाँ उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (घ) का अनुसरण करने हुए केन्द्र सरकार ने श्री पी. एन. एम. खन्ना, कार्यकारी निदेशक, केन्द्रीय खाद्य प्राविधिक अनुसंधान संस्थान, मैसूर को 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त समिति का सदस्य मनोनीत किया है।

तथा यहाँ उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के खण्ड (घ) का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार ने श्री डी. एन. चड्ढा, उप-सहायक सहायक निदेशक (खाद्य अप्रमिश्रण निवारण), स्वास्थ्य सेवा महाविशालय, नई दिल्ली को 10 जून, 1974 से आगे और 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त समिति का सदस्य पुनः मनोनीत किया है।

अतः यहाँ उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि (i) श्री पी. जगन्नाथ अय्यर, मुख्य सहायक निदेशक, केरल तथा (ii) श्री डी. एन. चड्ढा, उप-सहायक सहायक निदेशक, (खाद्य अप्रमिश्रण निवारण), स्वास्थ्य सेवा महाविशालय, नई दिल्ली केन्द्रीय खाद्य मानक समिति के सदस्य बने रहेंगे तथा बहु भाषा सरकार के भूतपूर्व स्थापना मंत्रालय की दिनांक 1 जून, 1955 की अधिसूचना सं. एम. आर. सं. 1236 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः—

उक्त अधिसूचना में मद गद्या 3 तथा 8 के समक्ष पहले कालम की प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जायेंगी, नामतः—

"ब्यू. एम. जी. ब्राच, ग्रामीन डेटकवाटर्स, नई दिल्ली"
"डॉ. बी. एन. ग्रामला, कार्यकारी निदेशक,
केन्द्रीय खाद्य प्राविधिक अनुसंधान संस्थान, मैसूर।"

[सं. पी. 15016/2/73-जनस्वास्थ्य]

रमेश बहादुर, अधर सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (Department of Health)

New Delhi, the 26th June, 1974

S.O. 2413.—WHEREAS in pursuance of clause (c) of sub-section (2) of Section 3 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954) the State Government of Kerala has renominated Shri P. Janardhana Aiyar, Chief Government Analyst, Kerala, as a member of the Central Committee for Food Standards representing that Government, for a further period of 3 years with effect from 16th May, 1973.

AND WHEREAS in pursuance of clause (d) of sub-section 2 of Section 3 of the said Act, the Central Government has nominated Col. K. N. Sharma, Deputy Director (Food Inspection) QMG's Branch, Army Headquarters, New Delhi as a member of the said Committee for a period of 3 years.

AND WHEREAS in pursuance of clause (e) of sub-section (2) of Section 33 of the said Act, the State Government of Mysore has nominated Dr. B. L. Amla, Acting Director, Central Food Technological Research Institute, Mysore as a member of the said Committee for a period of 3 years.

AND WHEREAS in pursuance of clause (d) of sub-section (2) of Section 3 of the said Act, the Central Government has re-nominated Shri D. S. Chaudha, Deputy Assistant Director General (Prevention of Food Adulteration), Directorate General of Health Services, New Delhi as a member of the said Committee for a further period of 3 years with effect from 10th June, 1974.

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the said Act, the Central Government hereby directs that the said (i) Dr. P. Janardhana Aiyar, Chief Government Analyst, Kerala and (ii) Shri D. S. Chaudha, Deputy Assistant Director General (Prevention of Food Adulteration) Directorate General of Health Services New Delhi, shall continue to be members of the Central Committee for Food Standards and makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. S.R.O. 1236 dated the 1st June, 1955, namely :—

In the said notification, for the entries in the first column against items 3 and 8, the following entries shall respectively be substituted namely :—

"Col. K. N. Sharma, Deputy Director (Food Inspection) QMG's Branch, Army Headquarters, New Delhi."

"Dr. B. L. Amla, Acting Director, Central Food Technological Research Institute, Mysore".

[No. P. 15016/2/73-P.H.]
RAMESH BAHADUR, Under Secy

आदेश

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1974

का० प्रा० 2014—लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल के अधीक्षक ने 22 दिसम्बर, 1973 के कार्यालय आदेश संख्या 2-25/73 एन० आर० एम० द्वारा उपर्युक्त स्कूल के स्थायी सफाई कर्मचारी श्री महावीर प्रसाद को उनके दुर्ब्यवहार के कारण मुनसुल कर दिया।

2. भारत सरकार स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय अधिसूचना संख्या 46-2/61-ई० (पी०) (ओ० एण्ड एम०) (बी० एण्ड सी० एम०) दिनांक 19 अक्टूबर, 1972 के अनुसार श्री महावीर प्रसाद पर सभी प्रकार के दण्ड लगाने के लिए अधीक्षक लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल सक्षम अनुशासनिक अधिकारी हैं। यह तथ्य को देखते हुए कि लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल के अधीक्षक स्वयं श्री महावीर प्रसाद के खिलाफ परिवारी हैं, इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि श्री महावीर प्रसाद के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही प्रारम्भ करने और प्राप्ति चलाते के प्रयोजन के लिए एक दूसरे अधिकारी को अनुशासनिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाए।

3. केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियुक्ति और अपील) नियमावली, 1965 के नियम 12 के उपनियम (2) की धारा (ख) तथा नियम 24 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एनबूद्वारा आदेश देते हैं कि केवल इस जांच के प्रयोजन के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उपचर्या-सलाहकार (समिति एड-बाइजर) वह अनुशासनिक अधिकारी होंगे जो लेडी रीडिंग हेल्थ स्कूल दिल्ली के सफाई कर्मचारी श्री महावीर प्रसाद को उक्त नियमावली के नियम 11 में निदिष्ट दण्ड देने के लिए सक्षम होंगे। तथा उक्त उपचर्या-सलाहकार द्वारा जारी किए गए आदेश के विरुद्ध अपील पर विचार करने के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक सक्षम अपील अधिकारी होंगे।

राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम से।

[संख्या सी० 11019/1/74-बी० एण्ड सी० एम०]

आर० के० जिन्दल, अवसरमन्त्रि

ORDER

New Delhi, the 24th July, 1974

S.O. 2014.—By an Office Order No. 2-25/73-LRHS, dated the 22nd December, 1973, the Superintendent, Lady Reading Health School, suspended Shri Mahabir Prashad, a permanent Sweeper of the aforesaid School, on account of his misbehaviour.

2. In terms of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning Notification No. 46-2/64-E(P) (O&M) (V&CM), dated the 19th October, 1972 the Superintendent, Lady Reading Health School is the disciplinary authority competent to impose all penalties on Shri Mahabir Prashad. In view of the fact that the Superintendent of the Lady Reading Health School is herself the complainant against Shri Mahabir Prashad, it has become necessary to appoint another officer as the disciplinary authority for

purposes of initiating and conducting the disciplinary proceedings against Shri Mahabir Prashad.

3. In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of Rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby orders that for the purposes of this enquiry only the Nursing Adviser in the Directorate General of Health Services shall be the disciplinary authority competent to impose the penalties specified in rule 11 of the said Rules on Shri Mahabir Prashad Sweeper in the Lady Reading Health School, Delhi and that the Director General of Health Services shall be the appellate authority competent to entertain appeal against the order passed by the said Nursing Adviser.

By order and in the name of the President.

[No. C. 11019/1/74-V&CM]

R. K. JINDAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1974

का० प्रा० 2015.—यह भारतीय चिकित्सा परिषद (स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा समिति) नियमावली, 1961 के नियम 4 के उप नियम (2) के साथ पठनीय भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 20 की उपधारा (3) के उपबंधों के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार डा० बी० एन० सिन्हा, 9 ए० पी० सेन रोड, लखनऊ को डा० पी० के० दुरैस्वामी का निधन हो जाने में उनके स्थान पर 11 मार्च, 1974 में स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा समिति का सदस्य मनोनीत करती है।

यह अब उक्त अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (1) के उपबंधों का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनबूद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य परिवार नियोजन, निर्माण और नगर विकास मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना एम०ओ० संख्या 1475 दिनांक 13 अप्रैल, 1970 में और प्राप्ति निम्नलिखित संशोधन करती है।

उक्त अधिसूचना में "केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत" शीर्ष के अंतर्गत क्रमांक 2 के सामने उल्लिखित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित कर ली जाए।

"डा० बी० एन० सिन्हा,

9, ए० पी० सेन रोड, लखनऊ"।

[सं० बी० 11019/3/73-एम० पी० टी०]

New Delhi, the 30th July, 1974

S.O. 2015.—Whereas the Central Government has, in pursuance of the provisions of sub-section (3) of Section 20 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) read with sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Medical Council (Post-graduate Medical Education Committee) Rules, 1961, nominated Dr. B. N. Sinha, 9, A. P. Sen Road, Lucknow, to be the member of the Post-graduate Medical Education Committee with effect from the 11th March, 1974 vice Dr. P. K. Duraiswami expired.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of Section 20 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health and Family Planning and Works, Housing and Urban Development (Department of Health) S.O. No. 1475, dated the 13th April, 1970, namely:—

In the said notification, under the heading "Nominated by the Central Government", for the entry against serial number 2, the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. B. N. Sinha,

9, A. P. Sen Road, Lucknow."

[No. V. 11019/3/73-MPT]

"49, डा० एच० सी० वर्मा,

डीन, फॅकल्टी ऑफ मेडिसिन,

प्रिंसिपल, जी०एम०बी०एम० मेडिकल कॉलेज, कानपुर"

[स० बी० 11013/1/74-एम०पी०डी०]

टी० के० दाम, अवर सचिव

का० आ० 2016.—यत् भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों के अनुसरण में कानपुर विष्वक्विद्यालय की कार्यकारी परिषद् ने उत्तर प्रदेश राज्य सरकार की 11 अक्टूबर, 1973 की अधिसूचना सं० शिक्षा (10) 7620/15-60 (47)-73 द्वारा प्रदत्त कोटों की शक्तियों का प्रयोग करने हुए डा० एच०सी० वर्मा, डीन, फॅकल्टी ऑफ मेडिसिन, प्रिंसिपल, जी०एम०बी०एम० मेडिकल कॉलेज, कानपुर का 10 नवम्बर, 1973 में सदस्य निर्वाचित किया है,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के उपबन्धों का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार एमद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 5-13/59-एम० 1 दिनांक 4 जनवरी, 1960 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित" शीर्ष के अंतर्गत 18 वीं प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि अन्तःस्थापित कर ली जाए,

S.O. 2016.—Whereas in pursuance of the provisions of clause (1) of sub-section (1) of Section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. H. C. Verma, Dean, Faculty of Medicine, Principal, G.S.V.M. Medical College, Kanpur has been elected by the Executive Council of the Kanpur University in exercise of the powers of the Court conferred on it by the notification of the Government of the State of Uttar Pradesh, No Shiksha (10) 7620/XV 60(47)-73, dated the 11th October, 1973, to be a member with effect from the 10th November, 1973.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely:—

In the said notification, under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3", after entry 48, the following entry shall be inserted, namely:—

"49. Dr. H. C. Verma,
Dean, Faculty of Medicine,
Principal, G.S.V.M. Medical College, Kanpur."

[No. V. 11013/1/74-MPT]

T. K. DAS, Under Secy.

कुपि मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1974

का०आ० 2017.—यत् केन्द्रीय सरकार न खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाधि निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारण, संचालन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृषि का पालन करना बन्द कर दिया है जोकि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य है।

और यत् खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों उपाधि निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरि-र्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों न केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के पत्र के प्रत्युत्तर में उत्तम विनिर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारियों के बल के अपने प्राण्य की उक्त अधिनियम की धारा 12 ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अतः अब खाद्य निगम अधिनियम 1964 (1964 का 37), यथा अद्यतन संशोधित, की धारा 12 ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एमद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है—

क्रम]	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन निगम पर स्थायी है	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के अधीन निगम पद पर थे	भारतीय खाद्य निगम /को स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1	श्री बी० बेणुगोपालन	—	वरिष्ठ गोबाम कर्क	1-3-69
2	श्री ए० बालचन्द्र	लेखागान	कार्यालय अधीक्षक	"
3	श्री के० बी० नारायणन नायर	गोदी अधीक्षक	सहायक निदेशक	"
4	श्री के० गोविंदन नायर	आगारी	कर्मचारी	"

1	2	3	4	5
5	श्री अट्टुल्ला-बिन-मालम	चौकीदार	स्टिचर	1-4-69
6	मुहम्मद बिन इब्राहीम कुरेशी	चौकीदार	स्टिचर	"
7	श्री ए० खन्तपान	चौकीदार	चौकीदार	"
8	श्री के० एम० कृष्णन	निदेशक	निदेशक	"
9	श्री आर० सुतु वेल्	वरिष्ठ लिपिक	वरिष्ठ लिपिक	"
10	श्री मिर्जा हबीब बेग	पट्टा तथा निगरानी उप निरीक्षक	पट्टा तथा निगरानी उपनिरीक्षक	"
11	श्री एन० एम० नायडू	सहायक निदेशक (तकनीकी)	सहायक निदेशक (तकनीकी)	"
12	श्री एन० के० श्रीनिवासन	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	"
13	श्री पी० टी० वेकटाचारी	टेली क्लर्क	गोदाम क्लर्क	"
14	श्री जमीलुर्रहमान था	गोदाम अधीक्षक	गोदाम निदेशक	"
15	के० वेकटा जेयर	गोदी निरीक्षक	गोदी निरीक्षक	"
16	श्री बी० श्रीनिवासन	टेली क्लर्क	वरिष्ठ गोदाम रक्षक	"
17	श्री एम० आर० के० सनन	गोदाम अधीक्षक	सहायक निदेशक (खाद्य)	"
18	श्री मुहम्मद मोहिउद्दीन	गोदाम अधीक्षक	सहायक निरीक्षक	"
19	श्री आर वकटारगुट्ट	स्वीपर	स्वीपर	"
20	श्री एन० सुब्रह्मण्यन	सहायक अधीक्षक	कार्यालय अधीक्षक	"
21	श्री सी० आई० धार	चौकीदार	चौकीदार	"
22	श्री ए० मुबापदरी	चौकीदार	चौकीदार	"
23	श्री ए० सी० येन	वरिष्ठ लिपिक	वरिष्ठ लिपिक	"
24	श्री एन० सुब्रह्मण्यन	गोदाम अधीक्षक	सहायक निदेशक	"
25	श्री टी० ई० कृष्णाम्बार्गी	सहायक निदेशक (तकनीकी)	उप निदेशक (तकनीकी)	"
26	श्री एम० राजागोपालन	सहायक निदेशक	सहायक निदेशक	"
27	श्री ई० बालकृष्णन नायर	चौकीदार	स्टिचर	"
28	श्रीमती एम० वल्ली	स्वीपर	स्वीपर	"
29	श्री एम० सुब्रह्मण्यन	श्रमिक/मजदूर	श्रमिक/मजदूर	"
30	कुमारी पी० आर० पार्वती	—	वरिष्ठ लिपिक	"
31	श्री बी० श्रीनिवासन	—	तकनीकी सहायक	"
32	श्री के० पी० वज्रावतु	सहायक अधीक्षक	सहायक अधीक्षक	"
33	श्री पी० सुब्रह्मण्यम पिल्लै	चौकीदार	चौकीदार	"
34	श्री एम० जी० टेकवाणी	उपनिदेशक	उपनिदेशक	8-10-71

[म० 52/8/73-खा० नि० 3, खण्ड 1]

एन० हरिमर्दाना, उप सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 18th July, 1974

S.O. 2017.—Whereas the Central Government has ceased to perform the function of purchase, storage, movement, transport distribution and sale of foodgrains done by the Department of food, the Regional Directors of Food, the procurement Directorate and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under section 13 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India,

And whereas the following officers and employees serving in, the Department of Food, the Regional Directorates of Food the Procurement, Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of functions mentioned above have not, in response to the circular of the Central Government dated the 16th April, 1971, intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-section (1) of Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964), the Central Government hereby transfers the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them :—

No	Name of the officer/employee	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the Food Corporation of India
1	2	3	4	5
1.	Shri V. Venugopalan	—	Senior Godown Keeper	1-3-69
2.	Shri U. Balachandra	Accountant	Office Supdt.	1-3-69
3.	Shri K. Y. Narayanan Nair	Deck Supdt.	Assistant Director	1-3-69
4.	Shri K. Govindan Nair	Peon	Daftry	1-3-69
5.	Shri Abdulla-Bin-Salam	Watchman	Stitcher	1-3-69
6.	Shri Mohd. Bin Ibrahim Qureshi	Watchman	Stitcher	1-3-69
7.	Shri A. Chinnappan	Watchman	Watchman	1-3-69
8.	Shri K. S. Krishnan	Director	Director	1-3-69
9.	Shri R. Muthu Velu	Senior Clerk	Senior Clerk	1-3-69
10.	Shri Mirza Habib Baig	Watch & Ward Sub-Inspector	Watch & Ward Sub-Inspector	1-3-69
11.	Shri N. M. Naidu	Asstt. Director (Technical)	Assistant Director (Technical)	1-3-69
12.	Shri N. K. Srinivasan	Senior Godown Keeper	Senior Godown Keeper	1-3-69
13.	Shri P. T. Venkatachari	Tally Clerk	Godown Clerk	1-3-69
14.	Shri Jameel-Ur Rehman Khan	Godown Supdt.	Assistant Director	1-3-69
15.	Shri K. Venkata Jeeyai	Dock Inspector	Dock Inspector	1-3-69
16.	Shri V. Srinivasan	Tally Clerk	Senior Godown Keeper	1-3-69
17.	Shri M. R. K. Menon	Godown Supdt.	Assistant Director (Food)	1-3-69
18.	Shri Mohd. Mohiuddin	Godown Supdt.	Movement Inspector	1-3-69
19.	Shri R. Venkatarayudu	Sweeper	Sweeper	1-6-69
20.	Shri N. Subramanian	Assistant Supdt.	Office Supdt.	1-3-69
21.	Shri C. I. Tharu	Watchman	Watchman	1-3-69
22.	Shri A. Subamandri	Watchman	Watchman	1-3-69
23.	Shri A. C. Yates	Senior Clerk	Senior Clerk	1-3-69
24.	Shri N. Subrahmanyam	Godown Supdt.	Assistant Director	1-3-69
25.	Shri T. E. Kishnaswamy	Assistant Director (Tech.)	Deputy Director (Tech.)	1-3-69
26.	Shri S. Rajagopalan	Assistant Director	Assistant Director	1-3-69
27.	Shri E. Balackrishnan Nair	Watchman	Stitcher	1-3-69
28.	Smt. M. Valli	Sweeper	Sweeper	1-3-69
29.	Shri M. Subramanian	Workman/Labourer	Workman/Labourer	1-3-69
30.	Kum. P. R. Parvathy	—	Senior Clerk	1-3-69
31.	Shri B. Sreenivasacha	—	Technical Assistant	1-3-69
32.	Shri K. P. Vajravalu	Assistant Supdt.	Assistant Supdt.	1-3-69
33.	Shri P. Subramaniam Pillai	Watchman	Watchman	1-3-69
34.	Shri S. C. Tekwani	Deputy Director	Deputy Director	8-6-74

[No. 52/8/73 F.C. II], Vol. I]
L. HMINGLIANA, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1974

क्र० आ० 2018.—यतः केन्द्रीय सरकार न खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपान्वित निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारण, संचालन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बन्द कर दिया है जोकि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य हैं।

और यतः खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपान्वित निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपखर्चित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रयुक्त में उसमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आग्रह की उक्त अधिनियम की धारा 12-ए की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अतः अब खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37), तथा अधिनियम संशोधन की धारा 12-ए द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख में भारतीय खाद्य निगम में स्थानान्तरित करती है :—

क्रम सं०	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन जिस पद पर स्थायी है	स्थानान्तरण के समय केन्द्रीय सरकार के अधीन जिस पद पर थे	भारतीय खाद्य निगम को स्थानान्तरण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री पी० एम थामरा	उप निदेशक	सहायक निदेशक	27-7-74
2.	„ एम० डायरा	—	सहायक निदेशक	1-3-69
4.	„ श्री० प्रसाद	—	सहायक निदेशक	1-3-69
1	„ आर० एन० मीरखन्दानी	तकनीकी अधिकारी	सहायक निदेशक	23-3-73

1	2	3	4	5
5	„ पी०बी० गुप्त [बीधरी]	तकनीकी सहायक	तकनीकी अधिकारी	1-3-69
6	„ डी० एन० महाजन	विश्लेषक	तकनीकी अधिकारी	1-3-69
7	„ श्री पी०पी० गुप्त (26-11-72 को) मृत्यु हो गई)	विश्लेषक	फॉर्मैन	1-3-69

[स० 52/7/74-आ०नि०-3]
जे० आर० जैन, प्रवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 27th July, 1974

S. O. 2018.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directors of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food which under Section 12 of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India;

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directorates and the Pay and Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the circular of the Central Government dated the 16th April, 1971, intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India as required by the proviso to sub-section (1) of Section 12-A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 12-A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964), as amended upto date, the Central Government hereby transfers the following officers and employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them :

Sl. No.	Name of the officer/employee	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer	Date of transfer to the Food Corporation of India.
1	2	3	4	5
1.	Shri P. M. Thomas	Deputy Director	Joint Director	27-7-74
2.	„ S. Diesh	—	Asstt. Director	1-3-69
3.	„ V. Prasad	—	Asstt. Director	1-3-69
4.	„ R. N. Mirchandani	Tech. Officer	Asstt. Director	23-3-73
5.	„ P. B. Ray Chowdhary	Tech. Assistant	Tech. Officer	1-3-69
6.	„ D. N. Mahajan	Analysar	Tech. Officer	1-3-69
7.	„ P. P. Gupta (expired on 26-11-72)	—	Foreman	1-3-69

[No. 52/7/74-FC-III]
J. R. Jain, Under Secy.

संचार सत्रायव

(रात-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1974

का० आ० 2019.—मद्रास शाखा आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 134 के ग्रुप III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने भद्रक टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-9-74 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निर्णय किया है।

[सं० 5-28/74-पी०एम०बी०]

पी०सी० गुप्ता, सहायक महानिदेशक

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T BOARD)

New Delhi, the 31st July, 1974

S.O. 2019.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-9-74 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Bhadrak Telephone Exchange, Orissa Circle.

[No. 5-28/74-PHB]

P. C. GUPTA, Asstt. Director General

दिल्ली विकास प्राधिकरण

सार्वजनिक सूचना

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त, 1974

का. आ. 2020.—केंद्रीय सरकार दिल्ली मुख्य योजना में निम्नलिखित संशोधन (जोन बी-2 कॉल बाग) करने का विचार कर रही है जिसे सार्वजनिक सूचना के हेतु, एतद् द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है। प्रस्तावित संशोधन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति या सुझाव देना हो तो वे अपने आपत्ति और सुझाव इस सूचना के 30 दिन के भीतर सचिव, दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली के पास लिखित रूप में भेज सकते हैं। जो व्यक्ति अपनी आपत्ति या सुझाव दे वे अपना नाम एवं पूरा पता भी दें।

संशोधन :

(ए) लगभग 17 हेक्टर (42 एकड़) का क्षेत्र जो उत्तर पश्चिम में 18.28 मीटर (60') चौड़ी राम किशन दाय रोड़ (मार्ग संख्या 7), उत्तर पूर्व में 18.28 मीटर (60') चौड़ी सड़कें बैंक स्ट्रीट का भाग तथा हरध्यान सिंह मार्ग (मार्ग संख्या 24 तथा 25), दक्षिण पूर्व में 30.48 मीटर (100') चौड़ी गुरुद्वारा रोड़ (मार्ग संख्या 12) तथा ब्लॉकएम का भाग तथा दक्षिण पश्चिम में 30.48 मीटर (100') चौड़ी आर्य समाज रोड़ (मार्ग संख्या 26) द्वारा घिरा हुआ है। इसे अब न्यवसायिक (उपकेंद्र व्यवसायिक जिला) से 'आवासीय' में परिवर्तित किये जाने का प्रस्ताव है।

(बी) लगभग 11.7 हेक्टर (29 एकड़) का क्षेत्र जो उत्तर पश्चिम में 18.28 मीटर (60') चौड़ी सड़क (सड़क सं. 4) उत्तर पूर्व में 8 मीटर (20') सर्विस लेन तथा 36.56 मीटर (120') न्यू रोडक रोड़ तथा दक्षिण पूर्व में 18.28 मीटर (60') चौड़ी सड़कें मार्ग संख्या 6 तथा 7 का

भाग तथा वीक्षण पश्चिम में 30.48 मीटर (100') चौड़ी रोड़ द्वारा घिरा हुआ है। इसे अब 'आवासीय' में 'व्यवसायिक' (उपकेंद्र व्यवसायिक जिला) में परिवर्तित किया जाना है।

(सी) लगभग 6.8 हेक्टर (16.8 एकड़) का क्षेत्र जो उत्तर-पश्चिम में 30.48 मीटर (100') चौड़ी मिलेंद्री रोड़ तथा शिक्षा संबंधी क्षेत्र उत्तर पूर्व में विद्यालय, वीक्षण-पूर्व में विद्यालय सार्वजनिक तथा अर्ध-सार्वजनिक सुविधाएं इत्यादि अर्थात् फायर स्टेशन डाक एवं तार कार्यालय, पुलिस चौकी इत्यादि तथा वीक्षण में धार्मिक उपयोगों द्वारा घिरा हुआ है। इसे अब सार्वजनिक तथा अर्ध-सार्वजनिक सुविधाओं (अस्पताल तथा शैक्षिक) से 'आवासीय' में परिवर्तित किये जाने का प्रस्ताव है।

शनिवार को छोड़ सभी कार्यशील दिनों में दिल्ली विकास प्राधिकरण के कार्यालय दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली में उक्त अधि में आकर प्रस्तावित संशोधन के मानचित्र का निरीक्षण किया जा सकता है।

[सं. एफ. 3(19)/70-एमपी.]

हरदय नाथ फोलेदार, सचिव

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY PUBLIC NOTICE

New Delhi, 10th August, 1974

S.O. 2020.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi - zone B-2(Karol Bagh Area), is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modifications may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Delhi Vikas Bhavan, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and full address.

MODIFICATIONS:

- (a) An area measuring about 17 hect. (42 acres) bounded by 18.28 meter (60') wide Ram Kishan Dass Road (Road No. 7) in the north-west, 18.28 meter (60') wide roads — part of Bank Street and Hardian Singh Road (Road No. 24 and Road No. 25) in the north-east, 30.48 meter (100') wide Gurdwara Road (Road No. 12) and part of Block-M in the south-east and 30.48 meter (100') wide Arya Samaj Road (Road No. 26) in the south-west, is proposed to be changed from 'commercial' (sub-Central Business District) to 'residential'.
- (b) An area measuring about 11.7 hect. (29 acres) bounded by 18.28 meter (60') wide road (Road No. 4) in the north-west, 6 meter (20') service lane and 36.56 meter (120') wide New Rohtak Road in the north-east and 18.28 meter (60') wide roads (part of Road No. 6 and 7) in the south-east and 30.48 meter (100') wide Desh Bandhu Gupta Road in the south-west, is proposed to be changed from 'residential' to 'commercial' use (sub-Central Business District)
- (c) An area measuring about 6.8 hect. (16.8 acres) bounded by 30.48 meter (100') wide Military Road and educational area in the north-west, schools in the north-east, schools and public and semi-public facilities like fire station, P & T Office, police posts, etc., in the south-east and religious uses in the south, is proposed to be changed from 'public and semi-public facilities' (hospital and educational) to 'residential' use

The plan indicating the proposed modifications will be available for inspection at the office of the Authority, Delhi Vikas Bhavan, Indraprastha Estate, New Delhi, on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F 3(19)/70-MP]
H. N. JAIN, Secy

भारत सरकार

श्रम

नई दिल्ली, 20 जून, 1974

क्र. 2021.—यह केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसूर आयर्न एंड स्टील लिमिटेड, भद्रावती की बिलकलबेट्टा क्वार्ट्ज खानों के ठेकेदार श्री ए. अब्दुल जलील के प्रबन्धन में सम्बन्ध नियोक्ता और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है।

और यह केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णय के लिए नियोजित करना वांछनीय समझती है।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री बी. एन. जयदेवाप्पा होंगे, जिसका मुख्यालय बंगलूर होगा और उक्त विवाद को उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णय के लिए नियोजित करनी है।

अनुसूची

क्या मैसूर आयर्न एंड स्टील लिमिटेड, जो बिलकलबेट्टा क्वार्ट्ज खानों के पट्टेदार है और श्री ए. अब्दुल जलील, जो उक्त खानों के चलाने के लिए मैसूर आयर्न और स्टील लिमिटेड द्वारा ठेकेदार के रूप में नियोजित है, के प्रबन्धन में पुरुष और स्त्री मजदूरों को क्रमशः चार रुपये और तीन रुपये प्रति दिन मजदूरी के रूप में देना न्यायोचित है? यदि नहीं तो उक्त कर्मचारियों किस प्रत्युपाय के अधिकार हैं?

[संख्या एल-26011(8)/74-एल. आर. 4]
पी. पी. कान्तन, सचिव

MINISTRY OF LABOUR ORDER

New Delhi, the 20th June, 1974

S.O. 2021.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Shri A. Abdul Jaleel Contractor Bilikalbetta Quartz Mines of Mysore Iron and Steel Limited, Bhadravati and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri B. N. Jayadevappa as Presiding Officer with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

SCHEDULE

Whether the management of Mysore Iron and Steel Ltd., who are the lease holders of Bilikalbetta Quartz Mines and Shri A. Abdul Jaleel who is engaged by Mysore Iron and Steel Limited as contractor to work the said mines are justified in paying rupees four

and rupees three per day for Men and Women Mazdoors respectively as wages? If not, to what remedy the said employees are entitled?

[No. L-26011(8)/74-IR-IV]
P. P. KANTHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जून 1974

का० आ० 2022.—बुना पत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1972 की धारा 8 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार मुख्य श्रम आयकन-संगठन के श्री ए० सी० नारंग, श्रम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) का उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए बुना पत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण संगठन में कल्याण प्रशासक नियुक्त करती है, जिसका सम्बन्ध देखगदत में होगा।

[स० ए० 11016/4/74-एम० वी०]
श्री० के० सक्सेना, अवर सचिव

New Delhi, the 17th June, 1974

S.O. 2022.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 8 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act, 1972, the Central Government hereby appoints Shri A. C. Narang, Labour Enforcement Officer (Central), Dehradun in the Organisation of the Chief Labour Commissioner (Central) as Welfare Administrator in Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Organisation for the purposes of this Act with headquarters at Dehradun.

[No. A. 11016/4/74-MV.]
B. K. SAKSENA, Under Secy.

नई दिल्ली, 23 जून, 1974

का० आ० 2023.—कोयला खान भविष्य निधि, कुटुम्ब पेंशन और वोनम स्कीम अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 3ग की उपधारा (5) के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 3क के अधीन गठित न्यायी बोर्ड, केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन में, पत्रद्वारा विनिर्दिष्ट करना है कि केन्द्रीय सरकार अभिदायी भविष्य-निधि नियम, 1962, तुरन्त प्रभावी रूप में, कोयला खान भविष्य-निधि संगठनों के उन अधिकारियों और कर्मचारियों को लागू होंगे जो कोयला खान भविष्य-निधि कार्यालय स्थापन (अभिदायी भविष्य-निधि) विनियम, 1952, के अधीन हैं, जो कि भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा० का० नि० 798 तारीख 23 अप्रैल, 1952 के अन्तर्गत प्रकाशित हुए थे, तथा इस प्रकार लागू होने पर उपर्युक्त कोयला खान भविष्य-निधि कार्यालय स्थापन (अभिदायी भविष्य-निधि) विनियम, 1952 उक्त अधिकारियों और कर्मचारियों को लागू होना बन्द हो जाएंगे।

[संख्या ए०/11019(16)/73-पी०एफ० I]

New Delhi, 23rd July, 1974

S.O. 2033.—In pursuance of sub-section (5) of section 3C of the Coal Mines Provident Fund, Family pension and Bonus Schemes Act, 1948 (46 of 1948), the Board of Trustees, constituted under section 3A of the said Act, hereby specifies with the approval of the Central Government that the Central Government Contributory Provident Fund Rules 1962 shall apply, with immediate effect, to those officers and employees of the Coal Mines Provident Fund Organisation who are covered by the Coal Mines Provident Fund Office Establishment (Contributory Provident Fund) Regulations, 1952, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. SRO 798, dated the 23rd April, 1952 and that on such application the aforesaid Coal Mines Provident Fund Office Establishment (Contributory Provident Fund) Regulations 1952, shall cease to apply to such officers and employees.

[No. A-11019(16)/73-PF-II]

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1974

का० आ० 2024.—यह केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्टार इंजीनियर्स, रोड नं० 1, उधना इस्टेट एस्टेट, उधना, जिला सुरत नामक स्थापन में सत्रित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के द्वासीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एम/35019/109/74-पी० एफ०-2]

New Delhi, the 29th July, 1974

S.O. 2024.—Whereas it appear to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the messrs Star Engineers, Road No. 1, Industrial Estate, Udhana, District Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1973.

[No. S./35019/109/74-PF.II]

का० आ० 2025.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इटिया केममेंट्स, उधना इस्टेट एस्टेट, रोड नं० 1, उधना, जिला सुरत नामक स्थापन में सत्रित नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के द्वासीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम/35019/105/74-पी० एफ०-2]

S.O. 2025.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs India Casements, Industrial Estates, Road No. 1, Udhana District Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1973.

[No. S./35019/105/74-PF.II]

क्र० आ० 2026.—यह केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मेसर्स दादा टेक्सटाइल्स 15/16 हाशिम एस्टेट, उधना जिला सुरत नामक स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 की जून 3 तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या एम० 35019/93/74-पी० एफ०-2]

S.O. 2026.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dada Textiles, 45/46, Hashim Estate, Udhana, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1973

[No. S./35019/93/74-PF-II]

क्र० आ० 2027.—यह केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मेसर्स वाइज केमिकल्स विजय फाउण्ड्रीज के निकट, उधना, जिला सुरत नामक स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 की मई के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या एम०/35019/127/74-पी० एफ०-2]

S.O. 2027.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Wise Chemicals, Nani Vijay Foundries, Udhna, District Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of May, 1973.

[No. S./35019/127/74-PF. II]

क्र० आ० 2028. यह केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मेसर्स चैलेक्स कम्पनी, राउ नो 1, इण्ड्रियल एस्टेट, उधना, सुरत नामक स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात

पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या एम/35019/117/74-पी० एफ०-2]

आर० पी० नरुला, अवर सचिव

S.O. 2028.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chelex Company, Road No. 1, Industrial Estate, Udhana, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1973.

[N. S./35019/117/74-PF.II]

R. P. NARULA, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 जुलाई 1974

क्र० आ० 2029.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन० आर० 1 अगस्त, 1974 का उस तारीख के रूप में नियम करती है जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 1 (धारा 14 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उप-धारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त का जा चुकी है) के उपबन्ध गुजरात राज्य के निम्नलिखित भागों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्—

- 1 ग्राम चावखेडा, तालुक और जिला गांधीनगर ।
- 2 ग्राम नारोल, तालुक नगर, अहमदाबाद के जिले में ।

[सं० एम/38013/1/74-एन० आर०]

New Delhi, the 24th July, 1974

S.O. 2029.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 4th August, 1974 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following parts of the State of Gujarat, namely:—

1. Village Chandkheda, Taluka and District Gandhinagar.
2. Village Narol, Taluka City, in the District of Ahmedabad

[No. S./38013/4/74-HI]

नई दिल्ली 24 जुलाई 1974

क्र० आ० 2030. यह केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मेसर्स चैलेक्स कम्पनी, राउ नो 1, इण्ड्रियल एस्टेट, उधना, सुरत नामक स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात

सत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्रा० 3699, तारीख 22 नवम्बर, 1965 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, स्तम्भ (1) में मद 1 (क) के सामने, प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात्—
“जब ऐसी कोयला बारी की छोड़कर जो पश्चिमी आकारों वाली का भाग है सभी कोयला बारीज जा खानों के भाग है।”

[सं० एम०/29014/4/73-एम 1]

New Delhi, the 26th July, 1974

S.O. 2030.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 83 and section 84 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 3699, dated 22nd November, 1965, namely:—

In the Schedule to the said notification against item 1(a) for the entry in column (1), the following entry shall be substituted, namely:—

“All coal washeries forming part of mines, except the coal washery forming part of the West Bokaro Colliery”.

[No. S./29014/4/73-MI]

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1974

का० प्रा० 2031—वैयक्तिक क्षति (प्रतिकार बीमा) अधिनियम, 1963 (1963 का 37) की धारा 11 की उपधारा (1), धारा 15 की उपधारा (1), धारा 16, 17 और 18 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार तमिलनाडु के मुख्य कारखाना निरीक्षक को सर्वत्र तमिल नाडु राज्य में उक्त अधिनियम की धारा 14, 15, 16, 17 और 18 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करने के लिए और तमिल नाडु के कारखाना निरीक्षकों बागान निरीक्षकों और श्रम निरीक्षकों को उक्त अधिनियम की धारा 14 और 15 के अधीन उनके तत्संबन्धी क्षेत्राधिकार में, शक्तियों का प्रयोग करने के लिए एन० द्वारा प्राधिकृत करती है।

[सं० एम०/19025/27/72-फे०]

New Delhi, the 27th July, 1974

S.O. 2031.—In pursuance of sub-section (1) of section 14, Sub-section (1) of section 15, sections 16, 17 and 18 of the Personal Injuries (Compensation Insurance) Act, 1963 (37 of 1963), the Central Government hereby authorises the Chief Inspector of Factories, Tamil Nadu, to exercise the powers under sections 14, 15, 16, 17 and 18 of the said Act throughout the State of Tamil Nadu and Inspectors of Factories Inspectors of Plantations and Inspectors of Labour Tamil Nadu to exercise the powers under sections 14 and 15 of the said Act, within their respective jurisdictions.

[No. S./19025/27/72-Fac]

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1974

का० प्रा० 2032.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम सत्रालय की अधिसूचना संख्या 256 तारीख 14 जनवरी, 1974 के क्रम में केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा हिन्दुस्तान शिपयार्ड, विशाखापटनम को उक्त अधिनियम के सभी उपबन्धों में 1 अप्रैल, 1974 से 31 मार्च, 1975 तक, यह दिन भी सम्मिलित करके, एक वर्ष की अनिश्चित अवधि के लिए छूट देती है।

[सं० एम०/38014/28/73 एम० प्रा०]

टी० एम० कृष्णामूर्ति, अवर सचिव

New Delhi, the 30th July, 1974

S.O. 2032.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S. O. 256, dated the 14th January, 1974 the Central Government hereby exempts Hindustan Shipyard, Visakhapatnam, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st April, 1974, upto and inclusive of the 31st March, 1975.

[No. S./38014/28/73-HI]

T. S. KRISHNAMURTHI, Under Secy

आवेश

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 1974

का० प्रा० 2033—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपा-बद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में उत्पादन केन्द्र निदेशालय इष्टमन्त्र के अधीन उत्पादन और विस्तारण केन्द्र के प्रबन्ध तंत्र में संबंधित नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है, और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद का न्याय निर्णय के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः अब औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पालनीअपत होंगे जिसका मुख्यालय सत्रालय में होगा और उक्त विवाद का उक्त अधिकरण को न्याय निर्णय के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या उत्पादन केन्द्र निदेशालय इष्टमन्त्र के अधीन उत्पादन और विस्तारण केन्द्र के केन्द्रीय सरकार उत्पादन केन्द्र कर्मचारी सभ में माग निम्न मामलों के बारे में व्यापक है? यदि हाँ, तो वे किन अनुसूचियों के अधिकारी हैं?”

1 निम्न अनुसूचित कर्मचारियों का मिस्त्री के रूप में 110-155 के बतमान में उनकी नियुक्ति की तारीख से आयोजित और परिणाम स्वरूप शोधना (बैतन) की बकाया का सदाय।

क्रम नाम
रकबा

- 1 श्री पी आर माधवनकुटी नायर
- 2 श्री के सी विजयन
- 3 श्री टी के कुट्टी
- 4 श्री आर वेन्गोपायन नायर
- 5 श्री एन पी गोपीकुतन नायर
- 6 श्री सी ज्ञान
- 7 श्री के एम पुरुशोत्थम नायर
- 8 श्री के एन रघुवरन नायर
- 9 श्री पी जे चाका
- 10 श्री ए सुबायर कुट्टी
- 11 श्री के एन रविन्द्र नायर
- 12 श्री के आर रामचन्द्रन पिलय
- 13 श्री एम जयराज
- 14 श्री टी आई विश्वममरन

- 15 श्री के एम रविन्द्रन
- 16 श्री के आर चक्रपाणी वारियर
- 17 श्री के के माधवन नायर
- 18 श्री एम एन रविन्द्रन
- 19 श्री बी प्रभाकरन
- 20 श्री पी जे श्रामम
- 21 श्री एम कुजन कुट्टी
- 22 श्री डी मथयन
- 23 श्री एम विश्वामासी
- 24 श्री के जे जोगफ
- 25 श्री एन सी राजन
- 26 श्री के मनी
- 27 श्री जी मनीयन आचार्य
- 28 श्री के रामाधरन नायर
- 29 श्री पी एन मसीधरन नायर
- 30 श्री आर गोपलकृष्णन पिल्लै
- 31 श्री ए आर शनमुगम
- 32 श्री आ के कुमारन
- 33 श्री के एम वरघीस
- 34 श्री बी के अर्नेस्ट

2 उचित प्रथम पर मिस्त्रियों का ट्रेड मैन् फिटमैन के रूप में दावाय पदनाम और मुमकिन श्रेणियां में नियमित ।

3 मिस्त्रियों के सेवा नियमा की विरचना ।

4 समस्त वर्कशाप स्टाफ को प्रति वर्ष दो जोड़े काम करने की योजना का उपबन्ध ।

[सं.एल 12012/21/73/एल आर 3(ii)]

पी० आर० नैयर, प्रवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 4th July, 1974

S.O. 2033.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Production and Extension Centres under the Directorate of Production Centres, Ettumamur and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Thiru T. Palaniappan shall be the Presiding Officer, with headquarters at Madras and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

"Whether the demands of the Central Government Production Centre's Employees Association of the Production and Extension Centres under the Directorate of Production Centres, Ettumamur in respect of the following matters are justified?

If so, to what relief are they entitled?"

- 1 Absorption of employees listed below as Mistries in the scale of Rs. 100-155 with effect from their dates of appointment and consequential payment of arrears of dues

Sl
No. Name

1. Shri P. R. Madhavankutty Nair.
2. Shri K. C. Vijayan.
3. Shri T. K. Kuttu.
4. Shri R. Venugopalan Nair.
5. Shri N. P. Gopikuttan Nair.
6. Shri C. U. John.
7. Shri K. S. Purushothaman Nair.
8. Shri K. N. Raghuvanan Nair.
9. Shri P. J. Chacko.
10. Shri A. Subaikutty
11. Shri K. N. Ravindran Nair.
12. Shri K. R. Ramachandran Pillai.
13. Shri S. Jayarajan.
14. Shri T. I. Viswambharan.
15. Shri K. S. Ravindran.
16. Shri K. R. Chakrapani Wairiar.
17. Shri K. K. Madhavan Nair.
18. Shri M. N. Ravindran.
19. Shri V. Prabhakaran.
20. Shri P. I. Thomas.
21. Shri M. Kunjan Kutty.
22. Shri D. Sathayan.
23. Shri S. Chinnaswamy.
24. Shri K. J. Joseph.
25. Shri N. C. Rajan.
26. Shri K. Mani.
27. Shri G. Maniyan Achary.
28. Shri K. Gangadharan Nair.
29. Shri P. N. Sasidharan Nair.
30. Shri R. Gopalakrishna Pillai.
31. Shri A. R. Shanmugham
32. Shri O. K. Kumaran.
33. Shri K. M. Varghese.
34. Shri V. K. Earnest.

2. Redesignation of Mistries as Trademen fitter at appropriate stage and normalisation in the relevant grades.

3. Framing of Services Rules of Mistries.

4. Provision of two sets of Working Dress per annum to all workshop staff.

[No. L 42012/21/73/LR/III (ii)]

New Delhi, the 31st July, 1974

S.O. 2034.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of Shri H. H. Quraishi, Regional Labour Commissioner (Central), Dhanbad, Arbitrator, in the industrial dispute between the management of Central Coal Washeries Organisation, Hindustan Steel limited, Dhanbad and their workmen represented by the Coal Washeries Workers Union at Dugda and Patherdih and Hindustan Steel Coal Washeries Workers Union, Bhojudih, which was received by the Central Government on the 15th July, 1974

AWARD

IN THE MATTER OF ARBITRATION UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947 BETWEEN THE MANAGEMENT OF CENTRAL COAL WASHERIES ORGANISATION, HINDUSTAN STEEL LIMITED PO SARADIPETTA DISTRICT DHANBAD BIHAR AND THEIR WORKMEN REPRESENTED BY THE COAL WASHERIES WORKERS UNION AT DUGDA & PATHERDIH AND HINDUSTAN STEEL COAL WASHERIES WORKERS UNION, BHOJUDIH.

PRESENT.

Shri H. H. Quraishy — Arbitrator.

Representing the Management

1. Shri T. N. Srivastava, Personnel Manager, Coal Washeries Org. of Hindustan Steel Ltd., Saraidhella (Dhanbad).

2. Shri P. R. Sen, Personnel Officer.

Representing Workman :—

1. Shri Ram Singh, General Secretary, Coal Washeries Workers Union, Dugda.

2. Shri C. D. Singh, Vice President, Coal Washeries Workers Union, Dugda.

3. Shri R. B. Singh, Secretary, Coal Washeries Workers Union, Patheridih.

4. Shri R. S. Pandey, Secretary, Coal Washeries Workers Union.

5. Shri T. N. Singh, Assistant Secretary, Hindustan Steel Coal, Washeries Workers Union, Bhojudih.

Industry—Coal
State—Bihar and West Bengal.

No. B. 1/1(154)/73

Dated 11-7-74.

By their agreement dated 28-8-1973, the management of Central Coal Washeries Workers Organisation, Hindustan Steel Ltd., P.O. Saraidhella, District Dhanbad (Bihar), Coal Washeries Workers Union at Dugda and Patheridih and Hindustan Steel Coal Washeries Workers Union, Bhojudih referred the following specific dispute for my arbitration under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 :—

“Having regard to the Joint Wage Negotiating Committee Memorandum of agreement dated 27-10-1970; which formed the basis for Transport subsidy to the employees of Central Coal Washeries Organisation under which a Transport Subsidy of Rs. 13/- per month is being paid to such of those employees whose officially notified residence as recorded in the books of the Company is 5 Kms or more from the gate of the factory or other place of work, if it is situated outside the factory, whether the demand of the workmen for Transport Subsidy of Rs. 13/- to all employees irrespective of distance is justified? If so, what should be the quantum?”

2. As the management latter desired the notification to be issued under Sub-Section 3-A of Section 10-A of the I.D. Act, 47 in order to implead 5 other unions which were not parties to the instant arbitration agreement, they took up the matter with the Govt. for necessary notification and requested me to withhold my award. In the mean time I went on long leave. Therefore, the parties by their agreement dated 11-4-74 by their common Consent extended the period of giving my award by three months for that date i.e. by 11-7-74. Since the notification under Sub-Section 3-A could not be issued, I give my award.

3. The parties further agreed that my decision shall be binding on them. The said agreement was published in the Gazette of India dt. 13-10-1973 vide order No. 1-2013/1/73-1R II dated 3-10-1973 of the Ministry of Labour & Rehabilitation, Department of Labour and Employment Government of India, New Delhi, as required under sub-section 3 of section 10A of the Industrial Disputes act, 1947.

4. The management of the Central Coal Washeries Workers Organisation Hindustan Steel Ltd. was required vide my letter dated 24-10-1973 to furnish written statement endorsing simultaneously a copy thereof to the unions. The unions were also requested to furnish their written statements within 10 days from the date of receipt of the statement from the management endorsing simultaneously a copy to the management. Accordingly, the parties submitted their written statements by 28-11-1973. Thereafter a date for hearing was fixed on 19-12-1973 when all the parties to the dispute were present.

5. Coal Washeries workers Union and Hindustan Steel Coal Washeries Workers Union have submitted identical written statements. Briefly stated they have said that the wage structure including fringe benefits—which include transport subsidy also—of the entire Hindustan Steel Ltd., is one and the same and this includes employees of Central Coal Washeries Organisation Dugda, Patheridih, Bhojudih and Dhanbad and Head office Ranchi. That the management of Hindustan Steel Ltd. has allowed transport subsidy at the rate of Rs. 13/- p.m. to all the employees of the Head office Ranchi w.e.f. 1-9-70 by an order dated 6-3-73 irrespective of any condition of distance. Therefore, all the workers of the Central Coal Washeries Organisation of Hindustan Steel Ltd. have become entitled to payment of transport subsidy at the rate of Rs. 13/- p.m. from 1-9-70 irrespective of any condition of distance. Therefore, the unions have urged that keeping in view the said order, the transport subsidy should be given at the rate of Rs. 13/- p.m. w.e.f. 1-9-70 to all the employees of the Central Coal Washeries Organisation of Hindustan Steel Ltd.

6. The management in their written statement has stated that the subject matter of the reference is covered by a valid settlement which has not been terminated legally. Therefore, the Award which the Arbitrator can make should be in the terms of that settlement. The management has stated that pursuant to the memorandum of agreement dated 27-10-70 of the Joint Wage Negotiating Committee, settlements were reached between the parties at plant levels, according to which it was agreed that Rs. 8/- p.m. will be paid as transport subsidy provided that the officially notified residence of an employee is 5 Kms or more from the place of work. Subsequently the Unions raised dispute for increasing the said Rs. 8/- p.m. as transport subsidy in respect of the employees who were residing at a distance of 5 Kms or more. The said disputes were taken in conciliation as a result of which amicable settlements were arrived at when Rs. 8/- was increased to Rs. 13/- p.m. subject to certain conditions. The management have further stated in their written statement that the transport subsidy is to be paid to those who are residing at a distance of 5 Kms or more from the place of duty and that there was no justification in the demand of union for extending the transport subsidy to all employees irrespective of distance, which is neither just nor fair.

7. During the course of hearing Shri T. N. Srivastava, Personnel Manager, Central Coal Washeries Organisation, Hindustan Steel Ltd. stated that transport subsidy was considered by the Joint Wage Negotiating Committee for the Steel Industry and a memorandum of agreement was reached on 27-10-70 vide para 6.2. He further stated that in pursuance of the said agreement, settlements at plant level were reached following demands by the workmen between the management and various unions agreeing for Rs. 8/- in the first instance and subsequently increasing the same to Rs. 13/- to those workmen who travelled a distance of 5 Kms or more w.e.f. 1-9-70. Shri Srivastava filed the said agreements as exhibits. Shri Srivastava further stated that none of the agreements has been terminated. Shri Srivastava quoted a decision of the Supreme Court between Bangalore woolen Cotton & Silk Mills Co. Ltd. and their workmen and another (LLJ-Vol. I 1966—page 555) in which the Supreme Court has held that notice of termination of an award as contemplated under Sec 19(6) of the Industrial Disputes Act, 1947, has to be given failing which an award or for that matter a settlement shall be binding. Shri Srivastava further urged that the very basis of payment of transport subsidy is with regard to the distance to be travelled by a workman. Extension of this transport subsidy to all employees irrespective of distance he contended is neither just nor fair.

8. The representatives of the unions said that the memorandum of agreement dated 27-10-70 applies to all the workmen of Steel Industry as a whole. In view of the paragraph 6.2 of the memorandum of agreement dated 27-10-70, the unions demanded payment of transport subsidy to those workmen who use public transport for covering a distance of 5 Kms or more and as result settlements were reached as exhibited by the management. Similar settlement were reached in various units of Steel Plant of Hindustan Steel Ltd. as well as in the head office of Ranchi (agreements were not exhibited). The unions further stated that subsequently the management of Hindustan Steel Ltd. enhanced the rate of transport subsidy from Rs. 8/- to Rs. 13/- p.m. (no document was exhibited). The Unions said that when

they came to know of this, they demanded likewise increase in respect of Coal Washeries and the same was conceded through various settlements as exhibited by the management. The unions further stated that the management of Hindustan Steel Ltd. introduced payment of transport subsidy at the rate of Rs. 13 from 1-9-70 to all employees irrespective of distance. The unions exhibited a copy of the memorandum of settlement dated 6-3-73 reached between the Hindustan Steel Ltd., Ranchi and Hindustan Steel Employees Union, Ranchi and also an order No. E(HO)-1543 dated 6-3-73 from the Labour Law Officer, Hindustan Steel Ltd., Ranchi in support of their above contention. The unions contended that on the basis of the aforesaid two exhibits the management of Coal Washeries should pay Rs. 13 as transport subsidy from 1-9-70 to all the workmen irrespective of any distance. The unions further stated that there was no question of giving notice under Sec. 19(6) of the I.D. Act, 1947 to terminate the settlement because this demand is made on the basis of the settlement referred to above.

9. The question of transport was considered by the Joint Wage Negotiation Committee for the Steel Industry which resulted in a memorandum of agreement dated 27-10-70. The relevant paragraph on this issue is 6.2 which is produced below for ready reference:—

"(i) Suitable provision will be made by the employers, in every year's budget for making advances to the workers on reasonable terms for the purchase of cycles or scooters or motor cycles.

(ii) The industry will meet a part of the cost which a worker might have to incur on using hired public transport such as a bus, for coming to or going from the place of work, provided that the officially notified residence of the worker as recorded in the books of the company is 5(five) Kilometres or more from the gate of the factory or other place of work, if it is situated outside the factory. However, details of this issue will be discussed and settled at the plant level.

(iii) such workers of HSL staying at 5 Km or more from the nearest gate of the factory and presently using transport provided by the company shall be eligible for this payment only as and when they surrender the company's bus pass.

(iv) Suitable provision will be made by the employers in every year's budget for making advances to the workers on reasonable terms for the purchase of cycles or scooters or motor cycles.

10. It would be observed from the above that the industry was required to meet a part of the cost which a worker might have to incur on using hired public transport, if his residence was five kilometres or more from the place of work. It was further provided in the said agreement that the details of this issue would be discussed and settled at the plant level. Pursuant to the above agreement the question of transport subsidy was discussed and settled by the management of Central Coal Washeries, Hindustan Steel Limited, Dhanbad separately with the Union functioning in their three coal washeries, namely Dugda, Patherdih and Bhojudih. As a result, identical settlements were reached between the parties on 25-8-1971 in respect of Dugda Coal Washery, on 4-9-1971 in respect of Patherdih Coal Washery and on 23-8-1971 in respect of Bhojudih Coal Washery. The relevant terms of the settlements are re-produced below for ready reference—

(1) Suitable provision will be made by the Company in every year's budget for making advances to the employees on reasonable terms for the purchase of cycles and scooters or motor cycle

(2) The industry will meet a part of the cost, which an employee might have incurred for using hired public transport, such as Bus for coming to work or going from the place of work provided that the officially notified residence of the employee as recorded in the books of the Company is five kilometres or more from the place of work.

(3) Eligible employees will give a declaration that they were required to travel five kilometres or more for journey from residence to the place of work. Whenever an employee changes residence an intimation is required to be sent to the office specifically if the distance from residence to the place of duty is less than five kilometres

(4) During the leave period transport allowance will be admissible only if the leave does not exceed two calendar months at a time. However, transport allowance will be paid for the months in which the employee concerned proceeded on leave and rejoin his duty.

(5) An amount of Rs. 8 (rupees eight only) in a month will be paid to each employee covered by sub-clause (2) at Bhojudih Coal Washery.

(6) This agreement shall come into force from 1st September, 1970.

11. Again by the end of 1972 disputes were raised by the union functioning in the above said three coal washeries as a result of which separate settlements were reached between the Central Coal Washeries Organisation, Hindustan Steel Limited, and the Coal Washeries Workers Union, Dugda Coal Washery on 5-1-73 and the Coal Washeries Workers Union, Patherdih Coal Washery on 9-1-73 and the HSL Coal Washeries Workers Union, Bhojudih Coal Washery on 24-1-73 increasing the rates of transport subsidy from Rs. 8 to Rs. 13 per month

12. Now the demand of the Union is that the transport subsidy of Rs. 13 per month should be paid to all employees irrespective of the distance and keeping in view the agreement reached vide para 6.2 of the Memorandum of Settlement dated 27-10-70 of the Joint Wage Negotiating Committee, I am required to decide, whether the said demand is justified or not.

13. It would be observed that the unions have stated both in their written statements as well as during the course of hearing that the Hindustan Steel Limited, Ranchi has allowed transport subsidy of Rs. 13 to all the employees irrespective of any distance. A copy of the Memorandum of Settlement dated 6-3-73 was exhibited by the unions. The terms of the said settlement are re-produced below—

(1) Other terms of the said settlement of 24th April 1971 regarding transport remaining the same, all non-executive employees of the Head Office will be paid a transport subsidy of Rs. 13 (Rupees thirteen only), per month.

(2) The transport subsidy of Rs. 13 will be paid to all the employees w.e.f. the 1st September, 1970.

(3) Owing to the lack of public transport facilities for non-executive employees of HSL at Ranchi, majority of whom are staying in areas like Hatia, Argora, beyond Ranchi Railway Station, Burdwan Compound etc. which are places more than five Kms in distance from the office, all HSI non-executive employees at Ranchi will be deemed to be eligible to a transport subsidy as indicated at Para (2) above.

(4) The management agrees that during the operation of the settlement, if any additional benefit relating to Transport Subsidy is given to the employees of plants and units under HSL, then such additional benefit will also be given to the employees covered under the settlement.

14. The unions further exhibited an office order dated 6-3-1973 issued by the Labour Law Officer of Hindustan Steel Limited which is reproduced below —

"Owing to the lack of public transport facilities for non-executive employees of HSI, at Ranchi, majority of whom are staying in areas like Hatia, Argora, beyond Ranchi Railway Station, Burdwan Compound etc. which are places more than 5 Kms in distance from the office, it has been agreed between the management and the HSL Employees Union on the 6th March 1973 at its Head Office at Ranchi that all non-executive employees of the Head Office will be paid a transport subsidy of Rs. 13 per month and that the said transport subsidy of Rs. 13 will be paid w.e.f. 1st September 1970.

This office order of even number dated 26th May, 1971 is hereby partially modified as above."

15 On the basis of the aforesaid settlement and the office order which is also issued in terms of the said settlement the unions demanded that the transport subsidy of Rs. 13/- per month should be given to all workers irrespective of any distance as has been done in respect of non-executive employees of Hindustan Steel Limited at Ranchi. It was stated that the Hindustan Steel Ltd. Ranchi, also started paying Rs. 8/- as transport subsidy per month in the first instance to such employees whose residence was 5 Kms or more from their place of work and that the said subsidy of Rs. 8/- was subsequently increased to Rs. 13/- as has been done in respect of the aforesaid three coal washeries. The settlement dated 6-3-1973 as reproduced above will show that the transport subsidy of Rs. 13/- has been agreed to be paid to all employees. The said settlement also shows that the majority of the non-executive employees are staying in areas which are places more than 5 kms in distance from the office. Therefore, all such non-executive employees at Ranchi would be deemed to be eligible to a transport subsidy. Similarly, the office order dated 6-3-1973 as reproduced above also states that owing to the lack of public transport facilities for non-executive employees, majority of whom are staying in areas which are more than 5 kms in distance from the office, it has been agreed that all non-executive employees of the Head Office will be paid transport subsidy. Both the settlement and the office order show that the transport subsidy has been made applicable to all the employees when it was found that majority of them were staying in areas beyond 5 kms. From the above, it may be safely concluded that some employees who may be in minority are staying in areas within 5 kms but still they have been allowed transport subsidy. Therefore, had the term of reference not applied any restriction on me to give my award keeping in view the Joint Wage Negotiating Committee's Memorandum of Agreement dated 27-10-1970, I would have perhaps awarded transport subsidy to all employees of the Coal Washeries irrespective of any distance on the basis of the settlement dated 6-3-1973 and the office order dated 6-3-1973 as referred to above.

16 It would be observed from para 6.2 of the Joint Wage Negotiating Committee's Memorandum of Agreement dated 27-10-1970 that the industry was to meet a part of the cost which a worker might have to incur on using hired public transport from coming to or going from the place of work provided that the officially notified residence of the worker is 5 kms or more. It is very clear from the above that the transport subsidy is intended to meet a part of the cost of the transport in respect of such workmen whose residence is 5 kms or more from place of work. Therefore, it is evident that the transport subsidy is to be given to such workmen who fulfil the above condition. The representative of the management has argued that the very basis of subsidising transport cost necessarily involves certain distance to be travelled by an employee for coming to or going from the place of work. The Joint Wage Negotiating Committee's Memorandum of Agreement has provided for subsidising transport cost to such employees whose residence is 5 kms or more from place of work. According to the term of reference I am required to decide the issue having regard to the said agreement. Therefore, as discussed above I find that the demand of the workmen for transport subsidy of Rs. 13/- per month to all employees irrespective of distance on the basis of the above said Memorandum of Agreement is not justified.

This is my award.

H. H. QURAISHY, Arbitrator.

[No 1-2013/2/73-LR/II.]

P. R. NAYAR, Dy Secy.

New Delhi the 27th July, 1974

S.O. 2035.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workman, which was received by the Central Government on the 23rd July 1974

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL DELHI

New Delhi the 10th July, 1974

CGID. No 9 of 1973.

BETWEEN

The employers in relation to the State Bank of India,
AND

Then workman

PRESENT

Shri A. Seshan for the employer/Bank.

Shri J. N. Kapur for the workman/union.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour and Employment, New Delhi referred the following industrial dispute existing between the aforesaid parties for adjudication to the Tribunal presided over by my learned predecessor Shri R. K. Bawa by Order No. L. 12012/165/72/LR/II dated 31st August 1973 :—

"Whether the action of the management, of State Bank of India in terminating services of Shri Subhash Chander, Cashier at Thanesar Branch and appointing another employee junior to him in the merit list is justified? If not, to what relief is he entitled?"

2 In the statement of claim filed by Shri J. N. Kapur, General Secretary of the Delhi Circle State Bank Staff Association on behalf of the workman, it was alleged that the management motivated by some unfair labour practice had been dispensing with the services of its workmen from time to time under one pretext or the other and in pursuance of the said policy on the 23rd of January 1971 it terminated the services of Shri Subhash Chander without any rhyme or reason. Shri Subhash Chander had been working as a temporary cashier at Thanesar branch of the Bank and during the period from 1966 to 1971 he worked 259 days with certain breaks in service. It is further stated that those persons who qualified the test by obtaining 35% marks were absorbed permanently in service irrespective of the fact whether permanent vacancies existed or not. The Bank has defined that nine months service for that purpose would mean that a person has worked in temporary capacity for 255 days with breaks. It is further averred that in terms of the directions contained in Paragraph 522(4), the Bank could not terminate the services of the workman without giving him fourteen days notice. The union has challenged the order of termination of services of the workman on various grounds and it is pleaded that while terminating the services, the principle of last come first go was not followed. There were some permanent vacancies of cashiers at the aforesaid branch where Shri Subhash Chander was working. The Bank held a test for permanent appointment of cashiers at Ambala in March 1971 and Shri Subhash Chander being a temporary cashier was called to appear in that test. As a result of the test and interview, four candidates were declared successful and the following merit list was prepared :—

- 1 Shri V. K. Sabharwal, temporary cashier
- 2 Shri Man Ram, Temporary cashier.
3. Shri Subhash Chander, temporary cashier.
- 4 Shri S. C. Dhall, Messenger.

Out of the above candidates, the first two were appointed in March 1972 the Bank appointed Shri S. C. Dhall whose merit was fourth in the merit list ignoring the claim of the concerned workman. This action of the Bank in terminating the service of Shri Subhash Chander and in not appointing him permanently has been described by the union as malafide and amounting to victimisation and unfair labour practice.

The prayer of the union as contained in the statement of claim is that the above action of the Bank in ignoring the claim of the workman for permanent appointment may be held to be mala fide and Shri Subhash Chander may be reinstated as cashier with full back wages w.e.f. 24-1-1971. A further prayer is that the workman be absorbed permanently as cashier from March 1972 on which Shri S. C. Dhall, a junior candidate was appointed permanently by the Bank.

3. In the written statement filed by the management, the allegations as contained in the statement of claim were controverted and it was submitted that as a result of test and interview held on the 24th of June 1971 Shri Subhash Chander stood third. The said list according to an alleged long standing practice automatically lapsed on the expiry of three months from the date of declaration of the result, and as during the said period, there were only two vacancies, the concerned workman could not be absorbed. Shri Dhall, it was averred, was appointed in order to honour the commitments which it made with the recognised union. It was prayed that the claim of the workman be dismissed with costs.

4. No issue arose out of pleadings of the parties excepting the term of reference which I now proceed to decide on the basis of the evidence placed on the record.

FINDINGS

TERM OF REFERENCE :

5. In support of his allegations, Shri Subhash Chander appeared before me as WW1 and stated that he joined the Bank as cashier. No letter of appointment was issued to him and he was a temporary hand. A test for the recruitment of cashiers was held in March 1971 at Ambala Cantt. and he was called for interview in June 1971. He came to know after some time in March 1972 that his position in the order of merit was third and that of Shri Satish Chand Dhall was fourth. As the latter had been appointed, he made a representation to the Bank of which a copy is Ext. W/2. His grievance was that he should have been appointed instead of Shri Dhall. He met the agent but the latter said that he had received a telegram from Delhi for terminating his services. The appointment of an employee on ad-hoc basis is made at the will of the agent or the head-cashier. After the termination of his services, a large number of persons were appointed on temporary basis in the same branch. In cross-examination he said that it was incorrect that on each temporary appointment letters of appointment were issued to him. He further clarified in cross-examination that his appointment was not for a stated period. The branch at Thanesar was a full-fledged branch in 1966 when he joined. In reply to another question he stated that Shri Dhall was permanent messenger at the Thanesar branch but the post of cashier given to Shri Dhall was not a permanent post. According to him, it was direct competitive recruitment. The other witness Shri P. P. Chaudhry WW2 only stated that he had put in about 19 years of service in the Bank.

6. On the other hand Shri M. M. Sharma, MW1, Officer-in-charge (Recruitment & Man-power), Personnel Department of the State Bank of India stated that recruitment of cashiers took place on 28th March 1971. As a result of the test and interview the merit list Ext. M/1 was prepared. The first two candidates were appointed on 23rd of June and 17th of July 1971 respectively. There was no other vacancy till the expiry of the waiting list on the 23rd of September 1971. A new vacancy arose in March 1972 consequent upon the upgradation of Kurukshetra University Sub-Office to a full-fledged branch. As per agreement with the recognised union the members of the subordinate staff were to be given a promotional opportunity if they had qualified in the test even after the expiry of the waiting list. A copy of the alleged agreement was not placed on the file. He, however, filed a Central Office letter along with a note in which there was a mention of the said agreement vide Ext. M/3. When asked in cross-examination, he was not aware of any appointment having been made after the expiry of the waiting lists. He admitted that the bank issued a letter of appointment to the fourth man in the list and not a letter of promotion as cashier. He admits that the circular Ext. W/3 was issued by the Bank in 1964. What is the basis for giving marks for temporary service in the bank is not known to him and he only knows that different marks

are given for different periods. These marks are dependent upon the length of service but he does not know which is the latest circular on this point. He also admits that in the test sheet Ext. M/1 ten marks have been given to Shri Moniram for 266 days and six marks to the workman for 259 days. After the termination of services of the workman many new persons have been appointed.

7. The first point for determination is whether the action of the management in terminating the services of the workman is justified. As the term of reference stands, it was for the management to show that its action was justified. Its plea in this behalf is that the workman was appointed for a stated period, therefore, his service came to an end automatically with the expiry of the said period, it not having been expressly extended. The management examined only one witness Shri M. M. Sharma MW1. He, however, did not utter a single word to support that the appointment of the workman which was terminated on the 23rd of January was for a specified period and that it came to an end automatically. When the management alleged in para. 7 of its statement that it was not correct to allege that no letter of appointment was issued to the workman, it meant to say that a letter of appointment was issued every time he was appointed. A copy of such appointment letter should have been produced to show that the appointment was for a specified period and that it could come to an end without anything more to be done. No such letter has been produced.

8. Shri Seshan appearing for the management tried to put on record a proforma of a letter of appointment and urged that it should be presumed that a letter of appointment must have been issued to the workman. He further contended that the certificate Ext. W/1 which the workman himself produced showed that he had intermittent periods of service and each one was for a specified period which came to an end without anything more done about it. On consideration, I find that the argument is entirely fallacious. The matter that the workman was appointed for a specified period was one of fact and it should have been proved like it. Nothing about it could be presumed.

9. The certificate Ext. W/1 too shows merely the intermittent period of service put in by the workman from the year 1966 to 23-1-1971, as a temporary cashier. There is nothing in it to show that the service of the workman came to an end automatically.

10. Moreover, even assuming that the workman was appointed for a specified period and the order of appointment contained a self operating clause terminating the service of the workman, it could not be said, as pleaded by the management that the workman was not a retrenched employee or that he was not entitled to any notice or compensation as required under the law.

11. "Retrenchment" has been defined in Section 2(00) of the Industrial Disputes Act as follows :—

"Retrenchment" means the termination by the employer of the service of a workman for any reason whatsoever, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action, but does not include—

- (a) voluntary retirement of the workman; or
- (b) retirement of the workman on reaching the age of superannuation if the contract of employment between the employer and the workman concerned contains a stipulation in that behalf ; or
- (c) termination of the service of a workman on the ground of continued ill-health."

12. Here in this case, the termination of the workman's service whether it be on account of the self-operating clause or such interpretation of the fact that the appointment was for a specified period, it was nonetheless a termination for any reason whatsoever and as such retrenchment; and I hold accordingly.

13. Now, if the termination of the service of the workman was not justified and was a retrenchment, Section 25F of the Act was at once attracted, the more so, as in the eye of law the workman will be deemed to have been in continuous employment in view of Section 25B of the Act which lays down that,—

- (1) a workman shall be said to be in continuous service for a period if he is, for that period, in uninterrupted service, including service which may be interrupted on account of sickness or authorised leave or an accident or a strike which is not illegal, or a lock-out or a cessation of work which is not due to any fault on the part of the workman;
- (2) where a workman is not in continuous service within the meaning of clause (1) for a period of one year or six months, he shall be deemed to be in continuous service under an employer.....".

I am constrained to remark here that the practice followed in the State Bank of India of making temporary appointments with artificial breaks is nothing but a malpractice and an unfair labour practice which does not become an institution of the status of the State Bank of India.

14. It has, therefore, to be held that the action of the management in terminating the services of the workman was not justified.

15. The second point for determination is whether the action of the management of the State Bank of India in appointing another employee junior to the workman concerned is justified.

16. There is no dispute so far as it is concerned that the management appointed an employee Shri S. C. Dhall who was junior to the concerned workman. It appears that he was so appointed on the basis of a written test followed by an interview held by the Bank for the appointment of cashiers. The defence put forth by the management, however, is that the workman concerned Shri Subhash Chander stood third in the list prepared as a result of the test and interview held on 24th June 1971 and according to the standing practice in the Bank, the list automatically lapsed on the expiry of three months from the date of declaration of the result i.e. on 23rd September 1971. During the period from 24-6-1971 to 23-9-71 there were only two vacancies and they were filled in by the first two candidates in the list on 23-6-1971 and 17-7-1971 respectively. The list then expired and the concerned workman could not be appointed as there was no third vacancy before the expiry of the list. The fourth man who was junior to Shri Subhash Chander was then appointed in compliance with an agreement alleged to have been arrived at between the All India State Bank of India Staff Federation and the Bank, by way of departmental promotion and not as fresh appointment. It was stated that for the reasons specified therein Shri Subhash Chander could not have any real or justifiable grievance.

17. On consideration I am unable to accept the reason as a valid ground or any justification for not appointing Shri Subhash Chander and appointing a person junior to him in the third vacancy. Firstly there is no evidence on record to show that there was any practice muchless, a long standing practice in the State Bank of India according to which a list prepared as a result of test and interview lapses or can lapse on the expiry of three months from the date of declaration of the results. Even Shri M. M. Sharma MW1 did not say that there was any such practice in the Bank. He merely said that the list was in force for three months only. As for the reason why was the list in force for three months only and not beyond that he did not say anything. Shri Seshan contended that there was a reference in Ext. M/2, a letter from the Central Office of the State Bank of India, Bombay which went to show that the waiting lists did become outdated; it should, therefore, be presumed that the lists became outdated after three months. I am unable to accept this contention. The letter Ext. M/2 only provides for the exigency in cases the waiting lists become outdated. It nowhere says that the lists would become outdated after three months. Such an intention cannot even be inferred from this letter that waiting lists of candidates selected at the written test after due interview become outdated after three months. Hence, the defence of the Bank that Shri Subhash Chander could not be appointed on account of the list having been automatically lapsed on the expiry of three months is rejected. Secondly, I find that the appointment of the junior person Shri S. C. Dhall was said to be only a departmental promotion and not a fresh appointment. Shri M. M. Sharma MW1, however, gave a lie to this defence. He categorically said that the Bank issued to the fourth man in the list a letter of appointment in the new grade and not a letter of promotion as cashier. Clearly, the junior person was appointed from the

list much beyond the period of three months and the said appointment was not by way of a departmental promotion nor under any agreement as was alleged by the bank. The said agreement was not produced by the bank at all. All that Shri M. M. Sharma said about the agreement was that the note Ext. M/3 spoke about the agreement. I have gone through the note Ext. M/3 very carefully and find that it speaks nothing about the agreement. All that it says is that the question of appointment of qualified members of subordinate staff as clerks/cashiers in the Bank was examined at the request of the All India State Bank of India Staff Federation and it was decided as contained in Ext. M/3 which was more a circular letter than any agreement. It is not even mentioned that the decision taken by the Bank would operate as an agreement between the Federation and the Bank. It has not even been signed on behalf of the Federation. I am, therefore, entirely unable to take it as an agreement. Moreover, as stated by Shri M. M. Sharma himself, the appointment of Shri S. C. Dhall was not by way of promotion in pursuance of the circular Ext. M/3 but a fresh appointment in the new grade. The appointment of Shri S. C. Dhall was thus clearly out of the list and in supercession of the right of Shri Subhash Chander who being at No. 3 had a better right to be appointed before Shri S. C. Dhall. Shri J. N. Kapur appearing for the workman also urged that the management of the State Bank of India was guilty of gross mal-practice in the matter of giving marks to the candidate appearing at the test and the interview. One such mal-practice was pointed out, in that, one Moniram who stood second in the test was given ten marks for the period of 266 days of temporary service whereas the workman Shri Subhash Chander was given only six marks for 259 days. It was contended that as per the rules of the bank in this behalf both should have been given ten marks each for putting in temporary service of nine months or more. Shri Seshon failed to justify this difference in the marks when he was called upon to explain at the time of arguments. There was another lapse pointed out on the part of the management that no marks were given for the educational qualifications of the candidates. It was contended that such marks were not given because Shri Subhash Chander was a graduate and was entitled to eight marks whereas Shri S. C. Dhall was only a Matriculate and could not have been given any marks on that account and since giving of marks on account of educational qualifications would have put Shri Subash Chander higher than even the person who stood second, the same had not been given. The second man was Moniram who was again a Matriculate and he could not have claimed any marks for educational qualifications while Shri Subhash Chander would have been entitled to eight marks and if given those marks he would have been placed at the second position. Here again Shri Seshon to whom the matter was specifically put could not explain the reason for not giving marks for educational qualifications to the concerned workman. The total result, however, is that the management of the Bank has failed to justify its action in appointing a junior employee in preference to the concerned workman. The term of reference is therefore, answered against the management.

18 In the result, my conclusions are as follows :—

- (i) The action of the Bank in terminating the services of Shri Subhash Chander, cashier at Thaneshwar Branch is arbitrary, malafide and an act of unfair Labour practice.
- (ii) Its action in ignoring the rightful claim of Shri Subhash Chander for permanent appointment in the Bank and appointing a junior person to him from the merit list of successful candidates declared by the Bank, is malafide and amounts to victimisation.
- (iii) Shri Subhash Chander should be reinstated as cashier in the Bank with full back wages w.e.f. 24-1-1971, the date from which his services were terminated wrongfully and illegally.
- (iv) Shri Subhash Chander should be absorbed permanently as cashier from the date on which Shri S. C. Dhall, a junior candidate to him in the merit list was appointed permanently by the Bank.

The award is made accordingly.

(Thirteen pages)

10th July, 1974.

D. D GUPTA, Presiding Officer.

[No. L. 12012/165/72-IR III]

New Delhi, the 31st July, 1974

S.O. 2036.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the management of Messrs Jaipur Udyog Limited, Sawaimadhopur and their workmen represented by Central Works Karamchari Sangh Sawaimadhopur which was received by the Central Government on the 24th July, 1974.

BEFORE SHRI MOHANLAL SUKHADIA, ACTING AS
AN ARBITRATOR

The Jaipur Udyog Limited, Sawaimadhopur.

Vs.

The workmen employed at the Quarries at Phalodi, and Bajrakho/Bhetonpura, represented by the Cement Works Karamchari Sangh, Sawaimadhopur.

M/s. Jaipur Udyog Limited, Sawaimadhopur (hereinafter referred to as Company) and the Cement Works Karamchari Sangh, Sawaimadhopur (hereinafter referred to as 'Sangh') vide their Agreement dated 22-12-1971 in respect of the Limestone Quarries at Phalodi and Bajrakho/Bhetonpura, have approached the undersigned for arbitration on the disputed matters, given in the aforesaid Agreement (copy enclosed as Annexure 'A').

2. The Company and the Sangh were heard on these disputed matters on different occasions and were also advised to narrow down differences on various issues through bilateral talks. Discussions were held with the parties initially on 11th January 1972, when issues No. 3, 4 and 6 were discussed in detail. I accordingly give my Award on these issues finally, as hereunder:—

(a) *Issue No. 3 and 6*

These issues relate to the demand of 'Fixation' under Second Wage Board for Cement Industry and for redesignations and regradations of workers of the Quarries, whose names are contained in Annexure I and III of the Agreement dated 22-12-1971. In the course of discussions, the parties to dispute agreed that it is desirable that general norms in this behalf for all categories of employees may be laid down so that the cases in hand be disposed of accordingly. On going through the norms prepared by the Company and discussing the same with the Sangh representatives, certain modifications had to be made therein in the light of discussions so held. I approve the norms finally settled both in respect of the Works and the Quarries, in the manner given in the statement enclosed (Annexure 'B'). The statement spells out the present designations, grades and job-descriptions and also the revised designations, grades and conditions for appointment and promotions from one grade to another in different cadres, comprising of unskilled, semi-skilled and skilled workmen. These shall form guidelines for fixations. The cases of all employees mentioned in the lists submitted by the Sangh, for purpose of upgradation and subsequent fixations according to Wage Board are also disposed of in accordance with these norms. I accordingly pass my final Award on Issues No. 3 and 6 in accordance with Annexure 'B' (enclosed).

(b) *Issue No. 4*

This issue relates to the dismissal of 17 workmen of Phalodi Quarries by the management on charges of assault on the Company's Officers. These cases were reported to be sub-judice before the Court of law. In the course of discussions, I had indicated that the Management may take back in service all the 17 workmen, on the following conditions:—

- (1) That, the workman will unconditionally withdraw their complaints under Section 33-A of the Industrial Disputes Act 1947, which were said to be pending before the Central Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur.
- (2) That, the reinstatement of these workmen will take effect from the date they report back on duty.
- (3) That, since Criminal cases are pending against these workmen on charge of assault etc., the Management shall have the right to terminate their services, in case the court convict them but if they are acquitted

by the Court, they shall be continued in service by the Company.

- (4) That, in case any or all of these 17 workmen are acquitted by the Court, then in respect of the acquitted workmen, I shall decide about the ex-gratia payment, if any, to be made to them, for the period they were out of employment, after going through the record of their past performance and conduct after re-entry in service, provided however that on their reinstatement they maintain industrial peace at the Works and the quarries.

The Management informs that these 17 workmen have been taken back on duty, on their giving individual undertaking in terms of the paragraph 2 and 4 referred to above and that these workmen have also withdrawn their complaints under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947. I accordingly pass my Award with regard to this issue finally hereunder :

- (1) That, since the Criminal cases against them have not been decided finally by the Court of Law as yet, the service of these 17 workmen, who have been taken back on duty by the Management on various dates shall be continued but the Management shall have the right to terminate them, in case they have been convicted by the Court of Law and no Compensation as a measure of relief shall be admissible to them for the said period.
- (2) That, I shall decide in respect of the *Ex-gratia* payment, to be made to such of the workmen, who are acquitted by the Court, after the pronouncement of the judgment by the Court and also keeping in view of the conduct and behaviour of the acquitted workmen and subject to the promise of their maintaining industrial peace, both at the Works and the quarries.

(c) *Issue No. 9*

During initial discussions, it was decided that since the Central Government was contemplated enacting payment of Gratuity Act, there was no point in making hurry in regard to this demand. Once the All India Law is passed, the existing Scheme of Gratuity would be automatically replaced by the new legislation. The Gratuity Act 1972 has since come into force and is applicable to the workers of M/s. Jaipur Udyog Limited, Sawaimadhopur, both at the Factory and the Quarries. The Management has to implement the provisions of the payment of Gratuity Act, 1972 now. Accordingly, I decide this issue finally, as per provisions of the new legislation.

3. The Company and the Sangh met on 20th April 1972. at Bangalore when issues No. 5 and 7 were further discussed. I pass my Award finally on these issues, as hereunder:

(a) *Issue No. 5*

The Company shall fix the age of superannuation in respect of Quarry workers at 58 years, at par with the factory workers.

(b) *Issue No. 7*

The Company shall allow accumulation of Sick Leave to the employees upto 6 years. However, no encashment of unavailed sick leave shall be allowed to the employees, at any time.

4. The parties further met me at Bangalore and entered into an agreement before me on 6th September 1972 on the following Issue :

- (i) Demand No. 1 and 2 relating to Bonus for the accounting years 1964-65, 1965-66, 1966-67, 1967-68 and 1968-69 respectively both for works and the quarries. The agreement dated 6th September 1972 appears to be just and fair and accordingly, I pass my Award finally on this issue in terms of the said Agreement (copy appended as Annexure 'C')

5. The parties met me again at Bangalore on 22nd and 23rd January 1973, when issue No. 10, regarding uniforms

and other amenities was further discussed. I give my final award on this issue, as hereunder:—

The Company shall adopt in toto the pattern followed in this regard at the Quarries of the Associated Cement Companies Ltd., Lakheri, in regard to the Dust Allowance, Equipment Allowance Seasonal Uniforms, and other amenities, like supply of Gur, Oil etc. as per details given in Annexure 'D' excepting in case of (a) Jeep Drivers and (b) Peons and Issue Boys, in whose case, the existing facilities shall be continued to be given to them. The ACC pattern on uniform shall (except in the case of eligible contract labour, to whom this facility shall be extended w.e.f. 1-7-1974 come into force with effect from 1-1-1974). No further demand shall, however, be made in this regard by the Sangh until the period of operation of this Award.

6. Issue No. 8 re: Stone Cutters :

This issue was referred to me by the parties under the term of reference. After reference to me, another Union in the Quarries of the Company, I am told raised a similar demand. The Central Government has made a reference on this demand to the Industrial Tribunal (c), where the matter is still pending for disposal. The parties to the dispute do appreciate the legal position of this issue and do not want to press this demand before me, at this stage. It is therefore not necessary to pass my Award on this issue.

7. The parties have already agreed before me that if any industrial dispute has been pending before any Authority or Court, concerning any of the aforesaid issues, it shall be deemed to have been disposed of in terms of this Award and the parties shall take necessary steps for withdrawal of cases before such Authority/Court immediately.

8. In the Agreement dated 6th September 1972, (Annexure 'C') both the Company and the Sangh given an undertaking before me that Industrial peace would be maintained for a period of 4 years from the date of signing of that Agreement and they would not resort to unilateral action, which may result in any form of strike, lockout, slowdown, or cessation of work but would settle differences, if any, arising during this period by mutual discussions and through bipartite consultation and negotiations. However, in event of negotiations remaining unresolved, the parties shall take recourse to either arbitration or adjudication before resorting to action of strike/lockout.

I accordingly, direct that the parties would abide by these terms, in letter and spirit and maintain peace and discipline in the undertaking for the aforesaid period.

This Award shall come into force immediately and shall remain in force for a period of three years from the date of its operation.

The Award on various issues given to me in Arbitration by the parties to dispute, is accordingly passed, as a final award.

Signed this day the thirteenth of June, 1974, at Thirupathi.

MOHANLAL SUKHADIA, Arbitrator.

Agreement under the Provisions of Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 read with Rule 7 of the Rules made thereunder :

Name of the Parties :

Representing Employer:

The Jaipur Udyog Ltd.,

P.O. Phallodi Quarries,

Sawaimadhopur.

Representing Workmen:

through Cement Works

Karamchari Sangh,

Sawaimadhopur.

Shri. Ved Leekha,

Sr. Personnel Manager.

Shri Inder Raj Sharma,

President.

Shri Kedar Singh.

Official of the Union.

It is hereby agreed between the above parties that in partial modification of the Memorandum of Settlement dated 27th January, 1970, made between the parties in respect of the Constitution of the Arbitrators, the following industrial disputes be referred to the sole arbitration of Shri Mohan Lal Sukhadia, former Chief Minister of Rajasthan, whose consent to arbitrate in the matters hereinafter mentioned has been obtained.

I. Specific matters in dispute in respect of the Limestone Quarries at Phallodi and Bajrakho/Bheronpura on which arbitration is required :—

- Whether Bonus for the accounting year 1964-65 already paid by M/s Jaipur Udyog Ltd., Sawaimadhopur, @4.78 per cent as worked out under the Profit and Loss Accounts under Balance Sheet was in accordance with the Payment of Bonus Act, 1965 or not? And whether workmen, represented by the Cement Works Karamchari Sangh, Sawaimadhopur, are entitled to any relief for the year in question, under law?
- Whether bonus for the accounting years 1965-66, 1966-67, 1967-68 and 1968-69, already paid by M/s Jaipur Udyog Ltd., Sawaimadhopur, @4 per cent, 4 per cent, 5 per cent and 4 per cent respectively, according to the allocable surplus worked out under the Profit and Loss Accounts under Balance Sheet is in accordance with the Payment of Bonus Act 1965 or not? And whether workmen represented by the Cement Works Karamchari Sangh, Sawaimadhopur, are entitled to any relief for the years in question, under law?
- Whether the workmen in Quarries, whose names are mentioned in Annexure I have not been suitably fixed according to the Second Wage Board for Cement Industry and if so, to what relief are they entitled?
- Whether the workmen whose names are given in Annexure II and who were dismissed from the services on the charge of assault, are entitled to any relief? If so, to what extent?
- Whether the demand to have the same age of superannuation of workmen in Phallodi Quarries, as has been provided in the Standing Orders of the Cement Factory at Sawaimadhopur, is justified?
- Whether in view of the past Agreements, the demand of the Sangh for re-designation and regradation of workers of quarries whose names are mentioned in Annexure III in accordance with their jobs, is justified? If so, to what relief are the workmen entitled?
- Whether Sick Leave with pay should be allowed to be accumulated upto 6 years instead of 3 years as at present, in case of Operatives and 5 years in the case of members of staff and whether half of the accumulated Sick Leave with pay be permitted to be encashed or not, at the time of leaving of service?
- Whether any revision should be made in the existing rate of Stone-Cutters at the Quarries, if so, to what extent?
- Whether the existing Scheme of Gratuity needs any revision, and if so, in what manner?
- Whether the existing provisions of Dust Allowance, Equipment Allowance and Seasonal Uniforms be extended to new categories of employees as mentioned in Annexure IV keeping in view the provisions of the Wage Board Report?

The parties agree that joint applications shall be filed before the Industrial Tribunal, Rajasthan, Jaipur, with the request to pass 'NO DISPUTE AWARD' in the following cases :

- Case No. IT-27 to IT-41 of 1969 re :
Sua, Har Bhagwan, Manga, Amar Singh, B. K. Verma, Kedar Singh, Tek Chand, Narain Singh, B. L. Gautam, P. C. Jain, Mohan, Shanker, Onkar, M. P. Karan, P. C. Pandey.
- Case No. IT-49 of 1969 re: Basanta
- Case No. IT-50 of 1969 re: Abdul Aziz.

THE PARTIES FURTHER AGREE that the demands contained in the Charter of Demands submitted by the Sangh on 13-11-1969 and which have not been referred to the Arbitrator shall be deemed to have been settled between the parties and the Sangh or the workmen shall not raise any further demand or dispute in regard to these matters.

The parties also agree to maintain industrial harmony and normal production till the operation of the Second Wage Board and during this period they shall not take recourse to any unilateral action which may result in go-slow or deliberate stoppage of work in any form whatsoever.

It is hereby, Agreed that issues No. 1,2,7, 9 and 10 are common both in respect of the Works and the Quarries and therefore, the Award of the Arbitrator in respect of these Issues will be applicable at both the places.

II. Details of the parties to the dispute including the name and address of the establishment or undertaking involved :

Employer : The Jaipur Udyog Ltd., P. O. Phallodi Quarries, Sawaimadhopur, Rajasthan.

III. Name of the workmen in case he himself is involved in the dispute or the name of the Union, if any, representing the workman or workmen in question.

The Cement Works Karamchari Sangh, P. O. Sahunagar, Sawaimadhopur,

IV. Total number of workmen employed in the undertaking affected.

About 1800.

V. Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute.

About 1800.

The arbitrator shall make his award within a period of six months or within such further time as is extended by mutual agreement between the parties in writing. In case the award is not made within the period aforementioned, the reference to arbitration shall stand automatically cancelled and the parties shall be free to negotiate for fresh arbitration.

In witness whereof the parties to this Agreement append their signatures to-day the 22nd December 1971 at Sawaimadhopur in the presence of the witnesses :

Representing the workmen through Cement Works Karamchari Sangh. Representing the Jaipur Udyog Limited.

Sd/- Inder Raj Sharma
President.
Kedar Singh.

Sd/- Ved Leekha,
Sr. Personnel Manager.

WITNESSES :

1. Sd/- Illegible.
2. Sd/- R. K. Goel.

ANNEXURE I

S. No.	Name	Designation	Department
1.	Shri Mool Chand	Carpenter	Phallodi Quarry
2.	„ Basanti Lal	„	„
3.	„ Ram Kishan	„	„
4.	„ Banna Khan	Pump Driver	„
5.	„ Ram Dayal	Fitter	„
6.	„ Prebhoo Ram	„	„
7.	„ Sia Ram Sharma	A. Supervisor	„
8.	„ Mohar Singh	„	„
9.	„ Abdul Rahime Khan	„	„
10.	„ Makhan Singh	„	„
11.	„ Hardutt Singh	„	„
12.	„ Sumire Singh	„	„
13.	„ Ganga Parsad	„	„
14.	„ Sumender Singh	„	„
15.	„ Ram Kirpal Singh	„	„
16.	„ Sumire Singh	Asstt. Welder	„
17.	„ Sukheo	Wireman	„
18.	„ Suresh Chand	Telephone Attnd.	„
19.	„ Ganga Bishan Bhonra	„	„
20.	„ Ram Swaroop Paliwal	Driller	„
21.	„ Bihari Lal Tiwari	Clerk	„
22.	„ Komal Singh	Mate	„
23.	„ S. K. Mishra	„	„
24.	„ Prem Prakash	„	„
25.	„ Krishan Govind	„	„
26.	„ Narain Singh	„	„
27.	„ Hukma-Nathu	Incline Driver	„
28.	„ Madho-Ganga Ram	„	„
29.	„ Ganga Bishan	„	„
30.	„ Dharam Pal	„	„
31.	„ Peer Moham.med.	Blacksmith	„
32.	„ Kalyan Gopal	Helper	„
33.	„ Bhooora-Gainda	Blacksmith	„
34.	„ Gangadhar	Helper	„
35.	„ Mangha-Manna	„	„
36.	„ Bishania-Narain	„	„
37.	„ Bhagirath-Jaisia	„	„
38.	„ Ramzan-Hazari	„	„
39.	„ Sriram-Sukhdeo	„	„
40.	„ Shanker Bheroon Lal	„	„
41.	„ Gokal-Rati Ram	„	„
42.	„ Bajranga-Chanda	„	„
43.	„ Deoraj-Mahendra	„	„
44.	„ Chirnjilal	„	„
45.	„ Ganga Ram-Sukhji	„	„
46.	„ Radhey Kishan—Cuchia	„	„
47.	„ Badulla-Wazira	„	„
48.	„ Mangia Kallu	„	„
49.	„ Brij Mohan Baleshwar	„	„
50.	„ Ram Phool—Ranga	„	„

S. No	Name	Design	Deptt.	S. No.	Name	Design	Deptt.
51.	Shri Moti—Chandra	Helper	Phallodi Quarry	100	Shri Bheroon-Paras Ram	Beldar	Phallodi Quarry
52.	„ Ratna—Chhutter	„	„	101	„ Gopi-Kalyan	„	„
53.	„ Achpal Singh-Prithivisingh	„	„	102	„ Lalu-Chatra	„	„
54.	„ Ram Chander	„	„	103	„ Kalu-Jeevan	„	„
55.	„ Banne	„	„	104.	„ Bheroon-Moola	„	„
56.	„ Bajranga-Gajadhar	„	„	105	„ Bihari-Dalla	„	„
57.	„ Kanhaiya-Konrilal	„	„	106.	„ Ram Dayal Nathu Ram	„	„
58.	„ Gafoor-Fairuddin	Beldar	„	107	„ Raghunath Singh-Bhanwar Singh	„	„
59.	„ Harji-Bhoora	„	„	108.	„ Kesradev Lal	„	„
60.	„ Mallu-Bansi	Sweeper	„	109.	„ Goverdhan	„	„
61	„ Sobhaj Singh	Beldar	„	110	„ Geetam-Munshi	„	„
62	„ Ram Niwas-Manna	„	„	111.	„ Champa Lal-Raghunath	„	„
63	„ Bashire Khan-Nasire Khan	„	„	112	„ Durjan Singh	„	„
64	„ Modu-Chapna	„	„	113.	„ Chhotu-Bishanlal	„	„
65.	„ Nanoo-Deva	„	„	114	„ Ganga Ram-Devi Ram	„	„
66	„ Sukha-Bhoora	„	„	115	„ Ganga Ram-Moolchand	„	„
67.	„ Partapa-Gopal	„	„	116.	„ Narain-Ghasi	„	„
68	„ Panna-Bhoora	„	„	117.	„ Badri	„	„
69	„ Jai Ram—Mangia	„	„	118	„ Mishra Tulsi Ram	„	„
70.	„ Ram Swaroop-Mangi Lal	„	„	119	„ Giasia-Mangla	„	„
71	„ Abdul Isaf	„	„	120	„ Sunder-Tulsa	„	„
72.	„ Bajranga-Girraj	„	„	121.	„ Kesra-Nanga	„	„
73	„ Goverdhan Singh-Dan Singh	„	„	122	„ Pujari-Rambire	„	„
74	„ Poonai-Mangia	„	„	123	„ Jansi-Kishana	„	„
75	„ Guman Singh Morsingh	„	„	124	„ Bishania-Giasia	„	„
76	„ Ratna-Panna	„	„	125	„ Sukhpal-Bajranga	„	„
77.	„ Bhotu Sukha	„	„	126.	„ Gokal-Lumba	„	„
78	„ Nanga-Saria	„	„	127	„ Chhotu-Dhanna	„	„
79.	„ Mittu-Chhoga	„	„	128.	„ Bansi-Dalla	„	„
80	„ Mangi Lal-Bhoora	„	„	129.	„ Partapa-Gopal	„	„
81	„ Chhotu-Dhanna	„	„	130.	„ Chhagan-Chandira	G H Attendant	„
82	„ Dhoolia-Laljece	„	„	131.	„ Dhan Singh	Peon	„
83	„ Hazari-Narain	„	„	132	„ Moti Ram	„	„
84	„ Madan-Kalyan	„	„	ANNEXURE II			
85	„ Deo Lal-Panna	„	„	1.	Shri Sua		
86.	„ Kana-Bulla	„	„	2	„ Har Bhagwan		
87.	„ Bansi-Garasia	„	„	3	„ Manga		
88	„ Chhotey Singh-Chabi Nath Singh	„	„	4	„ Amar Singh		
89.	„ Kanhaiya-Onkar	„	„	5	„ B K Verma		
90.	„ Phoj Pal Singh-Amrit Pal Singh	„	„	6	„ Kedar Singh		
91.	„ Kishan Dass-Raghunath Dass	„	„	7	„ Tek Chand		
92	„ Dattu Ram-Asha Ram	„	„	8.	„ Narain Singh		
93	„ Latoor Raghunath	„	„	9	„ B L. Gautam		
94	„ Parmal Singh-Ghabli Nath Singh	„	„	10	„ P C. Jain		
95.	„ Kesra-Nanga	„	„	11	„ Mohan		
96.	„ Ram Gopal-Anandi Lal	„	„	12	„ Shankar		
97	„ Ram Charan-Kanhaiyalal	„	„	13	„ Onkar		
98	„ Jiwan Singh	„	„	14	„ M P Karan		
99.	„ Subarati Khwajoo	„	„	15.	„ P.C Pandey		
				16	„ Basanta		
				17.	„ Abdul Aziz		
				ANNEXURE III			
				S. No.	Name	Design	Deptt.
				1	Shri Mahabir Singh	S B Attnd.	Phallodi Quarry
				2	„ Shafi Mohammed	„	„

No.	Name	Design.	Deptt.	Sl. No.	Name	Design.	Deptt.
3	Shri Jagidhchand	Electrician	Phallodi Quarry	63.	Shri Kastoor Chand	Helper	Phallodi Quarry
4.	„ Ahanwar Singh	S.B. Attdt.	„	64.	„ Chhitter-Moolia	„	„
5.	„ Madan	Driller	„	65.	„ Raghunath	„	„
6.	„ Misharia	„	„	66.	„ Jabrudin	„	„
7.	„ Bajranga S/o Sonin	„	„	67.	„ Moolia	„	„
8.	„ Hazari	„	„	68.	„ Gyarsia	„	„
9.	„ Bhanwar	„	„	69.	„ Prabhu	„	„
10.	„ Dhoolia	„	„	70.	„ Mool Singh	„	„
11.	„ Onkar	*	„	71.	„ Ram Pal	„	„
12.	„ Hira S/o Chandra	H. Drill Op.	„	72.	„ Jagan Nath	„	„
13.	„ Bhagwati Pd.	Asstt. Supervisor	„	73.	„ Raghunath	„	„
14.	„ Gopal	Pump Attdt.	„	74.	„ Ramchander	„	„
15.	„ Nand Singh	W&W Jamadar.	„	75.	„ Kanjee	„	„
16.	„ Suraj Pal Singh	Asstt. Supervisor	„	76.	„ Devia	„	„
17.	„ Ramesh Chand	Traxcavator Opr.	„	77.	„ Phooljee	„	„
18.	„ Ram Kishan	Ftr.	„	78.	„ Bajranga	„	„
19.	„ Madho	„	„	79.	„ Kishna	„	„
20.	„ Sawai Singh	Jeep Driver	„	80.	„ Kajod	„	„
21.	„ Kapoor Singh	Dumper Opr.	„	81.	„ Sukhji-Mohan	„	„
22.	„ Navrang Pal	„	„	82.	„ Moti-Bhoora	„	„
23.	„ Bhagwan Dass	Comp. Driver	„	83.	„ Noora-Alladin	„	„
24.	„ Rajab Ali	Pump Driver	„	84.	„ Bhim Singh	Watchman	„
25.	„ Ram Chander	„	„	85.	„ Lal Singh	„	„
26.	„ Chandra	Blaster	„	86.	„ Kalyan Singh I	„	„
27.	„ Ram Niwas	Carpenter	„	87.	„ Bheroon Singh	„	„
28.	„ Mohd. Shakoor	Electrician	„	88.	„ Ranbir Singh	„	„
29.	„ Tilak Raj	„	„	89.	„ Jagan Nath	„	„
30.	„ Baboo Singh	„	„	90.	„ Samod Chand	„	„
31.	„ Opinder Singh	Ambulance Driver	„	91.	„ Roop Nalain	„	„
32.	„ Rama	Driver/F. Mill	„	92.	„ Ram Prasad	„	„
33.	„ Hardev	Incline Driver	„	93.	„ Roop Singh	„	„
34.	„ Har Narain	„	„	94.	„ Shambhoo Singh	„	„
35.	„ Chander Prakash	Loco Driver	„	95.	„ Sanman Singh	„	„
36.	„ Karam Singh	Fitter	„	96.	„ Hari Dutt	„	„
37.	„ Satoop Singh	Comp. Driver	„	97.	„ Madan Singh	„	„
38.	„ Jai Bhadur Singh	Fir.	„	98.	„ Gopal Singh	„	„
39.	„ Sukh Ram	Fitter	„	99.	„ Bhanwar Singh II	„	„
40.	„ Saloo Khan	H. Drill. Opr.	„	100.	„ Roop Kishore	„	„
41.	„ Gopal	Driller	„	101.	„ Ajit Singh	„	„
42.	„ Wafati Khan	H. Drill Opr.	„	102.	„ Deen Dayal	„	„
43.	„ Radha Kishan	Driller	„	103.	„ Johar Singh	Beldar	„
44.	„ Ram Dewa	„	„	104.	„ Mahavir Pd.	Watchman	„
45.	„ Badri-Bajranga	H. Drill Opr.	„	105.	„ Devi Singh	Pcon	„
46.	„ Shakoor	Driller	„	106.	„ Bhagwat Singh	„	„
47.	„ Surjan	H. Drill Opr.	„	107.	„ Kalyana	„	„
48.	„ Hazari Ramzani	„	„	108.	„ Bhanwar Singh	„	„
49.	„ Jagannath	Trolley Line Mistry	„	109.	„ Sunder Lal	Mail Runner	„
50.	„ Shrilal	Blacksmith	„	110.	„ Kesar Singh	Disp. Boy	„
51.	„ Munir Khan	„	„	111.	„ Smt. Jamna	Dai/Ayah	„
52.	„ Ibrahim	„	„	112.	„ Tulsan Bai	Creche Attdt.	„
53.	„ Mchaiban Singh	Asstt. Supr.	„	113.	„ Dakhoori	„	„
54.	„ Bhanwaria	Khalasi	„	114.	Shri Damodar	Cook	„
55.	„ Karam Chand	Kh. Jamadar	„	115.	„ Prabhoo	Cook	„
56.	„ Gyarsia	Pump Attdt.	„	116.	„ Vishwanath	Guest House Attd.	„
57.	„ Bajrang Lal	Sample Boy	„	117.	„ Hakam Singh	Tractor Driver	„
58.	„ Dasrath Singh	„	„	118.	„ Sher Singh	Tractor Driver	„
59.	„ Shudhakar Mishra	Helper	„	119.	„ Jai Singh	Explosive Van Dr.	„
60.	„ Harnath-Baldeo	„	„	120.	„ Arjun Singh	Driver	„
61.	„ Bajranga-Bhoora	Helper	„	121.	„ Prahlad	„	„
62.	„ Goroo-Deva	„	„				

S. No.	Name	Designation	Deptt.	161. Shri Kulwant Singh	Turner	Phollodi Quarry
122.	Shri Moti-Onkar	Mason	Phallodi Quarry			
123.	„ Peer Mohd.	„	„	162. „ Prabhoo	Dump. Opr.	„
124.	„ Konwar-Onkar	Driller	„			
125.	„ Bhuora-Narain	Khalasi	„			
					TRUE COPY	
					ANNEXURE IV	
126.	„ Moti-Bheroon	„	„			
127.	„ Bhonru-Phahu	„	„			
128.	„ Nathia-Kalu	„	„	A. DUST ALLOWANCE		
129.	„ Ganga Ram	„	„	Categories/Departments:	1. Drilling.	
130.	„ Mool Chand	Ftr.	„		2. Crusher.	
131.	„ Girdhari Lal	„	„		3. Dumper.	
132.	„ Saída	Asstt. Ftr.	„		4. Shovel.	
133.	„ Chauthmal	„	„		5. Bulldozer.	
134.	„ Musharaf Hussain	Asstt. Pipe Ftr.	„		6. Wagon Shunting & Dressing.	
135.	„ Bhanwar Singh	Dumper Opr.	„		7. Coal Siding.	
136.	„ Hira Singh	„	„		8. Gypsum Siding.	
137.	„ Bajranga-Amra	Bulldozer Opr.	„		9. Packing House.	
138.	„ Bhawani Singh	Jeep Driver	„		10. Drag Chain (Kilns)	
139.	„ Mod Singh	Truck Driver	„		11. Maintenance.	
140.	„ Bhanwar Singh	„	„		12. Crane.	
141.	„ Arjun Singh	„	„	B. EQUIPMENT ALLOWANCE		
142.	„ Radhey Shyam	Driver	„	Categories/Departments:	1. Dumper.	
143.	„ Balkeshwar Pd.	Relieving Driver	„		2. Shovel.	
144.	„ Nathu-Gopal	Tractor Driver	„		3. Bulldozer.	
145.	„ Mangia-Jeewan	Comp. Driver	„		4. Loco.	
146.	„ Amia-Khema	„	„		5. Drilling.	
147.	„ Devilal	„	„	C. SEASONAL UNIFORMS :		
148.	„ Ramniwas	„	„		1. Sweepers.	
149.	„ Radha Saran Dube	Pump Atttd.	„		2. Drivers/Operators.	
150.	„ Buletan Singh	„	„		3. Crusher Attendants/Helpers Motorman.	
151.	„ Hazari	Flour Mill Driver	„		4. Pump Attendant.	
152.	„ Ram Dewa-Kaloo	Turner	„		5. Pointsman/Shunters.	
153.	„ Jaswant Singh	Tele. Opr.	„		6. Sample Boy/Issue Boys and Canteen Boys.	
154.	„ Ram Kishan	„	„		7. Electricians/Helpers.	
155.	„ Ibrahim.	„	„		8. Drillers/Helpers.	
156.	„ Moti-Tunda	D. D. Opr.	„		9. Blacksmith/Helpers.	
157.	„ Onkar-Ganga Ram	„	„		10. Mechanic/Fitters/Helpers.	
158.	„ Jai Singh	T. L. Mistry	„		11. Turners/Helpers.	
159.	„ Roshanlal	Shovel Opr.	„		12. Greasers.	
160.	„ Mangilal	„	„		13. Welder/Helpers.	
					14. Moulder/Moulder Maz.	

ANNEXURE 'B'
THE JAIPUR UDYOG LIMITED
Sawaimadhopur

Sl. No.	Present Designation	Present Grade Range	Job Description	Proposed designation.	Proposed Grade Range	Requirements for eligibility to different grades subject to availability of vacancies
1	2	3	4	5	6	7
For Cement Works and Quarries						
1. Peon.		DE	Office peon carries papers from place to place and does other misc. work.	Peon	DE	Grade D—Literate, at least ten years of satisfactory service in the Company
2. Watchman.		DE	Engaged in Watch & Ward work. Does gate duties, patrolling night watches etc.	Watchman	DE	Grade D—Literate, at least ten years of satisfactory service in the Company. In the case of ex-service personnel, the apptt. will be made on his possessing good physique and appearance, he shall be entitled for D grade after completion of 5 years service.

1	2	3	4	5	6	7
3. All categories of Mazdoors (as per Annexure 'A').	DE	Attached to the Attnds/Operators of M/c's or skilled heads such as Fitter, Welder, etc. Engaged in cleaning of m/c's or panel boards.	Mazdoor	DE	Grade D—Literate, at least 10 years of satisfactory service in the Company. All Mazdoor posts will be interchangeable between/within dep'ts. as per Management's requirement.	
4. All categories of Helpers.	DF	Do.	Do	DF	Do.	
5. Gardener Beldar / Gardeners.	E	Preparation of flower beds, seeds, sowing, plantation, preparation of lawns, maint. of above plant propagation etc.	Gardener	DI	Grade D—Literate, at least 10 years of satisfactory service in the Company.	
6. Khalasi Beldar / Khalasi.	L	Engaged in heavy work such as moving, lifting, dismantling or erecting of machinery with the help of pulleys & chain blocks.	Khalasi Beldar/ Khalasi.	CDE	Grade D—Literate, at least ten years of satisfactory service in the Co. Grade C—at least 7 years satisfactory service in grade D and should have complete knowledge of the use of all types of hoisting equipments.	
7. Pointsmen	I	Changes points in the permanent way, cleans, greases points. Does signalling in shunting operation, couples and decouples the locomotive and wagons.	Pointsmen	DI	Grade D—Literate, at least ten years of satisfactory service in the Company.	
8. Sample Boy	DE	Collects proper samples of materials (Cement, Clinker, raw materials, slurry) for the laboratory from different points in the factory at different intervals.	Sampleboy	DF	Grade D—Literate, at least 10 years of satisfactory service in the Company.	
9. Dragging Greaser	D	Helps in attaching dragchains and ensuring smooth conveying of clinker.	Mazdoor	DE	Same as in case of Mazdoors at Sl. No. 3 above.	
10. Beldar	E	Engaged in removing and lifting etc. of material from one place to another. Cleaning/ Unloading/stacking/breaking/ digging and misc. jobs.	Beldar	E		
11. Cleaners (Workshop & Loco).	E	Engaged in cleaning and oiling of Workshop machine and Locos	Mazdoor	DE	Grade D—Literate, at least 10 years of satisfactory service in the Company.	
12. Horizontal & Cross Belt Beldars.	E	Same as Beldars	Beldars	E		
13. Laminated Conveyor & Hopper Beldars.	E	Do	Beldar	I		
14. Shunting Beldars.	I	Engaged in shunting of BG & MG wagons manually.	Mazdoor	DF	Grade D—Literate, at least 10 years of satisfactory service in the Company.	
15. Stitching and Stacking Beldars.	I	Same as Beldars.	Beldar	L		
16. Cleaning Beldars.	E	Do.	Beldar	L		
17. Sweeper.	E	Does sweeping, cleaning and scrubbing of houses, building and road, cleans and keeps in order the lavatories.	Sweeper	E		
18. Greaser/Kiln Greaser/Oilman/Crusher Oilman/Kiln Oilman.	D	Cleans, oils and greases plant and machinery.	Oilman	DF	Grade D—Literate, at least 10 years of satisfactory service in the Company.	
19. Watch and Ward Jamadar.	CD	In charge of a group of watchmen, Ensures that they are in their proper place of duty at the proper time.	Watch & Ward Jamadar			
20. Mate/Sweeper Jamadar.	CDF	Supervising and directing the work of groups of Beldars.	Mate	CD	Literate with at least 7 yrs. of satisfactory service to C grade. Quality of leadership essential.	
21. All categories of Attendants/Asstt. Attendants.	ABCD	Looks after running machinery regulate feed and attend to starting and stopping of machinery.	Machinery Attendant	ABC	Literate, Grade B—at least 5 years of satisfactory service in grade C. Grade A—At least 5 years of satisfactory service in Grade B.	

1	2	3	4	5	6	7
22.	Switchboard Attndt/ Asstt. Switch Board Attendant.	ABC	Responsible for the operation of transformers & controls the main Switch Board at the turbine house watching motors to ensure proper voltage supply to different sections of the factory. Record the different meter readings & sees there is no overloading.	Switch Board Attendant/ Asstt. Switch Board Attndt.	ABC	At least 5 yrs experience of handling high tension switch gears for grade B—For Grade A, another 5 yrs satisfactory service in grade B and should also be able to synchronise alternators independently.
23.	Turner Junior Turner	ABCD	Fashions metal articles according to specifications and drawings within close tolerances, using machine tools.	Turner/Jr. Turner	ABC	Should be literate. For grade B at least 5 years experience and for grade A another at least 5 years of satisfactory service in grade B. Further he should know cutting speeds and feeds of tools and depth of cut on different materials and should be well versed in the use of inside and outside calipers micro-meters, vernier and other precision instrument and know the use of gauges. Should also know to temper and grind all lathe tools. Knowledge of drawings essential.
24.	Shaperman/ Machinist/Planer Opr./Saw M/c. Operator/Threading M/c. operator Milling M/c. Operator.	ABCD	Fashions metal on shaping, planing, slotting bearing and milling machines.	Machinist	ABC	Should be literate. For grade B, at least 5 years of experience and for grade A, another at least 5 years of satisfactory service in grade B and ability to set machine for job.
25.	Driller/Jr. Driller	ABCD	Drills holes using machine drill.	Driller	ABC	Should be literate. For grade B, atleast 5 years experience and ability to operate both portable & stationery drills.
26.	Fitter/Asstt. Ftr/ Jr. Ftr./Turbine Ftr./Shift Fitter/ Head Fitter/Stencil Cutter/Asstt. Pipe Ftr.	ABCD	Prepares metal parts to specification by grinding filing, sawing scraping, chipping etc. Assembles parts or prepared or traces faults in plant or m/c. and carries out alternations and repairs.	Fitter/Asstt. Fitter	ABC	Should be literate. For grade B, atleast 5 years experience. For grade A, another atleast 5 Yrs. satisfactory service in grade B. Further should file within one then, read ordinary blue prints, do ordinary calculations and be able to mark off parts and also be conversant with the use of such tools and micrometer, verniers, and calipers etc.
27.	Welder /Jr. Welder	ABC	Welds together or cuts metal parts by gas or electric welding process.	Welder/Asstt. Welder	ABC	Should be literate. For grade B, atleast 5 years experience. For grade A, another atleast 5 years satisfactory service in grade B. Further should be able to do both gas and all position electrical welding, and cutting, be conversant with the composition and use and application of different type of electrodes and the operation of welding m/cs. should normally be able to understand ordinary drawings.
28.	Blacksmith	ABC	Heats metal bars, Plates, rods etc. in a force and hammers into shape on anvil or metal block. Is able to do allied work such as rivetting, cutting by chisels, bending, fitting, and shaping metal parts, either hot or cold, operates power hammers.	Blacksmith	ABC	Should be literate. For grade B, atleast 5 years experience. For grade A, another atleast 5 years satisfactory service in Grade B. Further should be able to read blue prints, be well versed in the use of all types of tools normally required in a smithy and conversant with smithy m/cs, such as pneumatic hammers etc.
29.	Electrician/ Jr. Electrician.	ABC	Maintains lighting and power fittings, electricians/fixes wires for motor and controls gear and does repairs and ensures the efficient performance of Elec. Plant and machinery.	Electrician/ Asstt. Electrician	ABC	Should be literate. For grade B, atleast 5 years experience. For grade A, another atleast 5 years satisfactory service in grade B and should be conversant with electrical circuit diagrams and independently localise electrical faults in Control panels.
30.	Wireman/Jr. Wireman.	CD	Undertakes indoor wiring for Lighting & Power.	Wireman, Asstt. Wireman.	C	Should be literate

1	2	3	4	5	6	7
31. Lineman/Jr. Lineman.	ABCD	Fixes overhead outdoor electric mains and cables. Repairs overhead transmission and distribution lines	Lineman Asstt. Lineman.	ABC	Should be literate. For grade B, atleast 5 years experience. For grade A, atleast 5 years satisfactory service in grade B.	
32. Armature winder/Jr. Armature winder	ABCD	Dismantles and rewinds any armature or commutator.	Armature Winder/Asstt. Armature winder	ABC	Should be literate. For grade B, atleast 5 years experience. For grade A, another atleast 5 years satisfactory service in grade B. Further should have knowledge of different winding connections as regards electric motors and generator. Conversant with wiring diagrams and strips and commutator winding.	
33. Motor-Man	CD	Starts and stops electric motors in the Plant and looks after their working, cleans and greases the motors	Motor-Man	CD	Should be literate. Grade C, after atleast 7 years satisfactory service in Grade B.	
34. Earthmoving Machine Opi. Bulldozer Opi. Excavator Opi. Dumper Opi./Shovel Opi.	ABC	Operators heavy duty vehicles such as Bulldozer earthmoving etc. (Tare weight of vehicles more than 8.2 tonnes) M/c. Opi. keeps the vehicle clean and does running repairs.	Earthmoving M.c. Opi.	ABC	Should be literate and possess licence of driving heavy vehicles. For grade B, atleast 5 years experience. For grade A, another atleast 5 years satisfactory service in grade B.	
35. Truck driver/Jumbo crane driver/Fork lift driver.	BC	Operates medium duty vehicles such as truck, Jumbo crane etc. (Tare weight of vehicles between 3 & 8.2 tonnes) keeps the vehicles clean & does running repair.	Medium Vehicles Driver	ABC	Should be literate and possess licence of driving medium vehicles. For grade B, atleast 5 years experience. For grade A, another atleast 5 years satisfactory service in grade B.	
36. Jeep Driver/Driver/Tractor Driver/Ambulance Driver/Explosive van driver/Relieving driver.	ABCD	Drives light duty vehicles such as car/Jeep, tractor etc. (Tare weight of vehicles less than 5 tonnes) keeps the vehicles clean and does running repairs.	Driver	ABC	Should be literate and possess driving licence. For grade B, atleast 5 years experience. For grade A, atleast 5 years satisfactory service in grade B.	
37. Mechanic/Diesel Mechanic/Jr. Mechanic.	ABC	Overhauls motor vehicles and carries out servicing repairs	Automobile Mechanic	ABC	Should be literate. For grade B, atleast 5 years experience. For grade A, another atleast 5 years satisfactory service in grade B and further should have thorough knowledge of all kinds of vehicles both diesel and gasoline.	
38. Crane Driver/Jr. Crane Driver.	ABC	Operates stationary or mobile overhead crane to transport materials in the Factory. Carries out maint. & minor repairs.	Crane Driver	ABC	Should be literate. Atleast 5 years satisfactory service in grade C for grade B. Another atleast 5 years satisfactory service in grade B for grade A and should be well conversant with different parts of crane, and should have also some knowledge of minor repairs and maintenance.	
39. Carpenter	ABCD	Undertakes any wood work, makes and puts into position doors, windows, frames, etc. makes furnitures, operates planning and sawing m/c.	Carpenter	ABC	Should be literate. For grade B atleast 5 years experience in the post. For grade A, another 5 years of satisfactory service in grade B and should also be able to read blue prints, have knowledge of the use of different type of timbers, be fully conversant with the use of various machines such as wood working saws, planners, etc. be a first class cabinet maker and joiner and have knowledge of preparation and use of wood polishes.	
40. Telephone Opr./Telephone Attndt.	BCD	Attends PBX and local exchange gives the required connections.	Telephone Operator	BC	Should be literate, atleast 5 years of experience for promotion to grade B.	
41. Mason	ABCD	Undertakes building masonry and repair work.	Mason	ABC	Should be literate. Grade B, after atleast 5 years satisfactory service in grade C. Grade A, after atleast 5 years of satisfactory service in grade B and should also be able to do concrete/ refractory brick or other lining of kuns and chimney and construction repair of furnaces, chimneys and buildings.	

1	2	3	4	5	6	7
1. Mason						of kilns, and chimney and construction/repair of furnaces, Chimneys and buildings.
2. Khalasi Jamadar/ Asstt. Khalasi Jama- dar.	A B	Supervises the work of Khalasi Gang.	Khalasi Jama- dar/Asstt. Kh. Jamadar.	ABC		should be literate. for grade B, atleast 5 years. Satisfactory service in grade C. for grade A, atleast 5 yrs. satisfactory service in grade B should also be able to control a gang of Khalasis and should be able to ensure safe handling of heavy machines for erection and repairs.
3. Millers / Asstt. Mil- lers.	A B C	Attends to the running and maint of mills, cement, raw. coal. Is responsible for maint. of proper feed in the mill, keeping suitable fineness of ground materials as required by the laboratory and attending to proper working of the mills auxiliaries. Keep liaison between laboratory and mill house as regards control of moisture inslurry, temperature and fineness of the materials ground.	Miller, Asstt. Miller.	A B C		Should be literate. Grade B after atleast 5 years of satisfactory service in grade C. Grade A after atleast 5 years of satisfactory service in grade B and should be well conversant with the operations of various type of milles.
PR. QUARRIES ONLY :						
1. Driller/Diamond Drill operator.	C D	Operate diamond and light drills and bore holes in quarry surface for blasting purposes.	Driller.	D C		Should be literate and possess atleast 7 years of experience for promotion to grade C.
2. Halco/Heavy Operator.	A B C	Operates heavy drills.	Heavy Drill Opr.	A B C		Should be literate. For grade B, atleast 5 years experience For grade A, atleast 5 years experience in grade B, with knowledge of operating all types of drills in all positions and type and tools etc.
46. Incline Driver	A B C	Operates Incline	Incline Driver	A B C		Should be literate. For grade B, atleast 5 years experience. in grade C. For grade A atleast 5 years satisfactory service in grade B.
47. Blasters	B C	Charges the drill holes with the required amount of explosives (as directed by the Supervisor/Foreman) and ignites through fuse. Takes necessary safety precautions.	Blaster	B C		Should be literate and hold Blaster's certificate. For grade B, atleast 5 years experience in the post.
48. Loco Driver	A B C	Operates the trolley loco.	Trolley Loco Driver.	A B C		Should be literate. For grade B, atleast 5 years satisfactory service in grade C. For grade A, atleast 5 years satisfactory service in grade B. Should also have thorough knowledge of Loco parts and should be able to do minor repair and maint.
49. Trolley Line Mistry.	C D	Supervises gangman engaged in laying and maintaining the trolley lines, Gauges and fixes crossings, points curves and gradients in the track. Works under direction of Supervisor/Foreman.	Trolley Line Mistry.	C		Should be literate and possess quality of leadership.
50. Asstt. Supervisor/ Mining Mates.	C	Assists Quarry Foreman in supervising the Mining Works.	Mining Mate	II, I, (Staff Grade)		Should hold mining Mate Certificate. Ten years service for promotion to grade II.

Note:—Promotion in the light of above said norms will be effected as and when a vacancy exists in a particular post from the existing strength.

(I) Categories of "Mazdoors" to be placed in 'D' grade as per Norms laid—

Turbine Mazdoor
Feed Water Mazdoor
Trolley Line Mazdoor
Moulding Mazdoor
Loco Mazdoor
Carpenter Mazdoor
Painter Mazdoor
Wagon Tippler Mazdoor
Winch Mazdoor
Slurry Silo Mazdoor
Elevator Mazdoor
Slurry Feed Mazdoor
Slurry Warm Conveyor Mazdoor
Bulldozer Mazdoor
Pump Mazdoor
Water Supply Mazdoor
Shift Mazdoor
Flour Mill Mazdoor
Fitter Mazdoor
Welder Mazdoor
Coal Mill Mazdoor

(II) Categories of "Mazdoors" to be in 'E' grade—

Condenser Cleaning Mazdoor
Soiler Cleaning Mazdoor
Workshop Mazdoor
Mazdoor Metal Chaser
Push Feed Mazdoor
Screen Plant Mazdoor
Rubber Belt Mazdoor
Feed Table Mazdoor
Hopper Mazdoor
Coal Rubber Belt Mazdoor
Coal Hopper Mazdoor
Folex Cooler outlet Mazdoor
Cooler Mazdoor
Kiln Platform Mazdoor
D.C. & F.C. Mazdoor

New appoint in these posts will be of "Beldars". However, for those who are presently working on above operations and are designated as Mazdoors and/or are in 'D' grade, statusquo will be maintained.

The jobs specified in 'I' above fall in category 'D' and in 'II' above in category 'E'. Those working on jobs given in these categories shall continue to work or shall be fixed accordingly. In the case of category 'E', Mazdoors shall however, be eligible for promotion in category 'I' above i.e. 'D' provided put in 10 years satisfactory service.

ANNEXURE 'C'

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

(Form H)

Name of the Parties :

Representing Employers :

The Jaipur Udyog Ltd., Sawaimadhopur.

1. Shri S. S. Kothari Chief Executive (Works)
2. Shri Ved Leekha, Senior Personnel Manager.

Representing Workmen:

Through Cement Works Karmachari Sangh, Sawaimadhopur.

1. Shri Inder Raj Sharma, President,
2. Shri Naurang Pal Vice President (Q)
3. Shri R. S. Soni Official of the Union

Short Recital of the Case :

Disputes relating to (i) bonus for the Accounting years 1964-65, 1965-66, 1966-67, 1967-68 and 1968-69 and (ii) suspension and permission for dismissal of 198 workmen of the contractor in the Packing House/Plant under Sec. 33(i)(b) of the Industrial Disputes Act 1947, presently pending among other disputes, before Shri Mohanlalji Sukhadia, Arbitrator, Vide Arbitration Agreement dated 28-9-1971 in respect of works and dated 22-12-1971 in respect of quarries (Phallodi Bajrakho/Bheronpura).

Terms of Settlement:

In pursuance of the intention to build sound industrial relations in the undertaking and with a view to maintain peace in the industry on a stable basis, the parties to the dispute i.e., Messrs. The Jaipur Udyog Limited, Sawaimadhopur (hereinafter referred to as "Company") and their workmen represented through the Cement Works Karmachari Sangh, Sawaimadhopur (hereinafter referred to as "Sangh") agree to the following terms of agreement on the disputes mentioned above:

1. The Company for the purpose of long term peace and good industrial relations agree to distribute exgratia amounting to Rs. 8 lakhs for the accounting years 1964-65, 1965-66, 1966-67, 1967-68 and 1968-69.

2. The above state ex gratia amount shall be paid in a period of three years in the manner indicated below, looking to the financial burden on the company.

1973-74	2.5 lakhs
1974-75	2.5 lakhs
1975-76	3.0 lakhs

3. The exgratia payments shall be payable to all employees of the company who are eligible to receive bonus during the relevant bonus years, in accordance with the provisions of the payment of Bonus Act 1965, to be distributed equally amongst all eligible employees on rolls of the company during the period of five years referred to above, i.e., the total amount being divided by the number of eligible employees irrespective of the pay drawn by them. Only proportionate payment will, however, be made to those employees who were not on rolls of the company during the full period of five years in question.

4. The 198 workmen of the ex-contractor of the packing plant who were members of the Provident Fund under the Employees' Provident Fund Act, 1952 shall be paid retrenchment benefit for the service rendered up to the date of their suspension that is, 19/20th July 1968 reckoned from the date one year prior to their enrolment as P.F. members, in accordance with Section 25(F) of the Industrial Disputes Act, 1947. In case, however, the workman can establish continuity of service by a documentary evidence, retrenchment benefit for the past service will also be payable to him.

5. The Company further agrees as gesture of goodwill to give fresh employment to such of the workman out of the list of 198 workman referred in item 4 above who were engaged with the ex-contractor in the packing house and who had put in service over 5 years reckoned from the date one year prior to their enrolment as P.F. members, in 2 years period i.e. 1972-73 and 1973-74. The first batch of 25 out of total 51 workman would be taken in 1972-73 against vacancies available anywhere in the company where these workman can be suitably fitted in, looking to their adoptability and previous experience.

6. The Company further assures that in case fresh recruitments are made in the undertaking they will give preference to the retrenched workmen.

7. In the context of this background in which this agreement is being signed both the Company and the Sangh undertake that industrial peace would be maintained for a period of 4 years from the date of signing of this agreement and would not resort to activities which may result in any

form of strike or lock-out, slowdown or cessation of work, but would settle differences, if any, arising during this period by mutual discussions and by bipartite consultative machinery shall be set up to promote amity, goodwill, and mutual trust between the parties. In the event of either parties resorting to action of strike or lock-out or go slow or cessation of work, this agreement shall stand revoked.

8. In view of this agreement the issue Nos. 1, 2 and 4 referred to in the arbitration agreement dated 28th September 1971 pertaining to the Cement Works and issues 1 and 2 pertaining to the arbitration agreement dated 22-12-1971 pertaining to Phalodi, Bairakho and Bheronpura quarries of the company are resolved fully and finally. The company and the Sangh accordingly approach the arbitrator to pass his award in terms of this agreement.

Signed by the parties this 6th day of September, 1972 at Bangalore.

SIGNATURE OF THE PARTIES

WITNESSES

REPRESENTING EMPLOYERS:

Sd/(Brij Sunder Sharma) Sd/(S. S. Kothari)
Sd/(Ganga Lahri Pareek) Sd/(Ved Leekha)
Sd/(K. L. Jain)

REPRESENTING WORKMEN:

Sd/(Inder Raj Sharma)
Sd/(Naurang Pal)
Sd/(R. S. Soni)

Signed in my presence :

Sd (N. K. Joshi)
Labour Commissioner Rajasthan
6-9-1972.

ANNEXURE 'D'

Issue No. 10

UNIFORM AND OTHER AMENITIES

PHALLODI QUARRIES

Dept./Category	Existing Entitlement	Revised Entitlement	Difference + Fresh entitlement —Disentitlement
(i) Watch & Ward Jamadar, Watchmen	(i) One great coat once in five years. (ii) One woollen jersey once in five years. (iii) Full sleeve shirt and Pant 2 sets yearly. (iv) Ankle boots—one pair yearly	(i) Close collar Tunic—2 sets yearly. (ii) Pants 2 yearly. (iii) Boots once in 2 yrs. (iv) Shorts 2 yearly. (v) Great coat to be kept in Pool P.T. Shoes —one pair yly.	—Woollen Jersey —(Gt. Coat to be provided in Pool) +Shorts +P.T. Shoes.
Phalodi Quarry (Contd.)			
(ii) Peons	(i) Woollen pant & Coat one set once in 3 years. (ii) Bushirts & Pants 2 sets yearly. (iii) Shoe and socks allowance Rs. 16.80 yearly.	..	Peons will continue to get the existing facilities.
(iii) Compounders	(i) Half sleeve bushirts & pants 4 sets yearly.	(i) Pant & Shirts 2 sets yearly.	—Pants & Shirts.
(iv) Dressers	..	(i) Pants & Shirts 2 sets yearly.	+ Pants & Shirts.
(v) Jeep Drivers	(i) Woollen coat & Trousers one set once in 3 years. (ii) Full sleeve shirt and Pant 2 sets yearly.	..	Jeep Drivers will continue to get the existing facilities.
(vi) Rest House Boys (SWM)	(i) Pant, Coat & Cap 2 sets yearly.	(i) Pants & Shirts 2 sets yrlly.	..
(vii) Cook (Canteen)	Aprons 2 yearly.	(i) Do.	—Apron. + Pant & Shirt.
(viii) Machinery Att'ds.	..	(i) Do.	+ Pant & Shirts.
(ix) Sweepers	..	(i) Half shirt and pants 2 sets yearly.	+ Half shirt & Pant.
(x) Female sweepers	..	(i) Saree Blouse 2 sets yrlly.	—Saree & Blouse.
(xi) Motor Mechanic	..	(i) Overalls 2 sets yearly.	+ Overalls.
(xii) Welder Asst. Welder	..	(i) Pants & Shirts 2 sets yearly.	+ Pant & Shirts.

Department	Existing entitlement	Revised entitlement	Difference + Fresh entitlement — Disentitlement
QUARRY			
(i) Drillers	(i) One metre cloth p.m. (ii) One cake soap p.m.	(i) Pant & shirts (half sleeve) 2 sets yrly. (ii) Heavy Equip. Allowance to B & C grades of Rs. 0 20, 0 15 & 0 10 to Helco Drill Operators.	— Cloth — Soap + Pant & shirts. + Heavy Equip Allowance to Helco Drill Operators.
(ii) Drill Helpers/Mazdoors	(i) One mtr. cloth p.m. (ii) One cake soap p.m.	(i) One mtr. cloth once in 3 months. (ii) Pant & Shirts (half sleeve) 2 sets yrly.	— Cloth — Soap. + Pant & shirts.
(iii) Bulldozer Operators and their helpers.	(i) One Mtr. cloth p.m. (ii) One cake soap p.m. (iii) One woollen jersey once in 3 yrs	(i) One woollen jersey once in 3 yrs. (ii) Pant & shirts 2 sets yrly. (iii) Heavy Equip. Allowance to A, B & C grades @ Rs. 0.35, 0.25 & 0 15 P. per day respectively.	— Cloth — Soap + Pant & shirt + Heavy Equipment allowance
(iv) Shovel Operators	(i) One mtr. cloth p.m. (ii) One cake soap p.m. (iii) One woollen jersey once in 3 yrs.	(i) One woollen jersey once in 3 yrs. (ii) Pant & shirts 2 sets yrly. (iii) Heavy Equip. Allowance to A, B & C grades @ Rs. 0.35, 0 25 and 0.15 P. per day respectively.	— Cloth — Soap + Pant & shirts — Heavy Equipment Allowance.
(v) Dumper Operator	(i) One mtr. cloth p.m. (ii) One cake soap p.m. (iii) One woollen jersey once 3 yrs.	(i) One woollen jersey once in 3 yrs. (ii) Pants & shirts 2 sets yrly (iii) Heavy Equipment Allowance to A, B & C grades @ Rs. 0.35, 0.25 & 0.15 P per day respectively.	— Cloth — Soap + Pant and shirts. — Heavy Equipment Allowance.
(vi) Khalasies	(i) One mtr. cloth.	(i) Pant & shirts 2 sets yrly. (ii) Ankle boots.	— Cloth + Ankle boots. + Pant and shirt.
(vii) Loco Operators	(i) One woollen jersey in 3 yrs.	(i) Boiler suits 2 sets each yrly. (ii) One woollen jersey once in 3 yrs	+ Boiler suits.
(viii) Greasers/Oilmen	Half shirt & short 2 sets yrly.	(i) Pant & shirts 2 sets yrly.	+ Pant and shirts instead of shirt and short.
(ix) Bedford/Leyland Truck drivers	(i) One mtr. cloth p.m. (ii) One Cake Soap p.m.	(i) Pants & Shirts 2 sets yearly.	— Cloth — Soap. + Pant & Shirt.
(x) Issue Boys	(i) One mtr. cloth p.m. (ii) One Cake Soap p.m. (iii) Woollen pant and coat once in 3 years. (iv) Bushirts & Pant 2 sets yrly. (v) Shoe and socks allowance Rs. 16.80 yearly.		Issue boys will continue to get the existing facilities.
(xi) Beldars working in Stores	(i) One mtr. cloth p.m. (ii) One Cake soap p.m.	..	— Cloth — Soap
(xii) Hospital Nurse-cum-midwife, Creche Nurse & Ayah.	(i) One Cake Soap p.m. (ii) Saree, Blouse & Petticoat 4 sets yearly.	(i) Saree & Blouse 4 sets yearly and one Pr. Canvas Shoes yearly.	— Petticoat + Canvas shoes
Beldars working with fitters at Crusher.	(i) Dust Allowance @ Rs. 5/- p.m.	(i) Boiler suits 2 sets yrly.	—Cloth — Soap
Beldars working at Hoppers to open valve at Crusher.	(i) Cake Soap p.m.	(ii) One mtr. cloth once in 3 months.	— Dust Allowance + Boiler suit.
Fitters & Motormen at Crusher	(ii) One mtr. cloth p.m.		
Mazdoors working inside Crusher.	..	(i) Boiler suits 2 sets yrly. (ii) One mtr. cloth once in 3 months.	+ Boiler suits. + Cloth
Mazdoors working as cleaners motor and lorry.	..	(i) Pants & Shirts 2 sets yearly.	+ Pant & Shirt
Fitters/Asstt. Fitters.	..	(i) Boilers suits 2 sets yrly	+ Boiler suits.

Department	Existing entitlement	Revised entitlement	Difference + Fresh entitlement — Disentitlement
7. Turners/Asstt. Machinist Driller (Workshop) Machine Tool Opi.	..	Pant and shirts 2 sets yrly.	@ Pant and shirts.
8. Mazdoors/Helpers			
(i) Motor Garage	..	Overalls 2 sets yrly	+Overalls.
(ii) Electric Section			
(iii) Diesel Section			
9. Khalasies One metre cloth p.m.		Pant and shirts 2 sets yrly. Ankle boots	— Cloth + Pant and shirts, + Ankle boots.
10. Shift Electricians and Helpers.	..	Pant and shirts 2 sets yrly.	+ Pant and shirt.
11. Mazdoors in Sanitation Gang.	..	Half sleeve shirt & Pants.	+ Pant and shirt.
12. Tractor Driver	(i) Pants and shirts (ii) Woollen jersey once in 3 yrs.	+Pant and shirt. +Woollen jersey
13. Blacksmith and hammermen	..	Boiler Suits.	Boiler Suits.
14. Sample boys	Pant and shirts 2 sets yrly.	+ Pant and shirts.
15. Pointsmen	(i) Woollen jersey once in 3 yrs. (ii) Overalls 2 sets yrly.	+ Woollen jersey. + Overalls.
16. Dispensary boy	Pant and shirts 2 sets yrly.	+ Pant and shirts.
17. Motormen Crusher Dust Allowance @ Rs. 5/-.		Pants and shirts 2 sets yrly.	— Dust Allowance. + Pant and shirts.

[L 29013/8/71/LR-IV]

New Delhi, the 1st August, 1974

AWARD

S.O. 2037.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Guimollem and Cudnom Iron Ore Mines of Messrs Shantilal Khushaldas and Brothers Private Limited, Margao (Goa) and their workmen, which was received by the Central Government on the 26th July, 1974.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY :

Reference No. CGIT-2/14 of 1973

EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT OF GUIMOLLEM AND CUDNOM IRON ORE MINES OF MESSRS SHANTILAL KHUSHALDAS AND BROTHERS PRIVATE LIMITED, MARGAO (GOA)

AND

Their Workmen

Appearances :

For the employers—No appearance on 27-6-74.

For the Workmen—Shri George Vaz, General Secretary, Goa Mining Labour Welfare Union, Goa

INDUSTRY : Iron Ore Mining.

STATE : Goa, Daman and Diu.

By Order No. L-29012/32/75-LR-IV dated 12-11-1973 the Government of India, in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the I.D. Act 1947 (14 of 1947) referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employers in relation to the Management of Guimollem and Cudnom Iron Ore Mines of Messrs Shantilal Khushaldas and Brothers Private Limited, Margao (Goa) and their workmen in respect of the matters specified in the schedule as mentioned below :—

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Curmollem and Cudnom Iron Ore Mines of Messrs Shantilal Khushaldas and Brothers Private Limited, Margao (Goa) was justified in terminating the services of Smt. Saraswati Gauns, Water Carrier? If not, to what relief is she entitled?"

2. The facts giving rise to this reference are as follows :—

(i) Smt. Saraswati Gauns was an employee of Messrs Shantilal Khushaldas and Brothers Private Limited, Margao (Goa) (hereinafter referred to as the company). The company terminated her services as she was found surplus. The Union therefore raised an industrial dispute with the management demanding her reinstatement with continuity of service and back wages. The company did not give any reply. The Union therefore took up the matter with the Assistant Labour Commissioner (C), Vasco-de-Gama. He called both the parties and tried to bring about settlement. As the management did not remain present he made 'ex-parte' failure of conciliation report to the Government. The Government ultimately referred this dispute to this Tribunal for adjudication.

3. On receipt of the reference notices were issued to the parties. In pursuance of the notices both the parties appeared before me and filed their written statements.

4. Shri S. D. Ranade, Labour Officer for the company has filed Written Statement at Ex. 2/E. According to him :—

- (i) As Smt. Saraswati Gauns was found surplus she was informed by letter No. 266/2901/72 dated 2-12-1972 that her services were not required with effect from the date of receipt of the said letter.
- (ii) The date of commencement of employment of Smt. Saraswati Gauns is 16-12-1971 as per 'B' Register of Gurmollem Mines.
- (iii) There is change of ownership of Gurmolem Mine and also Gudnom Mine with effect from 1.1.1974.
- (iv) The termination of services of Smt. Saraswati Gauns is valid and there is no cause of any victimisation as stated by the General Secretary, Goa Mining Labour Welfare Union.
- (v) The action of the company in terminating the services of Smt. Saraswati Gauns is justified. She is not entitled to any relief.

5. Shri George Vaz, General Secretary, Goa Mining Labour Union, Assonora has filed written statement on behalf of Smt. Saraswati at Ex. 1/W. According to him:—

- (i) The termination of services of Smt. Saraswati Gauns amounts to victimisation. It is in violation of Section 25F of the I.D. Act, 1947.
- (ii) She has been victimised because she made complaint against the management for not giving leave though it was in her credit.
- (iii) She should be reinstated with continuity of service and back wages.

6. Smt. Saraswati Gauns has filed affidavit at Ex. 3/W. She has given evidence on oath before me at Ex. 4/W.

7. Transfer order transferring Smt. Saraswati Gauns from Gurmollem Mine to Cudnom Mine with effect from 25-10-1972 is produced at Ex. 5/W. Copy of complaint dated 25-5-1972 made to the Labour Enforcement Officer (C), Ponda and the Regional Labour Commissioner (C), Bombay with a copy to the Joint Director of Mines Safety, Goa Region, Margao is produced at Ex. 6/W. Reply received from the Joint Director of Mines safety Goa Region, Margao is produced at Ex. 7/W. Termination letter is produced at Ex. 8/W.

8. Shri Ranade on behalf of the company has produced one register at Ex. 9/E in cross-examination of Smt. Saraswati Gauns.

9. At the outset it may be noted that Shri Ranade, Labour Officer appeared on behalf of the company and conducted the case cross-examining Smt. Saraswati Gauns on 26-6-1974. After the evidence of Smt. Gauns was over Shri Ranade gave application for adjournment of the case to either on 27th or 29th June, 1974. The reference was accordingly adjourned to 27-6-1974. One that date he did not attend the Court but the company sent a telegram praying for adjournment, but the same was rejected and the arguments advanced by the Union were heard.

10. Points for consideration are as follows :—

- (i) Whether the action of the management of Gurmollem and Cudnom Iron Ore Mines of Messrs Shantilal Khushaldas and Brothers Private Limited, Margao (Goa) was justified in terminating the services of Smt. Saraswati Gauns, Water Carrier?
- (ii) If not what relief is she entitled?
- (iii) What order?

11. My findings are as follows :—

- (i) No.

(ii) Entitled to reinstatement with continuity of service and back wages.

(iii) As per order.

REASONS

Point No. 1

12. It is urged by the Union that the termination of services of Smt. Saraswati Gauns by the company was by way of victimisation because she made complaint against the management for not giving her leave though it was in her credit.

13. Smt. Saraswati Gauns had applied for leave but it appears that the same was not given to her though it was in her credit. On account of this she made a complaint Ex. 6/W to the Labour Enforcement Officer (C), Ponda and the Regional Labour Commissioner (C), Bombay with a copy to the Joint Director of Mine Safety, Goa Region, Margao. The Joint Director of Mines Safety, Goa Region, Margao made enquiry with the management and informed her by reply Ex. 7/W that leave was not sanctioned by the management because she had not submitted leave application in due time as prescribed under Section 49(5) of the Mines Act, 1952. In view of this reply it cannot be said that the company terminated her services because she had made complaint for not giving her leave.

14. It is urged by the Union that the termination of services of Smt. Saraswati Gauns by the management by letter dated 2-12-1972 Ex.8/W amounts to retrenchment.

15. Termination letter Ex. 8/W given to Smt. Saraswati Gauns is as follows :—

"In view of reorganisation you have been found surplus and as such your services are not required with effect from the date of receipt by you of this letter.

You will be paid two weeks wages in lieu of notice and also compensation of Rs. 105 (Rupees one hundred and five only).

You are required to collect your final dues after producing necessary clearance certificate from your superiors."

16. It is clear from the above mentioned letter that Smt. Gauns was found surplus while making reorganisation and that on account of this her services were terminated.

* 17. Definition of retrenchment given in Section 2(oo) of the I.D. Act, 1947 is as follows :—

"retrenchment' means the termination by the employer of the service of a workman for any reason whatsoever otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action, but does not include—

- (a) Voluntary retirement of the workman; or
- (b) retirement of the workman on reaching the age of superannuation of the contract of employment between the employer and the workman concerned contains a stipulation in that behalf; or
- (c) termination of the service of a workman on the ground of continued ill-health;"

18. In the present case it is clear from the letter Ex. 8/W that the services Smt. Saraswati Gauns were terminated because she was found surplus and not by way of punishment. It is therefore clear that her termination of services by the management amounts to retrenchment.

19. It is urged by the Union that the retrenchment of the services of Smt. Gauns by the company is not justified as the company has violated the provisions of Section 25F and 25C of the I.D. Act.

20. Section 25F of the I.D. Act is as follows:—

"Conditions precedent to retrenchment of workmen—

No workman employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under an employer shall be retrenched by that employer until—

- (a) the workman has been given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment and the period of notice has expired or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice:

Provided that no such notice shall be necessary, if the retrenchment is under an agreement which specified a date for the termination of service;

- (b) the workman has been paid, at the time of retrenchment, compensation which shall be equivalent to fifteen days' average pay for every completed year of continuous service or any part thereof in excess of six months; and
- (c) notice in the prescribed manner is served on the appropriate Government or such authority as may be specified by the appropriate Government by notification in the official Gazette."

21. It is clear from the above mentioned provisions that no workman employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under an employer shall be retrenched by that employer unless the provisions of 25F(a)(b) and (c) are complied with.

22. It appears from the contention raised by the company in the written statement Ex. 2/E that Smt. Saraswati Gauns has put in less than one year's service at the time of retrenchment as her date of commencement of service according to the contentions in the written statement is 16-12-1971. In support of this contention Shri Ranade has produced a register at Ex. 9/E. In this register against the name of Smt. Gauns it is shown in the column 'date of commencement of employment' as 16-12-1971. In the column of signature or thumb impression of employee there is one thumb mark. Smt. Gauns in her cross-examinations says that she cannot say whether the thumb mark shown to her is her. As she does not admit this thumb mark it was the duty of the management to prove this thumb mark by adducing independent evidence. The company has not adduced any evidence. There is no counter statement against the sworn testimony of Smt. Gauns in this respect. Hence it is to be held that the thumb mark shown against the name of Smt. Gauns in the Register is not conclusively proved to be hers.

23. Smt. Gauns was employed in the company. There were many other daily rated workers working with her. They were (1) Audu Gauns, (2) Yeswant Gauns (3) Balchandar Kelkar and (4) Muka Gauns. In the register Ex. 9/E there are names of contractors workers. Company's worker is only one viz. Smt. Saraswati Gauns. Names of other workers are not shown in the register. Hence some doubt arises about the entry regarding Smt. Saraswati Gauns in the Register for showing date of commencement of service. Smt. Gauns Ex. 4/W states on oath that she was continuously working in Gurmollen Mine for about nine years till 25-10-1972, and that there was no break in her service. As against this sworn testimony there is no counter statement to show that she has not put in nine years service. There can be therefore no doubt from the evidence of Smt. Gauns and the facts on record that she had put in more than one years service in the company at the time of retrenchment. As she has put in more than one years service at the time of retrenchment, the company has to comply with the provisions of Section 25F(a) (b) and (c) of the I.D. Act before retrenching her. In the present case retrenchment notice Ex. 8/E shows that the services of Smt. Gauns will not be required with effect from the date of receipt of the letter. It appears that she has received the letter on 7-12-1972. There is no evidence on record to show that she was given one month's notice pay and compensation as required to be paid under the provisions of the I.D. Act at the time of retrenchment i.e. in this case 7-12-1972.

24. In the letter Ex. 8/E is mentioned as follows:—

"You will be paid two weeks wages in lieu of notice and also compensation of Rs. 105 (Rupees one hundred and five only).

25. This letter nowhere mentions that she should take away one Month's wages and compensation as mentioned in the Act before her services were retrenched. There can be therefore no doubt that in the present case one month's notice pay or compensation as required under the Act was not paid. Hence there was no compliance of Section 25F of the I.D. Act, in the present case. The company has not adduced any evidence to show that notice was served on the appropriate Government as required under the Act. Hence the provisions of Section 25F(o) have not been complied with. As the provisions of Section 25F have not been complied with the retrenchment of Smt. Saraswati Gauns by the company in this case is not valid, legal and justified. Hence my finding on this point is as above.

Point No. ii

26. As the retrenchment of Smt. Saraswati Gauns is not legal and valid she is entitled to reinstatement with continuity of service and back wages.

27. It appears that the company has mentioned in its written statement Ex. 2/E that there is change of ownership of Gurmollen Mine and also Cudnem Mine with effect from 1-1-1974 but the company has not adduced any evidence in this respect. In the absence of evidence it is not possible to hold that there is change of ownership. In short, from the material on record I am satisfied that Smt. Saraswati Gauns is entitled to reinstatement with continuity of service and back wages. Hence my finding on this point is as above.

Point No. iii

28. In view of the above findings I pass the following order.

ORDER

- (i) It is hereby declared that the action of the management of Gurmollen and Cudnem Iron Ore Mines of Messrs Shantilal Khushaldas and Brothers Private Limited, Margao (Goa) was not justified in terminating the services of Smt. Saraswati Gauns, Water Carrier and she is entitled to reinstatement with continuity of service and back wages from the date of termination.

(ii) Award is made accordingly.

(iii) No order as to costs.

N. K. VANI, Presiding Officer
[No. L-29012(32)/73-LR-IV]

Dated 9th July, 1974

G. C. SAKSENA, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1974

क्र० आ० 2038.—यत्. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शांति लाल साहू, वावासीडी का पोल, गोपीपूरा, सूत नमक गगन से गन्नाइ नियाक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी शांति लाल साहू और कुदुम पेनन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की अग्रिम के तीसरे दिन को प्रबुल हुई समझी जायेगी।

[संख्या एम 35019(89)/74-पी०एफ-2]

New Delhi, the 25th July, 1974

S.O. 2038.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sahitya Sangam, Barasidhis Pole, Gopipura, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1973.

[No. S. 35019(89)/74-PF. II]

का० प्रा० 2039—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) को धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करते हुए, इस विषय में आवश्यक जान कर लेने के पश्चात्, मेसर्स कपिल वसंटेज स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लिमिटेड, बटाला रोड, अमृतसर, जिसमें उसकी शाखा, जो 1320-प्रसाद चैम्बर, ओपेरा हाउस राक्सी सिनेमा के निकट, मुम्बई-4 में है, भी सम्मिलित है, नामक स्थापन को 1 अगस्त, 1973 से उक्त परन्तुक के प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या एस-35019(168)/73-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 2039.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of August, 1973 the establishment known as Messrs Kapila Worsted Spinning and Weaving Mills Limited, Batala Road, Amritsar including its branch at 1320 Parshad Chamber, Opera House near Roxy Cinema Bombay-4 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/168(1)/73-PF II(ii)]

का० प्रा० 2040.—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स कपिल वसंटेज स्पिनिंग एण्ड वीविंग मिल्स लिमिटेड, बटाला रोड, अमृतसर, जिसमें उसकी शाखा, जो 1320 प्रसाद चैम्बर, ओपेरा हाउस राक्सी सिनेमा के निकट, मुम्बई में है भी सम्मिलित है नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिनियम, 1973 की अगस्त के प्रथम दिन का प्रवृत्ति हुई समझी जाएगी।

[संख्या . 35019(168)/73-पी०एफ 2(ii)]

S.O. 2040.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kapila Worsted Spinning and Weaving Mills Limited Batala Road, Amritsar, including its branch at 1320 Parshad Chamber, Opera House near Roxy Cinema Bombay-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1973.

[No. S 35019/168/73-PF. II(i)]

का० प्रा० 2041 —यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स मासकाटी नेत्र चिकित्सालय, नवापुरा, सूरत-2 नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिनियम 1973 की मई के इकतीसवें दिन को प्रवृत्ति हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस-35019(82)/74-पी०एफ०-2]

S.O. 2041.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mascati Eye Hospital, Navapura Street, Surat-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May, 1973.

[No S 35019/82/74-PF. II]

का० प्रा० 2042.—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स डेरी आनर्स लीज कॉम्पायरेटिव सोसायटी लिमिटेड की प्रशासनिक, मैडिसन डेरी तथा चिकित्सा यूनिट 81/2, एस०बी० रोड, जोगेपवरी (डब्ल्यू) मुम्बई-60 तथा वेत्रिज यूनिट, मिडार्थ नगर, भोरेगाव (डब्ल्यू) मुम्बई-62 नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य-निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जून के 30वें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एस-35018(15)/74-पी०एफ-2(i)]

S.O. 2042.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Dairy Owners League Co-operative Society Limited in its Administrative, Medicine, Dairy and Chilling Units at 81/2, S. V. Road, Jogeshwari (W), Bombay-60 and to its Weigh Bridge Unit at Siddharth Nagar, Goregaon (W), Bombay-62 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1973.

[No. S. 35018(15)/74-PF. II(i)]

का०प्रा० 2043.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विषय में जांच कर लेने के पश्चात्, मैसर्स डेरी ओनर्स लीग कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड की प्रशासनिक, वैट्रिनरी, डेरी तथा खिलाने यूनित 81/2, एस०वी० रोड, जोगेश्वरी (उत्पू) मुम्बई-60 तथा वेजिब्रिज यूनिट सिद्धार्थ नगर, गोरगांव (उत्पू) मुम्बई-62 नामक स्थापन को 30 जून, 1973 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या एस-35018(15)/74-पी०एफ-2(ii)]

S.O. 2043.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 30th day of June, 1973 the establishment known as Messrs The Dairy Owners League Co-operative Society Limited in its Administrative, Medicine, Dairy and chilling Units at 81/2 S. V. Road, Jogeshwari (W), Bombay-60 and to its Weigh Bridge Unit at Siddharth Nagar, Goregaon (W), Bombay-62 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(15) 74-PF. II(ii)]

का०प्रा० 2044.—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विजय कैमीकल्स, महादेव के निकट, अम्बाडी, मैजपुर बागहा ग्रहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मार्च के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एस०-35019(85)/74-पी०एफ-2]

S.O. 2044.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vijay Chemical, Near Mahadev Ambawadi, Saijpur Bogha, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May, 1973.

[No. S. 35019(85)/74-PF. II]

का०प्रा० 2045.—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सोयमा इंजीनियरिंग कम्पनी, 70, हटकेश सोमायटी, जुहु-विले पार्ले पार्से डेवलपमेंट स्कीम, विले पार्ले वेस्ट, मुम्बई-56 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए, अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के 31वें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एस०-35018(124)/73-पी०एफ-2]

S.O. 2045.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Soshama Engineering Company, 70 Hatkesh Society, Juhu-Vile Parle Deve Scheme, Vile Parle West, Bombay-56 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1972.

[No. S. 35018(124)/73-PF. II]

का०प्रा० 2046.—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स अतंमानी टेक्स्टाइल्स, 45/46, हाशिम एस्टेट, उरना, जिला मुरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की जून के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एम-35019(92)/74-पी०एफ-2]

S.O. 2046.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Alfesani Textiles, Hoshim Estate, Udhana, District Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1973.

[No. S. 35019/92/74-PF. II]

का० प्रा० 2047.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विषय में जांच कर लेने के पश्चात्, मैसर्स दैनिक फाइनेंस एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, जी०टी० रोड, बटाला नामक स्थापन को 1 नवम्बर, 1973 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संख्या एम-35019(77)/74-पी०एफ-2 (ii)]

S.O. 2047.—In exercise of the powers conferred by the first Proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of November, 1973 the establishment as known as Messrs Dainik Finance and Chit Fund Company Private Limited G. T. Road, Batala, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(77)/74-PF. II(ii)]

का० प्रा० 2048.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दैनिक फाइनेंस एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, जी०टी० रोड, बटाला नामक स्थापना से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के नवम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[एम-35019(77)/74-पी०एफ-2(i)]

S.O. 2048.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dainik Finance and Chit Fund Company Private Limited G. T. Road, Batala, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1973.

[No. S. 35019(77)/74-PF. II(i)]

का० प्रा० 2049.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वी०एम० इंजीनियरिंग कम्पनी, 210 जी० वी० एम० सहकारी औद्योगिक बसाहत लिमिटेड, ओडhav, अहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की जून के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[संख्या एम-35019(83)/74-पी०एफ-2]

S.O. 2049.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs V. S. Engineering Company, 210, G. V. M. Sahakari Audyogic Vasahat Limited, Odhav, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1973.

[No. S. 35019(83)/74-PF. II]

का० प्रा० 2050.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जोशी रीस्टोरेन्ट एण्ड फरमन मार्ट, बरनपुरी भागल, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मार्च के दशकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस-35019(91)/74-पी०एफ०-2]

S.O. 2050.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Joshi Restaurant and Forsan Mart, Baranpuri Bhagal, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1973.

[No. S. 35019/91/74-PF. II]

का०प्रा० 2051.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बद्री आईस एण्ड कोल्ड ड्रिंक डिपो, लाल गेट, सूरत नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मार्च के दशकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस-35019(87)/74-पी०एफ०-2]

S.O. 2051.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Badri Ice and Cold Drink Depot, Lal Gate, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1973.

[No. S. 35019/87/74-PF. II]

का०प्रा० 2052.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वासुदेव प्राणजीवनदास, सलाबतपुरा, सूरत नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जून के तीसवें दिन को लागू हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस-35019(80)/74-पी०एफ०-2]

S.O. 2052.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Vasudev Pranjanand, Salabatpura Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1973.

[No. S. 35019/80/74-PF. II]

का०प्रा० 2053.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स क्लच प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं० 111, सेक्टर 6, फरीदाबाद, नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य-निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 की जनवरी के पहले दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस-35019(79)/74-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 2053.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Clutch Auto Private Limited, Plot No. 111, Sector 6, Faridabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January 1974.

[No. S. 35019/79/74-PF. II(i)]

का०प्रा० 2054.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विषय में आवश्यक आँच कर लेने के पश्चात् मैसर्स क्लच प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं० 111, सेक्टर 6, फरीदाबाद नाम स्थापन को 1 जनवरी, 1974 में उक्त परन्तुक के प्रयोजन के लिए विनियमित करती है।

[संख्या एस-35019(79)/74 पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 2054.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of January 1974 the establishment known as Messrs Clutch Auto Private Limited, Plot No. 111, Sector 6, Faridabad, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/79/74-PF. II (ii)]

का०प्रा० 2055—यन . केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स निवोकेम, प्लॉट नं० 120-बी, रोड नं० 9, उद्योग नगर, उधना, जिला सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[संख्या एम-35019(104)/74-पी०एफ०-2]

S.O. 2055.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nivochem, Plot No. 120-B, Road No. 9, Udhyanagar, Udhna District Surat have agreed that the provisions of the Employee's Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1973.

[No. S. 35019/104/74-PF. II]

का०प्रा० 2056—यन : केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डकुनहा पिल्लई एसोसिएटेड प्राइवेट लिमिटेड, एलीमियम मैनसन, वासुटन रोड, मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च, के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[संख्या एम-35018(9)/74-पी०एफ०-2]

S.O. 2056.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs dacunha Pillai Associated Private Limited, Flysium Mansion, Walton Road, Bombay-1 have agreed that the provisions of

Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day March, 1973.

[No. S. 35018(9)/74-PF. II]

का०प्रा० 2057—यन . केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जीलानी टेक्सटाइल्स, 45/46, हशीम इस्टेट, उधना, जिला सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 की जून के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[संख्या एम-35019(98)/74-पी०एफ०-2]

S.O. 2057.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jeelani Textiles, 45/46, Hashim Estate, Udhna, District Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1973.

[No. S. 35019(98)/74-PF. II]

का०प्रा० 2058—यन . केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रकाश प्रिंटिंग प्रेस, कमनगरवाडी, लिमदा चौक, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 की मई के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।

[संख्या एम-35019(86)/74-पी०एफ०-2]

S.O. 2058.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Prakash Printing Press, Kam Nagar Wadi, Limited Chowk, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May, 1973.

[No. S. 35019/86/74-PF.II]

नई दिल्ली, 29 जुलाई, 1974

कां.प्रा. 2059.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फ्रैंकलिन लेबोरेटरीज (इण्डिया) प्राइवेट लिमिटेड, महारानी जंसी रोड, लुधियाना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1971 की अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या एम० 35019(75)/73-पी० एफ०-2]

New Delhi, the 29th July, 1974

S.O. 2059.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Franklin Laboratories (India) Private Limited, Maharani Jhansi Road, Ludhiana have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1971.

[No. S. 35019/75/73-PF.II]

कां.प्रा. 2060.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बाबा ग्लोबल मेन्सफैक्चरिंग कम्पनी, 202, बटारा बेरीयान, फतेहपुरी, दिल्ली-6 जिसमें इसका नागलोई, दिल्ली स्थित कारखाना भी शामिल है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के अप्रैल के पहले दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एम० 35019(132)/74-पी० एफ० 2]

S.O. 2060.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bawa Glue Manufacturing Company, 202, Katra Barian, Fatehpuri, Delhi-6 including its factory at Nangloi, Delhi have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1972.

[No. S. 35019(132)/74-PF. II]

कां.प्रा. 2061.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बाबा टेक्सटाइल्स, 45/46, हृषीम इस्टेट, उधना, जिला सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 की जून के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एम-35019 (103)/74-पी० एफ० 2]

S.O. 2061.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bana Textiles, 45/46, Hashim Estate, Udhna, District Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1973.

[No. S. 35019(103)/74-PF. II]

कां.प्रा. 2062.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फ़ूज़न बेल्डर्स, रोड नं० 1, इन्डस्ट्रियल एस्टेट, उधना, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 की मार्च के दसकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[संख्या एम० 35019(84)/74-पी० एफ० 2]

S.O. 2062.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Fusion Welders Road No 1 Industrial Estate, Udhna Surat have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March 1973

[No S 35019(84)/74-PF II]

का०आ० 2063.—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसम जनरल बाईन्डिंग वर्क्स डोलखाना, सारंगपुर, अहमदाबाद नामक स्थापन में सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिए

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की अप्रैल के तीसरे दिन को प्रकट हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(106)/74 पी० एफ० 2]

S.O. 2063—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs General Binding Works, Dolatkhana, Sarangpur Ahmedabad have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1973

[No S 35019(106)/74-PF II]

का०आ० 2064.—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसम अजय इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड 15/1 आसफ अली रोड नई दिल्ली-1 जिसमें ए-6 इन्डस्ट्रियल एस्टेट मोहाली जिला रायपुर पंजाब में स्थित उसका कारखाना भी सम्मिलित है नामक स्थापन में सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिए

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की जनवरी के पहले दिन को प्रकट हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(133)/74 पी० एफ० 2 (1)]

S.O. 2064.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ajay Electrical Industries Limited, 15/1 Asaf Ali Road New Delhi-1 including its factory situated at A-6 Industrial Estate Mohali District Punjab have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1973

[No S 35019(133)/74-PF II(1)]

का०आ० 2065.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मामले में आदेशों को करने के पश्चात् उक्त परन्तु के प्रयोजनों के लिए मैसम अजय इलेक्ट्रीकल्स इन्डस्ट्रीज लिमिटेड 15/1 आसफ अली रोड नई दिल्ली-1 जिसमें ए-6 इन्डस्ट्रियल एस्टेट मोहाली जिला रायपुर पंजाब में स्थित उसका कारखाना भी सम्मिलित है के नाम में स्थापन को पहली जनवरी 1973 में विनिर्दिष्ट करती है।

[सं० 35019(133)/74 पी० एफ० 2 (1)]

S.O. 2065—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1973, the establishment known as Messrs Ajay Electrical Industries Limited, 15/1, Asaf Ali Road, New Delhi 1 including its factory situated at A-6 Industrial Estate, Mohali, District Punjab for the purposes of the said proviso

[No S 35019(133)/74-PF II(1)]

का०आ० 2066.—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसम उस्मानी टेक्स्टाइल्स 45/46 हाशिम एस्टेट उधना जिला सुरत नामक स्थापन में सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की जून के तीसरे दिन को प्रकट हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(91)/74 पी० एफ० 2]

S.O. 2066.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Usmani Textiles, 45/46, Hashim Estate, Udhna, District Surat have agreed that the provisions of Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now therefore in exercise of the powers conferred by section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June 1973

[No S 35019(94)/74-PF II]

का० प्रा० 2067. —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सन वेल्डिंग वर्क्स, चन्द्रा बाग, ब्लॉक नं० 6, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, रोड नं० 1, पोस्ट ऑफिस उधना नामक स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के इन्तीसवें दिन प्रकाश हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(102)/74-पी० एफ० 2]

S.O. 2067.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sun Welding Works, Chandra Baug, Block No. 6, Industrial Estate, Road No. 1, Post Office, Udhna have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1973.

[No. S. 35019(102)/74-PF. II]

का० प्रा० 2068. —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सीमोसेट इंडस्ट्रीज, एम० जी० रोड, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, उधना, जिला सुरत नामक स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मार्च के इक्कीसवें दिन को प्रकाश हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(90)/74-पी० एफ० 2]

S.O. 2068.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chemoacet Industries, M.G. Road, Industrial Estate, Udhna, District Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1973.

[No. S. 35019(90)/74-PF. II]

का० प्रा० 2069. —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नारायण प्रिंटिंग, देसाई शरी, सग्रामपुरा, सुरत-2 नामक स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अप्रैल के तीसवें दिन को प्रकाश हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(81)/74-पी० एफ० 2]

S.O. 2069.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Narayan Printing, Desai Shri, Sagrampura, Surat-2, have agreed that provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1973.

[No. S. 35019/81/74-PF-II]

का० प्रा० 2070. —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सीस मोनारे, रोड, नं० 1, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, उधना, जिला सुरत नामक स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1973 को प्रकाश हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस० 35019(110)/74-पी० एफ० 2]

S.O. 2070.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sis Monare, Road No. 1, Industrial Estate, Udhna, District Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1973.

[No. S. 35019/110/74-PF. II]

का० प्रा० 2071. —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कला प्रिन्टरी, नगर बाग के सामने, पानी गेट, बड़ीवा नामक स्थापन से सम्बन्धित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल 1973 को प्रबल हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस० 35019(111)/74 पी० एफ० 2]

S.O. 2071.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Kala Printer, Opposite Nazar Baug, Panigate, Baroda have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March 1973.

[No. S. 35019/114/74-PF. II]

क्र० प्रा० 2072.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स रमेश प्रिन्टरी, खडिया चार रास्ता, अहमदाबाद नामक स्थापन ने सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये, अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1973 को प्रबल हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस०-35019(121)/74-पी० एफ०-2]

S.O. 2072.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Ramesh Printery, Khadia Char Rasta, Ahmedabad have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1973.

[No. S. 35019/121/74-PF. II]

क्र० प्रा० 2073 —यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स फौजी इण्डस्ट्रीज, एस० जी० रोड, रोड नं० 10, उद्योग नगर उधना, जिला सूरत नामक स्थापन ने सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, अथ, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की गई है इसकीमिति दिन को प्रबल हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस० 35019(88)/74-पी० एफ०-2]

दलजीत सिंह, उप सचिव

S.O. 2073.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Fauji Industries, M. G. Road, Road No. 10, Udhyanagar, Udhna, District Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May, 1973.

[No. S. 35019/88/74-PF. II]

DALJIT SINGH, Dy. Secy.

पुनर्निर्माण और पुनर्वासि मन्त्रालय

(पुनर्वासि विभाग)

नई दिल्ली, 29, जुलाई, 1974

क्र० प्रा० 2074.—विरहापित व्यक्तियों (प्रतिफल एवं पुनर्वासि) अधिनियम, 1954 (1954 की 44) की धारा 3 की उपधारा (I) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री टी सी० चौधरी, सहायक बन्दोबस्त अधिकारी, पुनर्वासि विभाग को ऐसे विवादास्पद मामलों में सहायक के रूप में, जिसमें सत्यापित दावों का मूल्य बीस हजार रुपये से अधिक न हो, उक्त अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत बन्दोबस्त अधिकारी को सौंपे गए कार्यों को निष्पादित करने के लिए पुनर्वासि विभाग में बन्दोबस्त अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० 15/4/74-विशेष सेल/एस०एस०-4]

दीप्ता नाथ अमीजा, सचिव

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 29th July, 1974

S.O. 2074.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri D. C. Chaudhary, Assistant Settlement Officer, Department of Rehabilitation, as Settlement Officer in the Department of Rehabilitation for the purpose of performing the functions assigned to a Settlement Officer, under Section 9 of the said Act, in respect of any dispute where the value of the verified claim does not exceed twenty thousand rupees.

[No. 15/4/74-Spl. Cell/SS IV]

D. N. ASIJA, Under Secy.

